# हमारा जीवन मृत्यु पर्यन्त

## ( OUR LIFE AFTER DEATH )

**IN HINDI**

**१८ वीं शताब्दी के वैज्ञानिक परख दूरदृष्टा**

**एमानुएल स्वीडन बोर्ग और अन्य महात्माओं के पारलौकिक एवं आध्यात्मिक विषय के क्षेत्र में उनके व्यावहारिक अनुभवों का वर्णन**

**BHARAT - INDIA**

# प्रस्तावना

मैं, मेरे मानसिक : आध्यात्मिक , पारलौकिक व्यावहारिक विद्या पारंगत महान गुरु श्रीमान एमानुएल स्वीडन बोर्ग जी के दिव्य चरणों में सप्रेम और सआदर सहित प्रणाम करता हूँ। गुरुश्री तो गुरु ही होते हैं, चाहे भारत वर्ष के श्री गुरु गोरखनाथ जी महाराज हो या विदेश के स्वीडन बोर्ग जी महाशय हो, सभी गुरुजन वंदनीय हैं। । और जिनकी सूक्ष्म मानसिक प्रेरणा से मुझे आपके इस क्षेत्र में व्यावहारिक और आत्मानुभूति ज्ञान के विषय में कुछ शब्द दोहराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके महत्वपूर्ण विचार ,दर्शन और व्यावहारिक ज्ञान को हिंदी भाषा में, इस पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस पुस्तक में पाए जाने वाली त्रुटियों के लिए मैं आप सभी महानुभावों से क्षमा याचना चाहता हूँ।

इन्होने परलोक , पुनर्जन्म , स्वर्ग-नरक और आध्यात्मिक विद्या के बारे में न हीं केवक शास्त्रीय ज्ञान बल्कि अपना व्यवहारिक सत्य सापेक्ष अनुभव भी प्रस्तुत किया। जैसे की हमारी मृत्यु होने के बाद , इस स्थूल शरीर के त्यागने के पश्चात हमारी

जीवात्मा किन किन लोगों में और किस प्रकार भ्रमण करती है !किन किन परिचितों , मित्रों और बंधू बांधवों से मिलती है ?

हमारी मृत्यु पर्यन्त परलोक , स्वर्ग - नरक आदि लोकों में हमारी जीवात्मा किस प्रकार अपना सुक्ष्म जीवन व्यतीत करती है। किन किन अन्य बंधू बांधव एवं मित्र परिचतों के साथ रहती है , किन किन आयामों से गुज़रती है, क्या खाती है और क्या पीती है , कहाँ रहती है ?

अब आपके हाथ में जो पुस्तक है, वह वास्तव में एक है, जिसके द्वारा स्वीडन बॉर्ग के सबसे प्रसिद्ध और स्थायी रूप से लोकप्रिय स्वीडन बॉर्ग के दृष्टिकोण और उसकी समझ का परिचय,उन्हें केवल बताया नहीं गया बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से दिखाया गया था मरने वाला व्यक्ति शारीरिक रूप से दोनों समय क्या सामना करता है मृत्यु और उसके बाद, और उसे ऐसे अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया अक्सर अपने जीवन काल के अंतिम तीसरे में, की अवधि period लगभग तीन दशक।

इस प्रकार स्वीडन बॉर्ग शायद ही सिर्फ एक अग्रदूत है आज के, मृत्यु जैसा अनुभव = NDEके लिए; वह एक सच्चे द्रष्टा हैं और जैसे, उनके पास पहले से ही था उस क्षेत्र का मानचित्रण किया जिसके साथ एनडीई अनुसंधान ने रूपरेखा तैयार करने का प्रयास किया है अपने तरीके से ।

गुह्य विषयों की सत्यता को श्रीमान स्वेदनबर्ग ने उजागर किया है, जो संपूर्ण व्यावहारिक अनुभव और सत्य सापेक्षता की न्यू पर आधारित एवं पूर्ण रूप से प्रमाणित है । जिसे मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर पुष्टि करता हूँ और उन विचारों का स्वागत करता हूँ । इस पुस्तक में दिया गया केवल कोरा शास्त्रीय

**ज्ञान नहीं है, बल्कि पूर्ण प्रमाणित एवं सत्यानुभवित है, जो ज्ञान चक्षु या दिव्य चक्षु प्रधान है न ही स्थूल चक्षु का विषय I I स्वीडन बॉर्ग की दृष्टि में महान नैतिक शिक्षा है बाद के जीवन की आध्यात्मिक खोज के मार्ग में, मृत्यु के बाद , भविष्य के जीवन के बारे में।**

**प्रिय सूफी कवि कबीर कहते हैं , "जो अभी पाया जाता है वह तब पाया जाता है।" और ' कबीरा जिन मरण से जग डरा , सो मेरे आनंद , कब मरिहों कब भेंटि हूँ , पूरण ब्रह्मानन्द। 'निकट-मृत्यु अनुभव करने वाले दुनिया के साथ शामिल होने के महत्व पर जोर दें,इससे पीछे नहीं हटना; दूसरों की सेवा करने और केवल भुगतान करने के लिए नहीं पारंपरिक धार्मिक पवित्रता; जानने के साथ निश्चित रूप से, कि ईश्वर मौजूद है और मृत्यु के बाद भी जीवन है।**

**फिर भी स्वीडन बॉर्ग यह सब देखने में सक्षम और इससे बहुत आगे, अपने अतुलनीय अनुभवों के माध्यम से आध्यात्मिक क्षेत्र में I और उनकी उल्लेखनीय बुद्धि के कारण और अभिव्यक्ति की शक्तियाँ, उनके लेखन, जैसा कि इस पुस्तक में दिया गया है,ज्ञान और समझ की गहराई है और विशेष उनका आत्माओं की दुनिया का व्यवहारिक अनुभव।**

**भारत अनादि काल से ही ऋषि मुनियों और संत महात्माओं की तपो भूमि रही है। वशिष्ट , पतंजलि , वाल्मीकि , वेदव्यास से लेकर आज के कलियुग प्रधान जगतगुरु शंकराचार्य जी तक के अनेक धुरंधर पंडित, विद्वान और दूरदृष्टाओं का पुण्य क्षेत्र भारत वर्ष रहा। जिन्होंने केवल भारत को ही नहीं , अपितु सारे विश्व के लिए आध्यात्मिक विद्या के क्षेत्र में एक महान राजमार्ग निर्मित किया। ये तो सभी जानते हैं की,भारत वर्ष अनादि काल से सारे विश्व के लिए जगतगुरु की भूमिका निभाते हुए आ रहा है। परन्तु भारत इस क्षेत्र में , यानेके पारलौकिक विद्या के क्षेत्र में**

विशेषकर जीवात्मा और परलोक जीवन के विषय में उतना व्यावहारिक साहित्य उपलब्ध नहीं कर सका विश्व को , क्यों ?

इस का कारण  शायद यही होगा की भारत में इस आध्यात्मिक विद्या को अति महत्त्वपूर्ण माना गया और ऐसी गुह्य विद्याओं को गोपनीय रखने की परंपरा सदा से चलती आ रही है। क्योकि यदि यह गोपनीय विद्या अनाधिकारों और मुर्ख धंबियों के हाथ पड़ जाए तो इस गुह्य विद्या का सर्वनाश हो जायेगा, शायद इस लिए इस आध्यात्मिक विद्या को अति गुह्य रखा गया।

और एक विशेष कारण यह भी हो सकता है की, भारत एक हिन्दू धर्म प्रधान देश है। जिसमें मनुष्य की मृत्यु  के पश्यात , मृतदेह को शमशान में जला दिया जाता हैं, जिससे मृत आत्मा अपने भूतपूर्व मृत देह से किसी भी प्रकार का कोई सूक्ष्म सम्बन्ध स्थापित नहीं कर सकती । जिस कारण मृत आत्मा को अपना सूक्ष्म देह को स्थूल देह प्रधान रूप से पुनर गठित करने के लिए और पृथ्वी पर के किसी व्यक्ति विशेष से , मृत्यु पर्यन्त सूक्ष्म सम्बंध स्थापित करने मैं , कठिनाइओं का सामना करना पड़ता है। जैसे इसाईयाँ और मुस्लिम्स भाइयों में मृत देहात्माओं का तुरंत आवाहन हो जाता है किसी एक मनुष्य माध्यम - medium के द्वारा। और रूहें आदेश पर तत्काल हाज़िर भी हो जाती हैं।ऐसे होते हुए खुद मैंने अपनी आँखों से साक्षात देखा है, व्यावहारिक मृत आत्माओं का आवाहन।

जब की हिन्दू भाइयों की मृत आत्माओं को धरती पर प्रकट होने कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उनके स्वयं के भूतपूर्व शारीरिक स्थूल अवयव पूर्णतया नष्ट हो चुके हैं जब की , ईसाई और मुस्लिम भाइयों के भूत पूर्व शारीरिक अवयव  अब भी , ग्रेवयार्ड में या कब्रिस्तान में उपलब्ध हैं, जिनका वो अवलम्बन कर के सुक्ष रूप में आसानी से  हाज़िर हो जाते हैं।

**और यहाँ ध्यान देने की विशेष बात यह है की , चाहे हिन्दू , मुस्लिम , ईसाई या अन्य किसी धर्म के भाई लोग हो , केवल वही मृत देहात्माओं का आवाहन आसानी से हो सकता है , और वो ही इस धरती पर प्रकट हो सकती है, जो मृत देहात्मा अब भी पृथ्वी बाध्य हो, यानी earthbound spirits , जो अब भी हमारी इस पृथ्वी के परिधि में ही हो ,गुरुत्वाकर्षण केंद्र से सर्वातया अब भी मुक्त नहीं हुई हों। जो आत्माएं पूर्णतया मृत्यु के बाद मुक्त हो चुकी हों , मोक्ष को प्राप्त हो चुकी हैं, उनका कतिपय धरती पर आवाहन नहीं हो सकता। परन्तु , स्वर्ग निवासी पुण्य आत्माएं भी , हम मनुष्यों के कल्याणार्थ , हम से धरती पर किसी मनुष्य विशेष के माध्यम - medium द्वारा प्रकट हो सकते हैं, संपर्क स्थापित कर सकते हैं।**

**परन्तु , भारतीय आध्यात्मिक विद्या का महत्वपूर्ण मुख्य उद्देश्य एकमात्र , भगवत प्राप्ति ,स्वयं आत्मानुभव , और जीवन मुक्ति है। जो परलोक की परिकाष्ठा - सर्वोच्च अजर-अमर परमधाम की प्राप्ति , बैकुंठ लोक आदि शाश्वत लोकों की प्राप्ति है। क्योंकि,चींटी से लेकर ब्रह्मलोक तक के सभी लोक , पुनरावर्ती है, यानि फिर- फिर जन्म-मरण देने वाले है। शायद, इस कारण से भी ऐसी पुनरावर्ती जन्म मरण देने वाले परलोक, स्वर्ग - नरक आदि लोकों में गमन कराने वाली आध्यात्मिक विद्या को उतना महत्व नहीं दिया गया।**

**फिर भी बालक जैसे विद्या का आरम्भ LKG ,UKG आदि प्रार्थमिक कक्षाओं को पार कर degree और Ph.D जैसे उच्चस्तरीय विद्या के क्षेत्र में प्रवेश पाता है , कुछ इसी तरह हमें भी आध्यात्मिक और आत्माओं के विद्या के क्षेत्र में ,मूल रूप से आध्यात्मिक और पारलौकिक ज्ञान प्राप्त करना होगा।**

**जिसके लिए इच्छुक साधक छात्रों को पारलौकिक विज्ञान के क्षेत्र में a , b , c से लेकर z तक क्रमबद्ध पाठ्यक्रम पद्धत्ति से अग्रसर होना पड़ेगा। यानेकी भूत , प्रेत , पिषाच आदि वायुप्रधान योनिओं के जीवों से लेकर सर्वोच्च आकाश प्रधान देवी-देवता के विषय में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर और फिर अंत में परम पिता परमात्मा , आदि परा शक्ति माँजगदंबा , परम आत्मा दर्शन और भगवत प्राप्ति जैसे अंतिम उच्च स्तरीय पड़ाव तक पहुँचने के लिए , सूक्ष्म लोकों की यात्रा दीर्घ एवं कष्ट प्रद यात्रा करनी पड़ेगी। इससे चुकने के लिए कोई अन्यथा नहीं है।**

**यदि बुनियाद पक्की न हो तो इमारत के ढह जाने का सदा भय बना रहता है। इसी प्रकार यदि हमें मूल रूप से जीवात्मा , परलोक और पारलौकिक सृष्टि का ज्ञान न हो तो कैसे हम स्वयं की अपनी जीवात्मा के शाश्वत रहने पर विश्वास कर सकते हैं ? और हम स्वयं यह कैसे विश्वास कर सकते है की , हमारी मृत्यु पर्यन्त , हमारे स्वयं का सूक्ष्म - शरीर , सूक्ष्म लोक की सूक्ष्म यात्रा के लिए सदा तैयार रहता है और यह कैसे विश्वास कर सकते हैं की , मृत्यु के बाद भी हमारा एक नया जीवन होता है !**

**यात्रा तो यात्रा ही होती है। चाहे पृथ्वी पर के सामान्य मनुष्यों के जीवात्माओं के लिए परलोक , स्वर्ग - नरक की हो , या फिर उच्च श्रेणी के साधक मनुष्यों की उच्च लोकों की यात्रा की जैसे, गोलोक , वैकुण्ठ लोक या कैलास लोक इत्यादि शाश्वत लोक हों।**

**सामान्यतः हम मनुष्य की जीवात्माओं को दो २ मुख्य भागों में विभाजित कर सकते हैं;**

**१) माया बद्ध जीवात्माएं :**

ये ऐसी मानव योनि की आत्माएं होती है जो अनंत काल से और अनत जन्मों से माया रुपी जगत जंजाल में फसी पड़ी हैं। जिसका कारण यह है की ये सदा , अनंत जन्मों से एक न एक कामना का आलम्बन कर , एक न एक इच्छा की पूर्ती करने निमित्त , इस पृथ्वी पर जन्म लेती है और फिर एक न एक कामना को मन में धारण कर मृत्यु का अनायास ही आलिंगन कर लेती है। और फिर वही कामना की पूर्ति की लालसा और फिर वह यथावत जन्म-मृत्यु चक्कर , इच्छा और जन्म-मृत्यु का चक्कर।ऐसी आत्माओं का जन्म - मरण चक्कर चलता ही रहता है, जब तक ये आत्माएं माया विमुख होकर , भगवत प्राप्ति लक्ष्य की ओर अग्रसर नहीं होतीं क्योंकि ऐसी आत्माएं माया के त्रिगुणात्मक प्रपंच = सात्विक, राजसिक और तामसिक प्रकृति में और पुत्र, पत्नी और धनसम्पत्ति आदि प्रलोभन में ही फंस कर , अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य ; भगवत प्राप्ति से विमुख हो जाते ।

२) जीवन मुक्त , विदेह मुक्त और परमात्मा प्राप्त उत्कृष्ट जीवात्माएं:

' चाह गयी चिंता मिटी , मनवा बेपरवाह;
जिनको कछू न चाहिए , सो शहंशाहों का शाह। '

यह वह उत्कृष्ट और उन्नत जीवत्माये होती हैं , जिन्होंने अपनी आध्यात्मिक साधना द्वारा जीवन मुक्ति या विदेह मुक्ति जैसी उच्च स्थिति को प्राप्त कर ली हो। अनन्य भक्ति - शरणागति द्वारा ,अपनी भगवत निष्ठा द्वारा जिन भाग्यवानो ने निष्काम भाव या अनिच्छा पद या कामना शून्य जैसी परम स्थिति को प्राप्त कर चुके हों।पुनर जन्म-मृत्यु का एकमात्र मुख्य कारण गुणों का संघ है याने सात्विक राजसिक और तामसिक प्रवर्तियों का संघ , और यह उन महानुभावों को भक्ति की निष्ठा से हुए भगवत अनुकम्पा से सर्वतः छूट जाता है।

**ऐसी जीवन मुक्त और भगवत प्राप्त महान आत्माएं सदा के लिए जन्म - मरण के चक्कर से छूट जाती हैं और फिर कभी भी माया के बंधन में नहीं पड़ती। क्योंकि ऐसी आत्माएं त्रिगुणातीत हो जाती हैं और माया के प्रलोभन सर्वथा मुक्त हो जाती हैं।**

**अस्तु** !

## HON’BLE : YAM DHARMA RAJ :

Hon’ble; THE LORD OF DEATH The Government Of the spirit world ; HON’BLE CHIEF JUSTICE;His majesty- The great court of the spirit world
.
The Director General : LAW AND ORDER -HIS MAJESTY - GOVERNMENT OF THE SPIRIT WORLD
The Director General; Hon'ble Office Of The Births and Deaths

## माननीय : यम धर्मराज :

**माननीय; मृत्यु के देवता; स्पिरिट वर्ल्ड, परलोक सरकार**

**माननीय मुख्य न्यायाधीश, महामहिम- आत्मा जगत का महान दरबार**

**महानिदेशक: कानून और व्यवस्था - महामहिम - आत्मा की दुनिया की सरकार**

**महानिदेशक; जन्म और मृत्यु के माननीय कार्यालय**

**अब थोड़ा सा यमराज जी के बारे में बात करलें। जहाँ तक मेरा अनुभव है यमराज जी के बारे में , वह आजकल के बॉलीवुड , हॉलीवुड या टॉलीवुड आदि निर्मित फिल्मों में दर्शाये गये यमराज जी के व्यक्तित्व से पूर्णतया भिन्न है।**

जैसे पूर्व काल में हमारे दादाजी , परदादाजी  और उनसे भी पूर्वज लोगों की जिस तरह की वेश भूषा हुआ करती थी , क्या आज भी , हम वर्तमान समय के उनके पीढ़ी के पौत्र - पौत्रियां वैसे ही ओल्ड फैशन code अपनाते है ? क्या  आज भी हम हमारे पूर्वजों जैसे पगड़ी , मोर मुकुट धारण करते है ?
हमारा उत्तर होगा - कपितय नहीं।

जैसे पुराने  ज़माने के सेठजी और मुनीम , फर्श पर गद्दियों पर बैठ कर व्यापार  - धंदा करते थे , परन्तु उन्ही के पौत्र आज fully A /C , और fully computerised office  , multistoried posh building में व्यापार-धंदा करते हैं, ठीक उसी प्रकार , आज के श्रीमान यम धर्म राज जी / यमराज जी का भी fully A /C , और fully computerised office विद्यमान है। यह कोई हास्यास्पद बात  नहीं अपितु, वास्तविकता है।

यमराज जी को हमारे शास्त्रों में ' काशी का कोतवाल ' के नाम से सम्बोधित किया गया है। जिसका सरल अर्थ है, जन्मते - मरते प्राणियों के ट्रैफिक कंट्रोलर , याने परलोक में भगवान् के शासन का एक महत्वपूर्ण विभाग - पुलिस ट्रैफिक व होम डिपार्टमेंट , गोवेर्मेंट ऑफ़ दी  स्पिरिट वर्ल्ड।

उपरोक्त अनेक  पदवियों से अधिकृत किये गए यमराज जी की ये पदवियाँ  , वे केवल कपोल कल्पित नहीं है , बल्कि उनके  दैनिक शासन प्रणाली में व्यावहारिक रूप से कटिबद्ध है।  कोई भी व्यक्ति जो स्पिरिट वर्ल्ड से , सूक्ष्म रूप से सम्बंधित हो , इस से परिचित है।

यमराज जी का अस्तित्व जब से सृष्टि उत्पन्न हुई है , तब से सतत है , आज भी है और भविष्य में प्रलयातीत भी रहेगा। जैसे प्राइम मिनिस्टर एक माननीय पोस्ट है न ही कोई व्यक्ति विशेष का नाम। उसी प्रकार , यमराज जी कोई व्यक्ति विशेष का नाम नहीं है , बल्कि एक माननीय पोस्ट है , जिसमें अधिकृत उच्च स्तरीय आत्माओं का 'यमराज' पदवी पर समय समय पर स्थानांतरण हुआ करता है, परम पिता परमात्मा के शासन व्यवस्था अनुसार। जैसे हमारे यहाँ इस पृथ्वी पर किसी राष्ट्र के प्रधान मंत्री द्वारा उस राष्ट्र के मंत्री विशेष की नियुक्ति हुआ करती है। परन्तु , जैसे होम मिनिस्टर home minister पोस्ट सदा बरकरार रहता है पर, व्यक्तिगत रूप से मंत्री महोदय श्रीमान बदल जाया करते है, ठीक इसी प्रकार से।

जैसे हमारे किसी सरकारी कार्यालय में एक पर्सोनेल डिपार्टमेंट होता है जो सारे कर्मचारियों का लेखा - जोका रखते हैं, ठीक उसी प्रकार , गोवेर्मेंट ऑफ़ स्पिरिट वर्ल्ड में भी, आत्माओं की दुंनिया में भी , ब्रह्माण्ड के समस्त जीवात्माओं के जन्म - मरण का ब्यौरा रखने के लिए ब्रह्माण्ड में एक सर्वोच्च डिपार्टमेंट होता है , जो यमलोक या यमपुरी या स्पिरीट वर्ल्ड आदि अनेक नामों से जाना जाता है । और इसके सर्वोच्च अधिकारी - माननीय यम धर्मराज जी हैं और आपके प्रमुख सहायकाधिकारी - माननीय चित्रगुप्त जी हैं।

यह कोई पुस्तकीय ज्ञान या पौराणिक कथा की वार्ता नहीं है बल्कि , मेरा अपना व्यावहारिक और प्रमाणित अनुभव है। यदि आप कहें हम इन बातों को कैसे सच माने ?

तो इसके उत्तर में हम यह कह सकते हैं कि , यदि आप को भी इन बातों का व्यावहारिक अनुभव होना हो तो , आप को भी हमारी तरह और अन्य श्रद्धावान भक्तों की तरह - ध्यान योग और साधना सिद्धि के लिए प्रयत्न करना होगा।

यहाँ हमको निश्चित रूप से पूर्णतया यह जान लेना चाहिए की यमधर्मराज जी अनादि काल से पद आरूढ़ हैं। सतयुग के नरसिंहावतार काल में, त्रेतायुग के रामअवतार काल में , द्वापरयुग के कृष्णावतार काल में और अब भी, आज भी , इस क्षण भीजब में इन पंक्तियों को लिख रहा हूँ , अब भी मौजूद है, श्रीमान यम धर्मराज जी।

कई भक्तगण यम धर्मराज जी को प्रेम से 'बड़े भैय्या ' के नाम से भी सम्बोधित करते है। इस का कारण यह है की , आप सृष्टि के सर्वप्रथम उत्पन्न होने पर , सर्वप्रथम इस धरती पर मनुष्य के रूप में अवतरित हुए थे , आपके साथ आपकी बहन - यमुना जी भी अवतरित हुईं थी। और आप सर्वप्रथम वह मनुष्य है , जिन्होंने इस पृथ्वी पर से , इस मृत्यु लोक से , सर्वप्रथम मृत्यु को प्राप्त हुए थे। इस नाते से यमराज जी हम सभी मनुष्य रुपी जीवात्मा प्राणियों के - 'बड़े भैय्या ' कहलाते है।( क्रिस्चियन भाई जिन्हे - 'adam and eve ', आदम और ईव' के नाम से जानते है।) और जिस कारण इन्हे मृत्यु का देवता (लार्ड ऑफ़ डेथ) बना दिया गया।

कुछ गोपनीय विषय होते हैं , जिन्हें प्रकाशित नहीं करना चाहिए , ऐसा गुरुजन महात्मा लोग कहते है। परन्तु आवश्यक सन्दर्भ उपस्थित होने पर , लोक कल्याणार्थ प्रकाशित कर सकते है , ऐसा भी प्रावधान है , इस लिए इस विषय में कुछ शब्द मेरे आदरणीय धर्मराज , यमधर्मराज , यमराज बड़े भैय्या के बारे में कहना चाहता हूँ। यदि यह मेरी धृष्ठता हो तो पाठकगण , महानुभाव , गुरुजनऔर महात्माजन आदि मुझे क्षमा करें।

जैसा की मैंने कहा है,मेरे व्यक्तिगत अनुभवानुसार , यमराज जी एक महान दिव्या लोक , परलोक उच्चाधिकारी है। इन्हे लार्ड ऑफ़ डेथ यानि, मृत्युदेवता वाले पद से अधिकृत किया गया है। यमराज जी को रामावतार में प्रभु रामजी द्वारा और कृष्णावतार में भगवान् कृष्णजी द्वारा विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। ब्रह्माण्ड के अनेक पृथ्वी लोकों से प्रतिक्षण अनंत आत्माओं का आवागमन होता रहता है, इसलिए यमराज जी समस्त देवतागणों में अत्यधिव्यस्थ रहते हैं। यदि मैं और यदि आप पाठक गण भी, व्यक्तिगत रूप से, निर्भय हो कर यमराज भैय्या को help , किसी तरीके की सहायत करना चाहें तो आप यमराज जी सहायत अवश्य कर सकते हैं। उसके एवज में यमराज जी आप को अत्यधिक प्यार करेंगे , अन्य देवताओं से भी अधिक और आपको मृत्यु भय से वंचित कर देंगे , आप try करके देखिये , फिर आप भी अपने आप को कितने आनंदित पाओगे , ये मेरा व्यावहारिक अनुभव है।

"जाकी भई भावना जैसी , प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। "

यमराज जी पापियों को भयंकर महाकाल के रूप में दीखते है और पुण्यात्माओं को सौम्य , सुन्दर और करुणामय रूप में दीखते हैं। यह कहते हुए मुझे अति आनंद और गर्व हो रहा है की धर्म भैया (यमराज जी) मुझे २४ x ७ सदा सर्वदा मेरे साथ सूक्ष्म रूप से , एक मित्र की तरह ,एक sincere officer की तरह , एक आध्यात्मिक परामर्श दाता की तरह मेरे साथ रहते है, उनका विशेष वाहन dog , एक काला कुत्ता है।यमराज जी का प्रतिनिधित्व सामान्यतः एक काला कुत्ता करता है , जिसे मैंने अक्सर आप के साथ देखा है। हमारे शास्त्र कहते है की, कुत्ता वेद या ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए भी यमराज जी ज्ञान प्रधान उच्च स्तरीय देवता हैं।

यम धर्मराज , काल भैरव , रूद्र भैरव , पशुपतिनाथ , काशी  का कोतवाल,मुरुगन स्वामी , मल्लिकार्जुन स्वामी , सुब्रमण्यम स्वामी , भूतनाथ  और कार्तिकेय स्वामी इत्यादि , आपके ही (यमराज जी के ) सामान्यतया पर्यायवाची विविध नाम है।

मैंने आज तक यमराज जी को  (२५ वर्षों की अवधि में)कभी किसी कारणवश किसी पर सामान्यतः , क्रोध करते हुए कभी नहीं देखा। हां , अवश्य जब साधना काल में , साधक की परीक्षा लेते समय वे अति भयंकर और विकराल  रूप धारण करलेते हैं। ऐसी परीक्षा लेते है की अच्छे अच्छों के होश उड़ जाते हैं  और यदि साधक सावधान और ईमानदार न हो तो उसकी मृत्यु तक भी हो जा सकती है।

यमराज जी से यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है की, आप महान ज्ञानी और दानी हैं। आप का हृदय अति उदार और करुणामयी है। आप सदा अपने भक्तों को धन, सम्पति , घर , आदि सांसारिक वस्तुएं देने के लिए तत्पर रहते हैं, और यह सब भक्त के बिना मांगे ही भक्तों को दे डालते है। इसका और एक कारण यह भी है के , कठोपनिषद के नचिकेता भाई की तरह , अपने भक्त गणों बहला - फुसला कर , इन सांसारिक वस्तुओं को दे कर  पिंड छुड़ा लेना चाहते हैं, ताकि भक्त लोग इनसे नचिकेता की तरह , जन्म- मृत्यु जैसी गुह्य ब्रह्मा विद्या का ज्ञान न पूछें। क्योंकि , ब्रह्मविद्या जैसे गुह्य ज्ञान के तुलना में , सांसारिक वस्तुएं  अति सुलभ हैं।  और फिर माया तो साक्षात् आपकी बहन ही है ,
जिसको संतुष्ट  करना आपका धर्म है। इसलिए भी आप सामान्य भक्तों को मायिक वस्तुएं मुफ्त में ही दे डालते हैं।

इसलिए आप कभी यमराज जी से सांसारिक वस्तुएं कभी न मांगना , वोह तो वे आपको अनायास ही, बिन मांगे ही दे डालेंगे।  सर्वोत्तम तो यह है की यमराज जी से कभी कुछ मांगना ही नहीं चाहिये , यदि मांगना ही हो तो आशीर्वाद मांगना।

**यमराज जी सामान्यतया सफ़ेद पोषक में होते है , हाथ में एक ऑफिसियल डायरी लिए हुए और आप के साथ कई और comando यमदूत काली पोषक में होते है. एक विशेष बात यह है की आप परम पिता परमात्मा के उच्चतम कार्यालय में बे रोक-टोक तत्काल प्रवेश करजाते हैं, क्योंकि उनका पोस्ट , पद ही ऐसा emergency type , आपदजनक है, इसलिए। क्योंकि , आज कल उग्रवादियों और देश द्रोहियों के समाज विनाशक तत्त्व नित्य नए हतखंडे अपनाये जा रहे हैं, और इस लिए भी सभी राष्ट्रों के माननीय यमराजों के रातों की नींद (peace of mind ) हराम हो गयी है। विशेष कर ऐसे विनाश कालीन आपात काल में , परम पिता परमात्मा से बात-चित कर के यह निर्णय लेना पड़ता है की, किन -किन उग्रवादियों के और , किन-किन बड़ी स्वाभाविक सृष्टि आपदाओं (sunami , earthquak , natural calamity etc ) से सम्बंधित मनुष्यों को मृत्यु पत्र जारी करें , या उन उन भविष्य में होनी वाली प्राणघाती आपदाओं को न होने दें , दुर्घटनाएं होने से पहले ही रोक दें ,विफल कर दें !**

**इसलिए हम सभी को यह ज्ञात रहे की सृष्टि में जो कुछ अच्छी - बुरी , या अन्य दुर्घटनाएं , या covid -19 जैसे कोरोना वायरस महामारी कार्यान्वित हो रही हैं .**
**यह सब यमराज जी के और परम पिता परमात्मा के सृष्टि कार्यक्रम /global plan के अनुसार हो रही हैं, अगर आप कहें की भगवान् तो प्राणी मात्र सब का कल्याण चाहते हैं, फिर ये क्यों मनुष्य के मृत्यु का तांडव हो रहा है ?**

**इसका उत्तर यह हो सकता है की , परम पिता परमात्मा को सृष्टि क्रम का संतुलन balance of nature बनाये रखना पड़ता है , इसलिए उपरोक्त प्रकार की घटनाएं और आपदाएं अनिवार्य हैं । पृकृति के हर एक घटनाएं , आपदाएं परमात्मा के निरिक्षण में , पूर्व निश्चित एवं पूर्व निर्धारीत पद्धति के अनुसार क्रियान्वित होती**

रहती है। इसलिए हम कभी ऐसे न सोंचे - काश! ऐसा होता या काश! ऐस न होता। इसलिए भक्त जनों ने कहा है की

' राम भरोसे होइ के , चादर तान के सोय ,

अविनाशी का पुत्र जो, मरे न मारा जाय। '

यमराज जी को प्रत्येक जीव के प्रत्येक क्षण में एक एक किये गए शुभ - अशुभ कर्मों का न्यायानुचित फल देने की व्यवस्था करनी पड़ती है। याने के पृथ्वी लोकों से आये हुए प्रत्येक जीव की स्वर्ग या नरक आदि लोकों में, उनके किये गए कर्मानुसार भिजवाने की व्यवस्था करनी पड़ती है।

यहाँ एक विशेष बात में यह बता देना चाहता हूँ की , जिन मनुष्यों की जीवात्मा सदा भगवत नाम स्मरण करती रहती है, जो जीवात्माएं पुण्य कर्म प्रधान हैं, जो मनुष्य भगवान् के शरणागत हो चुके हैं , जो ब्रह्म ज्ञानी हों, ऐसे पुण्यात्माओं के निकट भी , यमराज जी की पुलिस फोर्स , यमदूत गणों को कभी भी न जाने के ऑर्डर्स , चेतावनी दी गयी है।

ऐसे भगवत प्रेमी गण , ऐसे ज्ञानी लोग , ऐसे भगवान् शरणागत भक्त गणों को मृत्यु के बाद ले जाने यमदूत नहीं आया करते बल्कि , उन्हें ले जाने भगवत पार्षद देवदूत आया करते हैं। यदि और भी आसानी से समझाने कहें तो ,

१) भगवत भक्त गण जो निष्काम कर्म , निष्काम भक्ति , ज्ञानी गण और पुण्यात्माओं को flight या हवाईजहाज़ द्वारा , नॉन स्टॉप उच्च शाश्वत गोलोक या वैकुण्ठलोक आदि में , देवदूतों , पार्षदों द्वारा लेजाया जाता है। ये पार्षद गण दो या दो से अधिक भी हो सकते है। ये बहुत ही सूंदर और सभ्य उच्च स्तरीय दिव्यात्माएं हुआ करती है, किसी फ्लाइट के एयरहोस्टेस की तरह या किसी फाइव स्टार hotel

के बैरों की तरह, अति सौम्य । इसमें यमराज जी का किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ करता और न ही ऐसी आत्माओं को यमलोक के मार्ग द्वारा जाना पड़ता । ऐसे पुण्यात्माओं की bipass फ्लाइट होती है, डायरेक्ट फ्लाइट । ये पार्षद अधिकारी सीधे उच्च दिव्या लोकों के उच्च अधिकाररियों के अधीन होते हैं, न ही यमराज जी के ।

परन्तु पृथ्वी पर के मनुष्यों की इन उच्च स्तरीय आत्माओं का मृत्यु आदेश भी ऑफिस ऑफ़ यम धर्मराज जी के द्वारा ही जारी / निर्देशित किया जाता है। जैसे की आप को ज्ञात होगा, रामावतार के अंत में , स्वयं श्रीमान यम धर्मराज जी , हाथ जोड़े विनीत भाव से भगवान् श्री राम चद्रजी महाराज के समुख प्रस्तुत हुए। और प्रभु को उनके पृथ्वी लोक त्यागने के समय हो जाने से अवगत कराया।

२) सामान्य अच्छे लोग , जो सकाम भाव से दान धर्म आदि पुण्य कर्म करते हैं , अन्य देवी - देवताओं को विविध प्रकार की लौकिक कामनाओं की पूर्ति के लिए पूजा करते हैं , पति, पत्नी और पुत्र में आसक्त हैं , परन्तु अन्य जीवों को कष्ट नहीं देते , स्वार्थ परायण है, इच्छा पूर्ति प्रधान जीवन का लक्ष्य है , पाप की मात्रा कम होती है और पुण्य की मात्रा अधिक होती है।

ऐसी जीवात्माएं ,मानो किसी एक्सप्रेस ट्रैन के फर्स्ट क्लास first class compartment द्वार यात्रा करके spirit world याने यमपुरी पहुँचते हैं , जहाँ स्टेशन उतरने पर प्रिय जन उनका स्वागत करते हैं और यमपुरी तक उनका साथ देते हैं। फिर यमराज जी उनके शुभ -अशुभ कर्मों पर विचार कर , उनके उचित स्वर्ग लोकों में जाने की व्यवस्था करते है। उन्हें पृथ्वी पर से ले जाने दो यमदूत ही आते हैं ,पर वे सौम्य और हमारे यहाँ की सिक्योरिटी पुलिस गार्ड्स की तरह gentleman होते है।

**इन जीवात्माओं की स्वर्ग लोक में एक निर्धारित निश्चित अवधि के पूर्ण हो जाने पर , फिर से इन्हे पृथ्वी लोक में, इनके संचित कर्म अनुसार उचित योनियों में भेज दिया जाता है।**

**३) बुरी और अपराधी प्रवृत्ति के नीच आत्माएं :**

**इस प्रकार की आत्माओं में साधारणया , हत्यारे , पापाचारी , घोर अपराधी , आतताई , व्यभिचारी , वेश्या प्रवर्ति , उग्र बलात्कारी , चोर , डाकू और ठग आदि पाए जाते हैं।**

**इस प्रकार की आत्माएं अत्यन हीन स्वभाव की होती हैं। मृत्यु के समय ऐसी दुष्ट और अपराधी प्रवर्ति की हीन आत्माओं को अपना शरीर छोडते समय अत्यधि कष्ट और पीड़ा का अनुभव होता है। क्योकि ये आत्माएं अपने जीवित काल में जन साधारण को पीड़ा और कष्ट दिया था। ऐसी दुष्ट प्रवर्ति की आत्माओं को यमपुरी लेजाने के लिए अत्यंत क्रूर , लातों से बात करने वाले , दो यमदूत आते है। जो रूप रंग से अति भयंकर नज़र आते है। अपने साथ विविध प्रकार के अस्त्र शस्त्र , जैसे पुलिस वाले मुल्ज़िम को कैद करने अपने साथ हत्कडी , डंडा और रस्सी आदि ले आते है, कुछ उसी प्रकार।**

**ये ऐसे ही यमपुरी की यात्रा करते है जैसे , किसी पैसेंजर ट्रैन 3rd . के unreserved compartment में, वह भी , toilet के समीप लोगों के पैरों से खूंदले हुए कीचड़ पानी आदि गलाज़त के बीच खड़े या बैठे हुए यमपुरी की यात्रा , अति कष्दायक , भूके और प्यासे , ज़ंजीरों में बंधे हुए जाना। यमपुरी पहुँचने पर इन्हे कई दिनों तक , यमपुरी**

के मुख्य न्यायालय के गेट पर , तपती हुई कड़क धुप में , फिर शिमला के बर्फीली चट्टानों के बीचकी तरह , कट कटाती दांत पीसते ठण्ड में , अनेक रातों तक , भूखे प्यासे रहते हुए , यमराज जी के न्यायालय में , अपनी पेशी के सुनवाई का इंटेस्ज़ार करना पड़ता है।

सुनवाई होती है और इन दुष्ट पापी जीवात्माओं को यथाविधि उन उन के नरक मंडलों में भेज दिया जाता है , एक नियत की गयी समय अवधि के अनुसार . और उस नरक में यातना भोगने के बाद , समय पूर्ण होने बाद उन आत्माओं को फिर पृथ्वी पर कीट ,पतंग और जानवर आदि नीच भोग योनियों में भेज दिया जाता है।

इस प्रकार की अनेक ज्ञानवर्धक बातों का इस पुस्तक में यथा स्थान वर्णन किया गया है। मुझे आप पाठक गण से ये अनुरोध है की , जो जो भी लाभ जनक बातें आपको उचित लगे उनको हृदयंगम करें और अपने व्यावहारिक जीवन में क्रियान्वित करने का प्रयत्न करें. मानव जीवन अति दुर्लभ है और ईश्वर की असीम अनुकम्पा से प्राप्त होता है। इस अमूल्य मानव जीवन के क्षीण होते हुए समय का सदुपयोग करें और अपना अमूल्य मानव जीवन को सार्थक करलें।

**'हमारा जीवन मृत्यु पर्यन्त** ' पुस्तक जो आपके हाथ में है , उसमें चार शब्दार्थों का सामंजस्य है। 'हमारा जीवन' , के अंतर्गत सृष्टि के सभी मानव जाति के मनुष्य गण आ जाते हैं, और 'मृत्यु पर्यन्त' शब्द , हमारे उस जीवन से सम्बंधित है जो सूक्ष्म रूपीय त्रिभूतिय प्रधान है।

जैसे के हम सभी को मालूम है , हमारी यह मानव देह पंच भौतिक है ;

१. पृथ्वी

**२. जल**

**३. तेज**

**४. वायु**

**५. आकाश**

**हमारी मृत्यु हो जाने के पश्चात पृथ्वी और जल , ये दो मुख्य भूत तत्त्व छूट जाते है, इसका ये मतलब नहीं के सर्वथा नष्ट हो जाते है, नहीं- बल्कि गौण रूप से (minimise or neutralised ) हो जाते है। बाकी शेष रह जाते हैं , तेज, वायु और आकाश, इन तीन तत्वों की प्रधानता होती है , मृत्यु पर्यन्त सूक्ष्म शरीर में और पारलौकिक जीवन में ।**

**सरल शब्दों में कहा जाय तो ,**

**मनुष्य जीवन = पांच तत्वों का बना हुआ**
**जीवात्मा जीवन या सूक्ष्म जीवन (मृत्यु पर्यन्त जीवन ) = तीन तत्वों का बना हुआ**

**मृत्यु पर्यन्त प्राप्त होने वाले सूक्ष्म शरीर को अतिवाहिक शरीर या वायु शरीर भी कहा गया है। इसलिए मृत आत्माओं को वायु में उड़ने या तैरने के अनुभव हुआ करते हैं , शरीर त्यागने के पच्यात, हमारे स्थूल शरीर में पृथ्वी और जल जैसे ठोस तत्वों की प्रधानता के कारण ही घनत्व है।**

**' ईश्वर अंश जीव अविनाशी,चेतन अमल सहज सुख राशी '**

**तुलसीदास जी कहते हैं, हम ईश्वर अंश हैं , सनातन हैं , अनंत काल से हमारा अस्तित्व है , क्योंकि हम सदा से ईश्वर के अंश हैं। जैसे ईश्वर अमल , मैल रहित और**

सूख के भंडार हैं , हम भी उन्ही के अंश मात्र होने से  ईश्वर / भगवान की तरह आनंदमयी हैं।

हमारा वास्तविक स्वरूप आनंद स्वरूप ही था , स्वयं  - रूप था और हम भगवान के सानिध्य में ही थे , परन्तु अनादि काल में जब हम याने के 'स्वयं  - पृथ्वी से आकृष्ट होकर , भगवान की ही अपारशक्ति - 'माया ' के आधीन को गए,  विशिष्ट सुख की चाह में प्रविष्ट हो गये। तब से हमारा स्वयं भगवत अंश स्वरूप , स्वयं जैसी उत्कृष्ट भगवत स्थिति को त्याग दिया, स्वयं - अहम् जैसी नित्कृष्ट हीन स्थिति को प्राप्त कर - माया बद्ध  जीव कहलाने लगा।

हम भगवान् के महान आनंद सागर क त्याग कर , हीन सूख कामना के अधीन हो गए।  भगवान् के महान वैभव पूर्ण दिव्यलोक को छोड़ कर , ठगनी माया के लुभावने चक्कर में पढ़कर तुच्छ नाशवान संसार के वशीभूत हो गए ।

इसका एकमात्र कारण  यही  है की  हम भगवान के दिव्यानंद का परित्याग करके कामना और  इच्छा के वशीभूत होकर माया संसार के भौतिक सुख की बुरी संगत मेंपड़  गए।

मानव देह मनुष्य को कई जन्मों के सुकृतों से और विशेष कर भगवान के अनुकम्पा से प्राप्त होता है।  हमें इस अमूल्य प्राप्त हुई मानव देह का सदुपयोग करना चाहिए। और जो लोग यह जानने के इच्छुक हैं की , मृत्यु के बाद हमारा भावी जीवन कैसा होगा ? हमको फिर इस तुच्छ संसार में नहीं आना है और भगवान के अमरलोक, सनातन लोक  उत्कृष्ट लोक में शाश्वत रहना है , फिर इस मृत्यु लोक में कभी हमारा पुनर्जन्म न हो ; ऐसी महान आकांक्षा वाले पुण्यात्माओं के लिए यह पुस्तक एक उत्तम मार्गदर्शिका होगी , ऐसा मेरा विचार है।

**जो बीत गया सो समय तो फिरसे कभी वापस न आएगा। इसलिए अब जो उपलब्ध समय बचा हुआ है , उसका सदुपयोग करें और हम सभी लोग भगवत ध्यान भजन नाम स्मरण आदि में लगा दे।जिससे हमें फिर इस दुःखालय रुपी माया प्रधान संसार में पुनर्जन्म न लेना पड़े और परमानन्द , प्रेमानंद जैसे सनातन अजर- अमर जीवन , शाश्वत अविनाशी लोकों में निर्विघ्न , निश्चिंतता से आनंद पूर्वक व्यतीत करें।**

**भगवान् सभी का कल्याण करें।**

**संपादक**

**जगह: हैदराबाद-भारत**

**16 जून 2021 को।**

# परिचय

# INTRODUCTION

**इमानुएल स्वीडनबॉर्ग (१६८८-१७७२) का जन्म इमानुएल स्वेडबर्ग के रूप में हुआ था(या स्वेडबर्ग) स्टॉकहोम, स्वीडन में, २९ जनवरी १६८८ को (जूलियन पंचांग)। वह**

जेस्पर स्वेडबर्ग के नौ बच्चों में से तीसरे थे(१६५३-१७३५) और सारा बेहम (१६६६-१६९६)। आठ साल की उम्र में उसने अपनी माँ को खो दिया। अपने इकलौते बड़े भाई दस . की मृत्यु के बाद कुछ दिनों बाद, वह सबसे बड़ा जीवित पुत्र बन गया। 1697 में उनके पिता सारा बर्गिया (1666-1720) से शादी की, जिन्होंने बहुत स्नेह विकसित किया एमानुएल के लिए और उसे एक महत्वपूर्ण विरासत छोड़ दिया। उनके पिता, एलूथरन पादरी, बाद में एक प्रसिद्ध और विवादास्पद बन गए बिशप, जिनके सूबा में सिल्वेनिया में स्वीडिश चर्च शामिल थे और लंदन, इंग्लैंड में।

उप्साला विश्वविद्यालय (१६९९-१७०९) में अध्ययन के बाद,इमानुएल ने इंग्लैंड, हॉलैंड, फ्रांस और जर्मनी की यात्रा की(१७१०-१७१५) पश्चिमी देशों के प्रमुख वैज्ञानिकों के साथ अध्ययन और काम करना यूरोप। अपनी वापसी पर उन्होंने एक इंजीनियर के रूप में प्रशिक्षुता प्राप्त की शानदार स्वीडिश आविष्कारक क्रिस्टोफर पोलहेम (1661-1751)।

उसने स्वीडन के राजा चार्ल्स बारहवीं (१६८२-१७१८) का पक्ष लिया, जिन्होंनेउन्हें स्वीडन के खनन के पर्यवेक्षक के रूप में एक वेतन भोगी पद दिया गया उद्योग (1716-1747)। हालांकि उनकी सगाई हुई थी, उन्होंने कभी नहीं विवाहित।

चार्ल्स बारहवीं की मृत्यु के बाद, इमानुएल द्वारा प्रतिष्ठित किया गया था रानी उल्रिका एलोनोरा (१६८८-१७४१), और उनका अंतिम नाम था स्वीडन बोर्ग (या स्वेडेनबोर्ग) में बदल दिया गया। स्थिति में यह परिवर्तन उन्हें स्वीडिश हाउस ऑफ नोबल्स में एक सीट दी, जहां उन्होंने स्वीडिश सरकार में सक्रिय भागीदार बने रहे उनके पूरे जीवन में।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के सदस्य, हैं वैज्ञानिक अध्ययन और दार्शनिक चिंतन के लिए खुद को समर्पित कर दिया जिसकी परिणति कई प्रकाशनों में हुई, विशेष रूप से खनिज विज्ञान पर एक व्यापक तीन-खंड का काम (१७३४) कि उन्हें एक वैज्ञानिक और दार्शनिक के रूप में पूरे यूरोप में पहचान दिलाई।

१७३४ के बाद उन्होंने अपने शोध और प्रकाशन कोपर पुनर्निर्देशित किया आत्मा और के बीच इंटरफेस की तलाश में शरीर रचना विज्ञान का अध्ययन शरीर, शरीर विज्ञान में कई महत्वपूर्ण खोज कर रहा है।1743 से 1745 तक उन्होंने एक संक्रमणकालीन चरण में प्रवेश किया जिसके परिणामस्वरूप विज्ञान और दर्शन से धर्मशास्त्र पर अपना मुख्य ध्यान केंद्रित करने के लिए।

अपने पूरे जीवन में उन्होंने इस बदलाव को बनाए रखा यीशु मसीह द्वारा लाया गया था, जो उसे दिखाई दिया, जिसे कहा जाता है उसे एक नए मिशन के लिए, और अपनी धारणा को एक स्थायी के लिए खोल दिया इस जीवन और मृत्यु के बाद के जीवन की दोहरी चेतना।उन्होंने अपने जीवन के अंतिम दशकों को पवित्र शास्त्र का अध्ययन करने के लिए समर्पित कर दिया और अठारह धार्मिक शीर्षक प्रकाशित करना जो इस पर आधारित है बाइबिल, तर्क, और अपने स्वयं के आध्यात्मिक अनुभव। ये कार्य
पर अद्वितीय दृष्टिकोण के साथ एक ईसाई धर्मशास्त्र प्रस्तुत करें ईश्वर की प्रकृति, आध्यात्मिक दुनिया, बाइबल, मानव मन,और मोक्ष का मार्ग।

स्वीडनबॉर्ग का लंदन में 29 मार्च, 1772 को निधन हो गया, तब वे ८४ वर्ष की उम्र के थे।

# आत्माओं की दुनिया क्या है

## पिछले जीवन में प्रतिगमन (past life  regression )

### जीवित मनुष्य का ट्रांस स्थिति में पूर्व जन्मों की अनुभूति एवं परलोक और आत्माओं की दुनिया में  भ्रमण :

इससे पहले की हमारी मृत्यु होने के बाद हमारी देहात्मा का क्या होता है ? वह किन किन लोकों का भ्रमण करती है , उसकी मृत्यु पर्यन्त स्थिति कैसी होती इत्यादि विषयों के बारे में चर्चा करें , पहले हमें यह भी जान लेना अति आवश्यक है की , अब हमारे वर्तमान जीवन के पहले , याने की इस शरीर में जन्म लेने के पहले हमारे कई

**अनंत जन्म हो चुके हैं , अनंत विभिन्न योनियों में। उन जन्मो के विषय में थोड़ा सा ज्ञान प्राप्त करलें।**

**हमारे पूर्व जन्मों के होने का वर्णन करते हुए भगवान् श्री कृष्ण भग्वद गीता में , अर्जुन से कहते है की, -' हे पार्थ ! तुम्हारे और मेरे इससे पहले अनंत जन्म हो चुके हैं, परन्तु उन जन्मों की स्मृति तुम्हें नहीं है , वे पूर्व जन्म तुम्हे याद नहीं , पर मुझे याद हैं। '**

**....... इसलिए सर्वप्रथम हम शुरुआत करते है , हमारे पूर्व काल में हुए जन्मों की - जिस अन्वेषण उपचारिक ज्ञान का नाम है; past life regression = पिछले जीवन में प्रतिगमन है । इस प्रकार की जाँच प्रतिक्रिया सामान्यतया , psycho doctors , मनोवैज्ञानिक चिकित्सकों से की जाती है।**

***

**आप मौत से डरते हैं? क्या आपको आश्चर्य है कि आपके मृत्यु के बाद आपके साथ क्या होने वाला है ? क्या यह संभव है कि आपके पास एक आत्मा है जो कहीं और से आई है और वापस जाएगी वहाँ तुम्हारे शरीर के मरने के बाद, या यह सिर्फ इच्छाधारी सोच है क्योंकि तुम डरते हो?**

**यह एक विरोधाभास है कि पृथ्वी के सभी प्राणियों में से अकेले मनुष्य को ही इसका दमन करना चाहिए सामान्य जीवन जीने के लिए मौत का डर। फिर भी हमारी जैविक वृत्ति हमें कभी अनुमति नहीं देते हमारे अस्तित्व के लिए इस परम खतरे को भूल जाओ। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, मौत का भूत बढ़ता जाता हैहमारी चेतना में। धार्मिक लोगों को भी डर है कि मृत्यु व्यक्तित्व का अंत है। हमारी मृत्यु का सबसे बड़ा भय**

मृत्यु की शून्यता के बारे में विचार लाता है जो परिवार और दोस्तों के साथ सभी संबंध समाप्त करें। मरने से हमारे सारे सांसारिक लक्ष्य प्रतीत होते हैं व्यर्थ।

यदि मृत्यु हमारे बारे में सब कुछ का अंत होती, तो जीवन वास्तव में अर्थहीन होता।हालांकि, हमारे भीतर कुछ शक्ति मनुष्य को एक परलोक की कल्पना करने में सक्षम बनाती है एक उच्च शक्ति और यहां तक कि एक शाश्वत आत्मा के साथ संबंध महसूस करें। अगर हम वास्तव में आत्मा है, तो मृत्यु के बाद वह कहाँ जाती है? क्या वाकई कोई स्वर्ग है हमारे भौतिक ब्रह्मांड के बाहर बुद्धिमान आत्माओं से भरा हुआ है? यह किस तरह का दिखता है? हम वहां पहुंचने पर क्या- क्या करते हैं? क्या इस स्वर्ग का प्रभारी कोई सर्वोच्च प्राणी है?ये प्रश्न मानव जाति जितने ही पुराने हैं और अभी भी अधिकांश लोगों के लिए एक रहस्य बने हुए हैं।

मृत्यु के बाद जीवन के रहस्य का सही उत्तर एक आध्यात्मिक विद्या के पीछे बंद रहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने अपनी आत्मा के बारे में भूलने की बीमारी बना ली है, जो सचेत स्तर पर, आत्मा और मानव के विलय में सहायता करता है दिमाग। पिछले कुछ वर्षों में आम जनता ने ऐसे लोगों के बारे में सुना है जो अस्थायी रूप से मर गया और फिर एक लंबी सुरंग देखने के बारे में बताने के लिए जीवन में वापस आया, उज्ज्वल रोशनी, और यहां तक कि मित्र आत्माओं के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ भी।

मामले के इतिहास जो स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जब पृथ्वी पर हमारा जीवन समाप्त हो जाता है तो हमारे साथ क्या होता है ऊपर परलोक या आत्माओं की दुनिया में। आपको आध्यात्मिक सुरंग से परे ले जाया जाएगा और आत्मा की दुनिया में ही प्रवेश किया जाएगा यह जानने के लिए कि किसी अन्य जीवन में पृथ्वी पर लौटने से पहले आत्माओं के लिए क्या होता है।

अपने अभ्यास के शुरुआती दिनों में, मैंने लोगों के पिछले जीवन के अनुरोधों का विरोध किया क्योंकि पारंपरिक चिकित्सा की ओर मेरा उन्मुखीकरण। जबकि मैंने सम्मोहन और आयु-प्रतिगमन का उपयोग किया था परेशान करने वाली यादों की उत्पत्ति का निर्धारण करने की तकनीकें और बचपन का आघात, मुझे लगा कि पूर्व जीवन तक पहुँचने का कोई भी प्रयास अपरंपरागत था और गैर-नैदानिक। पुनर्जन्म और तत्वमीमांसा में मेरी रुचि केवल बौद्धिक थी। हमारे पूर्व जीवन के शरीर और घटनाएँ और हम आज कौन हैं।तब मैं भारी अनुपात की खोज के लिए लड़खड़ा गया। मैंने पाया कि यह संभव था

एस. (व्यक्ति विषय): हे भगवान! मैं सचमुच मरा नहीं हूँ-क्या मैं? मेरा मतलब है, मेरा शरीर मर चुका है-लेकिन मैं तैर रहा हूं... मैं नीचे देख सकता हूं और देख सकता हूं कि मेरा शरीर सपाट पड़ा हुआ है अस्पताल का बिस्तर। मेरे आस पास हर कोई सोचता है कि मैं मर चुका हूं, लेकिन मैं नहीं हूं। मैं चिल्लाना चाहता हूँ,अरे, मैं सचमुच मरा नहीं हूँ! यह बहुत अविश्वसनीय है ... नर्सें एक चादर खींच रही हैं मेरा सिर... जिन लोगों को मैं जानता हूं वे रो रहे हैं। मुझे मर जाना चाहिए था, लेकिन मैं अभी भी जीवित हूँ! यह स्थिति अजीब है, क्योंकि जब मैं इसके चारों ओर घूम रहा हूं तो मेरा शरीर बिल्कुल मर चुका है ऊपर। मैं जिंदा हूं!

गहरे सम्मोहन में एक आदमी द्वारा बोले गए ये शब्द हैं, एक मौत के घटना  दृश्य को फिर से जीवित करने का अनुभव। उनके शब्द संक्षेप में आते हैं, उत्साहित फूट पड़ते हैं और विस्मय से भरे होते हैं, जैसा कि वे देखते हैं और महसूस करता है कि यह एक भौतिक शरीर से अलग हुई आत्मा होना कैसा है।

यह आदमी मेरा मुवक्किल है और मैंने पिछले जन्म की मृत्यु के दृश्य को फिर से बनाने में उसकी सहायता की है जबकि वह एक आरामदायक झुकनेवाला कुर्सी पर

वापस लेट गया। उनके ट्रान्स इंडक्शन के दौरान निर्देश, इस विषय को एक वापसी में उम्र-प्रतिगामी किया गया था बचपन की यादों को। उनकी अवचेतन धारणाएं धीरे-धीरे हमारे साथ जुड़ गईं अपनी माँ के गर्भ तक पहुँचने के लिए एक साथ काम किया।

फिर मैंने उसे के दृश्य उपयोग द्वारा समय की धुंध में वापस कूदने के लिए तैयार किया सुरक्षात्मक परिरक्षण। जब हमने मानसिक कंडीशनिंग के इस महत्वपूर्ण चरण को पूरा किया,मैंने अपने विषय को एक काल्पनिक समय सुरंग के माध्यम से पृथ्वी पर उनके अंतिम जीवन तक पहुँचाया। उनका जीवन छोटा था क्योंकि 1918 की इन्फ्लूएंजा महामारी से उनकी अचानक मृत्यु हो गई थी।

अपने आप को मरते हुए देखने और अपनी आत्मा को अपने शरीर से बाहर तैरते हुए महसूस करने के शुरुआती झटके में थोड़ा खराब होना शुरू हो जाता है, मेरा मुवक्किल अपने में दृश्य छवियों को अधिक आसानी से समायोजित करता है मन। चूंकि चेतन का एक छोटा सा हिस्सा, उसके दिमाग का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थिर है काम करते हुए, उसे पता चलता है कि वह एक पूर्व अनुभव को फिर से बना रहा है। इसमें थोड़ा अधिक समय लगता है सामान्य से अधिक क्योंकि यह विषय एक छोटी आत्मा है और जन्म के चक्रों के लिए अभ्यस्त नहीं है,मृत्यु, और पुनर्जन्म जैसा कि मेरे कई अन्य ग्राहक हैं।

फिर भी, कुछ ही क्षणों में वह बस जाता है और अधिक से अधिक प्रतिक्रिया देना शुरू कर देता है मेरे सवालों पर । मैं जल्दी से इस विषय के अवचेतन कृत्रिम निद्रावस्था का स्तर बढ़ाता हूं अचेतन अवस्था में। अब वह मुझसे आत्मिक दुनिया के बारे में बात करने के लिए तैयार है,और मैं पूछता हूं कि उसे क्या हो रहा है।

**S: अच्छा … मैं ऊपर उठ रहा हूँ … अभी भी तैर रहा हूँ … अपने शरीर को पीछे मुड़कर देख रहा हूँ। यह पसंद है एक फिल्म देख रहा हूँ, केवल मैं उसमें हूँ! डॉक्टर मेरी पत्नी और बेटी को दिलासा दे रहे हैं।मेरी पत्नी रो रही है (विषय अपनी कुर्सी में बेचैनी के साथ लड़खड़ाता है)। मैं पहुंचने की कोशिश कर रहा हूँ उसके दिमाग में… उसे बताना मेरे साथ सब ठीक है। वह बहुत दूर है दुःख मैं नहीं हो रहा हूँ। मैं चाहता हूं कि उसे पता चले कि मेरी पीड़ा दूर हो गई है … मैं मुक्त हूं मेरा शरीर … मुझे अब इसकी आवश्यकता नहीं है … कि मैं उसका इंतजार करूँ मैं चाहता हूं कि उसे पता चले कि… लेकिन वह… मेरी बात नहीं सुन रही है। ओह, मैं हूँ अब दूर जा रहे हैं…**

**और इसलिए, आदेशों की एक श्रृंखला द्वारा निर्देशित, मेरा मुवक्किल आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू करता है आगे आत्मा की दुनिया में। यह एक सड़क है जिसकी सुरक्षा में कई अन्य लोगों ने यात्रा की है मेरे कार्यालय। आमतौर पर, जैसे-जैसे अचेतन अवस्था में यादें बढ़ती हैं, विषयों में सम्मोहन आध्यात्मिक मार्ग से अधिक जुड़ जाता है। जैसे ही सत्र चलता है आगे, विषय के मानसिक चित्र अधिक आसानी से शब्दों में अनुवादित होते हैं। कम वर्णनात्मक वाक्यांशों से विस्तृत व्याख्या मिलती है कि आत्मा में प्रवेश करना कैसा होता है?**
**हमारे पास बहुत सारे दस्तावेज हैं, जिनमें चिकित्सा के अवलोकन भी शामिल हैं कर्मियों, जो लोगों के शरीर के निकट-मृत्यु के अनुभवों का वर्णन करता है हादसों में गंभीर रूप से घायल। इन लोगों को पहले चिकित्सकीय रूप से मृत माना जाता था चिकित्सा प्रयासों ने उन्हें दूसरी तरफ से वापस ला दिया। आत्माएं काफी सक्षम हैं अपने मेजबान निकायों को छोड़ना और वापस लौटना, विशेष रूप से जीवन के लिए खतरनाक स्थितियों में जब शरीर मर रहा है'। लोग अपने शरीर पर मँडराने की बात कहते हैं, खासकर अस्पताल, डॉक्टरों को उन पर जीवन रक्षक प्रक्रियाओं को करते देख रहे हैं। समय में ये जीवन में लौटने के बाद यादें फीकी पड़ जाती हैं।**

सम्मोहन के प्रारंभिक चरणों में पिछले जन्मों में प्रतिगमन, विषयों का विवरण मानसिक रूप से अपनी पिछली मौतों से गुजरना रिपोर्ट किए गए बयानों का खंडन नहीं करता है उन लोगों की जो वास्तव में इस जीवन में कुछ मिनटों के लिए मर गए हैं। अंतर लोगों के इन दो समूहों के बीच यह है कि सम्मोहन में विषयों को याद नहीं है अस्थायी मृत्यु के उनके अनुभव।

गहरी ट्रान्स अवस्था में लोग सक्षम हैं यह वर्णन करते हुए कि स्थायी शारीरिक मृत्यु के बाद जीवन कैसा होता है। उनके बारे में रिपोर्ट करने वाले लोगों के बीच जीवन के बाद की यादों की समानताएं क्या हैं?

एक अस्थायी शारीरिक आघात और एक विषय के परिणामस्वरूप शरीर के बाहर का अनुभव पिछले जन्म में मृत्यु को याद करते हुए सम्मोहन? दोनों खुद को अपने के इर्द गिर्द तैरते हुए पाते हैं एक अजीब तरीके से शरीर, ठोस वस्तुओं को छूने की कोशिश कर रहा है जो सामने अभौतिक हैं उन्हें। दोनों तरह के पत्रकारों का कहना है कि वे बात करने के अपने प्रयासों में निराश हैं जीवित लोग जो प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। दोनों ही कहते हैं कि वे दूर खींचने वाली अनुभूति महसूस करते हैं वह स्थान जहाँ वे मरे और भय के बजाय विश्राम और जिज्ञासा का अनुभव किया।

ये सभी लोग अपने चारों ओर स्वतंत्रता और चमक की एक उत्साहपूर्ण भावना की रिपोर्ट करते हैं। मेरे कुछ विषयों को इस समय पूरी तरह से अपने चारों ओर शानदार सफेदी दिखाई दे रही है मृत्यु की , जबकि अन्य देखते हैं कि चमक गहरे रंग के क्षेत्र से बहुत दूर है अंतरिक्ष जिसके माध्यम से उन्हें खींचा जा रहा है। इसे अक्सर सुरंग के रूप में जाना जाता है प्रभाव, और जनता के साथ अच्छी तरह से जाना जाता है।

मेरा दूसरा मामला हमें केस 1 की तुलना में मृत्यु के अनुभव में और आगे ले जाएगा विषय यहाँ साठ के दशक में एक व्यक्ति है जो मुझे अपनी मृत्यु की घटनाओं का वर्णन करता है एक सैली नामक युवती, जिसे किओवा इंडियंस ने एक हमले में मार डाला था 1866 में वैगन ट्रेन। हालांकि यह मामला और आखिरी मौत के अनुभवों से संबंधित है उनके सबसे तत्काल पिछले जन्मों के बाद, इतिहास में एक विशेष मृत्यु तिथि का कोई नहीं है विशेष प्रासंगिकता क्योंकि यह हाल ही में है। मुझे बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला ग्राफिक स्पिरिट वर्ल्ड रिकॉल, या गुणवत्ता के संदर्भ में प्राचीन और आधुनिक समय का।

मुझे यह भी कहना चाहिए कि समाधि में औसत विषय में शून्य करने की अदभुत क्षमता होती है कई पिछले जन्मों की तिथियां और भौगोलिक स्थान। यह पहले भी सच है मानव सभ्यता की अवधि, जब राष्ट्रीय सीमाएँ और स्थान के नाम थे आज से अलग है। पूर्व नाम, दिनांक और स्थान हमेशा नहीं हो सकते हैं। हर पिछले जीवन में आसानी से याद किया जाता है, लेकिन आत्मा की दुनिया में लौटने के बारे में विवरण और उस दुनिया में जीवन लगातार ज्वलंत है।

केस 2 का दृश्य अमेरिकी दक्षिणी मैदानों पर एक तीर के ठीक बाद खुलता है सैली की गर्दन में करीब से मारा। मैं हमेशा सावधान रहता हूं पिछले जन्मों में हिंसक आघात से जुड़े मौत के दृश्य क्योंकि अवचेतन मन अक्सर इन अनुभवों को बरकरार रखता है। इस मामले में विषय मेरे पास आया क्योंकि उसे थी जीवन भर गले की परेशानी। रिलीज थेरेपी और डीप्रोग्रामिंग आमतौर पर होती है इन मामलों में आवश्यक है। पिछले जीवन में याद करते हुए, मैं मौत के आसपास के समय का उपयोग शांत करने के लिए करता हूं दर्द और भावनाओं को नरम करने के लिए विषय की समीक्षा करें और पर्यवेक्षक की स्थिति में रखें।

**केस 2**

**डॉ. एन: क्या आपको तीर लगने से बहुत दर्द में हैं?**
**एस: हाँ ...तीर ने मेरा गला फाड़ दिया है ... मैं मर रही हूँ (विषय फुसफुसाते हुए शुरू होता है गले पर हाथ रखकर)। मैं घुट रही हूं...खून बह रहा है ... विल (पति) मुझे पकड़**

**रहा है ... दर्द ... भयानक ... मैं हूँ अब बाहर निकल रही हूँ ... वैसे भी, यह खत्म हो गया है।**

**नोट: आत्माएं अक्सर वास्तविक मृत्यु से पहले अपने मानव मेजबानों को छोड़ देती हैं जब उनका शरीर बहुत दर्द में हैं। उन्हें कौन दोष दे सकता है? फिर भी, वे पास रहते हैं मरने वाला शरीर के । शांत करने की तकनीक के बाद, मैं इस विषय को अवचेतन से उठाती हूँ आध्यात्मिक स्मृतियों में संक्रमण के लिए अतिचेतन स्तर तक।**

**डॉ. एन: ठीक है, सैली, आपने इन भारतीयों द्वारा मारे जाने की बात स्वीकार कर ली है। आप क्या कृपया मुझे बताएं कि मृत्यु के समय आप क्या महसूस करते हैं?**
**S: जैसे ... कोई बल ... किसी तरह का ... मुझे मेरे शरीर से बाहर धकेल रहा है।**
**डॉ एन: आपको धक्का दे रहा है? बाहर कहां?**
**S: मैं अपने सिर के ऊपर से बाहर निकल रही हूँ ।**
**डॉ एन: और क्या धक्का दिया गया था?**
**एस: अच्छा-मुझे!**
**डॉ एन: वर्णन करें कि "मैं" का क्या अर्थ है। आप जिस चीज की तरह दिखते हैं वह क्या है आपके शरीर के सिर से बाहर?**

**एसः (विराम) जैसे ... प्रकाश का एक बिंदु ... विकिरण ...**

**डॉ एनः आप प्रकाश का कैसे विकीर्ण करते हैं?**

**S: से... मेरी ऊर्जा। मैं अपनी आत्मा की तरह पारदर्शी सफेद दिखती हूं ...**

**डॉ. एनः और क्या यह ऊर्जा प्रकाश आपके शरीर को छोड़ने के बाद भी वही रहती है?**

**एसः (विराम) जैसे-जैसे मैं घूमती  हूं, मुझे लगता है कि मैं थोड़ा बढ़ रही हूं।**

**डॉ. एनः यदि आपका प्रकाश फैलता है, तो अब आप कैसे दिखती हैं?**

**S: A... ... हैंगिंग...**

**डॉ एनः और आपके शरीर से बाहर निकलने की प्रक्रिया वास्तव में कैसा महसूस करती हैं  आप?**

**S: ठीक है, यह ऐसा है जैसे मैंने अपनी त्वचा को बहा दिया ... एक केले को छीलकर। मैं सिर्फ एक में अपना शरीर खो देती हूं झूमना!**

**डॉ एनः क्या यह महसूस करना अप्रिय है?**

**एसः अरे नहीं! बिना किसी दर्द के इतना मुक्त महसूस करना अद्भुत है, लेकिन ... मैं... भटकी हुई हूं ... मुझे मरने की उम्मीद नहीं थी ... (उदासी मेरे मुवक्किल की आवाज में रेंग रही है और मैं उसे चाहता हूं जो हो रहा है उसके बजाय एक मिनट के लिए उसकी आत्मा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उसके शरीर के साथ जमीन)**

**डॉ एनः मैं समझता हूँ, सैली। आप इस समय थोड़ा विस्थापन महसूस कर रही  हैं जैसे की एक अन्त: मन। आपकी स्थिति में यह सामान्य है कि आपने अभी-अभी क्या किया है। बात सुनो और मेरे सवालों का जवाब दो। तुमने कहा था कि तुम तैर रही थीं । क्या आप चल सकती  हैं मृत्यु के ठीक बाद स्वतंत्र रूप से?**

एस: यह अजीब है ... ऐसा लगता है जैसे मैं हवा में निलंबित हूं जो हवा नहीं है ... कोई सीमा नहीं है ...कोई गुरुत्वाकर्षण नहीं... मैं भारहीन हूँ।

डॉ एन: आपका मतलब है कि यह आपके लिए एक निर्वात में होने जैसा है?
S: हाँ... मेरे आस-पास कुछ भी ठोस द्रव्यमान नहीं है। टकराने में कोई बाधा नहीं है...मैं बह रही  हूँ
डॉ. एन: क्या आप अपनी गतिविधियों को नियंत्रित कर सकती हैं - आप कहाँ जा रही  हैं?
एस: हाँ ... मैं उसमें से कुछ कर सकती  हूँ ... लेकिन वहाँ है ... एक खींच ... एक चमकदार सफेदी में ...यह बहुत उज्ज्वल है!

डॉ. एन: क्या सफेदी की तीव्रता हर जगह समान होती है?
S: उज्जवल ... मुझसे दूर ... यह थोड़ा गहरा सफेद ... ग्रे ... की दिशा में है
मेरा शरीर ... (रोना शुरू होता है) ओह, मेरे गरीब शरीर ... मैं अभी तक जाने के लिए तैयार नहीं हूं। (विषय)
अपनी कुर्सी पर पीछे खींचता है जैसे कि वह किसी चीज का विरोध कर रहा हो)
डॉ एन: सब ठीक है, सैली, मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं चाहता हूं कि आप आराम करें और मुझे बताएं कि क्या बल मृत्यु के क्षण में जो आपको आपके सिर से बाहर ले गया, वह अभी भी आपको दूर खींच रहा है, और अगर आप इसे रोक सकते हैं।
स: (विराम) जब मैं अपने शरीर से मुक्त हुई तो खिंचाव कम हुआ। अब, मुझे एक धक्का लग रहा है ...मुझे अपने शरीर से दूर खींच रहा है ... मैं अभी जाना नहीं चाहती ... लेकिन, कुछ चाहता है मुझे जल्दी जाना है...

डॉ एन: मैं समझता हूं, सैली, लेकिन मुझे संदेह है कि आप सीख रहे हैं कि आपके पास कुछ तत्व हैं

**नियंत्रण। आप इस चीज़ का वर्णन कैसे करेंगे जो आपको खींच रही है?**
**एस: ए … तरह का चुंबकीय … बल … लेकिन … मैं थोड़ी देर और रहना चाहता हूं …डॉ. एन: क्या आपकी आत्मा इस खिंचाव की अनुभूति का जब तक चाहें तब तक विरोध कर सकती है?**

**एस: (एक लंबा विराम है जब विषय एक आंतरिक पर ले जा रहा प्रतीत होता है सैली के रूप में अपने पूर्व जीवन में खुद के साथ बहस) हाँ, मैं कर सकती हूँ, अगर मैं वास्तव में रहना चाहती हूँ।**
**(विषय रोने लगता है) ओह, यह भयानक है कि उन जंगली लोगों ने मेरे शरीर के साथ क्या किया। यहां है मेरी सुंदर नीली पोशाक पर खून … मेरे पति विल मुझे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं और अभी भी किओवा के खिलाफ हमारे दोस्त लड़ रहे हैं।**
**नोट: मैं इस विषय के चारों ओर एक सुरक्षा कवच की इमेजरी को सुदृढ़ करता हूं, जो कि ऐसा है शांत प्रक्रियाओं की नींव के रूप में महत्वपूर्ण। सैली की आत्मा अभी भी मँडरा रही है उसके शरीर के बाद मैं इस दृश्य को समय पर आगे बढ़ाता हूं जब भारतीयों को खदेड़ दिया जाता है वैगन ट्रेन राइफल्स द्वारा।**

**डॉ. एन: सैली, आपके पति हमले के ठीक बाद क्या कर रहे हैं?**
**एस: ओह, अच्छा … उसे चोट नहीं लगी है … लेकिन … (दुख के साथ) वह मेरे शरीर को पकड़ रहा है … रो रहा है**
**मेरे ऊपर … वह मेरे लिए कुछ नहीं कर सकता है, लेकिन उसे अभी तक इसका एहसास नहीं है। मैं ठंडी हो चुकी हूँ, लेकिन उसके हाथ मेरे चेहरे के आसपास कांप रहे हैं … मुझे चुंबन।**
**डॉ एन: और इस समय आप क्या कर रहे हैं?**

**S: मैं विल के सिर पर हूँ। मैं उसे सांत्वना देने की कोशिश कर रही हूं। मैं चाहता हूं कि उसे लगे कि मेरा प्यार नहीं है सच में चला गया … मैं चाहता हूं कि उसे पता चले कि उसने मुझे हमेशा के लिए नहीं खोया है और मैं उसे देख रही हूँ**

**फिर वह ।**

**डॉ एनः क्या आपके संदेश मिल रहे हैं?**

**एसः बहुत दुख है, लेकिन वह … मेरे सार को महसूस करता है … मुझे पता है। हमारे दोस्त हैं उसके चारों ओर … और वे अंततः हमें अलग कर देते हैं … वे वैगनों में सुधार करना चाहते हैं और फिर से शुरू करो।**

**डॉ. एनः और अब आपकी आत्मा के साथ क्या हो रहा है?**

**S: मैं अभी भी खींच सनसनी का विरोध कर रही हूँ… मैं रहना चाहती हूँ।**

**डॉ एनः ऐसा क्यों है?**

**S: ठीक है, मुझे पता है कि मैं मर चुकी हूँ … लेकिन मैं अभी जाने के लिए तैयार नहीं हूँ और मैं देखना चाहती हूँ, . . वे मुझे दफनाते हैं।**

**डॉ. एनः क्या आप इस समय अपने आस-पास किसी अन्य आध्यात्मिक इकाई को देखते या महसूस करते हैं?**

**एसः (विराम) वे पास हैं … जल्द ही मैं उन्हें देखूंगी … मैं उनके प्यार को महसूस करुँगी जैसा मैं चाहती हूं मुझे महसूस करो … वे तब तक इंतजार कर रहे हैं जब तक मैं तैयार नहीं हो जाती।**

**डॉ. एनः जैसे-जैसे समय बीतता है, क्या आप विल को आराम दे पाती हैं?**

**S: मैं उसके दिमाग के अंदर पहुंचने की कोशिश कर रही हूँ।**

**डॉ. एनः और क्या आप सफल हुईं ?**

**S: (विराम) मैं ... थोड़ा सोंचती हूं ... वह मुझे महसूस करता है ... उसे एहसास होता है ... प्यार ...**

**डॉ एन: ठीक है, सैली, अब हम सापेक्ष समय में फिर से आगे बढ़ने जा रहे हैं। क्या आप अपने वैगन ट्रेन के दोस्तों को अपने शरीर को किसी तरह की कब्र में रखते हुए देखते हैं?**

**एस: (आवाज अधिक आश्वस्त है) हां, उन्होंने मुझे दफन कर दिया है। मेरे जाने का समय हो गया है... वे अब मेरे लिए आ रहे हैं... मैं आगे बढ़ रही हूँ... एक तेज रोशनी में कुछ लोगों के विश्वास के विपरीत, आत्माओं को अक्सर किस चीज़ में बहुत कम दिलचस्पी होती है एक बार जब वे शारीरिक रूप से मर जाते हैं तो उनके शरीर के साथ होता है। यह अधिक लापरवाही नहीं है व्यक्तिगत परिस्थितियाँ और वे लोग जिन्हें वे पृथ्वी पर छोड़ जाते हैं, लेकिन एक**

**नश्वर मृत्यु की अंतिमता के लिए इन आत्माओं की प्राप्ति। उनकी इच्छा है आत्मा की दुनिया की संुदरता के लिए अपने रास्ते पर जल्दी करो।**

**हालाँकि, कई अन्य आत्माएँ उस स्थान के चारों ओर मंडराना चाहती हैं जहाँ उनकी मृत्यु हुई थी कुछ पृथ्वी दिवस, आमतौर पर उनके अंतिम संस्कार के बाद तक। समय स्पष्ट रूप से तेज है पृथ्वी पर आत्माएं और दिन उनके लिए केवल मिनट हो सकते हैं। की एक किस्म है सुस्त आत्मा के लिए प्रेरणा।**

**उदाहरण के लिए,कोई व्यक्ति जिसकी दुर्घटना में अप्रत्याशित रूप से हत्या या मृत्यु हो गई हो, अक्सर करता है तुरंत नहीं छोड़ना चाहता। मुझे लगता है कि ये आत्माएं अक्सर हतप्रभ या क्रोधित होती हैं।होवरिंग सोल सिंड्रोम विशेष रूप से युवा लोगों के साथ होने वाली मौतों का सच है।लंबी बीमारी के बाद भी अचानक मानव रूप से अलग हो जाना, अभी भी एक झटका है औसत आत्मा और यह भी आत्मा को इस समय प्रस्थान करने के लिए अनिच्छुक बना सकता है मौत। सामान्य तीन से पांच**

**दिवसीय अंतिम संस्कार के बारे में भी कुछ प्रतीकात्मक है आत्माओं के लिए व्यवस्था अवधि। आत्माओं में वास्तव में देखने की कोई रुग्ण जिज्ञासा नहीं है खुद को दफन कर दिया क्योंकि आत्मा की दुनिया में भावनाएं हमारे जैसी नहीं हैं। फिर भी, मुझे लगता है कि आत्मा संस्थाएं उन्हें दिए गए सम्मान की सराहना करती हैं जीवित रिश्तेदारों और दोस्तों द्वारा उनके भौतिक जीवन की स्मृति।**

**जैसा कि हमने पिछले मामले में देखा, कई आत्माओं के न चाहने का एक मूल कारण है अपनी शारीरिक मृत्यु के स्थान को तुरंत छोड़ दें। यह इच्छा से आता है मानसिक रूप से आत्मा में आगे बढ़ने से पहले प्रियजनों को आराम देने के लिए पहुंचें। जो अभी-अभी मरे हैं, वे अपनी मृत्यु के बारे में तबाह नहीं होते, क्योंकि वे जान गए की जो लोग पृथ्वी पर बचे हैं वे उन्हें फिर से आत्मा की दुनिया में देखेंगे और शायद बाद में अन्य जीवन में भी। दूसरी ओर, अंतिम संस्कार में शोक मनाने वालों को आमतौर पर लगता है कि वे किसी प्रियजन को हमेशा के लिए खो दिया है।**

**सम्मोहन के दौरान, मेरे विषयों को प्रभावी ढंग से उपयोग करने में असमर्थ होने पर निराशा याद आती है मानसिक रूप से एक ऐसे इंसान को छूने की उनकी ऊर्जा जो सदमे के कारण ग्रहणशील नहीं है और दुः ख। जीवन का भावनात्मक आघात उनके आंतरिक मन को इस तरह से अभिभूत कर सकता है इस हद तक कि आत्माओं के साथ संवाद करने की उनकी मानसिक क्षमता बाधित हो जाती है। कब एक नई दिवंगत आत्मा जीवितों को सांत्वना देने का एक तरीका खोजती है-हालाँकि वे थोड़े समय के लिए हैं आमतौर पर संतुष्ट होते हैं और फिर जल्दी से पृथ्वी से दूर जाना चाहते हैं परलोक की ओर ,सूक्ष्म -लोक में।**

**मेरे अपने जीवन में आध्यात्मिक सांत्वना का एक विशिष्ट उदाहरण था। मेरी मां मर गई अचानक दिल का दौरा पड़ने से। उसकी अंत्येष्टि सेवा के दौरान, मैं और मेरी**

बहन इतने ही थे दुख से भर गया हमारा मन समारोह में सुन्न हो गया। कुछ घंटे बाद हम अपने पति  और पत्नी के साथ मेरी माँ के खाली घर में लौट आये  और आराम करने की आवश्यकता महसूस की।

मेरी बहन और मैं लगभग उसी समय ग्रहणशील अल्फा अवस्था में पहुँच गए होंगे समय। दो अलग-अलग कमरों में आकर मेरी माँ हमारे अवचेतन मन से आई दिमाग हमारे सिर के ऊपर सफेदी रंग में एक सपने की तरह । बाहर पहुंचना, वह मुस्कान, उसे मृत्यु और वर्तमान कल्याण की स्वीकृति का संकेत देती है। फिर वह तैर गई दूर। केवल कुछ सेकंड तक चलने वाला, यह अधिनियम बंद करने का एक सार्थक रूप था, जिसके कारण दोनों हम में से डेल्टा राज्य की एक अच्छी नींद में जाने के लिए।

हम खोए हुए प्रियजनों की आत्माओं की आरामदायक उपस्थिति को महसूस करने में सक्षम हैं,विशेष रूप से अंतिम संस्कार के दौरान या उसके ठीक बाद। आने वाले आध्यात्मिक संचार के लिए शोक के सदमे के माध्यम से अपने दिमाग को आराम और साफ करने का प्रयास करना आवश्यक है, कम से कम छोटी अवधि के लिए। इन क्षणों में एक अपसामान्य के प्रति हमारी ग्रहणशीलता प्रेम, क्षमा के सकारात्मक संचार प्राप्त करने के लिए अनुभव अधिक खुला है,आशा, प्रोत्साहन और आपके प्रियजन का आश्वासन अच्छी जगह पर है।

जब छोटे बच्चों वाली एक विधवा मुझसे कहती है, "मेरे पति का एक हिस्सा मेरे पास आता है"कठिन समय के दौरान," मुझे उस पर विश्वास है। मेरे मुवक्किल मुझे आत्मा के रूप में बताते हैं कि वे सक्षम हैं पृथ्वी पर रहने वालों को उनके आंतरिक दिमाग को आत्मिक दुनिया से जोड़ने में मदद करें जैसा कि यह बुद्धिमानी से कहा गया है, लोग

वास्तव में तब तक नहीं जाते जब तक उन्हें याद किया जाता है जो उन्हें छोड़ देते हैं धरती पर।

आगे के अध्यायों में हम देखेंगे कि किस प्रकार विशिष्ट स्मृति किसका प्रतिबिम्ब है हमारी अपनी आत्मा, जबकि सामूहिक यादें सभी आत्माओं के लिए शुद्ध ऊर्जा के परमाणु हैं।

मृत्यु उन लोगों की अमर आत्मा के साथ हमारी निरंतरता को नहीं तोड़ती जिन्हें हम सरलता से प्यार करते हैं क्योंकि उन्होंने नश्वर शरीर का भौतिक व्यक्तित्व खो दिया है। उनके बहुतों के बावजूद गतिविधियाँ, ये दिवंगत आत्माएँ अभी भी हम तक पहुँचने में सक्षम हैं यदि आह्वान किया जाए।

कभी-कभी, एक अशांत आत्मा भौतिक होने के बाद पृथ्वी को छोड़ना नहीं चाहती मौत के बाद भी । यह कुछ अनसुलझी समस्या के कारण है जिसका उस पर गंभीर प्रभाव पड़ा है चेतना। इन असामान्य मामलों में, उच्च, देखभाल करने वाली संस्थाओं से सहायता उपलब्ध है जो दूसरी तरफ से समायोजन प्रक्रिया में सहायता कर सकता है। हमारे पास भी है इसका अर्थ है अशांत आत्माओं को पृथ्वी पर जाने देने में सहायता करना।

मुझे और कहना होगा अध्याय चार में परेशान आत्माओं के बारे में, लेकिन किताबों में चित्रित भूतों की पहेली और फिल्मों को बहुत ज्यादा उछाला गया है।हमें अपनी मौत के लिए सबसे अच्छी तैयारी कैसे करनी चाहिए? हमारा जीवन छोटा या लंबा हो सकता है,स्वस्थ हो या बीमार, लेकिन एक समय आता है जब हम सभी को एक तरह से मौत से मिलना होता है हमारे लिए अनुकूल। यदि हमें कोई लंबी बीमारी हो

गई है जिससे मृत्यु हो जाती है, तो समय है एक बार शुरुआती झटके, इनकार और अवसाद के बीत जाने के बाद दिमाग को पर्याप्त रूप से तैयार करें।

जब हम मृत्यु का सामना करते हैं तो इस तरह की प्रगति के माध्यम से मन एक छोटा रास्ता अपनाता है अचानक से। जैसे-जैसे हमारे भौतिक जीवन का अंत निकट आता है, हममें से प्रत्येक के पास करने की क्षमता होती है हमारी उच्च चेतना के साथ विलय। मरना हमारे जीवन का सबसे आसान समय है आध्यात्मिक जागरूकता, जब हम महसूस कर सकते हैं कि हमारी आत्मा समय की अनंत काल से जुड़ी हुई है।

हालांकि ऐसे मरने वाले लोग हैं जिन्हें स्वीकार करने की तुलना में अधिक कठिन लगता है इस्तीफा, मरने के आसपास काम करने वाले देखभाल करने वालों का कहना है कि ज्यादातर हर कोई प्राप्त करता है मेरा मानना है कि मरने वाले लोगों को एक्सेस दिया जाता है a access शाश्वत चेतना का सर्वोच्च ज्ञान और यह अक्सर उनके चेहरे पर दिखाई देता है। इनमें से बहुत से लोग महसूस करते हैं कि कुछ सार्वभौमिक है वहाँ इंतज़ार कर रहे हैं और यह अच्छा होगा।

मरने वाले लोग अपनी आत्माओं द्वारा एक से अलग होने के कायापलट के दौर से गुजर रहे हैं गोद लिया हुआ शरीर। लोग मृत्यु को हमारी जीवन शक्ति को खोने के रूप में जोड़ते हैं, जब वास्तव में विपरीत सच है। हम अपने शरीर को मृत्यु में खो देते हैं, लेकिन हमारी शाश्वत जीवन ऊर्जा एक हो जाती है एक दिव्य oversoul की शक्ति। मृत्यु अंधकार नहीं प्रकाश है।

मेरे मुवक्किल कहते हैं कि पूर्व मृत्यु के अनुभवों को याद करने के बाद वे इतने भरे हुए हैं अपने पार्थिव शरीरों से पुनः खोजी गई स्वतंत्रता जिसे वे पाने के लिए उत्सुक हैं शांति और परिचित के स्थान पर अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर शुरू किया। मामलों

में जो अनुसरण करते हैं, हम सीखेंगे कि उनके लिए जीवन के बाद का जीवन कैसा है।

कुछ नए मृत लोग इसे अपने बगल में खोलते हुए देखते हैं उनके शरीर के ठीक ऊपर, जबकि अन्य कहते हैं कि वे अपने से पहले पृथ्वी से ऊपर चले जाते हैं
सुरंग में प्रवेश करें। हालाँकि, सभी मामलों में, इस मार्ग तक पहुँचने में समय व्यतीत होता है आत्मा के पृथ्वी छोड़ने के बाद नगण्य। यहाँ दूसरे के अवलोकन हैं इस आध्यात्मिक स्थान में व्यक्ति।

केस 3

डॉ. एनः अब आप शरीर छोड़ रहे हैं। अपने आप को आगे और आगे बढ़ते हुए देखें उस स्थान से दूर जहां आप मरे थे, वहां से दूर पृथ्वी की धरातल पर । मुझे वापस रिपोर्ट करें कि आप क्या अनुभव कर रहे हैं।
S: पहले ... यह बहुत उज्ज्वल था ... पृथ्वी के करीब ... अब यह थोड़ा गहरा है क्योंकि मैं एक सुरंग में चला गया हूँ।
डॉ. एनः मेरे लिए इस सुरंग का वर्णन करें।

S: यह एक ... खोखला, मंद वेंट ... है और दूसरे छोर पर प्रकाश का एक छोटा वृत्त है।
डॉ. एनः ठीक है, आपके साथ आगे क्या होगा?
एसः मैं एक टगिंग महसूस कर रहा हूं ... एक कोमल खींच... मुझे लगता है कि मुझे इसके माध्यम से बहाव करना चाहिए ,सुरंग ... और मैं करता हूँ। यह अब अंधेरे से अधिक धूसर है, क्योंकि चमकीला वृत्त है मेरे सामने फैल रहा है। यह ऐसा है जैसे...
(क्लाइंट रुक जाता है)

**डॉ एनः आगे बढ़ो।**

**S: मुझे आगे बुलाया जा रहा है ...डॉ. एनः सुरंग के अंत में प्रकाश के चक्र को अपने सामने फैलने दें और तुम्हें क्या हो रहा है, यह समझाते रहो।**

**S: प्रकाश का चक्र बहुत चौड़ा होता है और... मैं सुरंग से बाहर हूँ। वहां एक है ... बादल छाए रहेंगे ... हल्का कोहरा। मैं इसे छान रहा हूं।**

**डॉ एनः जैसे ही आप सुरंग छोड़ते हैं, आपके दिमाग में कमी के अलावा और क्या होता है पूर्ण दृश्य स्पष्टता**?

**एसः (विषय आवाज कम करता है) ऐसा है ... अभी भी ... यह इतनी शांत जगह है ... मैं अंदर हूं आत्माओं का स्थान**

**डॉ. एनः क्या इस समय एक आत्मा के रूप में आपके पास कोई अन्य प्रभाव हैं?**

**एसः सोचा! मुझे चारों ओर...विचार की शक्ति का आभास होता है......**

**डॉ. एनः बस पूरी तरह से आराम करें और अपने छापों को आप की तरह आसानी से आने दें मुझे वापस रिपोर्ट करना जारी रखें कि आपके साथ क्या हो रहा है। कृपया चलते रहे।**

**एसः ठीक है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे लगता है ... प्रेम साहचर्य के विचार ...सहानुभूति ... और यह सब ... प्रत्याशा ... के साथ संयुक्त है जैसे कि अन्य हैं ... प्रतीक्षा कर रहे हैं मैं।**

**डॉ. एनः क्या आपमें सुरक्षा की भावना है, या आप थोड़े डरे हुए हैं?**

**एसः मुझे डर नहीं है। जब मैं सुरंग में था, तो मैं और अधिक ... अस्त-व्यस्त था। हां मैंने अनुभव किया सुरक्षित ... मैं उन विचारों से अवगत हूं जो मेरे पास देखभाल करने ... पोषण करने के लिए पहुंच रहे हैं। यह है अजीब है, लेकिन मेरे चारों ओर यह समझ भी है कि मैं कौन हूं और क्यों हूं मैं यहां हूं अब।**

**डॉ. एन: क्या आप अपने आस-पास इसका कोई सबूत देखते हैं?**

**एस: (एक शांत स्वर में) नहीं, मुझे यह समझ में आता है - हर जगह विचार का सामंजस्य**

**. एन: आपने अपने आस-पास बादल जैसे पदार्थों का उल्लेख किया था**

**सुरंग क्या आप पृथ्वी के ऊपर आकाश में हैं?**

**एस: (विराम) नहीं-वह नहीं-लेकिन मुझे लगता है कि मैं क्लाउड स्टफ के माध्यम से तैर रहा हूं जो है पृथ्वी से भिन्न।**

**डॉ. एन: क्या आप पृथ्वी को बिल्कुल भी देख सकते हैं? क्या यह आपके नीचे है?**

**एस: शायद यह है, लेकिन जब से मैं सुरंग में गया था तब से मैंने इसे नहीं देखा है।**

**डॉ एन: क्या आपको लगता है कि आप अभी भी एक और आयाम के माध्यम से पृथ्वी से जुड़े हुए हैं,**

**शायद?**

**S: यह एक संभावना है-हाँ। मेरे दिमाग में पृथ्वी करीब लगती है ... और मैं अभी भी जुड़ा हुआ महसूस करता हूं पृथ्वी पर ... लेकिन मुझे पता है कि मैं दूसरे स्थान पर हूं।**

**डॉ एन: आप मुझे अपने वर्तमान स्थान के बारे में और क्या बता सकते हैं?**

**S: यह अभी भी थोड़ा है... संदिग्ध... लेकिन मैं इससे बाहर जा रहा हूँ।**

**यह विशेष विषय, मृत्यु के अनुभव के माध्यम से लिया गया है और**

**सुरंग, अपनी अशरीरी अवस्था में शांत मानसिक समायोजन करना जारी रखती है आत्मा की दुनिया में आगे खींच रहा है। कुछ प्रारंभिक अनिश्चितता के बाद, उसका पहला रिपोर्ट किए गए इंप्रेशन कल्याण की एक आमंत्रित भावना को दर्शाते हैं। यह एक आम है ,मेरे विषयों के बीच भावना। एक बार सुरंग के माध्यम से, हमारी आत्माएं अपनी यात्रा के प्रारंभिक प्रवेश द्वार से गुजर चुकी हैं**

आत्मा की दुनिया में। अधिकांश अब पूरी तरह से महसूस करते हैं कि वे वास्तव में मरे नहीं हैं, लेकिन उनके पास है बस एक पृथ्वी शरीर के भार को छोड़ दिया जो मर गया है। इस जागरूकता के साथ आत्मा के आधार पर अलग-अलग डिग्री में स्वीकृति आती है।

कुछ विषय देखते हैं निरंतर विस्मय के साथ ये परिवेश जबकि अन्य अधिक तथ्यात्मक हैं मुझे रिपोर्ट करने में कि वे क्या देखते हैं। बहुत कुछ उनकी संबंधित परिपक्वता पर निर्भर करता है और हाल के जीवन के अनुभव। सबसे आम प्रकार की प्रतिक्रिया जो मैं सुनता हूं वह है राहत भरी सांस उसके बाद कुछ के आदेश पर, "अद्भुत, मैं इस खूबसूरत जगह में घर हूँ फिर व।"

वे उच्च विकसित आत्माएं हैं जो अपने शरीर से इतनी तेजी से बाहर निकलती हैं कि मैं यहां जो कुछ भी बता रहा हूं, वह धुंधला है क्योंकि वे घर में हैं उनके आध्यात्मिक गंतव्य। ये पेशेवर हैं और, मेरी राय में, वे हैं एक पृथ्वी पर अलग अल्पसंख्यक। औसत आत्मा इतनी तेजी से नहीं चलती और कुछ बहुत हिचकिचाते हैं। यदि हम अत्यधिक अशांत आत्माओं के दुर्लभ मामलों को बाहर करते हैं जो . से लड़ते हैं उनके शवों के साथ जुड़े रहें, मुझे लगता है कि यह कम अतीत वाली युवा आत्माएं हैं जो मृत्यु के ठीक बाद पृथ्वी के पर्यावरण से जुड़े रहते हैं।

मेरे अधिकांश विषयों की रिपोर्ट है कि जैसे ही वे सुरंग के मुहाने से निकलते हैं, चीजें अभी भी कुछ समय के लिए अस्पष्ट हैं। मुझे लगता है कि यह निकटतम सूक्ष्म के घनत्व के कारण है पृथ्वी के चारों ओर का विमान, जिसे थियोसोफिस्ट द्वारा कमलोक कहा जाता है। अगला मामला एक अधिक विश्लेषणात्मक ग्राहक के दृष्टिकोण से इस क्षेत्र का वर्णन करता है। इस की आत्मा क्ति रूप, रंग, और में काफी अवलोकन संबंधी अंतर्दृष्टि प्रदर्शित करता है

कंपन स्तर। आम तौर पर, मेरे विषयों द्वारा इस तरह के ग्राफिक भौतिक विवरण अपने परिवेश के अभ्यस्त होने के बाद वे आत्मा की दुनिया में गहरे उतरते हैं।

यह एक पुरानी कहावत है कि आंखें हमारी आत्मा की खिड़की हैं। कोई भौतिक विशेषता नहीं जब आत्मा साथी पृथ्वी पर मिलते हैं तो अधिक प्रभाव पड़ता है। जहां तक हमारी अन्य भौतिक इंद्रियों का संबंध है, पहले उल्लेख किया गया है कि आत्माएँ ऐसी स्मृतियाँ जैसे ध्वनियाँ और गंध। सभी पांच इंद्रियों का उपयोग आध्यात्मिक संकेतों द्वारा मान्यता संकेतों के रूप में किया जा सकता है भावी जीवन।

**पुनर्जन्म** : हमने देखा है कि कैसे एक आत्मा का अगले जन्म में एक विशिष्ट समय पर आगे आने का निर्णय होता है पृथ्वी पर समय और स्थान में आध्यात्मिक योजना की क्रमबद्ध प्रगति शामिल है। मैं के रूप में , आत्म-चेतना को उनके बाहर निकलने के क्षण के करीब लाओ आत्मा की दुनिया, ज्यादातर चुपचाप आत्मनिरीक्षण करते हैं, जबकि अन्य प्रकाश में संलग्न होते हैं अपने दोस्तों के साथ मारपीट। आगे जो होता है उसके प्रति ये प्रतिक्रियाएँ अधिक निर्भर करती हैं अंतिम अवतार के बाद से समय की लंबाई की तुलना में व्यक्तिगत आत्मा पर।

पुनर्जन्म एक गहन अनुभव है। वे आत्माएं आरोहण के लिए तैयार हो रही है पृथ्वी युद्ध-कठोर दिग्गजों की तरह है जो युद्ध के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। यह है आत्माओं के लिए यह जानने का अंतिम अवसर कि वे पहले कौन हैं, सर्वज्ञता का आनंद लें उन्हें एक नए शरीर के अनुकूल होना चाहिए।

जन्म से पहले किसी बिंदु पर, आत्मा ध्यान से स्पर्श करेगी और पूरी तरह से जुड़ जाएगी एक बच्चे का प्रभावशाली, विकासशील मस्तिष्क। जब एक आत्मा एक

**बच्चे में प्रवेश करने का फैसला करती है, जाहिर है कि बच्चे के पास आत्मा को स्वीकार या अस्वीकार करने का कोई स्वतंत्र विकल्प नहीं है। पर पहली प्रविष्टि का क्षण, आत्मा के लिए कालानुक्रमिक समय शुरू होता है। पर निर्भर करता है शामिल विशेष आत्मा के झुकाव, कनेक्शन जल्दी या देर से हो सकता है माँ की गर्भावस्था।**

**मेरे पास ऐसे मामले आए हैं जहां आत्माओं ने अपने आगमन को अंतिम समय में पूरा किया प्रसव के दौरान मिनट, लेकिन यह असामान्य है। मेरे निष्कर्ष उन आत्माओं को भी इंगित करते हैं जो बच्चे के जल्दी जुड़ जाते हैं, ऐसा लगता है कि वे मां के गर्भ से बाहर बहुत यात्रा कर रहे हैं अपने कार्यकाल के दौरान।**

**एक बार जन्म हो जाने के बाद, आत्मा और मांस का मिलन पूरी तरह से मजबूत हो गया है भागीदारी। अमर आत्मा तब के लिए धारणा की सीट बन जाती है मानव अहंकार का विकास। आत्मा एक आध्यात्मिक शक्ति लाती है जो कि विरासत है अनंत चेतना। हालांकि मैंने कहा है कि आत्मा को मनुष्य द्वारा सीमित किया जा सकता है आघात, वे कभी नहीं फंसते। मृत्यु के क्षण में जाने के अलावा, आत्माएं हो सकती हैं तब भी आना और जाना जब शरीर सो रहा हो, गहन ध्यान में, या एक के नीचे सर्जरी में संवेदनाहारी। गंभीर मस्तिष्क के मामलों में आत्मा की अनुपस्थिति अधिक लंबी होती है क्षति और कोमा।**

**पृथ्वी पर किसी अन्य जीवित वस्तु का मृत्यु के बाद के जीवन से संबंध क्यों नहीं है? क्या यह सरल है क्योंकि हमारे फूले हुए अहंकार जीवन को केवल अस्थायी मानने से नफरत करते हैं, या ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा एक उच्च शक्ति के साथ जुड़ा हुआ है सम्बन्ध ? । हालांकि, इसमें तर्क है अवधारणा हम केवल अस्तित्व के लिए दुर्घटना से नहीं बनाए गए थे, और यह कि हम काम करते हैं एक सार्वभौमिक प्रणाली के भीतर जो स्वयं के भौतिक परिवर्तन को निर्देशित करती है जो हमारे**

कारण शरीर में प्रतिबद्ध है। जिसे हमारी व्यक्तिगत प्रकृति प्रधान - मूल अती सूक्ष्म शरीर भी कह सकते हैं, जो माया लोक के तत्त्व की अति सूक्ष्म अभिव्यक्ति है। मेरा मानना है कि यह हमारी आत्मा की आवाज है, जो हमें बताती है कि हमारे पास व्यक्तित्व है कि मरने का इरादा नहीं है।

पर यह याद रहे हमें , जिसने अपने जीवित काल में मृत्यु के स्वरूप का अनुभव व प्रत्यक्ष दर्शन कर चुका है , उस महानुभाव उच्च स्तरीय आत्मा को , उसके जीवन रहते ही मुक्ति भी मिल गयी है।

जैसे कबीर दास जी ने कहा है : जिस मरने से जग डरे , वो मेरे आनंद ; कब मरिहूँ कब भेंटिहूँ , पुरण ब्रह्मानंद।

अब मृत्यु भय उसको नहीं रहा , बल्कि एक पतिव्रता नारी की तरह , उसकी प्रिय सहचारिणी बन जाती है-मृत्यु । मैं प्रतिदिन कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ , उन महात्माओं -भक्तों के पावन चरणों में जो इस प्रकार की उचत्तम आध्यात्मिक स्थिति को प्राप्त कर चुके हैं। धन्य है वह पावन पुण्य भूमि , जहाँ ऐसे महानात्माओं , मनुष्य रूप में वास है।

***

मृत्यु के क्षण में, हमारी आत्मा अपने मेजबान शरीर से बाहर निकलती है। अगर आत्मा है पुरानी,- वयोवृद्ध और कई पूर्व जन्मों का अनुभव है, यह तुरंत इसे जानता है मुक्त हो गया है और घर जा रहा है। इन उन्नत आत्माओं को अभिवादन करने के

लिए किसी की आवश्यकता नहीं है उन्हें। हालांकि, जिन आत्माओं के साथ मैं काम करता हूं, वे पृथ्वी के बाहर गाइडों से मिलती हैंसूक्ष्म लोक में।

एक युवा आत्मा, या एक बच्चा जो मर गया है, थोड़ा विचलित हो सकता है जब तक कोई उनके लिए जमीनी स्तर के करीब न आ जाए। ऐसी आत्माएं हैं जो कुछ समय के लिए अपनी मृत्यु के स्थान पर रहने का विकल्प चुनें। अधिकांश छोड़ना चाहते हैं एक बार। आत्मा की दुनिया में समय का कोई अर्थ नहीं है। जो लोग चुनते हैं किसी ऐसे व्यक्ति को दिलासा देना जो दुखी है, या उसके पास रहने के अन्य कारण है कुछ समय के लिए उनकी मृत्यु, समय के नुकसान की कोई भावना नहीं है।

जैसे-जैसे वे पृथ्वी से दूर जाते हैं, आत्माएं तेजी से अनुभव करती हैं उनके चारों ओर शानदार रोशनी। कुछ को संक्षेप में एक धूसर अंधेरा और दिखाई देगा एक सुरंग या पोर्टल से गुजरने वाली भावना। इन दोनों के बीच अंतर घटनाएं आत्मा के बाहर निकलने की गति पर निर्भर करती हैं, जो बदले में उनसे संबंधित होती हैं अनुभव। हमारे गाइड से खींचने वाली सनसनी कोमल या जबरदस्त हो सकती है आत्मा की परिपक्वता और तेजी से परिवर्तन की क्षमता पर निर्भर करता है। जल्दी मेंउनके बाहर निकलने के चरणों में सभी आत्माओं को उनके चारों ओर एक "बुद्धिमान बादल" का सामना करना पड़ता है जल्द ही स्पष्ट हो जाता है, जिससे वे दूर तक देखने में सक्षम हो जाते हैं।

यह है वह क्षण जब औसत आत्मा ऊर्जा के एक भूतिया रूप को अपनी ओर आते हुए देखती है उन्हें। यह आंकड़ा एक या दो प्यार करने वाला साथी हो सकता है, लेकिन अधिक बार ऐसा नहीं होता है हमारा गाइड। ऐसी परिस्थितियों में जहां हमारी मुलाकात एक ऐसे जीवनसाथी या मित्र से होती है, जिसनेहमारे सामने से गुजरा, हमारा गाइड भी पास है इसलिए वे इसे संभाल सकते हैं संक्रमण प्रक्रिया। अपने

**सभी वर्षों के शोध में, मेरे पास कभी एक भी विषय नहीं था जो एक प्रमुख धार्मिक व्यक्ति जैसे जीसस या बुद्ध से मिले थे। हाँ , ये आत्माएं अवश्य अपने दिवंगत पूर्वजों और प्रेमी, मित्र , सम्बन्धियों से मिला करते हैं।**
**ज्ञान प्रधान साधकों को मृत आत्माएं प्रकाश स्वरूप धिकती हैं और विशेष अनुग्रह पर , मृत मनुष्य के स्थूल शरीर के रूप में धिकती हैं। जब तक आत्माएं फिर से उस स्थान की ओर उन्मुख हो जाती हैं जिसे वे घर कहते हैं, उनका सांसारिकता बदल गई है। जिस तरह से हम सोचते हैं, वे अब बिल्कुल मानवीय नहीं है एक विशेष भावनात्मक, मनमौजी और शारीरिक बनावट वाला इंसान।**

**उदाहरण के लिए, वे अपनी हाल की शारीरिक मृत्यु के बारे में शोक नहीं करते जिस तरह से उनकीप्रियजनों करेंगे। यह हमारी आत्माएं हैं जो हमें पृथ्वी पर इंसान बनाती हैं, लेकिन हमारे बिना शरीर अब हम होमो सेपियन्स नहीं हैं। आत्मा में ऐसी महिमा है कि वह है वर्णन से परे। मैं आत्माओं को ऊर्जा के बुद्धिमान प्रकाश रूपों के रूप में सोचता हूं।**

**मृत्यु के ठीक बाद, आत्माएं अचानक अलग महसूस करती हैं क्योंकि वे अब नहीं हैं मस्तिष्क और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के साथ एक अस्थायी मेजबान शरीर द्वारा भारित। कुछ को दूसरों की तुलना में समायोजित होने में अधिक समय लगता है।आत्मा की ऊर्जा समान भागों में विभाजित करने में सक्षम है, जैसे होलोग्राम यह अन्य निकायों में समानांतर जीवन जी सकता है, हालांकि यह बहुत कम है जितना हम पढ़ते हैं उससे कहीं अधिक सामान्य।**

**हालांकि, सभी की दोहरी क्षमता के कारण आत्मा, हमारी प्रकाश ऊर्जा का एक हिस्सा आत्मा की दुनिया में हमेशा पीछे रहता है। इस प्रकार, यह अपनी माँ को जीवन**

से लौटने पर देखना संभव है, भले ही वह हो सकती है तीस पृथ्वी वर्ष पहले मर चुके हैं और फिर से पुनर्जन्म लिया है।

हमारे गाइड के साथ अभिविन्यास अवधि, जो हमारे में शामिल होने से पहले होती है समूह समूह, आत्माओं के बीच और एक ही आत्मा के लिए अलग-अलग जीवन के बीच भिन्न होता है।परामर्श के लिए यह एक शांत समय है, किसी भी निराशा को बाहर निकालने का अवसर हमारे पास अभी समाप्त हुए जीवन के बारे में है। अभिविन्यास एक प्रारंभिक होने का इरादा है बोधगम्य, देखभाल करने वाले शिक्षक-मार्गदर्शकों द्वारा कोमल जांच के साथ डीब्रीफिंग सत्र।

बैठक किसकी परिस्थितियों के आधार पर लंबी या छोटी हो सकती है हमने अपने जीवन अनुबंध के संबंध में पूरा किया या नहीं किया। विशेष कर्म मुद्दों की भी समीक्षा की जाती है, हालांकि बाद में उन पर मिनटों में विस्तार से चर्चा की जाएगी हमारी आत्मा समूह समूह के भीतर। कुछ आत्माओं की वापसी ऊर्जा नहीं होगी तुरंत उनके आत्मा समूह में वापस भेज दिया। ये वो आत्माएं हैं जो थी अपने भौतिक शरीर से दूषित हो गए और बुरे कार्यों में शामिल हो गए। वहाँ किसी को चोट पहुँचाने की पूर्व नियोजित इच्छा के बिना गलत काम करने के बीच का अंतर है और जानबूझकर बुराई। शरारत से द्वेष तक दूसरों को नुकसान की डिग्री सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाता है।

जो आत्माएं बुराई से जुड़ी हुई हैं, उन्हें विशेष केंद्रों में ले जाया जाता हैजिसे कुछ ग्राहक "गहन देखभाल इकाइयां" कहते हैं। यहाँ, मुझे बताया गया है, उनकी ऊर्जा है इसे फिर से पूरा करने के लिए फिर से तैयार किया गया। उनकी प्रकृति के आधार पर अपराध, इन आत्माओं को जल्दी से पृथ्वी पर लौटाया जा सकता है। वे शायद अगले जन्म में दूसरों के बुरे कामों के शिकार के रूप में सेवा करने का चुनाव करें।

फिर भी, अगर उनके कार्य लंबे समय तक और विशेष रूप से कई लोगों के जीवन में क्रूर थे, यह गलत व्यवहार के एक पैटर्न को दर्शाएगा। ऐसी आत्माएं लंबा समय बिता सकती हैं जबकि एक अकेले आध्यात्मिक अस्तित्व में, संभवतः एक हजार पृथ्वी वर्ष से अधिक।आत्मा की दुनिया में मार्गदर्शक सिद्धांत यह है कि गलत काम, जानबूझकर या अनजाने में, सभी आत्माओं की ओर से किसी न किसी रूप में इसका निवारण करने की आवश्यकता होगी भविष्य का जीवन सुधारने के लिए।

कुछ जिंदगी इतनी मुश्किल होती है कि रूह बहुत थक कर घर पहुंच जाती है। के बावजूद हमारे गाइड द्वारा शुरू की गई ऊर्जा कायाकल्प प्रक्रिया जो अपनी ऊर्जा को जोड़ती है गेटवे पर हमारे साथ, हमारे पास अभी भी एक कम ऊर्जा प्रवाह हो सकता है। इन मामलों में, उत्सवों के बजाय अधिक आराम और एकांत की आवश्यकता हो सकती है। वास्तव में,कई आत्माएं जो आराम की इच्छा रखती हैं, अपने समूहों के साथ पुनर्मिलन से पहले इसे प्राप्त करती हैं। हमारी आत्मा समूह उद्दाम या वश में हो सकते हैं, लेकिन वे इस बात का सम्मान करते हैं कि हम क्या करते हैं अवतार के दौरान गुजरे हैं।

सभी समूह अपने मित्रों का पुनः स्वागत करते हैं अपने तरीके से गहरे प्यार और सौहार्द के साथ।घर वापसी एक आनंदमय अंतराल है, विशेष रूप से एक भौतिक जीवन के बाद जहांहो सकता है कि हमारे अंतरंग आत्मीय साथियों के साथ बहुत अधिक कार्मिक संपर्क न रहा हो।मेरे अधिकांश विषय मुझे बताते हैं कि उनका स्वागत गले, हँसी और के साथ किया जाता है बहुत हास्य, जो मुझे आत्मा की दुनिया में जीवन की एक बानगी लगता है। वास्तव में प्रभावशाली समूह जिन्होंने लौटने वाली आत्मा के लिए विस्तृत समारोहों की योजना बनाई है उनकी अन्य सभी गतिविधियों को निलंबित कर सकता है। मेरे एक विषय के बारे में यह कहना था

उनकी घर वापसी का स्वागत:मेरे अंतिम जीवन के बाद, मेरे समूह ने संगीत के साथ एक पार्टी का आयोजन किया,शराब, नृत्य और गायन। उन्होंने जैसा दिखने के लिए सब कुछ व्यवस्थित किया संगमरमर के हॉल, टोगास और सभी विदेशी के साथ शास्त्रीय रोमन उत्सव festival प्राचीन दुनिया में एक साथ हमारे कई जीवन में प्रचलित साज-सामान।मेलिसा (एक प्राथमिक आत्मा साथी) मेरे लिए ठीक सामने इंतजार कर रही थी, फिर से बनानाजिस उम्र में मैं उसे सबसे अच्छी तरह याद करती हूं और उतनी ही दीप्तिमान दिखती है कभी इस प्रकार, घर वापसी दो प्रकार की सेटिंग्स में हो सकती है। कुछ आत्माएं प्रवेश द्वार पर एक लौटने वाली आत्मा से संक्षेप में मिलें और फिर एक गाइड के पक्ष में छोड़ दें जो उन्हें कुछ प्रारंभिक अभिविन्यास के माध्यम से ले जाता है।

अधिक सामान्यत:,स्वागत समिति तब तक प्रतीक्षा करती है जब तक आत्मा वास्तव में अपने आत्मा समूह में वापस नहीं आ जाती।इस समूह को एक कक्षा में अलग किया जा सकता है, जोके चरणों के आसपास एकत्रित होता है मंदिर, बगीचे में बैठे हुए, या लौटने वाली आत्मा को कई समूहों का सामना करना पड़ सकता है स्टडी हॉल का माहौल। आत्माएं जो अपने रास्ते में अन्य समूहों से गुजरती है खुद की बर्थ अक्सर टिप्पणी करती है कि अन्य आत्माएं जिनके साथ वे जुड़े रहे हैं पिछले जन्म एक मुस्कान या लहर के साथ उनकी वापसी को देखेंगे और स्वीकार करेंगे।

कोई विषय अपनी समूह क्लस्टर सेटिंग को आत्मा की स्थिति पर कैसे देखता है प्रगति की, हालांकि स्कूल के माहौल की यादें हमेशा होती हैं बहुत साफ़। आत्मा की दुनिया में, शैक्षिक स्थान . के स्तर पर निर्भर करता है आत्मा विकास। सिर्फ इसलिए कि एक आत्मा पृथ्वी पर अवतरित हुई है पाषाण युग उच्च उपलब्धि की कोई गारंटी

नहीं है। अपने व्याख्यानों में मैं अक्सर टिप्पणी करता हूँएक ग्राहक के बारे में जिसने पिछले जन्मों के ४,००० वर्षों को अंततः ईर्ष्या पर विजय प्राप्त करने में लगा दिया।

कुछ छात्रों को निश्चित रूप से प्राप्त करने में अधिक समय लगता है पाठ, ठीक वैसे ही जैसे सांसारिक कक्षाओं में। दूसरी ओर, सभी अत्यधिक उन्नत आत्म ज्ञान और अनुभव दोनों की दृष्टि से पुरानी आत्मा है।

. . . . . .

आत्माओं की दुनिया न स्वर्ग है नर्क बल्कि एक जगह या एक दोनों के बीच होने की अवस्था। यह वह जगह है जहाँ हम पहुँचते है मृत्यु के बाद । वहाँ से नियत समय में हम या तो स्वर्ग में उठाये जाते हैं या नरक में फेंक दिया, इस पर निर्भर करता है कि हम विश्व में कैसे रहते हैं।मेरे लिए यह स्पष्ट हो गया कि यह आधी जगह है जब ने उसे देखा नर्क उसके नीचे थे, और आकाश उसके ऊपर, और वह यह कि होने की एक आधी अवस्था है जब मैंने सीखा कि जब तक हम अंदर हैं, हम अभी तक न तो स्वर्ग में हैं और न ही नरक में।

निम्नलिखित पृष्ठों में, जहां मैं "आत्माओं" कहता हूं, मेरा मतलब लोगों से है आत्माओं की दुनिया; जबकि "स्वर्गदूतों" से मेरा मतलब स्वर्ग के लोगों से है।आत्माओं की दुनिया में बड़ी संख्या में लोग हैं,क्योंकि यही वह जगह है जहां सबसे पहले सभी को इकट्ठा किया जाता है और जहां सभी की जांच की जाती है और तैयार किया जाता है। हमारे वहां ठहरने की कोई निश्चित सीमा नहीं है। कुछ लोग मुश्किल से इसमें प्रवेश करते हैं और तुरंत या तो स्वर्ग में उठा लिए जाते हैं या नरक में डाल दिए जाते

हैं। कुछ वहाँ रहने के लिएकेवल कुछ सप्ताह, अन्य कई वर्षों के लिए, और अधिक से अधिक ३० वर्षों तक । हमारे ठहरने की अवधि में परिवर्तन इसलिए होता है क्योंकि नयी परिस्थितियों को पूरी तरह समझ नहीं पाते हैं ।

निम्नलिखित पृष्ठों में मैं बताऊंगा कि हम कैसे एक राज्य से दूसरे राज्य में प्रवेश पाते हैं ।मरने के बाद जैसे ही हम आत्माओं की दुनिया में आते हैं,हम सावधानी से प्रभु द्वारा छांटे गए हैं। दुष्ट लोग तुरंत उस नारकीय समुदाय से जुड़ जाते हैं, जिसके साथ उनके शासक प्रेम ने उन्हें दुनिया में जोड़ा था, और अच्छे लोग तुरंत स्वर्गीय समुदाय से जुड़ जाते हैं, उनके प्यार और दया और विश्वास ने उन्हें दुनिया में जोड़ा था।

भले ही हम इस तरह से सुलझा लिए गए हों, फिर भी हम साथ हैंउस दुनिया में और हम जब चाहें किसी से भी बात कर सकते हैं, दोस्तों से और हमारे भौतिक जीवन से परिचित, विशेष रूप से पतियोंऔर पत्नियाँ, और भाई-बहन भी। मैंने एक पिता को अपने छह बेटों को पहचानते और उनके साथ बात करते देखा है। मैंने कई अन्य देखे हैं अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ लोग। हालांकि, चूंकि वे दुनिया में अपने जीवन के कारण चरित्र में भिन्न थे, इसलिए उन्होंने भाग लिया थोड़ी देर बाद कंपनी।हालांकि, जो लोग आत्माओं की दुनिया से स्वर्ग में जाते हैं उन लोगों को न देखें जो नरक में जाते हैं, और इसके विपरीत। न ही प्रत्येक समूह के लोग इसमें दूसरों को तब तक पहचानते

हैं जब तक कि उनके पास न होवे जो प्यार करते हैं उसमें समानता के कारण एक समान चरित्रकारण वे इन अन्य लोगों को देख सकते हैं जब वे अंदर हैं आत्माओं की दुनिया लेकिन तब नहीं जब वे स्वर्ग या नर्क में ही जब वे आत्माओं की दुनिया में होते हैं तो उन्हें राज्यों में लाया जाता है उन लोगों की तरह होने के नाते जो वे अपने भौतिक जीवन के दौरान थे, एक दूसरे के बाद। हालांकि, कुछ समय बाद, वे स्थिर हो जाते हैं

होने की स्थिति जो उनके सत्तारूढ़ प्रेम की स्थिति से सहमत है। में होने की यह अवस्था, लोग दूसरों को तभी पहचानते हैं जब वे प्यार करते हैं समान है, क्योंकि समानता जोड़ती है और असमानता अलग करती है।

जैसे आत्माओं का संसार बीच में आधा होने की अवस्था है स्वर्ग और नर्क, यह भी आधा रास्ता है, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है।उसके नीचे नरक हैं और उसके ऊपर आकाश।सारे नरक उस तरफ बंद हैं जो उस दुनिया का सामना करता है, और चट्टानों में छेदों और दरारों के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है और व्यापक अंतराल के माध्यम से जो किसी को भी रोकने के लिए संरक्षित है बिना अनुमति के बाहर आना, जो केवल मामलों में दी जाती है वास्तविक आवश्यकता का। स्वर्ग भी चारों ओर से घिरा है, और केवल किसी भी स्वर्गीय समुदाय तक पहुंच एक संकीर्ण तरीके से होती है जिसका प्रवेश भी सुरक्षित है। ये निकास और प्रवेश द्वार क्या है वचन में नरक और स्वर्ग के द्वार और द्वार कहलाते हैं।रूहों की दुनिया पहाड़ों से घिरी घाटी जैसी लगती है और चट्टानें, और गलियां और उठती हुई भूमि इधर-उधर।स्वर्गीय समुदायों के द्वार और प्रवेश द्वार बन जाते हैं केवल उन लोगों को दिखाई देता है जो स्वर्ग के लिए तैयार किए गए हैं, और नहीं एक और उन्हें पाता है। दुनिया से एक प्रवेश द्वार जा रहा है प्रत्येक समुदाय के लिए आत्माओं की, और उससे आगे केवल एक ही हैपथ; परंतु जैसे-जैसे मार्ग ऊपर की ओर जाता है, वैसे-वैसे वह अनेक भागों में बंट जाता है।

नरक के द्वार और द्वार केवल उन्हें दिखाई देते हैं जो लोग उनमें प्रवेश करने वाले हैं। उनके लिए द्वार खुलते हैं,और फिर वे अंधेरे, कालिख जैसी दिखने वाली गुफाओं को नीचे की ओर गहराई में झुकते हुए देख सकते हैं, जहां और भी अधिक द्वार हैं। रैंक, दुर्गंध उनसे सांस लेती है। इनमें से अच्छी आत्माएं भाग जाती हैं गंध क्योंकि वे

उनके द्वारा खदेड़ दिए जाते हैं, लेकिन बुरी आत्माएं खींची जाती हैं उनके प्रति क्योंकि वे उन्हें सुखद पाते हैं। वास्तव में, जैसे हम इस दुनिया में अपनी बुराई का आनंद लेते हैं, हम मृत्यु के बाद आनंद पाते हैं वह बदबू जो हमारी बुराई से मेल खाती है। इसकी तुलना से की जा सकती है कोरियन पक्षियों और जानवरों, जैसे कौवे द्वारा दिखाया गया आनंद और भेड़िये और सूअर, जो उड़ते हैं या सड़ती लाशों की ओर भागते हैं जैसे

जैसे ही उन्हें हवा मिलती है। मैंने एक आदमी को सुना जो चिल्लाया स्वर्ग से हवा के झोंके में पूरी पीड़ा में जोर से, लेकिन शांत और खुश जब नरक से एक सांस वह नरक

का सामना कर रहा है और वहां से बुराई और झूठी बातों के लिए खुला है,दूसरा स्वर्ग का सामना कर रहा है और अच्छी और सच्ची चीजों के लिए खुला है क्या आप वहां मौजूद हैं। नरक का द्वार उन लोगों के लिए खुला है जो किस पर ध्यान केंद्रित करते हैं बुराई

है और असत्य पर जो बुराई से आता है, हालांकि थोड़ा सा स्वर्ग से प्रकाश कुछ दरारों से बहता है, जो सक्षम बनाता है हमें सोचने, तर्क करने और बोलने के लिए। दूसरी ओर, करने के लिए दरवाजा स्वर्ग उन लोगों के लिए खुला है जो अच्छाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं और इस प्रकार क्या सच है। वास्तव में दो रास्ते हैं जो की ओर ले जाते हैं हमारा तर्कसंगत दिमाग, एक दिमाग के ऊपर से या उसके अंदर से,जिसके द्वारा भलाई और सच्चाई यहोवा की ओर से प्रवेश करती है, और एक मन के नीचे से या बाहर से, जिसके द्वारा बुराई और मिथ्यात्व नरक से घुसपैठ करता है। विवेकशील मन ही बीच में है,जहां ये दो रास्ते मिलते हैं; तो स्वर्ग से अधिक प्रकाश अंदर जाने दिया जाता है, हम जितने अधिक तर्कसंगत होते हैं, और उतना ही अधिक प्रकाश बंद होता है बाहर, हम जितने कम तर्कसंगत हैं, हालांकि स्थिति दिखाई दे सकती है हमें।

मैंने इन बातों का उल्लेख इसलिए किया है ताकि हमारा व्यवहार स्वर्ग के साथ और नर्क के साथ जाना जा सकता है। जबकि हमारे तर्कसंगत मैन बनने की प्रक्रिया में है, यह इसके अनुरूप है आत्माओं की दुनिया। जो इसके ऊपर है वह स्वर्ग का है, और जो है उसके नीचे नरक का है। उन लोगों में जिनके लिए तैयार किया जा रहा है स्वर्ग, मन के उच्च पहलू खुलते हैं, और निचला करीब बुराई और झूठ के प्रवाह के खिलाफ। जा रहे लोगों में नरक के लिए तैयार, निचले पहलू खुलते हैं, और उच्चतर करीब अच्छाई और सच्चाई के प्रवाह के खिलाफ। परिणामस्वरूप, बाद वाले लोग केवल नीचे की ओर देख सकते हैं, नरक की ओर, और पूर्व की ओर लोग केवल ऊपर की ओर देख सकते हैं, स्वर्ग की ओर। ऊपर देखना है ,मतलब  भगवान की ओर देख रहे हैं। नीचे की ओर देखना, है

प्रभु से दूर विपरीत केंद्र की ओर, केंद्रजिसकी ओर नरक की हर वस्तु का सामना और गुरुत्वाकर्षण होता है।ऐसा नहीं है शरीर जो सोचता है, क्योंकि शरीर भौतिक है। बल्कि, यह है आत्मा, क्योंकि आत्मा आध्यात्मिक है। मानव आत्मा, जिसका अमरत्व कई लेखकों का विषय रहा है, हमारी आत्मा है वास्तव में सभी प्रकार से अमर है, और यह वही है जो करता है हमारे शरीर में सोच। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आध्यात्मिक है और आध्यात्मिक आध्यात्मिक के लिए खुला है और आध्यात्मिक रूप से सोच और इच्छा के माध्यम से रहता है। तो हम अपने शरीर में जो भी तर्कसंगत जीवन देख सकते हैं, वह आत्मा का है और इसमें से कोई भी शरीर का नहीं है। दरअसल,शरीर भौतिक है, जैसा कि अभी उल्लेख किया गया है, और वह पदार्थ जो इसे बनाता है शरीर एक अतिरिक्त तत्व है, लगभग आत्मा के विस्तार की तरह।

इसका उद्देश्य हमारी आत्मा को अपने जीवन का नेतृत्व करने और उसका प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है एक भौतिक दुनिया में सेवाएं जो सभी प्रकार से भौतिक हैं और अनिवार्य रूप से निर्जीव। चूंकि पदार्थ जीवित नहीं है–केवल आत्मा है–हम यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि हम में जो कुछ भी जीवित है वह हमारी आत्मा है और यह कि शरीर केवल उसी तरह से कार्य करता है जैसे एक उपकरण एक जीवित शक्ति की सेवा करता है चाल करता है। बेशक, हम कह सकते हैं कि एक उपकरण काम करता है या चलता है हम में से प्रत्येक वास्तव में एक आत्मा है.

जो कोई भी चीजों को ध्यान से सोचता है, वह देख सकता है कि ऐसा नहीं है शरीर जो सोचता है, क्योंकि शरीर भौतिक है। बल्कि, यह है आत्मा, क्योंकि आत्मा आध्यात्मिक है। मानव आत्मा, जिसका अमरत्व कई लेखकों का विषय रहा है, क्या हमारी आत्मा है वास्तव में सभी प्रकार से अमर है, और यह वही है जो करता है हमारे शरीर में सोच। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आध्यात्मिक है और आध्यात्मिक आध्यात्मिक के लिए खुला है और आध्यात्मिक रूप से सोच और इच्छा के माध्यम से रहता है। तो हम अपने शरीर में जो भी तर्कसंगत जीवन देख सकते हैं, वह आत्मा का है और इसमें से कोई भी शरीर का नहीं है। दरअसल,शरीर भौतिक है, जैसा कि अभी उल्लेख किया गया है, और वह पदार्थ जो इसे बनाता है शरीर एक अतिरिक्त तत्व है, लगभग आत्मा के विस्तार की तरह।

इसका उद्देश्य हमारी आत्मा को अपने जीवन का नेतृत्व करने और उसका प्रदर्शन करने में सक्षम बनाना है एक भौतिक दुनिया में सेवाएं जो सभी प्रकार से भौतिक हैं और अनिवार्य रूप से निर्जीव। चूंकि पदार्थ जीवित नहीं है–केवल आत्मा है–हम यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि हम में जो कुछ भी जीवित है वह हमारी आत्मा है और

यह कि शरीर केवल उसी तरह से कार्य करता है जैसे एक उपकरण एक जीवित शक्ति की सेवा करता है l बेशक, हम कह सकते हैं कि एक उपकरण काम करता है या चलता है बिल्कुल नहीं होता। इससे हम यह समझ सकते हैं कि हमारी आत्मा भी है एक रूप में, कि उसका रूप एक इंसान का है, और जब वह अलग हो जाता है तो उसके पास अपनी इंद्रियां और संवेदी अंग होते हैं उसका शरीर ठीक वैसा ही जैसा उसने तब किया जब वह अपने शरीर में था। हम इसे इकट्ठा कर सकते हैं आंख का पूरा अनुभव, कान का पूरा अनुभव,वास्तव में हमारा संवेदी अनुभव समग्र रूप से शरीर से संबंधित नहीं है लेकिन आत्मा के लिए, जो पूरी तरह से संवेदी अंगों पर कब्जा कर लेती है,उनकी सबसे छोटी विशेषता के माध्यम से।

इसलिए आत्माएं अपनी इंद्रियों को देखती और सुनती और अनुभव करती हैं उतना ही जितना हम करते हैं, हालांकि उनके शरीर छोड़ने के बाद यह संवेदना भौतिक दुनिया में नहीं बल्कि आध्यात्मिक दुनिया में होती है। जब वे शरीर में थे, उनका मानसिक अनुभव भौतिक स्तर पर इंद्रियों की सामग्री के माध्यम से हुई वह हिस्सा जो उनकी आत्मा में एक अतिरिक्त तत्व था। हालांकि, वे उस पूरे समय में मानसिक अनुभव विशुद्ध रूप से थे उनकी सोच और इच्छा के माध्यम से आध्यात्मिक स्तर।

मैंने इसे तर्कसंगत लोगों को समझाने के लिए प्रस्तुत किया है कि, जब देखा कि हम वास्तव में क्या हैं, हम आत्मा हैं, और यह कि भौतिक हमारे साथ जोड़ा गया ताकि हम भौतिक और भौतिक दुनिया में कार्य कर सकें, यह वास्तविक व्यक्ति नहीं है बल्कि केवल हमारी आत्मा का उपकरण है।बहुत अनुभव ने मुझे सिखाया है कि . के संबंध में

हमारा आंतरिक स्व हम आत्माएं हैं-अनुभव जो संपूर्ण भर देगा वॉल्यूम, जैसा कि वे कहते हैं, अगर मुझे यह सब शामिल करना है। मैंने बात की हैआत्माओं को एक आत्मा के रूप में और मैंने उनके साथ एक व्यक्ति के रूप में बात की। जब मैंने उनसे आत्मा की तरह बात की, तो वे नहीं कर सके बता दें कि मैं खुद एक आत्मा नहीं था, एक रूप में सिर्फ इंसान के रूप में उन लोगों के। इस तरह मेरी अंतरात्मा ने उन्हें देखा, क्योंकि जब मैंने उनके साथ एक आत्मा के रूप में बात की, वे मेरे भौतिक शरीर को नहीं देख सके।हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि हम अपने भीतर के संबंध में आत्मा है स्वयं इस तथ्य से कि हम अपने शरीर से विदा होने के बाद, जो तब होता है जब हम मरते हैं, हम अभी भी जीवित हैं और हमेशा की तरह इंसान हैं।

मुझे यह समझाने के लिए, मुझे लगभग सभी से बात करने की अनुमति दी गई जिन लोगों से मैं उनके भौतिक जीवन के दौरान कभी मिला था, उनमें से कुछ के साथ कुछ घंटे, कुछ हफ्तों और महीनों के लिए, और कुछ के लिए वर्षों। यह मुख्य रूप से इसलिए था ताकि मैं आश्वस्त हो सकूं और कर सकूंगवाही देना।

मैं यहां यह भी जोड़ सकता हूं कि जब तक हम अपने शरीर में रह रहे हैं हम में से प्रत्येक, अपनी आत्माओं के संबंध में, एक समुदाय में है अन्य आत्माओं के साथ भले ही हम इससे अनजान हो। द्वारा उनकी आत्माओं के साधन, अच्छे लोग स्वर्गदूत समुदायों में हैं और दुष्ट लोग नारकीय समुदायों में हैं। इसके अलावा, हम जब हम मरते हैं तो उन्हीं समुदायों में आते हैं। वे लोग जो मृत्यु के बाद आत्माओं की संगति में आ रहे हैं अक्सर कहा जाता है और यह दिखाया।दरअसल, हम अपने आध्यात्मिक समुदायों में आत्माओं के रूप में दिखाई नहीं दे रहे हैं जबकि हम दुनिया में रह रहे हैं, क्योंकि हम सोच रहे हैं शारीरिक स्तर। हालांकि, अगर हमारी सोच से दूर निर्देशित किया जाता है हमारे शरीर हम कभी-कभी अपने समुदायों में दिखाई देते हैं क्योंकि हम

तब आत्मा में हैं। जब हम दिखाई देते हैं, तो बताना आसान होता है हमें उन आत्माओं से जो वहाँ रहते हैं क्योंकि हम गहराई में चलते हैं सोचा, चुप, दूसरों को देखे बिना, मानो हमने नहीं किया उन्हें देख; और जिस क्षण कोई आत्मा हमसे बात करती है, हम गायब हो जाते हैं।

इस तथ्य को स्पष्ट करने के लिए कि हम भीतर से आत्मा हैं, मैं चाहूंगाव्यक्तिगत अनुभव से समझाने के लिए कि जब हम होते हैं तो क्या होता है शरीर से बाहर ले जाया जाता है और हमें आत्मा द्वारा कैसे ले जाया जाता है एक अन्य जगह।शरीर से निकाले जाने का पहला अनुभव इस प्रकार है।हमें एक विशेष अवस्था में लाया जाता है जो कि आधी है नींद और जागने के बीच। जब हम इस अवस्था में होते हैं, तो ऐसा लगता है

ठीक वैसे ही जैसे हम जाग रहे थे; हमारी सभी इंद्रियां उतनी ही सतर्क हैंवे तब होते हैं जब हम शारीरिक रूप से पूरी तरह से जागृत होते हैं–दृष्टि, श्रवण, और आश्चर्यजनक रूप से, स्पर्श करें, जो तब उससे कहीं अधिक उत्कृष्ट रूप से उत्सुक है कभी भी शारीरिक जागृति के दौरान हो। यह वह राज्य है जिसमें लोगों ने आत्माओं और स्वर्गदूतों को सबसे स्पष्ट रूप से देखा है, यहाँ तक कि सुनकर भी उन्हें और, कहने के लिए अजीब, उन्हें छूना, शायद ही कुछ के साथ शारीरिक हस्तक्षेप। यह राज्य से निकाले जाने के रूप में वर्णित है किसी का शरीर और यह नहीं जानता कि कोई उसके शरीर में है या उसके बाहर है।मुझे इस अवस्था में तीन या चार बार भर्ती किया गया है, बस मुझे यह बताने के लिए कि यह कैसा था, और मुझे उन आत्माओं को सिखाने के लिए भी और स्वर्गदूतों के पास सभी इंद्रियों का उपयोग होता है और ऐसा हम भी करते हैं हमारी आत्माओं के लिए सम्मान, जब हमें हमारे शरीर से निकाल दिया जाता है।

दूसरे प्रकार के अनुभव के लिए, द्वारा ले जाया जा रहा है आत्मा को दूसरी जगह, मुझे प्रत्यक्ष अनुभव से दिखाया गया है कि क्या होता है और कैसे होता है, लेकिन केवल दो या तीन बार। मैं सिर्फ एक अनुभव का हवाला देना चाहूंगा। जब मैं शहर की सड़कों और ग्रामीण इलाकों से गुजर रहा था, तल्लीन था आत्माओं के साथ बातचीत में, ऐसा लग रहा था जैसे मैं हूँ हमेशा की तरह जागते और चौकस, बिना खोए चलते हुए,हालांकि हर समय मैं दर्शन कर रहा था। मैं जंगल देख रहा था,नदियों, मकानों, घरों, लोगों, और बहुत कुछ। मेरे होने के बाद कुछ घंटों के लिए चलना, हालांकि, मैंने अचानक खुद को वापस पाया मेरी शारीरिक दृष्टि के बारे में जागरूकता में और महसूस किया कि मैं था

कहीं और। मैं इसे पूरी तरह चकित था, और मुझे एहसास हुआ कि मैं उन लोगों की स्थिति में थे जिन्हें वर्णित किया गया है आत्मा के द्वारा दूसरी जगह ले जाया गया; जब तक यह चला मैं अपने मार्ग के बारे में नहीं सोच रहा था,भले ही यह कई मील हो, या समय के बारे में हो,हालांकि यह कई घंटे या दिन भी हो सकता है। मैं नहीं था किसी

भी थकान के प्रति सचेत, या तो। इस तरह से हम नेतृत्व कर सकते हैं जिन रास्तों के बारे में हम कुछ भी नहीं जानते हैं, कुछ पूर्व निर्धारित स्थान के अधिकार,खोए बिना।होने की ये दो अवस्थाएं, हालांकि, हमारे पास कौन सी अवस्थाएं हैं जब हम अपने गहरे स्वभाव के प्रति जाग्रत होते हैं या (जो समान है बात) हमारी आत्मा के लिए, सामान्य से बाहर हैं। वे मुझे दिखाए गए थे बस मुझे यह सिखाने के लिए कि वे कैसे थे, क्योंकि वहां के लोग चर्च उनके बारे में जानता है। लेकिन आत्माओं से बात करना, उनके साथ रहना उनमें से एक के रूप में–यह कुछ ऐसा है जो मुझे करने के लिए दिया गया था जब मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह से जागा हुआ था, और ऐसा कई सालों से है।

यह कहना कि हम अपने भीतर की आत्मा हैं, वही है यह कहना कि जिन चीजों का हमारी सोच से लेना-देना है और इच्छुक आध्यात्मिक हैं, क्योंकि सोच और इच्छुक वास्तव में हैं हमारा आंतरिक अस्तित्व। वे वही हैं जो हमें इंसान बनाते हैं, और दयालु हम इंसानों के बारे में हमारी सोच और हमारी सोच पर निर्भर करता है इच्छुक जैसे हैं।

## मृत्यु से हमारा पुनरुद्धार

जब किसी का शरीर अब अपने कार्यों को नहीं कर सकता है विचारों और भावनाओं के जवाब में भौतिकी दुनियाइसकी आत्मा, जो आध्यात्मिक दुनिया से इसमें आती है, तब हम कहते हैं कि व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। ऐसा तब होता है जब श्वास फेफड़ों और हृदय की पंपिंग गति बंद हो गई है।

लेकिन वास्तव में उस व्यक्ति की मृत्यु बिल्कुल भी नहीं हुई है। वह केवल उस भौतिकता से अलग होता है जो उस व्यक्ति के लिए उपयोगी थी दुनिया। आवश्यक व्यक्ति वास्तव में अभी भी जीवित है। मैं कहता हूं क्योंकि यह हमारा शरीर नहीं है जो हमें इंसान बनाता है, बल्कि हमारी आत्माएं।आखिर हमारे अंदर की आत्मा ही सोचती है; और सोचा, साथ में भावनाओं के साथ, हमें इंसान बनाता है।

तब हम देख सकते हैं कि जब हम मरते हैं तो हम बस से आगे बढ़ते हैं एक दुनिया से दूसरी दुनिया में। यही कारण है कि के आंतरिक अर्थ में शब्द, ”मृत्यु” का अर्थ है पुनरुत्थान और जीवन की निरंतरता।हमारी आत्माएं हमारी श्वास से बहुत निकट

**से जुड़ी हुई हैं और हमारे दिल की धड़कन। विचार हमारी श्वास और प्रेम की भावना से जुड़ते हैंहमारे दिल से जुड़ता है। परिणामस्वरूप, जब इन दोनों गतियों में शरीर समाप्त हो जाता है, तुरंत एक अलगाव होता है। यह ये दो हैंगति, फेफड़ों की श्वसन गति और पंपिंग दिल, कि आवश्यक संबंध हैं। एक बार जब वे अलग हो जाते हैं,आत्मा अपने आप में छोड़ दी जाती है; और शरीर, अब के जीवन के बिना ठंडी और सड़ जाती है।**

**क्योंकि हमारी आत्माएं हमारी श्वास से बहुत निकट से जुड़ी हुई हैं और हमारा दिल यह है कि हमारी सभी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं इन्हीं पर निर्भर करती हैं;न केवल पूरे शरीर में, बल्कि हर हिस्से में भी।इस वियोग के बाद हमारी आत्मा कुछ समय के लिए शरीर में रहती है, लेकिन दिल के पूरी तरह से रुकने के बाद नहीं, जो मौत के कारण के आधार पर अलग-अलग समय पर होता है। कुछ मामलों में हृदय की गति काफी देर तक चलती है, और अन्य में यह नहीं करता। जिस क्षण यह रुकता है, हम जाग जाते हैं, लेकिन केवल यहोवा हमें जगाता है। "जागृत होने" का अर्थ है हमारी आत्मा का होना**
**हमारे शरीर से बाहर और आध्यात्मिक दुनिया में ले जाया गया। यह आमतौर पर "पुनरुत्थान" कहा जाता है।**

**जिस कारण से हमारी आत्मा हमारे शरीर से तब तक अलग नहीं होती जब तक दिल की गति रुक गई है कि दिल से मेल खाता है प्यार की भावना, जो हमारा आवश्यक जीवन है, क्योंकि हम सभी को अपना प्यार से महत्वपूर्ण गर्मी। तो जब तक दिल और**

जज्बात जुड़ते हैं, पत्राचार रहता है, और आत्मा का जीवन अभी भी शरीर में है।

जागरण कैसे होता है, यह सिर्फ मुझे ही नहीं बताया गया है प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा दिखाया गया है। वास्तविक अनुभव मेरे साथ हुआ ताकि मुझे इस बात की पूरी जानकारी हो सके कि यह कैसे होता है।मुझे ऐसी स्थिति में लाया गया जिसमें मेरी शारीरिक इंद्रियां थी निष्क्रिय–बहुत ज्यादा, तब, जैसे लोगों की स्थिति मर रहा है हालांकि, मेरा गहरा जीवन और विचार बरकरार रहा इसलिए कि मेरे साथ जो हो रहा था उसे मैं समझ सकता हूं और रख सकता हूं उन लोगों का क्या होता है जिन्हें मौत से जगाया जा रहा है। मैं मैंने देखा कि मेरी शारीरिक श्वास लगभग रुक , औ गहरी श्वास, आत्मा की श्वास, साथ-साथ चलती रही एक बहुत ही मामूली और मूक शारीरिक।

पहले तो मेरे दिल की धड़कन के बीच एक कनेक्शन स्थापित किया गया था और स्वर्गीय राज्य, क्योंकि वह राज्य मेल खाता है मानव हृदय को। मैंने उस राज्य के स्वर्गदूतों को भी देखा, कुछ कुछ दूरी पर, लेकिन दो मेरे सिर के पास बैठे हैं। प्रभाव था

मेरी सारी भावनाओं को दूर ले जाओ, लेकिन मुझे अभी भी कब्जे में छोड़ने के लिए विचार और उच्च धारणा का। मैं इस अवस्था में रहाकई घंटों के लिए।तब मेरे आस-पास की आत्माएं धीरे-धीरे दूर होती गईं,यह सोचकर कि मैं मर चुका हूँ। मुझे an sweet की तरह एक मीठी गंध महसूस हुई क्षत-विक्षत शरीर, क्योंकि जब स्वर्गीय स्वर्गदूत मौजूद होते हैं लाश के साथ कुछ भी करने से मीठी खुशबू आती है। जब आत्माएंइससे समझो, वे निकट नहीं आ सकते। ऐसी भी होती है बुरी आत्मा हमारी आत्मा से दूर रखा जाता है जब हमें भर्ती किया जा रहा है अनन्त जीवन।

मेरे सिर के पास बैठे फ़रिश्ते चुप थे,बस अपने विचार मेरे साथ साझा कर रहे हैं। जब मृतक उन विचारों को स्वीकार करता है, फ़रिश्ते जानते हैं कि उस व्यक्ति की आत्मा शरीर से बाहर ले जाने के लिए तैयार है। उन्होंने इस साझाकरण को पूरा किया मेरे चेहरे को देखकर विचारों की। यह वास्तव में कैसे हैविचार स्वर्ग में साझा किए जाते हैं।चूँकि मुझे विचार और उच्चतर के अधिकार में छोड़ दिया गया ताकि मैं सीख सकूं और याद रख सकूं कि जागृति कैसे होती है, मैंने देखा कि पहले तो स्वर्गदूत मेरी जांच कर रहे थे विचार यह देखने के लिए कि क्या वे मरने वाले व्यक्तियों की तरह थे,जो आम तौर पर अनंत जीवन के बारे में सोच रहे हैं। वे चाहते है की मेरे मन को इन विचारों में रखो। मुझे बाद में बताया गया कि शरीर के रूप में अपनी अंतिम सांस ले रहा है, हमारी

आत्मा अपने अंतिम विचार में तब तक रखी जाती है जब तक अंततः यह उन विचारों पर वापस आता है जो हमारी दुनिया में बुनियादी या सत्तारूढ़ प्रेम।

मुझे विशेष रूप से इसे देखने और यहां तक कि महसूस करने की अनुमति थी एक खिंचाव था, के गहरे स्तरों से एक तरह का चित्रण मन और इसलिए मेरे शरीर से मेरी आत्मा; और मुझे बताया गया कि यह यहोवा के द्वारा किया जा रहा था और यह वही है जो लाता है हमारे पुनरुत्थान के बारे में।

जब स्वर्गीय स्वर्गदूत जाग चुके लोगों के साथ होंवे उन्हें नहीं छोड़ते, क्योंकि वे सभी से प्रेम करते हैं। परंतु कुछ आत्मा स्वर्ग की संगति में बस असमर्थ होती हैंदेवदूत बहुत लंबे हैं और चाहते हैं कि वे चले जाएं। जब ऐसा होता है,प्रभु के आत्मिक राज्य से स्वर्गदूत आते हैं, जिनके द्वारा हमें प्रकाश का उपयोग करने की अनुमति है, क्योंकि इससे पहले हम नहीं देख सकते थे कुछ भी लेकिन केवल सोच सकता था।

मुझे यह भी दिखाया गया कि यह कैसे किया जाता है। ऐसा लग रहा था जैसेस्वर्गदूतों ने मेरी बाईं आंख से पुल की ओर एक आवरण वापस घुमाया मेरी नाक से ताकि मेरी आंख खुल जाए और मैं देख सकूं। तक आत्मा, ऐसा लगता है जैसे यह वास्तव में हो रहा था, लेकिन यह है केवल जाहिरा तौर पर। जैसा कि यह आवरण वापस लुढ़कता हुआ प्रतीत हो रहा था,मैं प्रकाश की तरह एक प्रकार का उज्ज्वल लेकिन विसरित प्रकाश देख सकता था जब हम पहली बार जाग रहे होते हैं तो अपनी पलकों से देखें। ऐसा लग रहा था मेरे लिए मानो इस उज्ज्वल, विसरित प्रकाश में एक स्वर्गीय रंग था इसके लिए, लेकिन मुझे बाद में बताया गया कि यह भिन्न होता है। उसके बाद ऐसा लगा हालांकि कुछ मेरे चेहरे से धीरे से लुढ़क रहा था, और एक बार यह किया गया था आध्यात्मिक विचार तक पहुंच थी। यह रोलिंग चेहरे से कुछ हटकर एक दिखावट है, और यह उसका प्रतिनिधित्व करता है तथ्य यह है कि हम भौतिक सोच से आध्यात्मिक सोच की ओर बढ़ रहे हैं।

जाग्रत व्यक्ति की रक्षा के लिए देवदूत सबसे अधिक ध्यान रखते हैं किसी भी अवधारणा से जिसमें प्रेम नहीं है। तब वे बताते हैं व्यक्ति है कि वह या वह एक आत्मा है।आध्यात्मिक स्वर्गदूतों द्वारा हमें प्रकाश का उपयोग करने के बाद,वे हमारे लिए नई आने वाली आत्माओं के रूप में सब कुछ करते हैं जो हम कर सकते थे कभी भी उस अवस्था में रहने की कामना करते हैं। वे हमें वास्तविकताओं के बारे में बताते हैं दूसरे जीवन के बारे में, या कम से कम उनके बारे में जितना हम कर सकते हैंपकड़ना हालांकि, अगर हम उस तरह के लोग हैं जो नहीं चाहते हैं सिखाया जाना है, तो एक बार

जब हम जाग्रत हो जाते हैं तो हम बाहर निकलना चाहते स्वर्गदूतों के सानिध्य से । तौभी स्वर्गदूत हमें नहीं छोड़ते; बजाय हम उन्हें छोड़ देते हैं। देवदूत वास्तव में सभी से प्यार करते हैं। उन्हें कुछ नहीं चाहिए लोगों की मदद करने, उन्हें सिखाने, उनकी अगुवाई करने से ज्यादा स्वर्ग। यह उनका सर्वोच्च आनंद है।

जब आत्माएं स्वर्गदूतों की संगति छोड़ती हैं, तो उनका स्वागत किया जाता है अच्छी आत्माओं द्वारा जो उनके साथ हैं और जो भी करते हैं उनके लिए सब कुछ कर सकते हैं। हालांकि, अगर उन्होंने इस तरह का जीवन जिया है दुनिया में जो उनके लिए अच्छे लोगों की संगति में रहना संभव बना देता है, तो वे इनसे दूर होना चाहते हैं । ऐसा तब तक और जितनी बार आवश्यक हो, तब तक होता हैवे उन लोगों की संगति पाते हैं जिनके सांसारिक जीवन ने उन्हें उपयुक्त बनाया हैलिए। यहाँ वे अपना जीवन पाते हैं; और उल्लेखनीय के रूप में यह लग सकता है,फिर वे उसी तरह का जीवन जीते हैं जैसा वे एक बार दुनिया में जीते थे।

मृत्यु के बाद हमारे जीवन का यह पहला चरण एक से अधिक नहीं रहता है कुछ दिन, यद्यपि। निम्नलिखित पृष्ठों में मैं वर्णन करूँगा कि कैसे तब हमें एक अवस्था से दूसरी अवस्था में तब तक लाया जाता है जब तक अंत में हम या तो स्वर्ग में पहुंचते हैं या नर्क में। ये भी कुछ मुझे काफी अनुभव से सीखने का मौका मिला है।मैंने तीसरे दिन कुछ लोगों से बात की है उनकेमृत्यु, जब पहले वर्णित घटनाएं पूरी हो चुकी हों।

मैंने उन तीन लोगों से बात की जिन्हें मैं दुनिया में जानता था और उनसे कहा कि अब उनके अंतिम संस्कार की योजना बनाई जा रही है ताकि उनके शवों को दफनाया जा सके। जब उन्होंने यह सुना, तो वे एक प्रकार से व्याकुल हो उठे। उन्होंने कहा कि वे जीवित हैं, और जो कुछ दफन किया जा रहा है वह केवल भौतिक दुनिया में उनके लिए उपयोगी है। बाद में, वे इस तथ्य पर काफी चकित हुए कि जब वे अपने शरीर में

**रह रहे थे, तो उन्होंने मृत्यु के बाद इस तरह के जीवन में विश्वास नहीं किया था, और इससे भी अधिक इस अविश्वास को चर्च में लगभग सभी ने साझा किया था।**

**कुछ लोगों ने अपने सांसारिक जीवन के दौरान इस पर विश्वास नहीं किया है शरीर के जीवन के बाद आत्मा का कोई जीवन था। जब उन्हें पता चलता है कि वे अभी भी जीवित हैं, वे बहुत शर्मिंदा हैं। हालांकि,जिन लोगों ने खुद को आश्वस्त किया है कि कोई शाश्वत नहीं है जीवन दूसरों के साथ जुड़ जाता है जो समान सोचते हैं, और वे दूर चले जाते हैं उन लोगों से जो पृथ्वी पर रहते हुए विश्वास में रहते थे। उनमें से ज्यादातर लिंक कुछ नारकीय समुदाय के साथ क्योंकि ऐसे लोग अस्वीकार करते हैं दिव्य पर चर्च**

**की सच्चाइयों के लिए कोई उपयोग नहीं है। वास्तव में,इससे अधिक कि हम स्वयं को विश्वास दिलाते हैं कि आत्मा का शाश्वत जीवन नहीं हो सकता, जितना अधिक हम खुद को आश्वस्त करते हैं कि कुछ नहीं करना है स्वर्ग के साथ और चर्च वास्तविक है।**

## मौत के बाद हम  हैं पूरी तरह से मानव रूप में

तथ्य यह है कि एक आत्मा-व्यक्ति का रूप मानव रूप है पहले जो प्रस्तुत किया गया है उससे।यह इस तथ्य से और भी स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि हम मनुष्य हमारी आत्मा के कारण हैं, हमारे शरीर के कारण नहीं, और क्योंकि हमारा भौतिक रूप आत्मा से जुड़ा रहता है अपने रूप के साथ, दूसरी तरफ नहीं, क्योंकि आत्मा कपड़े पहने हुए है एक शरीर के साथ जो अपने रूप से मेल खाता है। नतीजतन, मानव आत्मा शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर कार्य करता है, जिसमें सबसे छोटा भी शामिल है वाले, यहाँ तक कि कोई भी भाग जो द्वारा सक्रिय नहीं है आत्मा, कोई भी भाग जिसमें कोई आत्मा अभिनय नहीं है, जीवित नहीं है।

**उस विचार और इच्छाशक्ति पर विचार करके कोई भी इसे देख सकता है शरीर में सब कुछ बिल्कुल सक्रिय करें और पूरी तरह से हैं नियंत्रण में कि शरीर का कोई भी अंग विरोध न करें। अगर कुछ करता हैसहमति नहीं है यह शरीर का हिस्सा नहीं है, और इसे वास्तव में निष्कासित कर दिया जाता है जैसे कोई चीज जिसमें जीवन न हो। सोचा और होगा आत्मा, शरीर को नहीं।**

**जिस कारण से हम उन आत्माओं का मानव रूप नहीं देख सकते जो शरीर और आत्माओं को छोड़ दिया है जो हम लोगों के अंदर है मिलना यह है कि हमारी दृष्टि का भौतिक अंग, आंख, भौतिक है यह इस दुनिया में क्या करता है, और भौतिक क्या है, इसके बारे में सम्मान केवल वही देखता है जो भौतिक है। आध्यात्मिक क्या है, हालांकि, क्या देखता है आध्यात्मिक है; इसलिए जब भौतिक आंख ढक जाती है और खो जाती है आत्मा के साथ समन्वय, तो आत्माएं स्वयं में दिखाई देती है रूप, जो मानव है। और यह न केवल के लिए एक मानव रूप हैआत्माएं जो आध्यात्मिक दुनिया में हैं, लेकिन आत्माओं के लिए भी जिन लोगों से हम तब मिलते हैं जब वे अपने शरीर में होते हैं।**

**आत्मा का मानव रूप होने का कारण यह है कि हमारी आत्माओं के संबंध में हम स्वर्ग के रूप में बनाए गए हैं,चूँकि सारे स्वर्ग और उसकी रूपरेखा का सार इस बात से है कि क्या बनाता है मानव मन के ऊपर। यह लेने की हमारी क्षमता का स्रोत है बुद्धि और बुद्धि। (इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप बुद्धि और ज्ञान लेने की हमारी क्षमता के बारे में बात करें या हमारे स्वर्ग में लेने की क्षमता।)वर्षों और वर्षों के दैनिक अनुभव ने प्रदान किया है सबूत है कि शरीर से अलग होने के बाद मानव आत्मा है एक व्यक्ति**

और एक समान रूप में है। मैंने इसे हजारों देखा है कई बार, मैंने ऐसी आत्माओं को सुना है, और मैंने उनसे बात भी की है इस तथ्य के बारे में कि दुनिया में लोग यह नहीं मानते कि वे हैं वे क्या हैं। मैंने उनसे कहा है कि विद्वान लोग ऐसा सोचते हैं जो करते हैं विश्वास करें कि ऐसी बातें भोली हैं।

आत्माएं इस बात से दुखी हैं कि इस तरह की अज्ञानता दुनिया में और विशेष रूप से चर्च में अभी भी आम है। परंतु वे कहते हैं कि यह विश्वास विशेष रूप से शिक्षाविदों द्वारा फैलाया गया हैजिन्होंने केवल शरीर के आधार पर आत्मा के बारे में सोचा है होश। इन शिक्षाविदों द्वारा केवल एक ही निष्कर्ष निकाला जा सकता है इस तरह सोचना यह है कि आत्मा केवल एक अवधारणा है, और चूंकि यह है किसी भी माध्यम में मौजूद नहीं है जिसमें और जिससे यह हो सकता है देखा जा सकता है, यह शुद्ध ईथर की तरह है, जो आसानी से वाष्पित हो जाता है, और यह हो सकता है शरीर के मरने पर ही शून्य हो जाता है।

लेकिन चूंकि चर्च आत्मा की अमरता के आधार पर विश्वास करता है शब्द, इन विद्वानों को यह मानने के लिए मजबूर किया जाता है कि आत्मा है जीवन का कुछ रंग, कुछ सोचा-ईश। इस रियासत के बावजूद,वे आत्मा को चीजों को समझने की किसी भी क्षमता की अनुमति नहीं देते हैं हम करते हैं, या कम से कम तब तक नहीं जब तक कि यह अपने शरीर के साथ फिर से जुड़ न जाए। उनके पुनरुत्थान का सिद्धांत इसी विचार पर आधारित है, जैसा कि उनका विश्वास है कि अंतिम निर्णय आने पर आत्मा और शरीर का पुनर्मिलन होगा। इसका परिणाम यह होता है कि जब लोग सिद्धांत रखते हैं और एक साथ अटकलें लगाते हैं और उस आधार पर आत्मा के बारे में सोचते हैं, वे

बस इस तथ्य को मत समझो कि आत्मा आत्मा है और उसके पास एक है मानव रूप।

इस तथ्य के बारे में कुछ भी नहीं कहने के लिए कि आजकल शायद ही कोई जानता है कि "आध्यात्मिक" का क्या अर्थ है, आइए जानते हैं कि आत्मिक लोगों (यानीआत्माओं और स्वर्गदूतों) का एक मानवीय रूप है।इस प्रकार इस दुनिया से आने वाले लगभग सभी लोग हैं यह जानकर बिल्कुल आश्चर्य हुआ कि वे जीवित हैं और वे हमेशा की तरह इंसान हैं, कि वे देख और सुन रहे हैं और बात करना, कि उनके शरीर में अभी भी स्पर्श की भावना है, और कुछ भी नहीं बदला है। लेकिन एक बार जब वे उस पर काबू पा लेते हैं,तब वे चकित हो जाते हैं कि चर्च नहीं जानता इस अवस्था के बारे में कुछ भी जो हमारे पास मृत्यु के बाद है, और इसलिए इसी तरह स्वर्ग और नर्क के बारे में अनभिज्ञ है, भले ही सभी जो लोग इस दुनिया में रहते हैं वे दूसरे जीवन में हैं और हैं जीवित लोग।

क्योंकि वहां के लोग यही सोचते रहे कि ऐसा क्यों नहीं हुआ दृष्टि के माध्यम से पृथ्वी पर लोगों के लिए स्पष्ट किया गया है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है चर्च के विश्वास के बारे में जानने के लिए, उन्हें बताया गया एक स्वर्गीय स्रोत द्वारा कि इस तरह के दर्शन कभी भी दिए जा सकते हैं इससे प्रभु को प्रसन्न किया–इससे आसान कुछ नहीं हो सकता। लेकिन वेकहा गया, अगर लोगों के पास भी ऐसे दर्शन हों, तो कोई विश्वास नहीं करेगा उन्हें, क्योंकि वे सभी अपने आप को सटीक के बारे में आश्वस्त कर चुके हैं

विपरीत।

जब हम पहली बार आत्माओं की दुनिया में प्रवेश करते हैं (जो होता हैपुनर्जागृति के कुछ ही समय बाद बस वर्णित), हमारा चेहरा और हमारी आवाज की आवाज वैसी ही है जैसी वे दुनिया में थीं। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि उस समय हम उस स्थिति में होते हैं जिसमें हम होते हैं हमारे बाहरी स्व पर केंद्रित हैं, और हमारा आंतरिक स्व अभी तक नहीं है हमें प्रकट किया। हमारे मरने के बाद यह हमारी प्रारंभिक अवस्था है। बाद में,हालांकि, हमारा चेहरा बदल जाता है और काफी अलग हो जाता है। यह आता है शासक प्रेम की तरह दिखने के लिए जो हमारे मन की गहराई तक पहुंचता है दुनिया में केंद्रित है, जिस तरह की प्रेम विशेषता आत्मा हमारे शरीर के भीतर है, क्योंकि हमारी आत्मा का चेहरा हमारे शरीर के चेहरे से बहुत अलग है। हमें अपना भौतिक चेहरा अपने माता-पिता से मिलता है और हमारा आध्यात्मिक चेहरा हमारे शासक प्रेम से मिलता है, जिससे हमारा चेहरा एक छवि बनाता है। हमारे भौतिक जीवन के समाप्त होने के बाद, जब बाहरी आवरण हटा दिए जाते हैं, हमारी आत्मा इस चेहरे को धारण करती है।

मैंने दुनिया के कुछ नए लोगों को देखा है और पहचान लिया है उनके चेहरे और आवाज से; परन्तु जब मैंने उन्हें बाद में देखा, तो मैंने उन्हें नहीं पहचाना। जिन लोगों का शासन प्रेम अच्छा था, उनके चेहरे सुंदर थे, जबकि जिन लोगों का शासन प्रेम बुरा था, उनके चेहरे कुरूप थे। अगर हमारी आत्मा को देखा जाए कि यह वास्तव में क्या है, तो यह हमारे प्यार के समान है। और हमारा चेहरा हमारे प्यार का सिर्फ बाहरी आकार है।

हमारे चेहरे बदलने का कारण यह है कि दूसरे जीवन में कोई नहीं उन्हें किसी ऐसी चीज़ से प्यार करने का दिखावा करने की अनुमति है जो वे वास्तव में नहीं करते हैं, इसलिए हम उस चेहरे पर नहीं रख सकते जो उस प्रेम के विपरीत है जो मार्गदर्शन करता है हमें। हम सभी को एक ऐसी अवस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है

जिसमें हम क्या कहते हैं हम सोचते हैं और दिखाते हैं कि हम अपने भावों में क्या करना चाहते हैं और क्रिया। यही कारण है कि हमारे चेहरे जिस चीज से प्यार करते हैं उसका आकार ले लेते हैं और इसकी एक छवि बनाएं; और यही कारण है कि सभी लोग जिनके पास है दुनिया में एक-दूसरे को जानते हैं आज भी एक-दूसरे को पहचानते हैं आत्माओं की दुनिया, लेकिन स्वर्ग या नरक में नहीं।

पाखंडियों के चेहरे उन लोगों की तुलना में अधिक धीरे-धीरे बदलते हैं , क्योंकि निरंतर अभ्यास से उन्होंने बना लिया है अपने भीतर के खुद को प्यार के नकली में व्यवस्थित करने की आदत, इसलिए लंबे समय तक ये काफी आकर्षक लगते हैं।

हालाँकि, चूंकि यह झूठा मोर्चा धीरे-धीरे हटा दिया गया है और उनके दिमाग के गहरे तत्व धीरे-धीरे व्यवस्थित होते हैं जो प्यार करते हैं, वे अन्य लोगों की तुलना में बदसूरत हो जाते हैं।पाखंडी वे लोग हैं जो स्वर्गदूतों की तरह बात करते हैं लेकिन जो भीतर से बोलते हैं केवल भौतिक चीजों का सम्मान करें, दिव्य होने का नहीं, और जो इसलिए किसी भी चीज़ से संबंधित होने की वास्तविकता से इनकार करते हैं चर्च और स्वर्ग।

एक बात जो हमें निश्चित रखनी चाहिए, वह है हमारा मानव रूप मृत्यु के बाद यह सब और अधिक संुदर होगा यदि हमारे पास गहराई से है ईश्वरीय सत्यों से प्यार करते थे और उनके द्वारा जीते हैं, हमारे गहरे स्तरों से इन दोनों के हमारे प्यार के अनुसार खोले और आकार दिए गए हैं सच्चाई और हमारे जीने का तरीका। तो हमारा प्यार जितना गहरा और उतना ही ज्यादा यह स्वर्ग जैसा है, हमारे चेहरे जितने खूबसूरत होंगे। यह है सबसे गहरे स्वर्ग में रहने वाले स्वर्गदूत सबसे अधिक क्यों संुदर–क्योंकि वे स्वर्गीय

**प्रेम के रूप हैं। दूसरे पर हाथ, ऐसे लोग हैं जिन्होंने दैवीय सत्यों से अधिक प्रेम किया है उनके बाहरी रूप और इस कारण से उनके द्वारा और अधिक में रहते हैं सही तरीके, और वे कम सुंदर हैं।**

**ऐसा इसलिए है क्योंकि केवल उनके चेहरे से जितने अधिक सतही गुण चमकते हैं; और न हीं उन सतही गुणों के माध्यम से गहरा, स्वर्गीय प्रेम चमक सकता है।और अगर वह प्यार नहीं चमकता है, तो न हीं वास्तव में स्वर्ग क्या है इसका आकार। उनके चेहरों पर आप कुछ ऐसा देख सकते हैं जो स्वर्ग की तुलना में धुंधला है–ऐसा कुछ जो जीवन में नहीं आ सकता, क्योंकि कोई भी गहरा जीवन इसे प्रकाशित नहीं कर रहा है।संक्षेप में कहें तो: कोई भी चीज जितनी गहरी होती है, उसके करीब होती है परिपूर्ण होना; यह जितना सतही है, उतना ही दूर है परिपूर्ण होना। और हमारी सुंदरता इस बात पर निर्भर करती है कि पूर्णता हम हैं।**

**मैंने तीसरे स्वर्ग के फरिश्तों के चेहरे इतने ख़ूबसूरत देखे हैं कि कोई भी चित्रकार, अपने सभी कौशल और रंगद्रव्य के साथ, एक को प्रस्तुत नहीं कर सकता था उसके प्रकाश का अंश या प्रतिद्वंद्वी चमक का एक हजारवां हिस्सा और जोश उनके चेहरों पर झलकता है। इसके विपरीत, के चेहरे सबसे बाहरी स्वर्ग के स्वर्गदूतों को संभवतः पकड़ा जा**
**सकता है एक पेंटिंग में।**

**अंत में, मैं एक रहस्य की पेशकश करना चाहता हूं जो पहले कभी नहीं बना ज्ञातः सब कुछ अच्छा और सच्चा जो प्रभु से आता है और मनुष्य के रूप में स्वर्ग बनाता है। यह सच है न केवल स्वर्ग की समग्रता का, एक भव्य पैमाने पर, बल्कि स्वर्ग का प्रत्येक व्यक्तिगत भाग, सबसे छोटे पैमाने पर। इस स्वर्गीय रूप का प्रभाव उन सभी पर पड़ता है जो अच्छाई ग्रहण करते हैं और जो कुछ यहोवा की ओर से सत्य है वह उतना**

ही अधिक स्वर्ग के लोग ग्रहण करते हैं ये चीजें, वे जितने वास्तविक रूप में मानव हैं। इसलिए स्वर्ग स्व-संगत है, दोनों में जो साझा किया गया है , व्यक्तिगत विचारों द्वारा भी लिया गया है।

## हम पीछे कुछ नहीं छोड़ते

# हमारे सांसारिक शरीर को छोड़कर

**बार-बार के अनुभव ने मुझे यह साबित कर दिया है कि जब हम आगे बढ़ते हैं भौतिक दुनिया आध्यात्मिक में, जो तब होता है जब हम मर जाते हैं,हम अपने साथ वह सब कुछ ले जाते हैं जो हमारे चरित्र से संबंधित है सिवाय हमारा सांसारिक शरीर। वास्तव में, जब हम आध्यात्मिक दुनिया में प्रवेश करते हैं, या मृत्यु के बाद हमारा जीवन, हम एक शरीर में हैं जैसे हम इस दुनिया में थे।**

**चूँकि हम कोई अंतर महसूस या देखते नहीं हैं, ऐसा लगता है जैसे कुछ भी नहीं बदल गया है। अब हमारा शरीर आध्यात्मिक है, हालांकि, जिसका अर्थ है इसे सांसारिक पदार्थ से अलग कर शुद्ध किया गया है। इसके अलावा,जब कुछ आध्यात्मिक छूता है और कुछ देखता है आध्यात्मिक, यह कुछ भौतिक स्पर्श करने और देखने जैसा है कुछ सामग्री। तो जब हम एक आत्मा बन गए हैं, कोई नहीं हमारी इंद्रियां हमें बताती हैं कि हम उस शरीर में नहीं हैं जिसमें हम निवास करते हैं दुनिया, और इसलिए हम नहीं जानते कि हम मर चुके हैं।आत्मा-लोगों के रूप में, हमारे पास हर बाहरी और आंतरिक भावना है दुनिया में था।**

**हम वैसे ही देखते हैं जैसे हम करते थे, हम सुनते और बात करते हैं जिस तरह से हम करते थे; हम गंध और स्वाद लेते हैं; जब हम होते हैं तो हम इसे महसूस करते हैं जिस तरह से हम इस्तेमाल करते थे उसे छुआ; हम चाहते हैं, चाहते हैं, तरसते हैं, सोचते हैं,विचार करते हैं, स्थानांतरित होते हैं, प्यार करते हैं, और जिस तरह से हम करते थे उसका इरादा रखते हैं। अध्ययनशील टाइप अभी भी उसी तरह पढ़ते और लिखते हैं जैसे वे पहले करते थे। एक शब्द में,जब हम एक जीवन से दूसरे जीवन में या एक से दूसरे जीवन में जाते हैं दुनिया से दूसरी दुनिया में जाना, यह एक भौतिक स्थान से**

दूसरे स्थान पर जाने जैसा हैदूसरा; और हम अपने साथ वह सब कुछ ले जाते हैं जो हमारे पास मानव के रूप में है प्राणियों, इस हद तक कि यह कहना सत्य होगा कि मारे पास है मरने के बाद अपना कुछ भी खो दिया, जो सिर्फ एक की मौत है सांसारिक शरीर।

हम अपनी सांसारिक स्मृति को भी अपने साथ ले जाते हैं, क्योंकि हम हमने जो कुछ भी सुना, देखा, पढ़ा, सीखा, या सोचा है, उसे बनाए रखें दुनिया में बचपन से लेकर जीवन के अंत तक। परंतु चूंकि सांसारिक वस्तुएं जो हमारी स्मृति में निवास करती हैं,

वे परे हैं आध्यात्मिक दुनिया में पुनः प्राप्त करने की हमारी शक्ति, वे बन जाते हैं जब हम इसके बारे में नहीं सोच रहे होते हैं तो वे वैसे ही निष्क्रिय हो जाते हैं उन्हें। हालांकि, उन्हें पुनः प्राप्त किया जा सकता है, जब वे ऐसा चाहते हैं भगवान। लेकिन मुझे जल्द ही सांसारिक स्मृति के बारे में और कुछ कहना होगा और मृत्यु के बाद उसकी स्थिति।

जो लोग अपनी इंद्रियों पर केंद्रित होते हैं वे काफी सक्षम होते हैंयह विश्वास करने के लिए कि मृत्यु के बाद हमारा राज्य ऐसा है, क्योंकि ऐसी बात की कल्पना नहीं कर सकते। ऐसे लोग केवल ही सोच सकते हैं भौतिक स्तर पर , आध्यात्मिक मामलों के बारे में भी। इसका मतलब यह है कि जो कुछ भी उन्हें समझ में नहीं आता-अर्थात वह कुछ भी जिसके साथ वे नहीं देखतेउनकी शारीरिक आंखें और उनके हाथों से स्पर्श– वे कहते हैं कि करता है मौजूद नहीं है।

फिर भी, आध्यात्मिक में हमारे जीवन के बीच का अंतर दुनिया और भौतिक दुनिया में हमारा जीवन विचारणीय है, के साथ हमारी बाहरी इंद्रियों का सम्मान करें और

जिस तरह से वे हमें प्रभावित करते हैं, और हमारी आंतरिक इंद्रियों और जिस तरह से वे हमें प्रभावित करते हैं। जो लोग स्वर्ग में मानसिक रूप से कहीं अधिक संवेदनशील होते हैं। यानी वे देखते हैं और जब वे अंदर थे तब से अधिक समझदारी से सुनें और सोचें यह दुनिया। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे स्वर्ग के प्रकाश में देख रहे हैं,जो दुनिया के प्रकाश से बहुत अधिक है, और वे रास्ते से सुनते हैं एक आध्यात्मिक वातावरण का जो वातावरण से बहुत आगे निकल जाता है पृथ्वी का। इससे उनकी बाहरी इंद्रियों पर फर्क पड़ता है भौतिक संसार में जितना अंतर हम देखते हैं उतना ही महान साफ आसमान और बादल की अस्पष्टता, या दोपहर के बीच उजाला और शाम का सन्नाटा। क्योंकि स्वर्ग का प्रकाश हैईश्वरीय सत्य, यह स्वर्गदूतों को नोटिस करने और उनके बीच अंतर करने में सक्षम बनाता है यहां तक कि छोटी-छोटी चीजें भी नजर से।

इसके अलावा, उनकी बाहरी दृष्टि उनकी आंतरिक दृष्टि (उनकी समझ) से मेल खाती है, क्योंकि स्वर्गदूतों के लिए प्रत्येक दृष्टि दूसरे में बहती है और वे एक के रूप में कार्य करते हैं। यही कारण है कि स्वर्गदूतों की बाहरी दृष्टि और उनके दोनों भीतर की दृष्टि इतनी तेज है। उनकी सुनवाई इसी तरह से मेल खाती है उनकी उच्च धारणा के लिए रास्ता, जो उनके दोनों का एक कार्य है समझ और उनकी इच्छा। तो दूसरों के लहजे और शब्दों में,एन्जिल्स वक्ताओं की भावनाओं की थोड़ी सी भी छायांकन उठाते हैं और विचार-स्वर में भावनाओं की छायांकन, और छायांकन शब्दों में सोचा।

हालांकि, स्वर्गदूतों की अन्य इंद्रियों उतनी उत्कृष्ट रूप से उत्सुक नहीं हैं जितनी उनकी दृष्टि और श्रवण, क्योंकि दृष्टि और श्रवण उनकी सेवा करते हैं बुद्धि और ज्ञान,

जबकि अन्य इंद्रियां नहीं। अगर अन्य उतने ही तेज थे, वे रोशनी छीन लेते थे और वह आनंद जो स्वर्गदूत ज्ञान में पाते हैं और उन्हें आनन्द से बदल देते हैं भौतिक भूखों से उत्पन्न होने वाले सुखों में जो अस्पष्ट और जैसे-जैसे वे मजबूत होते जाते हैं, बुद्धि को और कमजोर करते जाते हैं।

दुनिया में ऐसे लोगों के साथ भी ऐसा होता है, जो ज्यादा हो जाते हैं आध्यात्मिक सत्य के संबंध में नीरस और नासमझ जितना अधिक भोजन के लिए उनकी भूख और शरीर की तड़प के लिए उपज शारीरिक स्पर्श की संतुष्टि के लिए।स्वर्ग के स्वर्गदूतों की गहरी इंद्रियां, जो जुड़ी हुई हैं अपने विचारों और भावनाओं के साथ, अधिक उत्कृष्ट रूप से उत्सुक हैं और दुनिया में उनके पास जो था उससे कहीं अधिक पूर्णता के करीब।जब हम छोड़ते हैं तो हमारी पूरी याददाश्त रखने के लिए दुनिया, मैंने इसे कई उदाहरणों से दिखाया है और देखा है और उल्लेखनीय बात सुनी। मैं एक सूचीबद्ध करना चाहता हूँ कुछ उदाहरण।

ऐसे लोग थे जिन्होंने अपराधों और अपराधों से इनकार किया था उन्होंने दुनिया में प्रतिबद्ध किया था। उन्हें रोकने के लिएनिर्दोष के रूप में देखा जा रहा है, सब कुछ प्रकट और निकाला गया था शुरू से ही कालानुक्रमिक क्रम में उनकी अपनी स्मृति में उनके जीवन के अंत तक। इन अपराधों में से अधिकांश के कार्य थे व्यभिचार और व्यभिचार।

कुछ लोग ऐसे भी थे जिन्होंने दुर्भावना से दूसरों को धोखा दिया था कौशल और उनसे चोरी की थी। उनके धोखे और चोरी थे एक के बाद एक गिनाते भी थे, जिनमें से कई जाने जाते थे दुनिया में व्यावहारिक रूप से खुद के अलावा कोई नहीं। उन्हें भी स्वीकार किया, क्योंकि वे दिन के साथ-साथ सादे थे सभी विचार, इरादे, सुख और भय जो घूम रहे थे उस समय उनके दिमाग में एक साथ।

ऐसे लोग थे जिन्होंने रिश्वत ली थी और पैसे कमाए थे न्यायिक निर्णयों से। उनकी इसी तरह जांच की गई थी उनकी अपनी यादों के आधार पर, और सब कुछ से सुनाया गया था अंत तक उनका पहला पदभार ग्रहण करना। सैकड़ों बटा सैकड़ों उन्होंने कितना लिया, और किस तरह की चीजें, किस पर?समय, और उनकी मानसिक स्थिति और उनके इरादे, सभी एक साथ थे उनकी याद में याद किया और देखने के लिए उजागर किया। में कुछ मामलों में, उल्लेखनीय रूप से पर्याप्त, बहुत ही बहीखाता जिसमें वे
रिकॉर्ड किया था इन कार्यों को खोला गया और उन्हें पढ़ा गया, पृष्ठ पृष्ठ द्वारा।

ऐसे पुरुष थे जिन्होंने क्रम में निर्दोष महिलाओं को बहकाया था उन्हें भ्रष्ट करने और उनका उल्लंघन करने के लिए। उन्हें एक के लिए बुलाया गया था इसी तरह के निर्णय, और विवरण उनकी स्मृति से निकाले गए थे और सूचीबद्ध। युवतियों और अन्य लोगों के वास्तविक चेहरे प्रस्तुत किए गए जैसे कि वे व्यक्तिगत रूप से वहां थे, साथ में उन्हें कहां ले गए, पुरुषों ने उनसे क्या कहा, उन्होंने क्या कहा सोच रहे थे। यह तुरंत के रूप में किया गया था जब कुछ वास्तव में प्रत्यक्ष देखा जा रहा है। कभी-कभी ये प्रस्तुतियां घंटों चलीं।

एक आदमी था जिसने बुरा बोलने के बारे में कुछ नहीं सोचा। मैंने सुना है कि उनकी बदनामी कालानुक्रमिक में सुनाई देती है आदेश, और उनके विरुद्ध उसकी झूठी गवाही भी–वास्तविक शब्द, और वह किस व्यक्ति की निंदा कर रहा था, और कौन था उपस्थित। इन सभी विवरणों को सामने लाया गया और एक में प्रस्तुत किया गया स्ट्रोक जैसे कि वे वास्तविक जीवन थे, हालांकि उन्होंने बहुत सावधानी से रखा था
जब वह संसार में रह रहा था, तब उन्हें छिपा दिया।

एक आदमी था जिसने अपनी विरासत के एक रिश्तेदार को धोखा दिया था किसी कुटिल बहाने से। उन्हें दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई उसी तरह से। उल्लेखनीय रूप से, वे पत्र और दस्तावेज आदान-प्रदान मुझे जोर से पढ़ा गया, और उसने कहा कि एक शब्द भी नहीं याद आ रही थी। इसी शख्स ने एक पड़ोसी को भी गुपचुप तरीके से मार डाला था अपनी मृत्यु से ठीक पहले जहर से, एक तथ्य का खुलासा किया गया था  इस अनुसार। वह अपने पैरों के नीचे एक गड्ढा खोदता हुआ दिखाई दिया, और जब वह खोदा गया, तो एक आदमी कब्र से बाहर आया और उस पर चिल्लाया, "तुमने मेरे साथ क्या किया है?" तब सब कुछ खुल गया - कैसे ज़हर ने उसके साथ मैत्रीपूर्ण तरीके से बात की और उसे पेय की पेशकश की, जो उसने पहले सोचा था, और बाद में क्या हुआ। एक बार जब इसका खुलासा हो गया, तो हत्यारे को नरक में डाल दिया गया।

एक शब्द में, सभी बुराइयां, अपराध, चोरी, धोखाधड़ी और धोखे बुरी आत्माओं द्वारा किए गए कार्यों को उन्हें स्पष्ट किया जाता है और खींचा जाता है सीधे उनकी अपनी यादों से, और उन्हें दोषी ठहराया जाता है। वे शायद किसी बात से इनकार नहीं कर सकते, क्योंकि सभी परिस्थितियों को एक साथ प्रस्तुत किया जाता है।

मैंने यह भी सुना है कि स्वर्गदूतों ने देखा और प्रदर्शित किया है एक व्यक्ति की स्मृति वह सब कुछ जो उसने सोचा था, एक दिन एक के बाद एक, एक महीने के दौरान, एक

के बाद एक नहीं गलती। ये यादें उसे ऐसे याद आ गईं मानो वह उन्हीं दिनों में खुद वापस आ गए थे।

हम इन उदाहरणों से इकट्ठा कर सकते हैं कि हम अपना पूरा लेते हैं स्मृति हमारे साथ है, और इसमें कुछ भी इतना छुपा नहीं है दुनिया कि यह मृत्यु के बाद ज्ञात नहीं किया जाएगा, और बनाया जाएगा प्रभु के वचनों के अनुसार सार्वजनिक रूप से जाना जाता है: "कुछ भी छिपा नहीं है जो प्रकट नहीं किया जाएगा, और कुछ भी छिपा नहीं है जो ज्ञात नहीं होगा। जो कुछ तू ने अंधकार में कहा है वह ज्योति में सुना जाएगा, और जो कुछ तू ने किसी के कान में कहा है, उसका प्रचार छतों पर किया जाएगा"।

जब हमारे पास मृत्यु के बाद हमारा सामना होता है जो हमारे पास है जीवन में किया, फरिश्ते जिन्हें जांच का काम दिया गया है हम अपने चेहरों को खोजते हुए देखते हैं और उनकी परीक्षा जारी रखते हैं हमारे पूरे शरीर के माध्यम से, सबसे पहले उंगलियों से शुरू होता है एक हाथ और फिर दूसरे का, और बाकी सब के माध्यम से जारी। जब मैंने सोचा कि ऐसा क्यों है, तो मुझे समझाया गया। कारण यह है कि जिस प्रकार हमारे विचार और इच्छा का विवरण मस्तिष्क पर अंकित होता है, क्योंकि जहां से उनकी भौतिक शुरुआत होती है, वे भी पूरे शरीर पर अंकित हो जाते हैं, क्योंकि जो कुछ भी हमारे विचार से उत्पन्न होता है और हमारी इच्छा बिंदु से चलती है जहां से यह शरीर में शुरू होता है और वहां अपने अंतिम रूप में महसूस किया जाता है। यही कारण है कि हमारी स्मृति पर जो चीजें अंकित होती हैं जो हमारी इच्छा से आती हैं, और जो विचार हमारी इच्छा से उत्पन्न होते हैं, वे न केवल मस्तिष्क पर बल्कि पूरे व्यक्ति पर भी अंकित होते हैं, जहां वे एक पैटर्न में रूप लेते हैं। शरीर के अंगों के पैटर्न का अनुसरण करता है।

इसलिए मैं देख सकता था कि हमारा समग्र चरित्र इस बात पर निर्भर करता है कि हमें किस प्रकार की चीजें करनी हैं, और उन विचारों पर जो परिणामस्वरूप हमारे मन

में हैं। वास्तव में, यह कहा जा सकता है कि बुरे लोग अपने स्वयं के बुरे होते हैं और अच्छे लोग होते हैं उनका अपना भला।हम इससे यह भी समझ सकते हैं कि हमारी पुस्तक का क्या अर्थ है?

जीवन, जिसका उल्लेख वचन में किया गया है। विशेष रूप से, इसका अर्थ यह है कि हमारे सभी कार्य और हमारे सभी विचार हमारे पूरे व्यक्ति पर लिखे गए हैं और ऐसा लगता है जैसे वे किसी पुस्तक से पढ़े जाते हैं जब उन्हें हमारी स्मृति से बाहर बुलाया जाता है। जब हमारी आत्मा को स्वर्ग के प्रकाश में देखा जाता है तो वे एक प्रकार की छवि के रूप में प्रकट होते हैं।

मैं इसके बारे में कुछ उल्लेखनीय जोड़ना चाहूंगा स्मृति जो हम मृत्यु के बाद रखते हैं, कुछ ऐसा जो मुझे आश्वस्त करता है कि न केवल सामान्य सामग्री बल्कि हमारी स्मृति में दर्ज की गई छोटी से छोटी जानकारी भी रहती है और कभी मिटाई नहीं जाती है। मैंने कुछ किताबें देखीं जिनमें लिखा हुआ था जैसे पार्थिव लेखन, और मैं उन्हें बताया गया था कि वे उन लोगों की यादों से आए हैं जिन्होंने मूल रूप से उन्हें लिखा था- कि भौतिक दुनिया में उन लोगों द्वारा लिखी गई किताबों में एक भी शब्द गायब नहीं था।

मुझे यह भी बताया गया था कि इसी तरह, हर चीज के बारे में सबसे छोटा विवरण किसी अन्य व्यक्ति की स्मृति से प्राप्त किया जा सकता है, यहां तक कि वे चीजें भी जिन्हें व्यक्ति पृथ्वी पर रहते हुए भूल गया था। इसका कारण भी समझाया गया: अर्थात, हमारे पास एक बाहरी और एक आंतरिक स्मृति है। बाहरी हमारे भौतिक व्यक्ति का है और आंतरिक हमारे आध्यात्मिक व्यक्ति का है।

हमने जो सोचा, चाहा, कहा, और किया उसका विवरण,यहां तक कि जो हमने सुना और देखा है, वह हमारी आंतरिक या आध्यात्मिक स्मृति पर अंकित है। वहां कुछ भी मिटाने का कोई उपाय नहीं है, क्योंकि सब कुछ एक ही बार में हमारी आत्मा पर और हमारे शरीर के अंगों पर लिखा जाता है, जैसा कि उल्लेख किया गया है। इसका मतलब यह है कि हमने जो सोचा है और जो करने की हमारी इच्छा है, उसके अनुसार हमारी आत्मा बनती है। मुझे पता है कि ये बातें तर्क के विपरीत लगती हैं,और इस प्रकार विश्वास करना कठिन है, लेकिन फिर भी वे सच हैं।

इसलिए कभी भी विश्वास न करें कि कुछ ऐसा है जो हमने सोचा है गुप्त रूप से किया गया जो मृत्यु के बाद भी छिपा रहेगा। इसके बजाय विश्वास करें कि बिल्कुल सब कुछ दिन के उजाले में आ जाएगा। यद्यपि हमारी बाहरी या भौतिक स्मृति मृत्यु के बाद भी हमारा हिस्सा है, जब हम दूसरे जीवन में पहुंचते हैं तो हम कुछ भी याद नहीं रख सकते जो केवल भौतिक है। हम अपनी स्मृति से केवल उन आध्यात्मिक चीजों को पुनः प्राप्त कर सकते हैं जो भौतिक वस्तुओं से पत्राचार द्वारा जुड़ी हुई हैं। फिर भी, जब उन पत्राचारों को नेत्रहीन रूप से प्रस्तुत किया जाता है, तो वे वैसे ही दिखते हैं जैसे वे भौतिक संसार में करते थे।

ऐसा इसलिए है क्योंकि हम जो कुछ भी स्वर्ग में देखते हैं वह वैसा ही दिखता है जैसा उसने दुनिया में देखा, भले ही वह भौतिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक है।जहाँ तक हमारी बाहरी या भौतिक स्मृति का सवाल है, हालांकि,इसकी सामग्री पदार्थ, समय, स्थान

24

और भौतिक दुनिया की विशेषता वाली हर चीज से ली गई है, यह उस आत्मा के लिए समान कार्य नहीं करती है जो उसने दुनिया में की थी। ऐसा इसलिए है क्योंकि

दुनिया में, जब हमने अपनी सोच को अपनी बाहरी इंद्रियों पर आधारित किया था, न कि अपनी आंतरिक इंद्रियों पर - जो हमारी उच्च समझ से संबंधित हैं - हम भौतिक स्तर पर सोच रहे थे न कि आध्यात्मिक स्तर पर। हालांकि, दूसरे जीवन में, जब हमारी आत्मा आध्यात्मिक दुनिया में होती है, हम भौतिक स्तर पर नहीं बल्कि आध्यात्मिक स्तर पर सोचते हैं। आध्यात्मिक स्तर पर सोचना हमारी उच्च समझ, हमारी तर्क शक्ति के साथ सोच रहा है । यही कारण है कि जहां तक भौतिक चीजों का संबंध है, हमारी बाहरी या भौतिक स्मृति निष्क्रिय हो जाती है।

हमारी याददाश्त केवल उन्हीं चीजों का उपयोग करती है जो हमने उन भौतिक चीजों के माध्यम से दुनिया में हासिल की है और अपनी तर्क क्षमता का हिस्सा बना लिया है। यही कारण है कि हमारे पास मृत्यु के बाद तर्क करने की क्षमता उस हद तक है कि हमने अपने माध्यम से उस क्षमता को हासिल कर लिया है। इस दुनिया में भाषाओं और कलाओं और विज्ञानों का उपयोग, और इस हद तक नहीं कि हमने अभी-अभी भाषाओं और कलाओं और विज्ञानों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया है।

मैंने ऐसे कितने ही लोगों से बात की है, जिन्हें इब्रानी और ग्रीक और लैटिन जैसी प्राचीन भाषाओं के अपने ज्ञान के कारण दुनिया में विद्वान माना जाता था, लेकिन उनमें लिखी बातों के माध्यम से तर्क करने की अपनी क्षमता विकसित नहीं की थी भाषाएं। उनमें से कुछ उन लोगों की तरह सरल लग रहे थे जो उन भाषाओं के बारे में कुछ नहीं जानते थे; उनमें से कुछ घने लग रहे थे, लेकिन फिर भी वेवे दंभ से भरे हुए थे, मानो वे अन्य लोगों की तुलना में अधिक बुद्धिमान थे।

मैंने कुछ ऐसे लोगों से बात की है जिन्होंने बहुत कुछ लिखा था जब वे दुनिया में थे, उनमें से कुछ सभी प्रकार के शैक्षणिक क्षेत्रों में थे, ऐसे लोग जिन्होंने इसलिए सीखने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी। उनमें से कुछ इस बारे में प्रश्नचिह्न लगा

सकते थे कि सत्य सत्य थे या नहीं। उनमें से कुछ समझ गए कि सच क्या है जब उन्होंने उन लोगों की ओर रुख किया जो सच्चाई के प्रकाश में थे; लेकिन चूंकि वे अभी भी यह नहीं समझना चाहते थे कि क्या सच था, उन्होंने इसका खंडन किया जब वे अपने स्वयं के झूठे विचारों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे और इसलिए वास्तव में स्वयं थे। उनमें से कुछ अनपढ़ जनता से अधिक कुछ नहीं जानते थे। इसलिए वे जिस तरह से लिखे या कॉपी किए गए ग्रंथों के माध्यम से अपनी तर्क क्षमता विकसित करने के तरीके के आधार पर भिन्न थे।

फिर भी, अगर उन्होंने चर्च की सच्चाई का विरोध किया होता, अपनी सोच को अकादमिक विषयों पर आधारित किया होता, और खुद को झूठे सिद्धांतों के बारे में समझाने के लिए उनका इस्तेमाल किया होता, तो उन्होंने अपनी तर्क क्षमता विकसित नहीं की थी, बल्कि तर्क-वितर्क में केवल कौशल विकसित किया था-एक ऐसी क्षमता दुनिया में तर्क के साथ, लेकिन वास्तव में एक अलग क्षमता है।

यह किसी भी चीज को साबित करने की क्षमता है, यह देखने के लिए कि क्या सच है, इसके बजाय क्या गलत है, यह सब पूर्व धारणाओं के आधार पर है।और भ्रम। ऐसे लोगों को कभी नहीं लाया जा सकता सत्य को पहचानना, क्योंकि सत्य को देखना असंभव है झूठे सिद्धांतों के आधार पर-यद्यपि सच्चे सिद्धांतों के आधार पर यह देखना संभव है कि क्या असत्य है।

हमारी तर्क क्षमता बगीचे या फूलों की क्यारियों की तरह है, जैसे जुताई की गई भूमि। हमारी स्मृति मिट्टी, सूचना और ज्ञान है अनुभव से प्राप्त बीज हैं, और स्वर्ग का प्रकाश और गर्मी उन्हें उत्पादक बनाती है। अंतिम दो के बिना अंकुरण नहीं होता। तो हम में

तब तक कोई अंकुरण नहीं होता जब तक कि स्वर्ग का न हो प्रकाश, जो कि दिव्य सत्य है, और स्वर्ग की गर्माहट, जो कि दिव्य प्रेम है, को अंदर जाने दिया जाता है। वे ही हमारी तर्क करने की क्षमता का एकमात्र स्रोत हैं।

एन्जिल्स गहराई से दुखी हैं कि विद्वानों के पास है अधिकांश भाग ने प्रकृति को सभी चीजों के कारण के रूप में पहचानना जारी रखा, और इसलिए अपने दिमाग के गहरे स्तरों को तब तक बंद कर दिया जब तक कि वे सत्य के प्रकाश से सत्य का कोई निशान नहीं देख सकते, जो कि स्वर्ग का प्रकाश है। नतीजतन, दूसरे जीवन में विद्वान वास्तव में उनकी तर्क करने की क्षमता से वंचित हैं, ताकि वे सरल और अच्छे लोगों के बीच झूठी धारणाओं को फैलाने और उन्हें गुमराह करने के लिए कारण का उपयोग न करें। उन्हें निर्जन क्षेत्रों में भगा दिया जाता है।

एक विशेष आत्मा ने इस तथ्य पर नाराजगी जताई कि वह नहीं कर सकता था अपने भौतिक जीवन के दौरान जो कुछ उसने जाना था, उसे बहुत याद रखें। वह अपने खोए हुए सुख पर दुखी था, क्योंकि जो उसने याद किया था वह उसके आनंद का मुख्य स्रोत था। हालांकि, उसे बताया गया था कि उसने कुछ भी नहीं खोया था और वह वह सब कुछ जानता था जो वह पहले जानता था। बात बस इतनी सी थी कि जिस दुनिया में वह अब रह रहा था, उस तरह की चीजों को उसकी याददाश्त से निकालने की इजाजत नहीं थी।

उसे इस बात से संतुष्ट होना चाहिए कि उसके विचार और भाषण कहीं बेहतर थे, लगभग पूर्ण थे, और अब उसने भौतिक सामान्य ज्ञान के घने अंधेरे के साथ तर्क करने की अपनी शक्ति को कम नहीं किया, जैसा कि उसके पास पहले था, जो कि राज्य में बेकार थे अब पहुंच गया था।

अब उसके पास वह सब कुछ था जो उसे अनंत काल तक जीने के लिए चाहिए था, और वह इसका उपयोग कर रहा था वह और कुछ नहीं जिससे वह धन्य और सुखी हो सके।
तो यह विश्वास करना शुद्ध अज्ञान था कि उनकी बुद्धि केवल इसलिए समाप्त हो गई थी क्योंकि इस राज्य में भौतिक दुनिया के तथ्य एक तरफ रख दिए गए थे और उनकी स्मृति में निष्क्रिय हो गए थे।

उन्हें बताया गया था कि मामले की सच्चाई यह है कि जितना अधिक मन
जो बाहरी आत्मा और शरीर की इंद्रियों से संबंधित है, उससे निर्देशित किया जा सकता है, जितना अधिक इसे आध्यात्मिक और स्वर्गीय की ओर बढ़ाया जाता है।कभी-कभी दूसरे जीवन में दिखाने के लिए एक प्रदर्शन किया जाता है दो प्रकार की स्मृतियाँ कैसी होती हैं, और उन्हें दृश्य आकार दिया जाता है, हालांकि आकृतियाँ वहाँ केवल दिखावटी होती हैं। (उस दुनिया में बहुत सी चीजें नेत्रहीन रूप से प्रस्तुत की जाती हैं कि हमारे लिए यहां विशुद्ध रूप से विचारों के दायरे में रहते हैं।) इन प्रदर्शनों में, बाहरी स्मृति को कैलस के रूप में दिखाया जाता है, जबकि आंतरिक मानव मस्तिष्क में पाए जाने वाले मज्जा पदार्थ की तरह दिखता है।

यह उपस्थिति हमें यह समझने में भी मदद करती है कि ये दोनों क्या है स्मृति के प्रकार हैं। उन लोगों में जिन्होंने पूरी तरह से ध्यान केंद्रित किया है अपने भौतिक जीवन के दौरान ज्ञान को याद रखने पर, बिना तर्क करने की अपनी शक्तियों को विकसित करते हुए, स्मृति में एक कॉल यूज्ड गुण होता है जो कठोर दिखता है और अंदर कण्डरा के साथ धारियों वाला होता है।

जिन लोगों ने अपनी यादों को झूठी धारणाओं से भर दिया है, यहअव्यवस्थित सामान के यादृच्छिक द्रव्यमान के कारण झबरा और बालों वाला दिखता है। जिन लोगों ने उत्सुकता से ज्ञान को कंठस्थ कर लिया है, स्वयं को और संसार को अपने मन में सबसे ऊपर रखते हुए, यह एक साथ अटका हुआ और हड्डीदार लगता है। जिन लोगों ने अर्जित तथ्यों का उपयोग करने की कोशिश की है, विशेष रूप से दर्शन के बारे में तथ्य, भगवान के बारे में रहस्यों को जानने के लिए, वास्तव में किसी भी चीज़ पर विश्वास किए बिना, जब तक कि वे पहले उन अर्जित तथ्यों से आश्वस्त न हों- ऐसे लोगों में स्मृति अंधेरा दिखती है, और यह वास्तव में अवशोषित कर सकती है प्रकाश की किरणें

और उन किरणों को अंधकार में बदल दें। धोखेबाज और पाखंडी लोगों में, स्मृति हाथी दांत की तरह हड्डीदार और कठोर दिखती है, और यह प्रकाश की किरणों को पीछे हटा देती है।

हालांकि, उन लोगों में जिन्होंने अच्छाई पर ध्यान केंद्रित किया है कि हम प्रेम से और उन सच्चाइयों पर जो हम विश्वास के कारण जानते हैं,ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी आंतरिक स्मृति है प्रकाश की किरणें उनकी बाहरी स्मृति में, और वे किरणें बाहरी स्मृति की सामग्री या अवधारणाओं में आराम करने के लिए,और उन्हें वहां रखने के लिए कुछ खोजने में बेहद संतुष्ट हैं (ऐसा लगता है कि वे अवधारणा उनकी नींव या उनके नीचे की जमीन थीं)। दिव्य डिजाइन में बाहरी स्मृति सबसे बाहरी परत है, जहां आध्यात्मिक और स्वर्गीय पदार्थ धीरे-धीरे अपनी रूपरेखा भरते हैं और तब तक स्थिर रहते हैं, जब तक इसमें अच्छी और सच्ची सामग्री होती है।

जब हम दुनिया में रह रहे हैं, अगर हम एक प्यार में लगे हुए हैं प्रभु के लिए और हमारे पड़ोसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार में, हम हमारे पास और यहां तक कि अंदर भी स्वर्गदूतों की बुद्धि और ज्ञान है हमें, लेकिन यह हमारी आंतरिक स्मृति की गहराई में छिपा हुआ है और जब तक हम अपने शरीर को नहीं छोड़ते तब तक दिखाई नहीं दे सकते। फिर हमारा भौतिक स्मृति को सुला दिया जाता है, और हम एक में जाग्रत हो जाते हैं हमारी आंतरिक स्मृति और अंततः हमारे वास्तविक के बारे में जागरूकता देवदूत स्मृति।

आत्माओं और स्वर्गदूतों की स्मृति हमारे जैसी ही होती है। सुनना और देखना और सोचना और इरादा करना और करना उनके साथ रहता है;अपनी स्मृति के माध्यम से वे लगातार अपनी तर्क करने की क्षमता विकसित कर रहे हैं। यह प्रक्रिया सदा चलती रहती है। यही कारण है कि आत्माओं और स्वर्गदूतों को बुद्धि और ज्ञान में सिद्ध किया जा रहा है जो कि सत्य और अच्छा है, जैसे हम हैं। तथ्य यह है कि आत्माओं और स्वर्गदूतों में याद रखने की क्षमता है, यह एक और बात है जो मुझे एक महान द्वारा दिखाया गया है अनुभव का सौदा।मैंने वह सब कुछ देखा है जो उन्होंने सोचा और किया, दोनों सार्वजनिक और निजी तौर पर, जब वे अन्य आत्माओं के साथ थे, तब उनकी स्मृति से पुकारा जाता था। मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जो अपने आप में एक साधारण अच्छाई के कारण, किसी सत्य पर केंद्रित थे; और एक बार जब वे अन्तर्दृष्टि से भर जाते हैं, और उन अन्तर्दृष्टियों से विकसित हुई बुद्धि के साथ, वे स्वर्ग में उठा लिए जाते हैं।

**हालांकि, हमारे लिए यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि ये लोग हैंअंतर्दृष्टि से भरा नहीं है, और आने वाली समझ के साथ अंतर्दृष्टि से, स्नेह के स्तर से परे जो अच्छा और सत्य है कि वे दुनिया में पहुंचे थे। वास्तव में, प्रत्येक आत्मा और देवदूत दुनिया में उसके पास मौजूद स्नेह की मात्रा और प्रकार को बरकरार रखते हैं, और बाद में इसे और अधिक से भरकर सिद्ध किया जाता है। यह भरण हमेशा के लिए चलता रहता है, क्योंकि सब कुछ अनंत भिन्नता और विभिन्न तरीकों से समृद्ध करने में सक्षम है, ताकि इसे गुणा किया जा सके और फल पैदा हो सके। अच्छाई के किसी भी उदाहरण का कोई अंत नहीं है, क्योंकि इसका स्रोत अनंत है।**

# मृत्यु के बाद हम क्या हैं

कोई भी ईसाई वचन से जानता है कि हमारा जीवन मृत्यु के बाद भी जारी है। यह कई जगहों पर कहता है कि हमें हमारे कार्यों के अनुसार न्याय और पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा, जो लोग अपनी सोच को पूरा करने के लिए अच्छाई और वास्तविक सत्य का उपयोग करते हैं, वे मदद नहीं कर सकते, लेकिन यह देखते हैं कि जो लोग अच्छे जीवन जीते हैं वे स्वर्ग में प्रवेश करते हैं और जो बुरे जीवन जीते हैं वे नरक में प्रवेश करते हैं।

हालांकि, जो लोग बुराई के इरादे से हैं, वे यह विश्वास नहीं करना चाहते हैं कि मृत्यु के बाद उनकी स्थिति दुनिया में उनके जीवन पर निर्भर करती है। वे इसके बजाय सोचते हैं - और विशेष रूप से जब उनका स्वास्थ्य विफल होने लगता है - कि स्वर्ग सभी लोगों को विशुद्ध रूप से भगवान की दया से दिया जाता है, चाहे वे कैसे भी रहे हों। वे सोचते हैं कि स्वर्ग पाने के लिए केवल विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे वे मानते हैं कि उनके जीने के तरीके से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

हालाँकि यह वचन में कई जगहों पर कहता है कि हम होंगे हमारे कार्यों के लिए न्याय किया जाता है और तदनुसार पुरस्कृत किया जाता है, शब्द में "कार्य" केवल उस तरह से संदर्भित नहीं करता है जिस तरह से कार्य बाहरी रूप से प्रकट होते हैं। यह भी संदर्भित करता है कि वास्तव में अंदर क्या क्रियाएं हैं। बेशक, हर कोई जानता है कि हमारे सभी कार्य हमारी इच्छा और हमारे विचार से आते हैं।

अगर वे हमारी इच्छा और सोच से नहीं आते, तो वे मशीनों या रोबोटों की तरह की गतियों से बेहतर नहीं होना चाहिए बनाना। तो क्रियाएँ, यदि आप उन्हें देखें कि वे वास्तव में क्या हैं, तो वे केवल हमारी इच्छा और विचार की प्राप्ति हैं। वे हमारी इच्छा और विचार से अपनी आत्मा और जीवन प्राप्त करते हैं; वे बाहरी रूप में हमारी इच्छा और विचार हैं।

इसलिए हम जानते हैं कि हमारे कार्यों की गुणवत्ता किसके द्वारा निर्धारित होती है

इच्छा और विचार वे परिणाम देते हैं। अगर हमारी इच्छा और विचार अच्छे हैं, तो हमारे कर्म अच्छे हैं; लेकिन अगर हमारी इच्छा और विचार बुरे हैं, तो हमारे कर्म बुरे हैं, भले ही वे दिखें बाहर पर वही। एक हजार लोग ऐसा कर सकते हैं बात–अर्थात, वे प्रत्येक ऐसा कुछ कर सकते हैं जो बहुत पसंद है बाहरी रूप से दूसरे क्या कर रहे हैं आप शायद ही अंतर बता सकते हैं-लेकिन प्रत्येक क्रिया, यदि आप देखें यह वास्तव में क्या है, दूसरों से अलग है, क्योंकि यह एक अलग इरादे से उत्पन्न होता है।

उदाहरण के लिए, किसी ऐसे व्यक्ति के प्रति ईमानदारी और निष्पक्ष व्यवहार करें जिसे आप जानते हैं। एक व्यक्ति अपने स्वयं के लिए ईमानदार और निष्पक्ष दिखने

के लिए और सम्मान प्राप्त करने के लिए किसी और के प्रति ईमानदारी और निष्पक्ष व्यवहार कर सकता है; सांसारिक लाभ के लिए दूसरा व्यक्ति भी ऐसा कर सकता है; एक तीसरे व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा और अच्छा होने का श्रेय प्राप्त किया जाएगा; दोस्तों को जीतने के लिए एक चौथाई; कानून के साथ परेशानी या अच्छी प्रतिष्ठा या नौकरी खोने के डर से पांचवां; छठा लोगों को किसी कारण से, यहां तक कि एक बुरे कारण में भी शामिल करना; लोगों को गुमराह करने के लिए सातवां; और अन्य अभी भी अन्य कारणों से।

लेकिन भले ही वे जो करते हैं वह अच्छा दिखता है (और किसी के प्रति ईमानदारी और निष्पक्ष व्यवहार करना निश्चित रूप से अच्छा है), फिर भी उनके कार्य बुरे हैं क्योंकि वे ऐसा नहीं करते हैं क्योंकि वे ईमानदारी और निष्पक्षता से प्यार करते हैं ईमानदारी और निष्पक्षता। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद से और भौतिक चीजों से प्यार करते हैं, अपने लिए और भौतिक चीजों के लिए।

ईमानदारी और निष्पक्षता सिर्फ वही काम करती है जो वे वास्तव में प्यार करते हैं, जैसे किराए के नौकर। जब वे नौकर अपने नियोक्ता के किसी काम के नहीं होते हैं, तो उन्हें बेकार समझा जाता है और उन्हें दूर भेज दिया जाता है।

जब लोग किसी के प्रति ईमानदारी और निष्पक्ष व्यवहार करते हैं वे जानते हैं, और वे वास्तव में जो ईमानदार और निष्पक्ष है, उसके लिए प्रेम से अभिनय कर रहे हैं, वे जो करते हैं उसका बाहरी रूप ठीक वैसा ही दिखता है जैसा कि दूसरे करते हैं, [लेकिन फिर, यह कई कारणों से किया जा सकता है]। इनमें से कुछ लोग इस तरह से कार्य करते हैं क्योंकि वे जो विश्वास करते हैं उसकी सच्चाई के कारण, या आज्ञाकारिता के कारण, क्योंकि वचन एक प्रमुख सिद्धांत में ईमानदार और निष्पक्ष होना बनाता

है। उनमें से कुछ इस तरह से कार्य करते हैं क्योंकि वे जो विश्वास करते हैं उसकी अच्छाई के

कारण, या विवेक के कारण, क्योंकि वे धार्मिक भावना से प्रेरित होते हैं। उनमें से कुछ इस तरह से कार्य करते हैं क्योंकि अपने पड़ोसी के प्रति दयालु होना अच्छा है और क्योंकि पड़ोसी के कल्याण के लिए विचार करना महत्वपूर्ण है। उनमें से कुछ लोग यहोवा के प्रति अपने प्रेम की भलाई के लिए करते हैं, क्योंकि जो अच्छा है वह उसी के लिए किया जाना चाहिए; इसी तरह जो ईमानदार और निष्पक्ष है वही ईमानदारी और निष्पक्षता के लिए किया जाना चाहिए। ये लोग इन अच्छी चीजों से प्यार करते हैं क्योंकि वे भगवान से आते हैं, और क्योंकि ईमानदारी और निष्पक्षता के अंदर कुछ दिव्य है जो भगवान से आता है।

तो ईमानदारी और निष्पक्षता दिव्य हैं, अगर हम उन्हें उनके वास्तविक सार में देखते हैं। ऐसे लोगों के कर्म आंतरिक रूप से अच्छे होते हैं, इसलिए उनके कार्य बाहरी रूप से भी अच्छे होते हैं। जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि कार्य बुरे हैं या अच्छे, यह पूरी तरह से उस विचार और इरादे से निर्धारित होता है जिससे वे आते हैं, और बिना सोचे समझे और इरादा वे बिल्कुल भी क्रिया नहीं हैं, केवल निर्जीव गतियाँ हैं।

हम क्रियाओं की इस चर्चा से समझ सकते हैं कि क्या है शब्द में मतलब काम करता है।

यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि यह हमारी इच्छा है जो हमें बनाती है हम कौन हैं। विचार उतना ही योगदान देता है जितना कि हमारे विचार हमारी इच्छा से आते हैं।
तब कर्म हमारे विचार और हमारी इच्छा दोनों से आते हैं।

**या दूसरे शब्दों में: प्यार वह है जो हमें बनाता है कि हम कौन हैं; आस्था हमें वह बनाता है जो हम केवल उस हद तक हैं जो प्रेम से आता है; और कार्य प्रेम और विश्वास दोनों से आते हैं।इससे यह पता चलता है कि हमारी इच्छा या प्रेम वही है जो हम वास्तव में हैं,**
**क्योंकि जो चीजें किसी व्यक्ति से आती हैं, वे उस व्यक्ति की होती हैं।**

**("से आने के लिए" का अर्थ है एक ऐसे रूप में निर्मित और प्रस्तुत किया जाना जिसे देखा और देखा जा सकता है।) इससे हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि प्रेम के बिना विश्वास वास्तव में क्या है - यह बिल्कुल भी विश्वास नहीं है, केवल ऐसी जानकारी है जिसमें कोई आध्यात्मिक जीवन नहीं है .**

**प्रेम के बिना कार्यों के लिए भी यही सच है। वे जीवित कर्म नहीं हैं, केवल मृत कार्य हैं जिनमें जीवन का आभास होता है, जो बुराई के प्रेम और असत्य में विश्वास से आता है। जीवन के इस रूप को हम आध्यात्मिक मृत्यु कहते हैं। हमें यह भी समझना चाहिए कि हम अपने कार्यों में अपने सम्पूर्ण अस्तित्व को दृश्यमान बनाते हैं। हमारी इच्छा और**

**विचार, या प्रेम और विश्वास जो हमारे आंतरिक अस्तित्व को बनाते हैं, तब तक पूर्ण नहीं होते जब तक कि वे हमारे बाहरी अस्तित्व को बनाने वाले कार्यों में प्रवेश नहीं करते। हमारे कर्म वास्तव में हमारे प्रेम और विश्वास के अंतिम रूप हैं। यदि हमारी इच्छा और विचार हमारे कार्यों में अपने अंतिम रूप में नहीं आते हैं, तो वे उन चीजों की तरह हैं जिन्हें अंतिम रूप नहीं दिया गया है और जो अभी तक नहीं हैं। वास्तविक उपस्थिति, और इसलिए वे उन चीजों की तरह हैं जो अभी तक हम में नहीं हैं।**

बिना अभिनय के कुछ सोचने और करने की इच्छा जब हमकैन एक लौ की तरह है जिसे जार में बंद कर दिया जाता है और दबा दिया जाता है, या यह बीज की तरह होता हैरेत में बोया जाता है जो उगता नहीं है लेकिन प्रजनन करने की अपनी शक्ति के साथ मर जाता है। सोचना और इच्छा करना और करना, हालांकि, एक लौ की तरह है जो अपने प्रकाश और गर्मी को चारों ओर फैलाती है, या मिट्टी में बोए गए बीज की तरह, जो एक पेड़ या फूल में उगता है और कुछ बन जाता है। कोई भी देख सकता है कि जब हम कर सकते हैं तो इच्छुक और अभिनय नहीं करना वास्तव में बिल्कुल भी इच्छुक नहीं है, और जब हम कर सकते हैं तो प्यार करना और अच्छा नहीं करना वास्तव में प्यार नहीं है। इसके बजाय यह सोचने से ज्यादा कुछ नहीं है कि हम कुछ करना चाहते हैं, यह सोचकर कि हम प्यार करते हैं; तो यह सिर्फ एक अलग विचार है जो पिघल जाता है और गायब हो जाता है।

प्रेम और इच्छा कर्मों की आत्मा हैं। वह आत्मा एक बनाती है हम जो ईमानदार और निष्पक्ष काम करते हैं, उसमें खुद के लिए शरीर। यह हमारे आध्यात्मिक शरीर का एकमात्र स्रोत है, मानव आत्मा का शरीर; यानी हमारा आध्यात्मिक शरीर पूरी तरह से प्यार या इरादे से किए गए कार्यों से बना है। सीधे शब्दों में कहें तो हमारा संपूर्ण चरित्र और आत्मा हमारे कार्यों में सन्निहित है।

हम इससे देख सकते हैं कि उस जीवन का क्या मतलब है जो साथ रहता है हमें मृत्यु के बाद। यह वास्तव में हमारा प्यार और विश्वास है जो से आता है हमारा प्यार। यह सिर्फ हमारा प्यार और विश्वास नहीं हो सकता है, लेकिन वास्तव में वे क्या करते हैं। तो यह हमारे कर्म हैं, क्योंकि इनमें हमारा सारा प्रेम और विश्वास समाहित है।

एक राज प्यार है जो हम में से प्रत्येक के बाद रहता है मृत्यु और अनंत काल में कभी नहीं बदलती। हम में से प्रत्येक के पास कई हैं"प्यार करता है," लेकिन वे सभी हमारे

सत्तारूढ़ प्रेम पर निर्भर करते हैं और इसके साथ एक पूरे का निर्माण करते हैं, या जब एक साथ लिया जाता है तो वे इसे जोड़ देते हैं। हमारी इच्छा के सभी हिस्से जो हमारे

सत्तारूढ़ प्रेम से सहमत हैं, उन्हें "प्रेम" कहा जाता है, क्योंकि हम उनसे प्रेम करते हैं। कुछ प्यार गहरे होते हैं और कुछ अधिक सतही हैं; कुछ प्रेम प्रत्यक्ष रूप से एक साथ जुड़े हुए हैं और अन्य प्रेम अप्रत्यक्ष रूप से एक साथ जुड़े हुए हैं; कुछ हमारे निकट हैं और कुछ अधिक दूर हैं; और ऐसे प्रेम हैं जो विभिन्न तरीकों से अन्य प्रेमों की सेवा करने के लिए हैं। सभी को मिलाकर वे एक प्रकार का राज्य बनाते हैं। वे वास्तव में हमारे भीतर इस तरह से व्यवस्थित हैं, भले ही हम उनकी व्यवस्था से पूरी तरह अनजान हैं।

हालांकि, दूसरे जीवन में व्यवस्था कुछ हद तक दिखाई देती है, क्योंकि हमारे विचार और भावनाएँ बाहर की ओर कैसे फैलती हैं, यह इस पर निर्भर करता है। यदि हमारा शासक प्रेम स्वर्ग के प्रेम से बना है, तो वे बाहर की ओर स्वर्गीय समुदायों में फैलते हैं, लेकिन वे बाहर की ओर नारकीय समुदायों में विस्तारित होते हैं यदि हमारा सत्तारूढ़ प्रेम नरक के प्रेम से बना है।

मैंने अब तक जो दलीलें पेश की हैं उनमें मैंने अपील की है केवल अमूर्त तर्क की हमारी शक्तियों के लिए। यह दिखाने के लिए किविषय कुछ ऐसा है जिसे हम अपनी इंद्रियों के साथ अनुभव कर सकते हैं, मैं कुछ अनुभव जोड़ना चाहूंगा जो इस दावे को स्पष्ट और समर्थन करने के लिए काम कर सकते हैं कि

(1) हम हमारे प्यार हैं या मृत्यु के बाद की इच्छा है;

(२) हम अपनी इच्छा या शासन प्रेम के संबंध में हमेशा के लिए एक जैसे रहते हैं;

(३) हम स्वर्ग में जाते हैं यदि हम स्वर्गीय और आध्यात्मिक चीजों से प्यार करते हैं, लेकिन हम नरक में जाते हैं यदि हमारा प्यार भौतिकवादी और सांसारिक है और इसका कोई स्वर्गीय और आध्यात्मिक आयाम नहीं है; (4) हमारा विश्वास हमारे साथ तब तक नहीं रहता जब तक वह स्वर्गीय प्रेम से नहीं आता; और (५) केवल वही जो हमारे प्यार ने वास्तव में किया है - यानी हम कैसे जीते हैं - जब हम अगली दुनिया में जाते हैं तो हमारे साथ रहता है।मेरे बहुत से अनुभव ने इस तथ्य का प्रमाण दिया है कि

(१) हम मृत्यु के बाद हमारे प्यार या इच्छा हैं। सभी स्वर्ग समुदायों में विभाजित हैं जो विभिन्न चीजों से प्यार करते हैं, और प्रत्येक आत्मा जो स्वर्ग में उठाई जाती है और एक देवदूत बन जाती है उसे ले जाया जाता है समुदाय जो उसी चीज से प्यार करता है जो वह करता है। जब हम वहाँ पहुँचकर हमें ऐसा लगता है जैसे हम अपने ही तत्व में हैं–अतः घर, वापस हमारे जन्मस्थान में, इसलिए बोलने के लिए। एन्जिल्स इसे समझते हैं और वहां उन आत्माओं के साथ जुड़ते हैं जो उनके जैसी हैं। जब वे जाते हैं

और कहीं और जाते हैं, तो वे एक निरंतर खिंचाव महसूस करते हैं, अपनी आत्मीय आत्माओं में वापस जाने की लालसा और इसलिए अपने सत्तारूढ़ प्रेम की ओर। इस प्रकार लोग स्वर्ग में इकट्ठे होते हैं। यही बात नर्क में भी लागू होती है। वहां लोग दूसरों के साथ प्रेम के अनुसार जुड़ते हैं जो स्वर्गीय लोगों के विपरीत हैं।

हम इस तथ्य से भी देख सकते हैं कि हम मृत्यु के बाद हमारे प्यार है कि जो कुछ भी हमारे सत्तारूढ़ प्रेम से सहमत नहीं है, वह फिर एक तरफ सेट हो जाता है और सभी दिखावे के लिए हमसे छीन लिया जाता है। अच्छे लोगों के लिए, जो कुछ अलग रखा जाता है और जाहिरा तौर पर हटा दिया जाता है, वह सब कुछ उनके प्यार से असहमत और विरोध होता है, जिसके परिणामस्वरूप वे अपने प्यार में पूरी तरह से

प्रवेश करने के लिए बने होते हैं। बुरे लोगों के लिए भी ऐसा ही है, सिवाय इसके कि उनसे सब कुछ सच छीन लिया जाता है। किसी भी तरह से, इसका परिणाम यह होता है कि अंततः हर कोई उस प्रेम में बदल जाता है जो सबसे अधिक उसका अपना है। यह तब होता है जब हमें अपनी तीसरी अवस्था में लाया जाता है, जिसकी चर्चा नीचे की जाएगी।

एक बार ऐसा हो जाने के बाद, हम लगातार अपने चेहरे की ओर रखते हैं हमारा प्यार और यह लगातार हमारी आंखों के सामने है, चाहे हम किसी भी तरह से मुड़ें।जब तक आप चाहें, सभी आत्माओं का नेतृत्व किया जा सकता है अपने सत्तारूढ़ प्रेम पर ध्यान केंद्रित रखा। वे विरोध नहीं कर सकते, भले ही वे जानते हों कि क्या हो रहा है और सोचते हैं कि वे मना कर देंगे। स्पिरिट्स ने अक्सर इसका विरोध करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उनका प्यार उनके चारों ओर बंधी एक गाँठ या रस्सी की तरह होता है, जिससे उन्हें खींचा जा सकता है और जिससे वे बच नहीं सकते। यह हैइस दुनिया में लोगों के लिए समान। हमारा प्यार हमें भी ले जाता है, और यह हमारे प्यार के माध्यम से है कि हम दूसरों के नेतृत्व में हैं।

यह तब और भी अधिक होता है जब हम आत्मा बन जाते हैं, क्योंकि तब हमें यह देखने की अनुमति नहीं होती है कि हमारे पास एक अलग प्यार है या यह दावा करने के लिए कि प्यार हमारा नहीं है।दूसरे जीवन में प्रत्येक सभा में यह स्पष्ट है कि हमारी आत्मा
हमारा सत्तारूढ़ प्यार है। जिस हद तक हम इस तरह से कार्य करते हैं और बात करते हैं जो किसी व्यक्ति के प्यार से मेल खाता है, वह व्यक्ति पूर्ण दिखता है, और हम उसका पूरा चेहरा देख सकते हैं, जो हंसमुख और जीवंत है।

**इस हद तक कि हम इस तरह से कार्य करते हैं और बात करते हैं जो इससे असहमत हैं**

**किसी का राज प्यार, हालांकि, उस व्यक्ति का चेहरा शुरू होता है बदलना, धुंधला होना, और देखना कठिन हो जाना। आखिरकार यह गायब हो जाता है, जैसे कि वह था ही नहीं। मैं अक्सर रहा हूँ इस पर हैरान हूं क्योंकि इस तरह की बात यहां नहीं हो सकती**
**विश्व। हालांकि, मुझे बताया गया है कि हमारे अंदर की आत्मा के साथ भी ऐसा ही होता है: जब हम अपना ध्यान दूसरे लोगों से हटाते हैं, तो हमारी आत्मा को उनके द्वारा माना जाना बंद हो जाता है।**

**एक और तथ्य जिसने मुझे दिखाया है कि हमारी आत्मा ही हमारा शासन है प्यार यह है कि हम जो कुछ भी है उसे उत्सुकता से लेते हैं और अपना बनाते हैं हमारे प्यार के लिए उपयुक्त है, और हम अस्वीकार करते हैं और जो इसके लिए उपयुक्त नहीं है उसे दूर कर देते हैं। हमारा प्यार एक स्पंजी, झरझरा लकड़ी की तरह है जो अपने विकास में सहायता करने वाले सभी तरल पदार्थों को अवशोषित करता है, लेकिन दूसरों को पीछे हटा देता है।यह विभिन्न प्रकार के जानवरों की तरह है: वे अपने उचित को पहचानते हैं**
**खाद्य पदार्थ, उन लोगों की तलाश करें जो उनके स्वभाव के अनुकूल हों, और उनसे बचें जो असहमत हैं। हर प्यार वास्तव में उसके लिए उपयुक्त होना चाहता है - झूठ से एक बुरा प्यार और सच्चाई से एक अच्छा प्यार।**

**मुझे कभी-कभी कुछ सरल और अच्छे लोगों को देखने की अनुमति मिली है जो बुरे लोगों को चीजों के बारे में सिखाना चाहते थे  जो सच और अच्छे थे। हालांकि, इस शिक्षण का सामना करना पड़ा दुष्ट लोग दूर भाग गए; और जब वे अपनी तरह पहुँचे, वे बड़ी प्रसन्नता से उन मिथ्या बातों पर जो उनके साथ फिट बैठती हैं, पकड़ लिया माही माही। मुझे अच्छी आत्माओं के साथ बात करते हुए देखने की भी अनुमति दी गई है सच्चाई के बारे में एक दूसरे को, जो उपस्थिति में अन्य अच्छी आत्माओं उत्सुकता से सुनी, जबकि कुछ दुष्ट आत्माओं ने भुगतान या कोई ध्यान नहीं, मानो उन्होंने कुछ नहीं सुना।**

**पथ आत्माओं की दुनिया में दिखाई देते हैं, कुछ स्वर्ग की ओर ले जाते हैं और कुछ नरक की ओर ले जाते हैं, प्रत्येक किसी न किसी समुदाय में जाता है।अच्छी आत्माएं केवल उन्हीं रास्तों की यात्रा करती हैं जो स्वर्ग की ओर ले जाती हैं ओर से उत्पन्न होने वाले अच्छे काम करने में लगे समुदाय के लिए उनका अपना विशेष प्यार। वे रास्ते नहीं देखते जो कहीं ले जाते हैं अन्य। दूसरी ओर, दुष्ट आत्माएं केवल रास्तों पर चलती हैं जो नरक की ओर ले जाता है और उस समुदाय को जो इसमें लगा हुआ है बुराई जो उनके अपने विशेष प्रेम से उत्पन्न होती है। वे नहीं उन रास्तों को देखें जो कहीं और**

**ले जाते हैं; या यदि वे उन्हें देखते हैं, किसी मामले में वे उनका पालन नहीं करना चाहते हैं।आध्यात्मिक दुनिया में इस तरह के रास्ते [आध्यात्मिक] वास्तविकताएं हैं दृश्यमान बना दिया। वे विभिन्न चीजों के अनुरूप हैं या तो सत्य हैं या असत्य; तो यह वही है जो वचन में पथ का प्रतीक है।**

अनुभव के ये प्रमाण ऊपर कही गई बातों का समर्थन करते हैं तर्क के लिए एक अपील के रूप में: मृत्यु के बाद हम अपने स्वयं के प्यार और अपने हैं अपनी मर्जी। मैं कहता हूं "इच्छा" क्योंकि हम में से प्रत्येक के लिए, हमारी इच्छा हमारा प्यार है।बहुत सारे अनुभव ने मुझे यह भी आश्वस्त किया है कि  के बाद मृत्यु हम अपनी इच्छा या सत्तारूढ़ प्रेम के संबंध में हमेशा के लिए वही रहते हैं।

मुझे कुछ ऐसे लोगों के साथ बात करने की अनुमति दी गई है जो दो हजार साल से भी पहले रहते थे, ऐसे लोग जिनके जीवन इतिहास की किताबों में वर्णित हैं और इसलिए परिचित हैं। मैंने पाया कि वे थे अभी भी वही, जैसा कि वर्णित है, और इसका मतलब है कि वे थेउसी प्रेम के संबंध में जिसने जन्म दिया और निर्धारित किया जिस तरह से वे रहते थे।

कुछ और भी थे जो सत्रह शताब्दी पहले जी चुके थे,इतिहास की किताबों से भी जाना जाता है, और कुछ जो चार साल तक जीवित रहे थे सदियों पहले, कोई तीन, इत्यादि, जिनके साथ मैं भी था बात करने और सीखने की अनुमति दी कि वही प्यार अभी भी उन पर राज करता है।फर्क सिर्फ इतना था कि जिन चीजों में उनका राज प्यार था[आध्यात्मिक] सुखों के लिए आनंद का आदान-प्रदान किया गया था जो उनके अनुरूप है।

फ़रिश्तों ने मुझसे कहा है कि हमारे राज प्यार का जीवन कभी नहीं किसी के लिए भी हमेशा के लिए बदल जाता है क्योंकि हम अपने प्यार हैं, इसलिए इसे किसी भी भावना में बदलना होगा और उसे छीन लेना होगा उसका जीवन।

उन्होंने मुझे यह भी बताया है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मृत्यु के बाद हम जिस तरह से हम कर सकते थे उसे पढ़ाए जाने से अब सुधार नहीं किया जा सकता है यह

**दुनिया, बाहरी स्व के बाद से, जो अंतर्दृष्टि से बना है और भौतिक दुनिया से उत्पन्न होने वाली भावनाएं, फिर निष्क्रिय हो जाती हैं।**

**इसे फिर से सक्रिय नहीं किया जा सकता क्योंकि यह आध्यात्मिक नहीं है। हमारी**

**गहरा मन या चरित्र इस बाहरी स्तर पर जिस तरह से आधारित है इसकी नींव पर टिका होता है, इसलिए हम हमेशा के लिए बने रहते हैं जिस तरह का जीवन हम अपने प्यार के परिणामस्वरूप जीते थे जब हम अंदर थे दुनिया के।**

**देवदूत पूरी तरह से चकित हैं कि लोगों को यह एहसास नहीं है कि हमारा सत्तारूढ़ प्रेम यह निर्धारित करता है कि हम कौन हैं। यह उन्हें भी हैरान करता है कि कई लोग वास्तव में विश्वास करते हैं कि उन्हें सीधी दया से बचाया जा सकता है, बस जीवन के प्रकार की परवाह किए बिना अकेले उनके विश्वास के आधार पर उन्होंने नेतृत्व किया है, क्योंकि इन लोगों को उस ईश्वरीय दया का एहसास नहीं है परोक्ष रूप से कार्य करता है। इसमेंमें प्रभु के नेतृत्व में होना शामिल है दुनिया के साथ-साथ बाद में स्वर्ग में, और जो लोग नेतृत्व कर रहे हैं दया से वे हैं जो बुराई में नहीं रहते। लोग भी नहीं यह जान लें कि विश्वास सत्य के लिए एक स्नेह है, एक ऐसा स्नेह जो एक स्वर्गीय प्रेम से आता है, जो बदले में प्रभु से आता है।**

**हम स्वर्ग में जाते हैं यदि हमारा प्रेम स्वर्गीय और आध्यात्मिक है, और नरक में यदि हमारा प्रेम भौतिकवादी और सांसारिक है और इसका कोई स्वर्गीय और आध्यात्मिक आयाम नहीं है। इस निष्कर्ष के लिए मेरा प्रमाण वे सभी लोग हैं जिन्हें मैंने स्वर्ग में उठाकर नरक में डालते देखा है। जिन लोगों को स्वर्ग में उठाया गया था,**

**उनके पास स्वर्गीय और आध्यात्मिक प्रेम का जीवन था, जबकि जिन्हें नरक में डाल दिया गया था, वे भौतिकवादी और सांसारिक प्रेम के जीवन जीते थे।**

**स्वर्गीय प्रेम वह है जो अच्छा, ईमानदार और निष्पक्ष है क्योंकि यह अच्छा, ईमानदार और निष्पक्ष है, और उस प्रेम के कारण ऐसा कर रहा है।यही कारण है कि स्वर्गदूतों का जीवन अच्छाई, ईमानदारी और निष्पक्षता का होता है,जो एक स्वर्गीय जीवन है। अगर हम इन चीजों को अपने लिए प्यार करते हैं उनकी खातिर करते हैं या जीते हैं, हम भी सबसे ऊपर भगवान से प्यार करते हैं,क्योंकि वे उसी से आते हैं। हम भी अपने पड़ोसी से प्यार करते हैं,क्योंकि ये चीजें हमारे पड़ोसी हैं जिन्हें प्यार किया जाना है।**

**भौतिकवादी प्रेम, इसके विपरीत, वह प्रेम है जो अच्छा है और ईमानदार और निष्पक्ष अपने लिए नहीं बल्कि अपने उद्देश्यों के लिए,क्योंकि हम उनका उपयोग प्रसिद्ध, प्रतिष्ठा और लाभ प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं।इस मामले में हम प्रभु और अपने पड़ोसी पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं जो अच्छा और ईमानदार और निष्पक्ष है, लेकिन खुद पर और दुनिया, और हम लोगों को धोखा देने में आनंद पाते हैं। जब हमारा**

**मकसद छल है, तो जो अच्छा और ईमानदार और निष्पक्ष है वास्तव में दुष्ट और बेईमान और अनुचित। यह वही है जो हम वास्तव में प्यार करते हैं जो अच्छा और ईमानदार और निष्पक्ष है उसकी उपस्थिति के भीतर।**

**चूंकि ये प्यार दुनिया में आने के बाद हमारे जीवन को परिभाषित करते हैं मृत्यु के तुरंत बाद आत्माओं की हम सभी की जांच की जाती है ताकि यह पता लगाया जा सकता है कि हम किस तरह के लोग हैं। तब हम उन लोगों के साथ जुड़ा हुआ है**

जिनके पास समान प्यार है। अगर हम केंद्रित हैं स्वर्गीय प्रेम पर, हम स्वर्ग में लोगों के साथ जुड़े हुए हैं; और अगर हम भौतिकवादी प्रेम पर केंद्रित हैं, हम लोगों से जुड़े हुए हैं नरक में।

इसके अलावा, एक बार पहले और दूसरे राज्यों में पूरा हो गया है, इन दो प्रकार के लोगों को अलग किया जाता है ताकि वे अब एक दूसरे को देखते या पहचानते नहीं हैं। हम वास्तव में बन जाते हैं हमारा अपना प्यार न केवल हमारे गहरे स्तरों के संबंध में मन, लेकिन बाहरी रूप से भी, चेहरे, शरीर और वाणी में, क्योंकि हम बाहरी तौर पर भी हमारे प्यार के प्रतिबिम्ब बन जाते हैं। वे लोग जो क्या भौतिकवादी प्रेम मोटे, मंद, काले और कुरूप दिखते हैं;

जो लोग स्वर्गीय प्यार करते हैं वे जीवंत, स्पष्ट, उज्ज्वल और मोह लेने वाला। ये दो तरह के लोग पूरी तरह से अलग है आत्मा और विचार में भी। जो लोग स्वर्गीय प्रेम करते हैं वे हैं बुद्धिमान और बुद्धिमान, जबकि भौतिकवादी प्रेम करने वाले लोग होते हैं
घना और बल्कि मूर्ख।

जब किसी को आंतरिक और बाहरी पहलुओं की जांच करने की अनुमति दी जाती है
स्वर्ग में लगे लोगों के विचारों और स्नेह के बारे में प्रेम, आंतरिक पहलू ऐसे दिखते हैं जैसे वे प्रकाश से बने हों,कुछ मामलों में जैसे लौ की रोशनी; और उनके बाहरी पहलू हैं
विभिन्न सुंदर रंगों की, इंद्रधनुष की तरह।

इसके विपरीत, आंतरिक भौतिकवादी प्रेम में लगे लोगों के पहलू उदास क्योंकि वे अंदर बंद हैं, और एक धुएँ के रंग की आग की तरह उन लोगों में से कुछ के मामले में जिनके भीतर के लोग दुर्भावना में लिप्त थे धोखे उनके बाहरी पहलुओं में एक बदसूरत रंग है, निराशाजनक को देखने के लिए। (मन के आंतरिक और बाहरी दोनों पहलू और आध्यात्मिक दुनिया में जब भी ऐसा होता है तो आत्मा को दृष्टि से प्रस्तुत किया जाता है प्रभु को प्रसन्न करता है।)

भौतिकवादी प्रेम में लगे लोगों को कुछ दिखाई नहीं देता स्वर्ग के प्रकाश में। उनके लिए स्वर्ग का प्रकाश अंधकार है, जबकि नरक की रोशनी, जो चमकते अंगारों की रोशनी की तरह है, जैसी है उन्हें दिन के उजाले। वास्तव में, स्वर्ग के प्रकाश में उनकी आंतरिक दृष्टि ऐसी है प्रकाश से वंचित कि वे पागल हो जाते हैं।

नतीजतन, वे भागते हैं उस प्रकाश से दूर और गुफाओं और गुफाओं में छिप जाओ; और अधिक झूठी धारणाएँ हैं जो उनके बुरे इरादों से उत्पन्न होती हैं,वे गहरे जाते हैं। उन लोगों के लिए बिल्कुल विपरीत है जो हालांकि, स्वर्गीय प्रेम में लगे हुए हैं। वे जितने गहरे (या उच्चतर) जाते हैं स्वर्गीय प्रकाश में, जितना अधिक स्पष्ट रूप से वे सब कुछ देखते हैं और यह सब जितना सुंदर दिखता है, उतना ही अधिक बुद्धिमानी से और बुद्धिमानी से समझते हैं कि क्या सच है।कोई रास्ता नहीं है कि जो लोग भौतिकवादी में लगे हुए हैं प्यार स्वर्ग की गर्मी में रह सकता है, क्योंकि स्वर्ग की गर्मी है स्वर्गीय प्रेम।

वे नरक की गर्मी में रह सकते हैं, हालांकि, जो है उन लोगों के प्रति क्रूरता का प्यार जो उनका समर्थन नहीं करते। यह प्रेम दूसरों के प्रति तिरस्कार, शत्रुता, घृणा, और प्रतिशोध जब ऐसे लोग इन सुखों में लीन हो जाते हैं,वे वास्तव में जीवित महसूस

**करते हैं, और उन्हें कुछ भी पता नहीं है दूसरों की भलाई के लिए भलाई करने का क्या अर्थ है, क्योंकि खुद की भलाई के लिए। वे केवल अच्छा करना जानते हैं यदि यह है बुरे कारणों से और बुराई के लिए किया।**

**न ही भौतिकवादी प्रेम में लगे लोग सांस ले पाते हैं जब वे स्वर्ग में होते हैं। जब बुरी आत्माएं वहां ले जाती हैं, तो वे तड़पते हुए लोगों की तरह सांस लें। दूसरी ओर, लोग जो स्वर्गीय प्रेम में लगे हुए हैं वे अधिक स्वतंत्र रूप से सांस लेते हैं और महसूस करते हैं**
**अधिक जीवित वे स्वर्ग में जितने गहरे जाते हैं।**

**हम इससे प्राप्त कर सकते हैं कि एक स्वर्गीय और आध्यात्मिक प्रेम हमारे लिए स्वर्ग है क्योंकि उस प्यार में कुछ न कुछ निशान हैस्वर्गीय; और हम उस भौतिकवादी और सांसारिक को भी देख सकते हैं वह प्रेम जो बिना किसी स्वर्गीय और आध्यात्मिक प्रेम के हमारे लिए नरक है क्योंकि उस प्यार में कुछ नारकीय का हर निशान है।तब, यह स्पष्ट है कि वे लोग स्वर्ग में आते हैं जिनके पासस्वर्गीय और आध्यात्मिक प्रेम, और लोग नरक में आते हैं जिनके पास है एक स्वर्गीय और आध्यात्मिक के बिना एक भौतिकवादी और सांसारिक प्रेम।**

**तथ्य यह है कि हमारा विश्वास हमारे साथ तब तक नहीं रहता जब तक कि यह एक स्वर्गीय प्रेम से नहीं आता है, मुझे इतने अनुभव से घर लाया गया है कि अगर मैं इसके बारे में जो कुछ देखा और सुना है, उसे बताऊं, तो यह एक किताब भर जाएगा सब अपने आप। मैं इसे प्रमाणित कर सकता हूं: जो लोग भौतिक और सांसारिक चीजों के प्यार में डूबे हुए हैं और पूरी तरह से रहित हैं, उनमें कोई विश्वास नहीं है, और न ही हो सकता है।**

कोई स्वर्गीय और आध्यात्मिक प्रेम। उनके विश्वास में केवल तथ्य होते हैं वे याद कर चुके हैं। यह एक पुराना विश्वास है कि कुछ है सच है, जिसमें वे केवल इसलिए विश्वास करते हैं क्योंकि ऐसा करना उनके अपने प्रेम के उद्देश्यों को पूरा करता है।मुझे इसे जोड़ने दें: बहुत से लोग जिन्होंने केवल सोचा उन्हें विश्वास था कि उनका परिचय उन लोगों से कराया गया जिन्होंने वास्तव में ऐसा किया था।

एक बार जब वे एक दूसरे से बात करने लगे, तो पूर्व को एहसास हुआ कि वास्तव में उन्हें बिल्कुल भी विश्वास नहीं था। उन्होंने बाद में स्वीकार भी किया कि केवल सत्य या वचन पर विश्वास करना विश्वास नहीं है; विश्वास प्यार है स्वर्गीय प्रेम से क्या सच है, और इरादा करना और करना उसके प्रति गहरे लगाव से। मुझे यह भी दिखाया गया था कि पुराना विश्वास जिन्हें लोग विश्वास कहते हैं, वे सबसे अच्छे प्रकाश की तरह थे
सर्दी: क्योंकि उस प्रकाश में कोई गर्मी नहीं है, पृथ्वी पर सब कुछ है बर्फ के नीचे स्थिर है, बर्फ में बंद है।

क्योंकि उनका प्यार क्या इस तरह, जिस क्षण यह स्वर्ग के प्रकाश की किरणों से छू जाता है,उनकी पुरानी आस्था का प्रकाश न केवल बुझता है बल्कि वास्तव में एक घना अँधेरा बन जाता है जिसमें लोग भी नहीं कर सकते खुद को देखें। साथ ही, उनका गहरा स्व भी ऐसा है अंधेरा कर दिया कि वे कुछ भी नहीं समझ सकते हैं। अंततः उनका झूठे विश्वास उन्हें पागल कर देते हैं।

यही कारण है कि सभी सत्य ऐसे लोगों ने सीखे हैं वचन से और चर्च की शिक्षा से लिया जाता हैउनसे दूर–उन सभी चीजों का दावा किया जो उनका हिस्सा थीं आस्था। इसके बजाय वे उन झूठी अवधारणाओं से भरे हुए हैं जो मेल खाती हैंवे

**जिस दुष्ट तरीके से जीते हैं। उनमें से हर एक को प्रवेश करने के लिए बनाया गया है पूरी तरह से जो वह प्यार करता है और झूठे विचारों में जो समर्थन करता है यह। फिर, चूंकि सत्य झूठे और बुरे विचारों का खंडन करते हैं, इसलिए वे में लीन हैं, वे सत्य से घृणा करते हैं, वे इससे मुंह मोड़ लेते हैं, इसे अस्वीकार करें।**

**स्वर्ग में क्या होता है और मेरे कई अनुभवों से नरक में, मैं गवाही दे सकता हूं कि जिन लोगों ने विश्वास स्वीकार किया है अकेले सिद्धांत के रूप में और बुरे जीवन जीते हैं सभी में हैं नरक मैंने उनमें से हजारों को वहाँ भेजे हुए देखा है।**

**तथ्य यह है कि केवल वही है जो हमारे प्यार ने वास्तव में किया है - अर्थात, कैसे हम जी चुके हैं–जब हम अगली दुनिया में जाते हैं तो हमारे साथ रहता है, जो मैंने अनुभव से प्रस्तुत किया है और जो मैंने अभी-अभी क्रियाओं के बारे में कहा है, उसका तार्किक रूप से अनुसरण करता है। हमारे कार्य वास्तव में हमारा प्यार वास्तव में हो रहे हैं।यह महत्वपूर्ण है कि हम यह महसूस करें कि हमारे सभी कार्य किसका हिस्सा हमारे नैतिक और नागरिक जीवन और इसी कारण से वे चिंतित हैं क्या ईमानदार और सही है और क्या उचित और समरूप है।**

**ईमानदार और सही क्या है यह नैतिक जीवन की बात है, और क्या है निष्पक्ष और संतुलित नागरिक जीवन का विषय है। ये जो प्यार आता हैसे या तो स्वर्गीय या नारकीय है। हमारे नैतिक और के कार्यों नागरिक जीवन स्वर्गीय हैं यदि हम उन्हें एक ऐसे प्रेम से करते हैं जो स्वर्गीय है,क्योंकि जो कुछ हम स्वर्गीय प्रेम के कारण करते हैं, वह इसलिये करते हैं, कि हम यहोवा की ओर से प्रेरित होते हैं, और जो कुछ हम यहोवा की प्रेरणा से करते हैं, वह भला है।**

दूसरी ओर, हमारे नैतिक और नागरिक जीवन के कार्य नारकीय होते हैं यदि हम उन्हें नारकीय प्रेम से करते हैं, क्योंकि हम जो कुछ भी इस प्रेम से करते हैं, जो स्वयं और दुनिया के लिए एक प्रेम है, हमें स्थानांतरित कर दिया जाता है अपने आप से करते हैं, और उस आधार पर हम जो कुछ भी करते हैं वह आंतरिक रूप से बुरा है। वास्तव में, यदि हमें यह देखा जाए कि हम वास्तव में क्या हैं, या हमारे स्वयं के संदर्भ में, तो हम बुराई के अलावा और कुछ नहीं हैं।

## मृत्यु के बाद हमारा पहला राज्य

मृत्यु के बाद हम जिस अवस्था से गुजरते हैं, उसकी तीन अवस्थाएं होती हैं और इससे पहले कि हम स्वर्ग या नर्क में पहुंचे। पहले राज्य में हम अपने बाहरी स्व पर ध्यान दें, दूसरे में हम अपने आंतरिक स्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं,और तीसरे में हम अपनी तैयारी पर ध्यान देते हैं। आत्माओं की दुनिया वह जगह है जहां हम होने की इन अवस्थाओं से गुजरते हैं।

कुछ लोग इन राज्यों से बिल्कुल नहीं गुजरते हैं,लेकिन या तो स्वर्ग में उठाए जाते हैं या तुरंत नरक में डाल दिए जाते हैं उनकी मृत्यु के बाद। तुरंत स्वर्ग में उठाए गए लोग हैंजिन्हें पुनर्जीवित किया गया था–जिनके उत्थान ने उन्हें तैयार किया था स्वर्ग के लिए - जबकि वे इस दुनिया में थे। जो लोग रहे हैं इस तरह से तैयार करने के लिए केवल अपनी सामग्री के दाग को हटाना होता है जैसे ही वे अपने शरीरों को छोड़ते हैं, और स्वर्गदूत तुरंत ले लेते हैं उन्हें स्वर्ग में। मैंने लोगों को एक घंटे में स्वर्ग तक उठते देखा है उनकी मृत्यु के बाद।

दूसरी ओर, जिन लोगों का आंतरिक चरित्र दुर्भावनापूर्ण होता है लेकिन जिसका बाहरी रूप सद्गुणी है–जो लोग भोजन करते हैं फटने के लिए धोखाधड़ी पर उनका द्वेष, और जिन्होंने अच्छाई का इस्तेमाल किया दूसरों को धोखा देने के लिए एक उपकरण से ज्यादा कुछ नहीं है–उन्हें सीधे में डाला जाता है नरक मैंने लोगों के साथ ऐसा होते देखा है। सबसे धोखेबाजों में से एक पहले सिर गया। दूसरों के लिए गिरने के अन्य तरीके थे।

ऐसे लोग भी हैं जिन्हें ठीक बाद गुफाओं में भेज दिया जाता है उनकी मृत्यु और इस तरह से लोगों से अलग हो जाते हैं आत्माओं की दुनिया। उन्हें बारी-बारी से बाहर लाया जाता है और वापस भेज दिया जाता है । ये वे लोग हैं जिन्होंने अपने पड़ोसियों

के साथ दुर्भावना से व्यवहार किया है उनके प्रति सभ्य व्यवहार करने का नाटक करते हुए।

हालांकि, तुलना में बहुत अच्छे और बहुत बुरे लोग कम हैं आत्माओं की दुनिया में रखे गए लोगों की संख्या के लिए और वहाँ स्वर्ग या नरक के लिए तैयार किया, के अनुसार
दिव्य योजना।

हम अपनी पहली अवस्था में पहुंचते हैं - वह अवस्था जिसमें हम हमारी मृत्यु के तुरंत बाद हमारे बाहरी स्व पर ध्यान केंद्रित करें। सब लोग एक बाहरी आध्यात्मिक आत्म और एक आंतरिक आध्यात्मिक आत्म है। हम उपयोग करते हैं हमारी आत्मा के बाहरी पहलुओं में हमारे भौतिक व्यक्ति को समायोजित करने के लिए दुनिया–विशेष रूप से हमारे चेहरे, बोली और व्यवहार–के क्रम में अन्य लोगों के साथ बातचीत। हमारी आत्मा के आंतरिक पहलू, द्वारा इसके विपरीत, चीजों को करने की हमारी इच्छा और हम विचारों से संबंधित है एक परिणाम के रूप में सोचो। वे शायद ही कभी हमारे चेहरे, भाषण या व्यवहार में दिखाई देते हैं।

हमें बचपन से ही खुद को मिलनसार दिखाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है
परोपकारी, और ईमानदार, और उन विचारों को छिपाने के लिए जो हमारे निजी इरादों को जन्म देते हैं। तो हम जीने के अभ्यस्त हो जाते हैं एक तरह से जो बाहरी रूप से नैतिक और नागरिक है, चाहे हम कुछ भी हो अंदर की तरह। इस आदत व्यवहार के परिणामस्वरूप, हम शायद ही जानते हैं हमारे अपने भीतर, और किसी भी मामले में उन पर ध्यान न दें।

मृत्यु के बाद होने की हमारी पहली अवस्था इस दुनिया में हमारी स्थिति की तरह है, क्योंकि तब हम उसी तरह अपने बाहरी स्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हमारे पास एक जैसे चेहरे, आवाजें और पात्र हैं; हम समान नैतिक नेतृत्व करते हैं और नागरिक जीवन। यही कारण है कि हमें अभी भी ऐसा लगता है जैसे हम थे इस दुनिया में जब तक हम उन चीजों को नोटिस नहीं करते जो सामान्य से बाहर हैं और याद रखें कि स्वर्गदूतों ने हमें बताया था कि जब हम थे तब हम आत्मा थे जाएगा। तो एक जीवन दूसरे में चलता है, और मृत्यु है केवल एक मार्ग।

चूँकि यह वही है जो हम तुरंत बाद आत्माओं की तरह है दुनिया में जीवन, हमारे दोस्त और वे लोग जिन्हें हम जानते हैं दुनिया तो हमें पहचानती है। आत्माएं ही नहीं, समझती हैं कि हम कौन हैं हमारे चेहरे और आवाज से लेकिन हमारे जीवन की आभा से भी जब पास आते हैं।

दूसरे जीवन में, जब भी हम किसी के बारे में सोचते हैं, तो हम अपने विचार में उस व्यक्ति के चेहरे को उसके या उसके जीवन के बारे में कई विवरणों के साथ बुलाते हैं; और जब हम ऐसा करते हैं, तो दूसरा उपस्थित होता है मानो हमें बुलाया गया हो।

आध्यात्मिक दुनिया में इस तरह की चीजें होती हैं क्योंकि विचार वहां साझा किए जाते हैं और क्यों अंतरिक्ष वह नहीं है जो भौतिक जगत में है। यही कारण है कि जैसे ही हम दूसरे जीवन में आते हैं, हम सभी अपने द्वारा पहचाने जाते हैं दोस्तों और रिश्तेदारों और उन लोगों द्वारा जिन्हें हम एक तरह से जानते हैं या दूसरा, और हम दूसरों के साथ क्यों बात करते हैं और उनसे वैसे ही मिलते हैं जैसे हम हैं दुनिया में

**उनके साथ हमारी दोस्ती के दौरान किया। मैने सुना है कई बार दुनिया से नए-नए आए लोग कैसे खुश होते हैं अपने दोस्तों को फिर से देखने के लिए, और कैसे उनके दोस्त बदले में आनन्दित हुए कि अन्य लोग उनके पास आए थे।**

**अक्सर ऐसा होता है कि शादीशुदा साथी मिलते हैं और आदान-प्रदान करते हैं खुशी से बधाई। वे एक साथ भी रहते हैं, लेकिन अधिक समय तक कम समय इस पर निर्भर करता है कि वे कितनी खुशी से एक साथ रहते थे इस दुनिया में। अंततः, जब तक कि वे सत्य द्वारा एकजुट न हों विवाह प्रेम (जो तब होता है जब स्वर्गीय प्रेम दो को जोड़ता है दिमाग), वे थोड़ी देर साथ रहने के बाद अलग हो जाते हैं।**

**यदि भागीदारों के मन असहमत हैं, तथापि, और यदि उनकेआंतरिक स्वयं एक दूसरे के लिए विकर्षक थे, वे टूट गए खुली दुश्मनी और कभी-कभी वास्तव में एक-दूसरे से लड़ते हैं।फिर भी, वे तब तक अलग नहीं होते जब तक कि वे दूसरे राज्य में प्रवेश नहीं कर लेते जा रहा है, जिसका वर्णन शीघ्र ही किया जाएगा।**

**चूंकि नई आने वाली आत्माओं का जीवन उनके जीवन के विपरीत नहीं है दुनिया, और चूंकि वे बाद के जीवन के बारे में कुछ नहीं जानते हैं मृत्यु, या स्वर्ग या नरक के बारे में, सिवाय इसके कि उन्होंने क्या सीखा हैशब्द के शाब्दिक अर्थ से और कुछ उपदेशों पर आधारित उस पर, एक बार जब वे शरीर में होने के अपने विस्मय पर काबू पा लेते हैं**
**और दुनिया की सारी इंद्रियों का आनंद ले रहे हैं, और देख रहे हैं अपने आस-पास की जानी-पहचानी चीजें, वे खुद को अभावग्रस्त पाते हैं यह जानने के लिए कि स्वर्ग और नरक क्या हैं और वे कहाँ हैं।**

**तो उनके दोस्त उन्हें बताते हैं कि अनन्त जीवन कैसा होता है और ले लो**

उन्हें विभिन्न स्थानों पर और विभिन्न लोगों की संगति में लोग वे अलग-अलग शहरों में, बगीचों और पार्कों में जाते हैं, अक्सर शानदार हैं क्योंकि इस तरह की चीजें बाहरी स्व को आकर्षित करती हैं।

फिर समय-समय पर उन्हें उन विचारों में निर्देशित किया जाता है जो वे करते हैं उनके भौतिक जीवन के दौरान आत्मा की स्थिति के बारे में था मृत्यु और स्वर्ग और नरक के बारे में। इससे वे परेशान हैं कि ऐसे मामलों के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञ थे।

उनमें से लगभग सभी जानना चाहते हैं कि क्या वे सक्षम होंगे स्वर्ग में जाने के लिए। उनमें से बहुत से लोग सोचते हैं कि वे ऐसा करेंगे क्योंकि दुनिया में नैतिक और नागरिक जीवन का नेतृत्व किया। वे इस पर प्रतिबिंबित नहीं करते हैं तथ्य यह है कि बुरे और अच्छे लोग सतही तौर पर जीवन जीते हैंवही। यानी दोनों तरह के लोग दूसरों की मदद करते हैं; दोनों यहां जाते हैं चर्च, उपदेश सुनें, और प्रार्थना करें, हर समय पूरी तरह से अनजान कि बाहरी व्यवहार और बाहरी पूजा का कोई मतलब नहीं है-वह सब जो वास्तव में मायने रखता है वह आंतरिक आत्मा है जो जन्म देता है बाहरी क्रियाओं के लिए।

हजारों में मुश्किल से एक व्यक्ति भी जानता है कि आंतरिक स्व क्या है या यह वह जगह है जहां हमें देखना चाहिए स्वर्ग और चर्च खोजें।कम ही लोग जानते हैं कि हमारे इरादे और विचार हमारे बाहरी कार्यों को निर्धारित करते हैं, जैसा कि प्रेम करते हैं और विश्वास जो उन इरादों और विचारों के पीछे हैं और देते हैं उनके लिए उठो। जब लोगों को यह बताया जाता है, तब भी वे समझ नहीं पाते हैं तथ्य यह है कि सोच और इच्छा से फर्क पड़ता है; इसके बजाय विश्वास करें कि वह सब कुछ वे शब्द हैं जो वे

**कहते हैं और कर्म वे करते हैं। बहुत से लोग जो दूसरे में आ रहे हैं ईसाई जगत का जीवन आजकल ऐसा ही है।**

**आखिरकार, अच्छी आत्माएं उनकी जांच करती हैं ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या वे जैसे हैं। यह विभिन्न तरीकों से किया जाता है क्योंकि इसमें पहले कहते हैं कि बुरे लोग सच्ची बातें कह सकते हैं और अच्छे काम कर सकते हैं जिस तरह से अच्छे लोग करते हैं। जैसा कि मैंने पहले ही समझाया है, ऐसा इसलिए है क्योंकि सतही तौर पर उनका जीवन उतना ही नैतिक प्रतीत होता था, क्योंकि वेसरकारों और कानूनों के अधीन रह रहे थे; और इसके अलावा, वह जीना रास्ते ने उन्हें निष्पक्षता और ईमानदारी के लिए ख्याति दिलाई, और जीत हासिल की लोगों को उनके पक्ष में लाया, और उन्हें प्रतिष्ठा और धन लाया।**

**परंतु आप अच्छे लोगों से बुरी आत्माओं को इस तथ्य से बहुत आसानी से बता सकते हैं कि जब बात चल रही हो तो दुष्ट ध्यान देते हैं सतही बातें, और थोड़ा ध्यान जब यह**

**गहराई के बारे में विषयों, चर्च के सच्चे और अच्छे सिद्धांतों के बारे में और स्वर्ग। वे ऐसी बातें सुनते हैं, लेकिन बिना किसी वास्तविक ध्यान केया खुशी। आप उन्हें इस तथ्य से भी पहचान सकते हैं कि वे लगातार आध्यात्मिक दुनिया के कुछ क्षेत्रों की ओर मुड़ें, और जब वे खुद पर छोड़ दिए जाते हैं तो वे उन रास्तों का अनुसरण करते हैं जो हमें ले जाते हैं उन क्षेत्रों। आप बता सकते हैं कि किस तरह का प्यार उन्हें आगे बढ़ा रहा है उनके द्वारा सामना किए जाने वाले क्षेत्रों और उनके द्वारा अनुसरण किए जाने वाले रास्तों का अवलोकन करना।**

संसार से आने वाली प्रत्येक आत्मा आपस में जुड़ी हुई है स्वर्ग में एक विशेष समुदाय या किसी विशेष समुदाय के साथ नरक में। हालांकि, यह केवल इन नवागंतुकों पर लागू होता है।आंतरिक स्वयं, और उनके आंतरिक स्वयं उनके लिए स्पष्ट नहीं है जब तक वे अपने बाहरी स्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह है क्योंकि उनके बाहरी स्वयं अपने आंतरिक स्वयं को ढंकते और छिपाते हैं, विशेष रूप से बुराई में शामिल लोगों के मामले में। हालांकि, उनके भीतर जब वे दूसरी अवस्था में पहुँचते हैं तो स्वयं पूर्ण रूप से दिखाई देने लगते हैं होने का, क्योंकि यही वह जगह है जहाँ उनके भीतर की आत्माएँ खुलती हैं और उनके बाहरी स्व निष्क्रिय हो जाते हैं।

मृत्यु के बाद की यह पहली अवस्था कुछ लोगों के लिए कुछ दिनों तक चलती है, दूसरों के लिए महीने, और अभी भी दूसरों के लिए एक साल, लेकिन शायद ही कभी अधिक किसी के लिए एक साल से ज्यादा। ये अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि कितना प्रत्येक व्यक्ति का आंतरिक स्व और बाहरी स्व असहमत या हैंसद्भाव में। सभी के आंतरिक और बाहरी स्वयं को एक समान रूप से कार्य करना चाहिए और एक दूसरे से मेल खाते हैं।

आध्यात्मिक दुनिया में, कोई नहीं है सोचने और करने की अनुमति एक तरह से और फिर भी एक ही समय में बोलना और अभिनय करना। हर किसी को अपनी या . की एक छवि होनी चाहिए उसका स्नेह या प्यार, जिसका अर्थ है कि हमें उसी पर होना चाहिए बाहर जैसे हम अंदर हैं। यही कारण है कि पहली बातऐसा होता है कि आत्मा का बाहरी स्वरूप [आध्यात्मिक द्वारा] उजागर हो जाता है परीक्षा] और पुनर्गठित-ताकि यह उसके अनुरूप हो सके ब्याक्तित्व।

# मृत्यु के बाद हमारा दूसरा राज्य

मृत्यु के बाद होने वाली हमारी दूसरी अवस्था को हमारी आंतरिक अवस्था कहा जाता है
स्वयं क्योंकि तब हम पूरी तरह से गहरी पहुंच में लाए जाते हैं हमारे दिमाग, या हमारी इच्छा और विचारों के, जबकि अधिक बाहरी पहले राज्य में हमें शामिल करने वाले हित निष्क्रिय हो जाते हैं।

कोई भी जो हमारे जीवन और हमारे शब्दों का पालन करता है औरक्रियाएं यह पहचान सकती हैं कि हम सभी के पास एक बाहरी स्व और एक आंतरिक है स्वयं, या (इसे दूसरे तरीके से रखने के लिए) सतही विचार और इरादे और गहरे वाले भी। यह हम इस तथ्य से जान सकते हैं कि यदि हम नागरिक जीवन में शामिल हैं, हम अन्य लोगों के बारे में सोचते हैं उनकी प्रतिष्ठा के बारे में, या हमने उनके बारे में क्या उठाया है जब वे बातचीत का विषय थे।

हालांकि, हमारा तरीका उनसे बात करना हमारी राय से काफी अलग हो सकता है उनमें से। और भले ही वे बुरे लोग हों, फिर भी हम उनके प्रति विनम्र व्यवहार करते हैं। यह नकली और चापलूसी करने वालों में विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है, जिनके

**शब्द और कार्य उनके विचारों और इरादों से पूरी तरह से अलग हैं, और पाखंडियों में जो भगवान, स्वर्ग, आत्माओं के उद्धार, चर्च की सच्चाई के बारे में बात करते हैं।**

**अपने देश और अपने पड़ोसी का कल्याण मानो वे थे विश्वास और प्यार से प्रेरित, जब दिल से वे किसी और चीज़ में विश्वास करते हैं और किसी और से नहीं बल्कि खुद से प्यार करते हैं।इससे हम यह समझ सकते हैं कि हमारे पास दो विचार प्रक्रियाएं हैं,**

**एक जो सतही है और एक जो हममें गहरा है, और वह हम जो शब्द कहते हैं, वे हमारी सतही सोच से आते हैं; लेकिन हमारी भावनाएं,जो पूरी तरह से कुछ और हैं, हमारे गहरे से आते हैं विचार। इसके अलावा, इन दो विचार प्रक्रियाओं को किया गया है अलग हो गए हैं, क्योंकि भीतर से रोकने के लिए देखभाल की जानी चाहिए बहिर्मुखी होकर बहना और किसी तरह से दिखाई देना।**

**यह जानना महत्वपूर्ण है कि हम वास्तव में क्या हैं, यह निर्धारित है पूरी तरह से हमारे आंतरिक स्व जैसा है, न कि हम जो हैं उससे नहीं सही रूप से, उस आंतरिक स्व के अलावा। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा आंतरिक आत्मा हमारी आत्मा है, और चूंकि यह आत्मा से है कि शरीर जीवन, हमारा जीवन हमारी आत्मा का जीवन है। तो हम जैसे भी हैं हमारे आंतरिक स्व, वही है जो हम अनंत काल के लिए पसंद करते हैं। चूंकि हमारे बाहरी स्वयं शरीर का है, यह मृत्यु के बाद अलग हो जाता है। कोई भी तत्व आत्मा से चिपक जाता है, वह निष्क्रिय हो जाता है, उसकी सेवा करता है केवल एक बाहरी स्तर [आत्मा के] के रूप में गहरा आत्म।**

हम इससे देख सकते हैं कि वास्तव में हमारा क्या है और क्या करता है नहीं। तथ्य यह है कि बुरे लोगों में, बाहरी की सामग्री विचार जो उनके शब्दों को जन्म देता है, और बाहरी इच्छा से उनके कार्यों को जन्म देता है, वास्तव में उनका बिल्कुल भी नहीं है। जो उनका है वह उनके गहन विचार की सामग्री है और होगा।

एक बार पहला राज्य पूरा हो जाने के बाद–वह राज्य जिसमें हम बाहरी आत्म पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसा कि पिछले अध्याय में वर्णित है-हमें पूरी तरह से आत्माओं के रूप में, उस अवस्था में प्रवेश करने के लिए लाया जाता है जिसमें हम हमारे आंतरिक स्व पर ध्यान दें। यह दूसरा राज्य है जो हमारे पास था हमारी आंतरिक इच्छा और उसके द्वारा उत्पन्न विचारों के संबंध में दुनिया हम में, उस समय के दौरान जब हम अपने और अपनी सोच पर थे मुक्त और नियंत्रण के बिना भाग गया।

हम इसे महसूस किए बिना इस दूसरी अवस्था में फिसल जाते हैं, जितना हमने दुनिया में किया, जब हम अपने विचारों को आकर्षित करते हैं, जो कि है हमारे भाषण का प्रत्यक्ष स्रोत, वापस हमारे भीतर की ओर, और चलोवे कुछ देर वहीं रहते हैं। तो जब हम इस अवस्था में आत्माओं के रूप में होते हैं,सोच के बाद से हम स्वयं हैं और अपना वास्तविक जीवन जी रहे हैं स्वतंत्र रूप से, जिसके आधार पर हमें स्नेह है, वास्तव में हमारा है सच्चा जीवन और हमारा सच्चा स्व।

इस अवस्था में आत्माओं की सोच खुद से आती है इच्छा, और इसलिए यह उनके अपने वास्तविक स्नेह या उनके स्वयं से आता है वास्तविक प्यार; और जब ऐसा होता है, तो उनकी सोच उनके साथ जुड़ जाती है इतनी बारीकी से कि वे शायद ही सोच रहे हों कि वे क्या कर रहे हैं बिल्कुल करते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि वे केवल अपनी इच्छा शक्ति का उपयोग कर रहे हैं।

यह लगभग वैसा ही है जब ऐसी आत्माएं बात करती हैं, सिवाय इसके कि वे हैं चिंतित हैं कि विचार जो सीधे उनकी इच्छा से आते हैं बिना किसी आवरण के प्रकट हो सकते हैं, क्योंकि उनके नागरिक जीवन में इस डर को दुनिया ने अपनी मर्जी में बोया था।

बिना किसी अपवाद के हम सभी को इस अवस्था में लाया जाता है मृत्यु क्योंकि यह हमारी अपनी सच्ची आध्यात्मिक अवस्था है। पहले के राज्य,जब हम बाहरी स्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह हमारी आत्मा की विशेषता थी जब हम दूसरों की संगति में थे। यह हमारी आत्मा नहीं है अपनी वास्तविक स्थिति, जैसा कि हम कई कारणों से देख सकते हैं। उदाहरण के लिए,न केवल आत्माओं के विचार सीधे उसी से निकलते हैं जो वे करते हैं प्रेम तो करो, परंतु जो कुछ वे कहते हैं, वैसा ही करो, क्योंकि आत्माओं के विषय में,उनका प्यार उनके भाषण का असली स्रोत है। ऐसा ही था जब हम दुनिया में अपने निजी विचारों में लगे हुए हैं, क्योंकि तब हमने शब्दों के संदर्भ में नहीं सोचा था कि हम शारीरिक रूप से बोले, लेकिन केवल कल्पना की हुई चीजें– और साथ ही हम
एक मिनट में जितना हम आधे में कह सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा चीजें सोच लीं एक घंटा।

दूसरे तरीके से हम देख सकते हैं कि यह पहला राज्य है जो पर केंद्रित है बाहरी आत्म हमारी अपनी सच्ची आध्यात्मिक स्थिति नहीं है, यह विचार करके हैकि जब हम दुनिया में दूसरों की संगति में होते हैं, तो हम रखते हैं हम नैतिक और नागरिक जीवन के नियमों के अनुरूप क्या कहते हैं। फिर हमारा गहरी सोच हमारी बाहरी सोच को उसी तरह से रोकती है जैसे एक व्यक्ति यह सुनिश्चित करने के लिए दूसरे को रोकता है कि दूसरा पार नहीं करता है औचित्य और शालीनता की सीमा।

**इस तथ्य का एक और संकेत यह है कि जब हम निजी तौर पर सोचते हैं,हम सोचते हैं कि खुश करने के लिए हम क्या कहेंगे और क्या करेंगे लोगों और मित्रों को प्राप्त करने के लिए, सद्भावना, और कृतज्ञता, और कैसे करें यह सब उस माध्यम से करें जो वास्तव में हमारे लिए विदेशी हैं–अर्थात, कैसे अगर हम सिर्फ इस पर अभिनय कर रहे होते तो हम इसे अलग तरीके से करते हम वास्तव में क्या करना चाहते हैं इसके आधार पर।**

**इन सब से हम देख सकते हैं कि जिस अवस्था में आत्माओं का नेतृत्व किया जाता है**
**अगला, जो आंतरिक आत्मा पर केंद्रित है, उनकी अपनी वास्तविक स्थिति है,**
**जिसका अर्थ है कि यह उन लोगों की सच्ची व्यक्तिगत स्थिति भी थी**
**व्यक्तियों जब वे दुनिया में रह रहे थे।**

**जब आत्माएं उस स्थिति में होती हैं जो उनके आंतरिक पर केंद्रित होती है स्वयं, तो यह स्पष्ट है कि वे वास्तव में किस प्रकार के लोग थे दुनिया। वे वास्तव में अपने व्यवहार को उस पर आधारित करते हैं जो वे वास्तव में करते हैं। जिन लोगों का आंतरिक आत्म दुनिया में अच्छाई के लिए समर्पित था तब विवेकपूर्ण और बुद्धिमानी से व्यवहार करें–जब वे करते हैं तो उससे अधिक बुद्धिमानी से दुनिया में रह रहे थे, वास्तव में, क्योंकि उन्हें मुक्त कर दिया गया है शरीर के साथ किसी भी संबंध से और इसलिए के साथ सांसारिक चीजें जो हमें भ्रमित करती हैं और बीच में एक तरह का बादल डालती हैं**
**हम और वास्तविकता।**

**इसके विपरीत, जो लोग दुनिया में बुराई पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे फिर मूर्खता और पागलपन का व्यवहार करें–जब की तुलना में अधिक पागलपन पूर्ण व्यवहार करें**
**वे दुनिया में थे, वास्तव में, क्योंकि वे स्वतंत्र हैं और अब नहीं है संयमित। जब तक वे दुनिया में रह रहे थे, वे थे सतही रूप से समझदार, क्योंकि इस तरह उन्होंने तर्कसंगत का अनुसरण किया लोग इसलिए जब बाहरी परतों को हटा दिया जाता है, तो उनकी आंतरिक परत पागलपन प्रकाशित हो चुकी है।.**

**एक दुष्ट व्यक्ति जो अच्छा होने का सतही दिखावा करता है इसकी तुलना चमकीले पॉलिश वाले जार से की जा सकती है, जो ढक्कन से ढका हुआ है जिसमें हर तरह की गंदगी छिपी है। जैसा कि प्रभु ने कहा: "आप समान है मकबरे जिन्हें सफेद रंग से रंगा गया है। वे सुंदर दिखते हैं looks बाहर, लेकिन अंदर वे मरे हुए लोगों की हड्डियों और गंदगी से भरे हुए हैं हर प्रकार का"।**

**उन सभी लोगों के लिए जिन्होंने दुनिया में अच्छा जीवन व्यतीत किया है और उन्होंने अपने विवेक के अनुसार कार्य किया है–अर्थात, लोग जिन्होंने परमात्मा को स्वीकार किया है और परमात्मा से प्रेम किया है सत्य, और विशेष रूप से वे लोग जिन्होंने उन्हें अपने पर लागू किया है जीवन - ऐसा लगता है कि वे नींद से जाग गए हैं जब वह उस स्थिति में लाया जाता है जो आंतरिक स्व पर केंद्रित है। वे उन लोगों की तरह महसूस करें जो अंधेरे से प्रकाश में आए हैं। जो अपने विचार वास्तव में स्वर्ग के प्रकाश द्वारा गतिमान होते हैं और इसलिए एक गहरी बुद्धि से, और उनके कार्यों से जो अच्छा है और**
**इसलिए एक आंतरिक स्नेह से। स्वर्ग उनके में बह रहा है विचारों और भावनाओं को एक आंतरिक आशीर्वाद और आनंद के साथ कि वे पहले कभी नहीं जानते। ऐसा**

इसलिए है क्योंकि वे अंदर है स्वर्ग के स्वर्गदूतों के साथ स्पर्श करें। तब भी, वे प्रभु को स्वीकार करते हैं और अपने प्राणों से उसको दण्डवत करें, क्योंकि वे उन्हीं में हैं जब

वे उस अवस्था में होते हैं जिसमें वे अपना ध्यान केंद्रित करते हैं उनके आंतरिक स्व। वे स्वीकार भी कर रहे हैं और पूजा भी कर रहे हैं वह स्वतंत्रता की स्थिति में है, क्योंकि यही हमारा आंतरिक स्नेह है हमें देता है। इस तरह वे बाहरी पवित्रता से दूर हो जाते हैं और आंतरिक पवित्रता में जो वास्तविक पूजा का सार है। यह है उन लोगों की स्थिति जिन्होंने उसके अनुसार ईसाई जीवन जिया है शब्द द्वारा प्रदान किए गए सिद्धांतों के साथ।

हालांकि, लोगों की स्थिति इसके ठीक विपरीत है दुनिया ने बुराई पर केंद्रित जीवन व्यतीत किया, जिसका कोई विवेक नहीं था और इसलिए ईश्वरीय होने से इनकार किया, क्योंकि वे सभी जो बुराई में रहते हैं ईश्वरीय सत्ता को आंतरिक रूप से नकारें, चाहे वे कितने भी आश्वस्त हों बाहरी रूप से हैं कि वे इनकार नहीं कर रहे हैं बल्कि उसे स्वीकार कर रहे हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करना और उसमें रहना living बुराई विपरीत हैं। जब दूसरे जीवन में ऐसे लोग आते हैं राज्य में जो आंतरिक स्व पर ध्यान केंद्रित करता है, वे मूर्ख लगते हैं और जो उनको बोलते हुए सुनते या उन्हें काम करते देखते हैं, क्योंकि उनकी बुराई आवेग उन्हें बुरे कामों में तोड़ने के लिए मजबूर करते हैं - दूसरों के लिए अवमानना में, उपहास और ईशनिंदा, घृणा और प्रतिशोध में।

वे भूखंडों को पकाते हैं, उनमें से कुछ इतनी सरलता से और द्वेष है कि आप शायद ही इस तरह की किसी बात पर विश्वास करेंगे किसी भी इंसान में मौजूद है। तब वे अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने के लिए स्वतंत्र होते हैं क्योंकि वे उस बाहरी आत्मा से अलग हो जाते हैं जिसने उन्हें दुनिया में रोक दिया था।

संक्षेप में, वे तर्क करने की अपनी क्षमता खो देते हैं, क्योंकि दुनिया में वह क्षमता उनके भीतर नहीं बल्कि उनके बाहरी स्व में स्थित थी। फिर भी, तो खुद को वे किसी और से ज्यादा समझदार लगते हैं।

एक बार इस तरह के लोग दूसरे राज्य में होते हैं, तो उन्हें भेजा जाता है अपने बाहरी स्वयं की स्थिति के बीच बार-बार आगे-पीछे और यह याद रखना कि जब वे अपने आंतरिक स्वयं की स्थिति में थे तो उन्होंने कैसा व्यवहार किया। उनमें से कुछ शर्म महसूस करते हैं और स्वीकार करते हैं कि वे पागल थे। उनमें से कुछ को बिल्कुल भी शर्म नहीं आती है। उनमें से कुछ इस बात से नाराज हैं कि उन्हें हर समय अपने बाहरी स्व की स्थिति में रहने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्हें दिखाया जाता है कि अगर वे लगातार इस स्थिति में होते तो वे क्या होते।

अच्छाई, ईमानदारी और निष्पक्षता का ढोंग कर सरल हृदय और विश्वास के लोगों को गुमराह करते हुए वे लगातार गुप्त रूप से वही काम करने की कोशिश कर रहे थे। वे अपने आप को पूरी तरह से नष्ट कर देंगे, क्योंकि अंततः उनकी बाहरी आत्मा उसी आग से जल उठेगी जो उनके भीतर की है; और यह उनका सारा जीवन खा जाएगा।

जब आत्माएं इस दूसरी अवस्था में होती हैं, तो वे वास्तव में वैसी ही दिखती हैं, जैसी उनके भीतर की दुनिया में थी। जो बातें उन्होंने गुप्त रूप से की थीं और कही थीं, वे

भी सार्वजनिक हो गई हैं, क्योंकि अब वे वही बातें खुलकर कहते हैं, क्योंकि उनके लिए कोई विचार नहीं है।

बाहरी दुनिया उन्हें रोक रही है, और वे भी कोशिश करते रहते हैं वो करने के लिए जो उन्होंने पहले किया था, लेकिन अब बिना किसी चिंता के उनके पास दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा के बारे में था। इसके अलावा, फिर उन्हें कई राज्यों में लाया जाता है जो उनकी विशेष बुराइयों से संबंधित हैं, ताकि स्वर्गदूत और अच्छी आत्माएं उन्हें उन लोगों के रूप में देखें जो वे वास्तव में हैं।

इस तरह छिपी हुई बातों को प्रकाश में लाया जाता है और कैसे रहस्य उजागर होते हैं। जैसा कि प्रभु ने कहा: "इसमें कुछ भी छिपा नहीं है"प्रकट नहीं किया जाएगा, और कुछ भी छिपा नहीं है जो ज्ञात नहीं होगा। जो कुछ तू ने अँधेरे में कहा है, वह उजाले में सुना जाएगा, और जो तू ने किसी के कान में कहा है, वह अपके मन में सुनाई देगा छतों पर कमरों की घोषणा की जाएगी "। और एक अन्य मार्ग में: "मैं तुमसे कहता हूं कि हर बेकार शब्द के लिए लोग बोल चुके हैं, वे न्याय के दिन इसका लेखा-जोखा देंगे।"

प्रत्येक व्यक्ति उस समुदाय में जाता है जहां वह या उसकी आत्मा दुनिया में थी। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हम में से प्रत्येक वास्तव में किसी न किसी समुदाय के लिए आत्मा में एकजुट है, या तो स्वर्गीय या नारकीय-बुरे लोगों से नारकीय समुदायों और अच्छे लोगों से स्वर्गीय लोगों के लिए। आत्माओं को उनके समुदायों की ओर चरणों में ले जाया जाता है और अंत में उनमें प्रवेश किया जाता है। जब बुरी आत्माएं उस स्थिति में होती हैं जो आंतरिक आत्मा पर ध्यान केंद्रित करती है, तो वे धीरे-धीरे अपने मुदायों की ओर मुड़ जाती हैं, और इससे पहले कि इस राज्य को करीब लाया जाए, वे सीधे उनका सामना कर रहे हैं।

**जब दूसरी अवस्था समाप्त हो जाती है, तब दुष्टात्माएँ फूट पड़ती हैंखुद को एक नर्क में ले जाते हैं जहाँ समान मन के लोग होते हैं। सेवा एक प्रेक्षक, यह डुबकी पहले किसी के**

**पीछे सिर गिरने की तरह दिखती है। इस तरह दिखने का कारण यह है कि ऐसे लोगों में आंतरिक स्व की व्यवस्था उल्टी होती है, क्योंकि उन्होंने नारकीय चीजों से प्यार किया है और स्वर्गीय लोगों को ठुकरा दिया है। इस दूसरी अवस्था के दौरान, कुछ दुष्ट लोग विभिन्न नरकों से अंदर और बाहर जाते हैं, और ऐसा करते समय वे उस तरह सिर के बल गिरते नहीं दिखते जिस तरह से उनकी आध्यात्मिक तबाही की प्रक्रिया पूरी होने पर लोग करते हैं।**
**वास्तविक समुदाय जहां उनकी आत्माएं दुनिया में थींउन्हें भी दिखाया जाता है, जबकि वे उस राज्य में होते हैं जो ध्यान केंद्रित करता है बाहरी आत्म पर, ताकि उन्हें पता चले कि वे अपने भौतिक जीवन के दौरान नरक में थे। लेकिन वे उसी स्थिति में नहीं थे जैसे**
**जो लोग स्वयं नर्क में हैं; बल्कि, वे आत्माओं की दुनिया के लोगों की तरह की स्थिति में थे।**

**बुरी आत्माओं का अच्छी आत्माओं से अलगाव होता है यह दूसरा राज्य, क्योंकि पहले राज्य में वे सभी एक साथ थे।कारण यह है कि जब तक आत्माएं अपने बाहरी पर केंद्रित रहती हैंस्वयं यह दुनिया की स्थिति की तरह है - बुरे लोग हैं अच्छे लोगों के साथ, और अच्छे लोगों के साथ बुरे लोगों के साथ। यह है अलग जब लोगों को उनके आंतरिक स्व में लाया गया है और उन्हें अपने वास्तविक चरित्र या इच्छा का पालन करने के लिए छोड़ दिया जाता है।**

अच्छे लोगों से बुरे लोगों का यह अलगाव विभिन्न तरीकों से होता है। अक्सर बुराइयों को उन समुदायों तक ले जाया जाता है जिनसे वे पहले राज्य के दौरान अपने अच्छे विचारों और स्नेह के माध्यम से संपर्क में रहे थे। यह उन्हें उन समुदायों में लाता है जिन्हें उन्होंने यह विश्वास करने के लिए गुमराह किया था कि वे अच्छाई के बाहरी स्वरूप को अपनाकर बुरे नहीं थे। अक्सर उन्हें एक बड़े सर्किट में घुमाया जाता है, और हर जगह अच्छी आत्माओं को दिखाया जाता है कि वे वास्तव में क्या हैं। अच्छी आत्माएं उन्हें देखते ही दूर हो जाती हैं; और जिस प्रकार अच्छी आत्माएं दूर हो जाती हैं, उसी प्रकार दुष्ट आत्माएं भी दूर हो जाती हैं, जहां वे जा रही हैं, नारकीय समुदाय का सामना कर रही हैं।

मैं अन्य तरीकों में नहीं जाऊंगा कि अच्छाई का अलगाव बुरे लोगों के लोग होते हैं। उनमें से कई हैं।

## मृत्यु के बाद हमारा तीसरा राज्य

मृत्यु के बाद हमारी तीसरी अवस्था, या हमारी आत्माओं की तीसरी अवस्था, एक है निर्देश का। यह अवस्था उन लोगों के लिए है जो स्वर्ग में प्रवेश कर रहे हैं और स्वर्गदूत बन जाते हैं, परन्तु उन लोगों के लिए नहीं जो नरक में प्रवेश करते हैं,क्योंकि ये बाद वाले को पढ़ाया नहीं जा सकता। नतीजतन, उनका दूसरा राज्य भी उनका तीसरा है, और उनके सीधे मुड़ने पर समाप्त होता है उनका अपना प्यार और इसलिए नारकीय समुदाय के प्रति किअपनों की तरह प्यार में लगा हुआ है।

एक बार ऐसा हो जाने के बाद, की प्रेम उनकी इच्छा और सोच का स्रोत बन जाता है; और तब से यह एक नारकीय प्रेम है, वे वही करेंगे जो बुराई है और वे सोचते हैं केवल क्या झूठ है। वे इच्छुक और सोचने में आनंद लेते हैं इस तरह क्योंकि ऐसा करना उनके प्यार का एक हिस्सा है।उनकी खोज इस तरह से आनंद का परिणाम उनके प्रत्येक अच्छे को अस्वीकार करने में होता है और सत्य उन्होंने पहले अपनाया था क्योंकि उन्होंने सोचा था कि यह अंत के साधन के रूप में उनके प्यार की सेवा कर सकता है।

हालांकि, अच्छे लोगों को दूसरे राज्य से लाया जाता है एक तिहाई, जो के माध्यम से स्वर्ग की तैयारी की अवस्था है निर्देश। वास्तव में स्वर्ग के अलावा कोई और तैयार नहीं हो सकता प्रत्यक्ष रूप से यह जानकर कि क्या अच्छा और सत्य है, और इसके लिए क्या आवश्यक है सिखाया जा रहा है। बिना सिखाए कोई नहीं जान सकता कि आध्यात्मिक क्या है अच्छाई और सच्चाई हैं, या बुराई और असत्य को जानो जो उनके हैं विरोधी। जब हम दुनिया में होते हैं, तो हमारे लिए यह जानना संभव होता है.

नागरिक और नैतिक अच्छे और सत्य क्या हैं, और निष्पक्ष क्या कहलाते हैंऔर ईमानदार, क्योंकि वहाँ नागरिक कानून हैं जो सिखाते हैं कि क्या है निष्पक्ष, और

ऐसी सामाजिक परिस्थितियाँ भी हैं जहाँ हम जीना सीखते हैं नैतिक कानून, जो सभी ईमानदार और सही बातों पर आधारित हैं।

आध्यात्मिक अच्छाई और सच्चाई, हालांकि, इनसे नहीं सीखी जाती है दुनिया लेकिन स्वर्ग से। हम वास्तव में उन्हें वचन से जान सकते हैंऔर वचन के आधार पर चर्च सिद्धांत से, लेकिन आध्यात्मिक अच्छा और सत्य तब तक हमारे जीवन में प्रवाहित

नहीं हो सकता जब तक कि हम स्वर्ग में न हों हमारे मन के गहरे स्तरों के संबंध में। हम स्वर्ग में हैं जब हम ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हैं और साथ ही कार्य करते हैं निष्पक्ष और ईमानदारी से, यह स्वीकार करते हुए कि हमें ऐसा करना चाहिए क्योंकि शब्द हमें आज्ञा देता है। इस तरह हम निष्पक्ष और ईमानदारी से जीते हैं भगवान की खातिर और खुद को और दुनिया को मत बनाओ हमारे प्राथमिक लक्ष्य।

हालांकि, कोई भी इस तरह से पहले बिना व्यवहार नहीं कर सकता इस तथ्य की तरह चीजें सिखाई गई हैं कि भगवान मौजूद है, वह स्वर्ग और नरक वास्तविक हैं, कि मृत्यु के बाद भी जीवन है, कि हमें प्रेम करना चाहिए सबसे ऊपर भगवान और अपने पड़ोसी से प्यार करो जैसे हम खुद से प्यार करते हैं, और हमें उस पर विश्वास करना चाहिए जो वह वचन में कहता है क्योंकि वचन दिव्य है।

इन सिद्धांतों को पहचाने और स्वीकार किए बिना,हम आध्यात्मिक रूप से नहीं सोच सकते। और इस तरह के बारे में सोचे बिना जिन मामलों को हम करने की इच्छा नहीं कर सकते, क्योंकि हम सोच नहीं सकतेकिसी चीज़ के बारे में अगर हम इसके

बारे में जानते भी नहीं हैं, और हम नहीं कर सकते हैं कुछ ऐसा करने के लिए जिसके बारे में हम सोच भी नहीं रहे हैं।

लेकिन जब हम करेंगे ऐसी बातें, स्वर्ग बहता है–अर्थात, प्रभु बहता है स्वर्ग के माध्यम से हमारे जीवन में, क्योंकि वह हमारी इच्छा में बहता है, औरउसके माध्यम से हमारे विचार में, और इन दोनों के माध्यम से जिस तरह से हम जीते हैं, क्योंकि इच्छा और विचार वही हैं जहाँ हमारा पूरा जीवन कैसे आता है। इससे हम देख सकते हैं कि आध्यात्मिक अच्छाई और सच्चाई दुनिया से नहीं बल्कि स्वर्ग से सीखे गए हैं, और यह कि कोई नहीं निर्देश के अलावा स्वर्ग के लिए तैयार किया जा सकता है।

फिर भी, जिस हद तक प्रभु हमारे जीवन में प्रवाहित होते हैं पृथ्वी वह हमें यहाँ भी सिखाता है, क्योंकि उसी हद तक वह जो सत्य है उसे सीखने के प्रेम के साथ हमारी इच्छा को प्रज्वलित करता है, और प्रबुद्ध करता है हमारे विचार ताकि हम जान सकें कि क्या सच है। इस हद तक कि ऐसा होता है, हमारी अंतरात्मा खुल जाती है और उसमें स्वर्ग बोया जाता है।

इससे परे भी, उसी हद तक जो दैवीय और स्वर्गीय है हमारे नैतिक जीवन के ईमानदार कार्यों में और में बहता है हमारे नागरिक जीवन के निष्पक्ष कार्य, और उन्हें आध्यात्मिक बनाता है, क्योंकि हमारे कार्यों का स्रोत ईश्वर है - क्योंकि हम उन्हें कर

रहे हैं परमात्मा की खातिर। हमारे नैतिकता के ईमानदार और निष्पक्ष कार्य और इस स्रोत से आने वाला नागरिक जीवन वास्तव में परिणाम है हमारे आध्यात्मिक जीवन का; और एक परिणाम वह सब कुछ प्राप्त करता है जो वह है वह चीज जो इसका कारण बनती है, क्योंकि जो कारण है वह निर्धारित करता है परिणाम कैसा है।

शिक्षण कई समुदायों के स्वर्गदूतों द्वारा किया जाता है,मुख्य रूप से उत्तरी और क्षिणी क्षेत्रों में। एन्जिल्स पहले हाथ पर आधारित बुद्धि और ज्ञान पर केंद्रित है अच्छा और सत्य क्या है इसका ज्ञान।शिक्षण स्थल उत्तर में हैं। विभिन्न प्रकार हैं,प्रकारों और प्रकारों के अनुसार विभेदित और व्यवस्थित स्वर्गीय भलाई के लिए, ताकि हर किसी को वहां इस तरह से सिखाया जा सके उसके चरित्र और सीखने की क्षमता के अनुकूल। कार्यस्थल उस क्षेत्र के एक बड़े क्षेत्र में फैले हुए हैं।अच्छी आत्माएं जिन्हें सिखाने की आवश्यकता होती है, उन्हें वहां ले जाया जाता है भगवान उनके दूसरे राज्य के बाद आत्माओं की दुनिया में समाप्त हो गया है।

हालांकि, यह सभी पर लागू नहीं होता, क्योंकि जिन लोगों के पास दुनिया में सिखाया गया है पहले से ही स्वर्ग के लिए तैयार किया गया है प्रभु द्वारा और एक अलग मार्ग से स्वर्ग में ले जाया जाता है।कुछ के लिए, यह मृत्यु के तुरंत बाद होता है। दूसरों के लिए, यह अच्छी आत्माओं के साथ थोड़े समय के प्रवास के बाद होता है, जिसके दौरान वे
उनके मोटे तत्वों को हटाकर शुद्ध किया जाता है विचार और स्नेह, वे तत्व जिन्हें उन्होंने रुचि से उठाया था रैंक और धन में जब वे दुनिया में थे।

कुछ लोग पहले आध्यात्मिक रूप से चकनाचूर होने की प्रक्रिया से गुज़रें, जो"निचली पृथ्वी" नामक साइटों में होता है। कुछ उस जगह Some कठिनाइयों से गुजरना–ये वे लोग होंगे जिन्होंने आश्वस्त किया है खुद झूठे सिद्धांतों के लेकिन फिर भी अच्छे रहते हैं रहता है। सच तो यह है कि झूठी धारणाएँ हमारे मन में कसकर जकड़ी रहती हैं,और जब तक वे दूर नहीं हो जाते, हम सत्य नहीं देख सकते, और इसलिए उन्हें स्वीकार नहीं कर सकता।

जो लोग इन शिक्षण स्थलों पर हैं वे अलग रहते हैं एक दूसरे से। उनके आंतरिक स्वयं व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए हैं स्वर्ग के समुदायों के साथ वे नेतृत्व कर रहे हैं; और तब से
स्वर्ग के समुदायों को स्वर्ग के अनुरूप एक पैटर्न में व्यवस्थित किया गया है,इसी तरह वे स्थान भी हैं जहां शिक्षण होता है। नतीजतन,जब आप इन स्थलों को स्वर्ग से देखते हैं, तो वे स्वर्ग की तरह दिखते हैं के रूप में। लंबाई में वे पूर्व से पश्चिम तक फैले हुए हैं, और में दक्षिण से उत्तर की ओर चौड़ाई।

सामान्य व्यवस्था इस प्रकार है।आगे वे लोग हैं जो बचपन में मर गए थे और थे प्रारंभिक किशोरावस्था तक स्वर्ग में शिक्षित। महिलाओं उन्हें उनके बचपन के दौरान निर्देश दें, और फिर उन्हें लाया जाता है प्रभु द्वारा इस स्थान पर और यहाँ पढ़ाया जाता है।

इनके पीछे, और उत्तर में आगे, के लिए स्थल हैं विभिन्न गैर-ईसाई लोगों के निर्देश। दुनिया में अपने धर्म के अनुसार अच्छा जीवन जिया, अर्जित किया कुछ हद तक विवेक, और निष्पक्ष और ईमानदारी से व्यवहार किया।उन्होंने ऐसा अपने राष्ट्र के कानूनों के कारण नहीं, बल्कि इसलिए किया क्योंकि अपने धर्म के कानूनों के बारे में, क्योंकि वे मानते थे कि ये कानून श्रद्धा पूर्वक पालन किया जाना था और उन्होंने जो कुछ भी नहीं किया वह करना चाहिए उनका उल्लंघन करें। इन सभी लोगों को आसानी से पहचाना जाता है प्रभु जब उन्हें ऐसा करना सिखाया गया है, क्योंकि दिल से उनका मानना था कि ईश्वर अदृश्य नहीं है बल्कि मानव रूप में दिखाई देता है।

गैर-ईसाई अनुदेशात्मक में अन्य सभी से आगे निकल जाते हैं साइटें अफ्रीका के लोग विशेष रूप से अच्छे लोग हैं।सभी को एक ही तरीके से या एक ही समुदाय द्वारा नहीं पढ़ाया जाता है स्वर्ग की। वे लोग जो स्वर्ग में से पले-बढ़े हैं शैशवावस्था को

**आंतरिक स्वर्ग के स्वर्ग दूतों द्वारा सिखाया जाता है क्योंकि वे विकृत धर्मों से झूठे विचारों को अवशोषित नहीं किया है या प्रदूषित नहीं किया है पद और धन के अवशेष के साथ उनका आध्यात्मिक जीवन दुनिया।**

**वयस्कों के रूप में मरने वाले अधिकांश लोगों को के स्वर्गदूतों द्वारा सिखाया जाता है**

**सबसे बाहरी स्वर्ग क्योंकि ये स्वर्गदूत बेहतर अनुकूल हैं better स्वर्ग के स्वर्गदूतों से भी दूर हैं। बाद वाले–अर्थात, जितने अधिक आंतरिक स्वर्गदूत–एक गहन ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि मृतक अभी तक स्वीकार नहीं कर सकता।**

**स्वर्ग में शिक्षा पृथ्वी पर शिक्षा से भिन्न है क्योंकि वहां की जानकारी किसी की स्मृति में शामिल नहीं होती है लेकिन किसी के जीवन के तरीके में, क्योंकि आत्माओं की स्मृति उनके में है जिंदगी। वे अपने जीवन के तरीके से जो कुछ भी सहमत होते हैं उसे लेते और बनाए रखते हैं और जो कुछ भी सहमत नहीं है, उसमें शामिल न हों, बहुत कम बनाए रखें इसके साथ। ऐसा इसलिए है क्योंकि आत्माएं वास्तव में स्नेह हैं, और इसलिए वे एक मानवीय रूप में हैं जो उनके स्नेह से मिलता जुलता है।**

**चूंकि वे ऐसे ही हैं, इसलिए वे लगातार प्रेरित होते रहते हैं यह जानने की इच्छा के साथ कि क्या सत्य है ताकि वे इसे प्रयोग में ला सकें उनका जीवन। प्रभु वास्तव में यह देखता है कि वे उपयोगी काम करना पसंद करते हैं चीजें जो उनके व्यक्तिगत उपहारों के अनुरूप हैं। वो प्यार तेज होता है स्वर्गदूत बनने की उनकी आशा।**

**इसके अलावा, स्वर्ग में किया गया सब कुछ प्रत्येक पर केंद्रित हैएक साझा लक्ष्य के लिए व्यक्ति का उपयोग किया जा रहा है, जो कि अच्छा है यहोवा के राज्य का (जो**

**अब उनका देश है)। सब के बाद वहाँ के स्वर्गदूत अपने विशिष्ट तरीकों से हद तक उपयोगी है कि वे जो चीजें करते हैं वे सीधे और व्यक्तिगत रूप से केंद्रित होती हैं वह सामान्य उपयोगिता, अनगिनत में से हर एक विशिष्ट और व्यक्तिगत उपयोग जो वे पूरा करते हैं वह अच्छा और स्वर्गीय है।**

**इसका मतलब यह है कि इन आत्माओं में से प्रत्येक के लिए उनका स्नेह किस चीज के लिए है सच है, उपयोगिता के लिए उनके स्नेह से इतनी निकटता से जुड़ा हुआ है कि**

**दो स्नेह एक साथ कार्य करते हैं। उपयोगिता की एक सच्ची समझउनमें इस प्रकार बोया जाता है, कि जो सत्य वे सीखते हैं वे हैं क्या उपयोगी है के बारे में सच्चाई। इस तरह से स्वर्गदूतों की आत्माएँ सिखाई जाती हैं और स्वर्ग के लिए तैयार किया।**

**विभिन्न शिक्षण विधियां हैं (उनमें से कई अज्ञात हैं दुनिया में) जिसके द्वारा सत्य के लिए एक स्नेह, प्रत्येक के अनुकूल हो व्यक्ति की अपनी विशेष उपयोगिता, इन व्यक्तियों में निहित होती है।इनमें से अधिकांश विधियों में उपयोगी का प्रतिनिधित्व शामिल है involved गतिविधियां। इस तरह के अभ्यावेदन हजारों में दिखाए जा सकते हैं आध्यात्मिक दुनिया में तरीके, और वे बहुत सुखद हैं औरउलझाते हुए कि वे इन आत्माओं में गहराई से डूबते हैं, सभी को पार करते हुए उनके मन के गहरे स्तरों से बाहरी स्तरों तक उनके शरीर।**

**इस प्रकार अभ्यावेदन का प्रभाव पर पड़ता है संपूर्ण व्यक्ति।नतीजा यह है कि आत्माएं वस्तुतः उपयोगी गतिविधियां बन जाती हैं व्यक्तिगत रूप से करते हैं। इसलिए जब वे समुदायों में आते हैं जो उनके निर्देश ने उन्हें तैयार किया है और संलग्न करना शुरू कर दिया है उन उपयोगी गतिविधियों में, वे पूरी तरह से जीवन जी रहे हैं जो हैं**

**उनका अकेला।**

**इससे हम अपने आप में वह ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, जो सत्य का बाहरी रूप है, किसी को स्वर्ग में नहीं ले जाता।बल्कि, जो हमें मिलता है वह उपयोगी जीवन है जो हमें प्रदान किया जाता है ज्ञान।**

**इन शिक्षाओं पर स्वर्ग के लिए आत्माओं को तैयार करने के बादसाइटें (जिसमें अधिक समय नहीं लगता है, क्योंकि वे इसमें डूबे हुए हैं आध्यात्मिक विचार, जो कुशलता से कई अलग-अलग अवधारणाओं को कवर करते हैं एक ही बार में), वे एंजेलिक कपड़े पहने होते हैं, जो आमतौर पर होता है सफेद के रूप में मानो वह ठीक लिनन से बना हो। फिर उन्हें ले जाया जाता है एक रास्ता जो स्वर्ग की ओर जाता है और अभिभावक की ओर मुड़ जाता है वहाँ देवदूत।**

**इसके बाद वे अन्य स्वर्गदूतों द्वारा प्राप्त किए जाते हैं और[विभिन्न] समुदायों और बड़ी संख्या से परिचित उन्हें आशीर्वाद की। प्रभु तब प्रत्येक व्यक्ति को उसके पास ले जाते हैं या उसका अपना समुदाय। यह विभिन्न रास्तों से होता है, कभी-कभी गोल चक्करों के माध्यम से। राहों को कोई फरिश्ता नहीं जानता वे ले लिए जाते हैं, केवल यहोवा। जब वे अपने पर पहुंचते हैं स्वयं के समुदाय, उनके आंतरिक स्वयं खुल जाते हैं, और जब से स्वर्गदूतों के भीतर के स्वभाव के अनुरूप हैं जो है उस समुदाय के सदस्य, वे तुरंत पहचाने जाते हैं और खुशी से प्राप्त किया।**

**मैं यहां इसके बारे में कुछ उल्लेखनीय जोड़ना चाहूंगा पथ जो इन स्थलों से स्वर्ग की ओर ले जाते हैं, वे मार्ग जितने नए आए स्वर्गदूतों को भर्ती कराया जाता है। आठ रास्ते हैं, प्रत्येक शिक्षण स्थल से। एक पूर्व की ओर जाता है और अन्य पश्चिम की**

ओर। जो लोग प्रभु के स्वर्ग में प्रवेश कर रहे हैं राज्य को पूर्वी मार्ग से स्वीकार किया जाता है, जबकि लोग जो प्रभु के आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश कर रहे हैं, उन्हें स्वीकार किया जाता है पश्चिमी मार्ग।

प्रभु के स्वर्गीय राज्य की ओर ले जाने वाले राजमार्ग हैंजलपाई और नाना प्रकार के फलदार वृक्षों से सुशोभित, जबकि जो यहोवा के आत्मिक राज्य की ओर ले जाते हैं, वे दाख की लताओं से सुशोभित हैं और लॉरेल। ये पत्राचार हैं: दाखलताओं और लॉरेल
सत्य के प्रति लगाव और इसका उपयोग कैसे किया जाता है, के अनुरूप है, जबकि जैतून और फलों के पेड़ अच्छाई के प्रति लगाव को दर्शाते हैं और इसका उपयोग कैसे किया जाता है।

यह उतना कठिन नहीं है जितना लोग सोचते हैं कि ऐसा जीवन जीना है जो स्वर्ग की ओर ले जाता है कुछ लोग मानते हैं कि ऐसा जीवन जीना कठिन है जो स्वर्ग की ओर ले जाए,उस तरह का जीवन जिसे "आध्यात्मिक" कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने सुना है
कि उन्हें संसार को त्यागने की, संबंधित इच्छाओं को त्याग की आवश्यकता है शरीर और मांस के साथ, और "आत्मिक रूप से जीवित रहो।" विशेष रूप से,वे सोचते हैं, इसका मतलब है कि उन्हें सांसारिक को अस्वीकार करना होगा चीजें, विशेष रूप से पैसा और प्रतिष्ठा, और लगातार घूमते रहते हैं,ईश्वर, मोक्ष और अनन्त जीवन के बारे में पवित्र ध्यान,प्रार्थना के लिए अपना जीवन समर्पित करना, और वचन और धार्मिक पढ़ना साहित्य।

इसे ही संसार का त्याग करना और जीना कहते हैं आत्मा के लिए और मांस के लिए नहीं।हालांकि, वास्तविक मामला काफी अलग है, जैसा कि मैंने सीखा है अनुभव और स्वर्गदूतों के साथ बातचीत की प्रचुरता से।वास्तव में, जो लोग संसार को त्याग कर आत्मा के लिए जीते हैं इस तरह से खुद को एक निराशाजनक जीवन, एक ऐसा जीवन प्राप्त करें जो स्वर्ग में आनंद का अनुभव नहीं कर सकता, क्योंकि हमारा जीवन साथ रहता है हमें मृत्यु के बाद।

नहीं, यदि हम स्वर्ग में जीवन प्राप्त करने जा रहे हैं, तो हम पूरी तरह से दुनिया में रहना चाहिए और अपने कर्तव्यों में भाग लेना चाहिए औरइसका व्यवसाय। इस प्रकार हम आध्यात्मिक जीवन प्राप्त करते हैं–के माध्यम से हमारा नैतिक और नागरिक जीवन। आध्यात्मिक जीवन का और कोई तरीका नहीं है हमारे भीतर बनते हैं, किसी अन्य तरीके से हमारी आत्माओं को तैयार नहीं किया जा सकता है स्वर्ग के लिए।

ऐसा इसलिए है क्योंकि एक आंतरिक जीवन जी रहे हैं न कि बाहरीएक ही समय में जीवन एक ऐसे घर में रहने जैसा है जिसका कोई आधार नहीं है:यह धीरे-धीरे जम जाता है, दूर-दूर तक दरारें विकसित करता है, और हिलता है जब तक यह ढह नहीं जाता।अगर हम मानव जीवन को देखें और अंतर्दृष्टि के साथ इसकी जांच करें हमें हमारी तर्कशक्ति से दिया गया है, यह तीन गुना हो जाता है।यह आध्यात्मिक जीवन, नैतिक जीवन और नागरिक जीवन से बना है।

इन जीवनों को अलग-अलग देखा जा सकता है: कुछ लोग नागरिक जीवन जीते हैं जीवन लेकिन नैतिक या आध्यात्मिक नहीं, कुछ नैतिक जीवन जीते हैं लेकिन नहीं

**एक आध्यात्मिक, और कुछ एक नागरिक और एक नैतिक जीवन और एक ध्यात्मिक जीवन जीते हैं जीवन भी। ये आखिरी वो लोग हैं जो जिंदगी जी रहे हैं स्वर्ग का, जबकि अन्य दुनिया के जीवन का नेतृत्व कर रहे हैं, जो है स्वर्ग के जीवन से कट गया।**

**इस चर्चा से जो प्राथमिक बात उभरती है, वह यह है कि आध्यात्मिक जीवन भौतिक जीवन से संबंध के बिना नहीं है–जीवन में संसार–लेकिन उससे जुड़ा है जिस तरह से एक आत्मा उससे जुड़ी है। यदि आध्यात्मिक जीवन उस संबंध के बिना होता, तो यह होता बिना नींव के घर की तरह जिसका अभी वर्णन किया गया था।**

**वास्तव में, हमारा नैतिक और नागरिक जीवन इसके पीछे प्रेरक शक्ति है हमारा आध्यात्मिक जीवन, क्योंकि अच्छा करने की इच्छा आध्यात्मिक का सार है जीवन, और अच्छे कर्म करना नैतिक और नागरिक का सार है जिंदगी। यदि इच्छा कर्म से विलग हो जाती है, तो आध्यात्मिक जीवन बन जाता है केवल सोच, मात्र बात करने से इच्छा शक्ति गिर जाती है दूर - क्योंकि इसमें आराम करने के लिए कुछ भी नहीं है।**
**हमारी इच्छा ही हमारी वास्तविक आध्यात्मिक प्राणी।**

**निम्नलिखित बातों से किसी के लिए भी यह देखना संभव हो जाएगा कि यह है उतना कठिन नहीं जितना लोग सोचते हैं कि ऐसा जीवन जीना है जो स्वर्ग की ओर ले जाता है।क्या कोई ऐसा है जो नैतिक और सभ्य तरीके से नहीं रह सकता है?**

**आखिरकार, हम बचपन में ही ऐसा करना शुरू कर देते हैं, और दुनिया में रहना शुरू कर देते हैं हमें कैसे सिखाता है। हम इसी तरह जीते हैं चाहे हम बुरे हों या अच्छे,क्योंकि कोई भी बेईमान या अनुचित कहलाना नहीं चाहता। लगभग सभी लोग ईमानदारी**

**और निष्पक्ष रूप से बाहरी तौर पर व्यवहार करते हैं, यहां तक कि इस हद तक भी वास्तव में ईमानदार और निष्पक्ष दिखने के लिए–अर्थात आधार की तरह लग रहा है वास्तविक ईमानदारी और निष्पक्षता पर उनके कार्य।**

**आध्यात्मिक लोग हैं उसी तरह जीने का आह्वान किया और इसे आसानी से कर सकते हैं सांसारिक लोगों के रूप में। लेकिन अंतर यह है कि आध्यात्मिक लोग ईश्वरीय सत्ता में विश्वास करते हैं और ईमानदारी से काम करते हैं और निष्पक्ष रूप से नहीं क्योंकि ऐसा करके वे नागरिक और नैतिक कानूनों का पालन कर रहे हैं, लेकिन इसलिए भी कि वे ईश्वरीय नियमों का पालन कर रहे हैं।**

**वास्तव में, चूंकि वे ईश्वरीय नियमों के बारे में सोच रहे हैं जब वे कार्य करते हैं, वे संपर्क में होते हैं स्वर्ग के स्वर्गदूतों के साथ; और इस हद तक कि वे संपर्क में हैं उन स्वर्गदूतों के साथ, वे उनसे, और उनके आंतरिक स्व से जुड़े हुए हैं–जो अनिवार्य रूप से एक आध्यात्मिक व्यक्ति है – सक्रिय बना दिया जाता है।**

**जब यह हम कैसे हैं, प्रभु हमें बिना समझे ही अपना लेते हैं और हमारी अगुवाई करते हैं**

**यह, और हम जो काम करते हैं वह ईमानदार और निष्पक्ष हैं–के कार्य हमारा नैतिक और नागरिक जीवन - आध्यात्मिक स्रोत से आता है। जब एक ईमानदार और निष्पक्ष कर्म आध्यात्मिक स्रोत से आता है, वह आता है सच्चाई ईमानदारी और निष्पक्षता से। यह दिल से आता है।**

बाहर से ऐसी ईमानदारी और निष्पक्षता बिल्कुल वैसी ही दिखती है जैसे सांसारिक लोगों की ईमानदारी और निष्पक्षता या यहां तक कि दुष्ट और नारकीय भी लोग, लेकिन उन गुणों का आंतरिक रूप बिल्कुल अलग है।

दुष्ट लोग वही करते हैं जो निष्पक्ष और ईमानदार होता है विशुद्ध रूप से अपने लिए और सांसारिक कारणों से। यदि वे कानून और उसके से नहीं डरते थे दंड, और उनकी प्रतिष्ठा, उनकी संपत्ति, और उनकी जीवन, वे पूरी तरह से बेईमानी और अन्याय के साथ कार्य करेंगे। जब उन्हें न तो परमेश्वर का भय है और न किसी ईश्वरीय व्यवस्था का, और न उनके भीतर कोई आंतरिक भय है संयम जो उन्हें नियंत्रण में रखता है; इसलिए वे धोखा देते हैं और लूटते हैं और अपने आनंद के लिए जितना हो सके दूसरों को लूटें।

यह विशेष रूप से स्पष्ट है कि अगर हम तुलना करें तो उनके भीतर के लोग इस तरह हैं

उन्हें उन लोगों के लिए जो दूसरे जीवन में उनके जैसे हैं। वहाँ सभी के बाहरी स्वयं को छीन लिया जाता है और आंतरिक स्वयं को हटा दिया जाता है सक्रिय–स्वयं जिसके साथ ऐसे लोग जीते रहेंगे अनंत काल तक। चूँकि दुष्ट लोग बिना बाहरी के अभिनय कर रहे हैं प्रतिबंध, जो (जैसा कि अभी बताया गया था) कानून का डर है और प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठा, लाभ और जीवन, उनके कार्यों को खोने का डर विक्षिप्त हैं, और वे ईमानदारी और निष्पक्षता का उपहास करते हैं।

इसके विपरीत, जो लोग ईमानदारी और निष्पक्षता से जीते हैं क्योंकि वे ईश्वरीय नियमों का पालन कर रहे हैं, वे बुद्धिमानी से कार्य करेंगे जब उनका बाहरी स्वयं को

छीन लिया जाता है और वे केवल उनके साथ रह जाते हैं आंतरिक स्व. फिर वे स्वर्ग के स्वर्गदूतों से मिल जाते हैं, जो साझा करते हैं उनके साथ उनकी बुद्धि।

इन सब से एक बात जो अब स्पष्ट हो जानी चाहिए वह है आध्यात्मिक लोग सांसारिक जैसा ही व्यवहार करते प्रतीत हो सकते हैं लोग अपने नागरिक और नैतिक जीवन में, लेकिन वे एक हैं unit अपने भीतर, अपनी इच्छा और विचार में दिव्य।

आध्यात्मिक जीवन के नियम, नागरिक जीवन के नियम और कानून नैतिक जीवन की बातें हमें दस आज्ञाओं में सौंपी गई हैं।पहली तीन आज्ञाओं में आध्यात्मिक जीवन के नियम हैं,अगले चार नागरिक जीवन के नियम, और अंतिम तीन कानून नैतिक जीवन।

बाह्य रूप से, जो लोग केवल सांसारिक रहते हैं इन आज्ञाओं के द्वारा ठीक वैसे ही जैसे आत्मिक लोग करते हैं। वे उसी तरह ईश्वर की पूजा करें: वे चर्च जाते हैं, सुनते हैं उपदेश देते हैं, और अपनी भक्ति के लिए स्वयं को तैयार करते हैं। वे करते हत्या या व्यभिचार न करें या चोरी न करें या झूठी गवाही न दें, न करें उनके माल के साथियों को धोखा देना।

हालांकि, वे व्यवहार करते हैं इस तरह पूरी तरह से अपने हित में, अच्छे दिखने के लिए विश्व। अंदर से, ये वही लोग के बिल्कुल विपरीत है वे बाहरी रूप से क्या प्रतीत होते हैं। क्योंकि दिल से वे इनकार करते हैं दिव्य, वे अपनी पूजा में पाखंडी की भूमिका निभाते हैं। उनके निजी में यह सोचकर कि वे कलीसिया के पवित्र संस्कारों का उपहास करते हैं, यह विश्वास करते हुए केवल अपरिष्कृत जनता को नियंत्रित करने के लिए काम करते हैं। यह है क्या वे पूरी तरह से स्वर्ग से कटे हुए हैं।

इसलिए चूंकि वे आध्यात्मिक नहीं हैं, इसलिए वे नैतिक या नागरिक नहीं हैं लोग या तो: भले ही वे मारते नहीं हैं, वे हर किसी से नफरत करते हैं जो उनके रास्ते में आ जाता है, और उनकी नफरत उन्हें लेने के लिए जला देती है बदला। यदि वे नागरिक कानूनों और बाहरी से बंधे नहीं थे उनके डर के कारण प्रतिबंध, वे मार डालेंगे।

लेकिन मारने की लालसा से वे लगातार मार रहे हैं।भले ही वे व्यभिचार नहीं करते हैं, वे लगातार है व्यभिचारी सभी समान, क्योंकि वे मानते हैं कि कुछ भी नहीं है इसके साथ गलत। वे वास्तव में इसे उतना ही करते हैं जितना वे कर सकते हैं और जितनी बार उन्हें अवसर मिलता है।

हालांकि वे वास्तव में चोरी नहीं करते हैं, वे लगातार है सभी समान चोरी करने का अर्थ है, क्योंकि वे दूसरे लोगों का लोभ करते हैं संपत्ति और धोखाधड़ी और दुर्भावनापूर्ण धोखाधड़ी को कानूनी रूप से समझें न्यायोचित।

यही बात नैतिकता की अन्य आज्ञाओं पर भी लागू होती है जीवन–झूठी गवाही न देना या दूसरों के सामान का लालच न करना।वे सभी जो परमात्मा को नकारते हैं, वे ऐसे ही हैं, जिनके पास कुछ नहीं है धर्म के आधार पर विवेक। जाहिर सी बात है कि यही तरीका है यदि हम उनकी तुलना उन लोगों से करें जो समान है उन्हें दूसरे जीवन में, उन आत्माओं के बाहरी होने के बाद स्वयं को छीन लिया जाता है और पूरी तरह से अपने भीतर लाया जाता है।

चूँकि वे उस समय स्वर्ग से कटे हुए हैं, वे लीग में कार्य करते हैं नरक के साथ और वहाँ के लोगों के साथ संगति रखो।यह उन लोगों के लिए अलग है जो अपने दिल में स्वीकार करते हैं दैवीय होने के नाते और उन्होंने जो कुछ भी किया उसमें दैवीय

नियमों पर ध्यान दिया दुनिया में किया, न केवल दस आज्ञाओं में से पहले तीन को रखते हुए
लेकिन अन्य भी। जब वे पूरी तरह से लाए जाते हैं उनके आंतरिक स्व में, उनके बाहरी स्व को छीन लिए जाने के बाद, वेवे दुनिया में जितने बुद्धिमान थे, उससे कहीं अधिक बुद्धिमान हैं।

उनके भीतर आ रहा है स्वयं अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से आने के समान है ज्ञान में, उदास जीवन से आनंदमय जीवन में, क्योंकि वे हैं परमात्मा में और इसलिए स्वर्ग में।मैंने यह सब वर्णन किया है ताकि यह देखा जा सके कि प्रत्येक क्या है
ये दो प्रकार के लोग एक जैसे होते हैं, हालांकि दोनों एक ही नेतृत्व कर सकते हैं एक प्रकार का बाहरी जीवन।

कोई भी देख सकता है कि जहां इरादे होते हैं वहां विचार चलते हैं नेतृत्व, या जाने के लिए जहां हम उन्हें लक्षित करते हैं। विचार वास्तव में हमारा आंतरिक है दृष्टि, और यह हमारी बाहरी दृष्टि की तरह व्यवहार करती है। यह ओर खिसकता है औरजिस चीज की ओर मुड़ता है और जिस पर निशाना साधता है, उस पर टिकी होती है। अगर हमारे भीतर दृष्टि या विचार दुनिया की ओर मुड़ जाता है और उस पर टिका होता है, परिणाम यह होता है कि हमारा विचार सांसारिक हो जाता है। अगर इसे की ओर घुमाया जाता है हमारे स्वयं और हमारी प्रतिष्ठा, यह भौतिकवादी हो जाता है।

हालांकि, यदि वह स्वर्ग की ओर मुड़ जाता है, वह स्वर्गीय हो जाता है। तो अगर इसे घुमाया जाता है स्वर्ग की ओर, वह ऊपर उठाया जाता है; यदि यह हमारी ओर मुड़ा

हुआ है, तो यह स्वर्ग से खींच लिया जाता है और भौतिक में विसर्जित कर दिया जाता है;

अगर यह होता है दुनिया की ओर मुड़ गया, यह भी स्वर्ग से दूर हो गया है और जो भी वस्तुएं हमारी आंखों से मिलती हैं, उनमें बिखर जाती हैं।यह हमारा प्यार है जो हमारे इरादों को बनाता है और हमारे भीतर को केंद्रित करता है उसकी वस्तुओं पर दृष्टि, या हमारा विचार। इसलिए खुद से प्यार हमारे विचारों को अपनी ओर निर्देशित करता है और जिसे हम कहते हैं हमारा अपना, जबकि दुनिया का प्यार इसे सांसारिक मामलों की ओर निर्देशित करता है,और स्वर्ग का प्रेम उसे स्वर्गीय विषयों की ओर निर्देशित करता है।

इस तथ्य से हम बता सकते हैं कि हमारे भीतर का मन किस अवस्था में है–हम सब जरूरत यह है कि हम जो प्यार करते हैं उसे पहचाने। यानी अगर हम स्वर्ग से प्यार करते हैं,हमारे मन की भीतरी पहुंच स्वर्ग की ओर उठती है और ऊपर की ओर खोलें।

अगर हम दुनिया और खुद से प्यार करते हैं, तो आंतरिक हमारे दिमाग की पहुंच ऊपर की दिशा में बंद होती है और इसके बजाय बाहरी चीजों की ओर खुला। तो यह स्पष्ट है कि यदि उच्चतर हमारे दिमाग की पहुंच उनके ऊपर क्या है, हम नहीं कर सकते हैं

अब देखें कि स्वर्ग और चर्च से क्या लेना-देना है।

जहाँ तक जैसा कि हमारा संबंध है, वे चीजें अँधेरे में पड़ी हैं; और जो कुछ भी अंधेरे में है या तो हम इनकार करते हैं या कम से कम समझते नहीं हैं। यही यही कारण है कि जो लोग खुद से और दुनिया से सबसे ऊपर प्यार करते हैं,उनके दिमाग के उच्च स्तर

बंद हैं, उनके दिलों में इनकार करते हैंदिव्य सत्य; और भले ही वे उनके बारे में रट कर बोलते हो स्मृति, वे अभी भी समझ नहीं पा रहे हैं कि वे क्या कह रहे हैं।

ईश्वरीय सच्चाइयों के प्रति वैसा ही रवैया रखें जैसा वे करते हैं सांसारिक और भौतिक चीजें। क्योंकि वे ऐसे ही हैं,वे कुछ भी नहीं सोच सकते सिवाय इसके कि क्या आता है
उनकी भौतिक इंद्रियां, जो उनके लिए आनंद का एकमात्र स्रोत हैं।

उनके संवेदी अनुभव में भी बहुत कुछ शामिल है जो गलत है,अश्लील, अधार्मिक और अपराधी। उन्हें विचलित नहीं किया जा सकता जुनूनों से क्योंकि स्वर्ग से कोई प्रवाह नहीं है उनके दिमाग में, जैसा कि अभी उल्लेख किया गया है, उनके दिमाग बंद हैं

उनके ऊपर क्या है।हमारा इरादा हमारी इच्छा है। यह वही है जो हमारी आंतरिक दृष्टि को केंद्रित करता है या सोचा, क्योंकि हम जो चाहते हैं, हम पाने का इरादा बनाते हैं; तथा हम जो पाना चाहते हैं, उसके बारे में सोचते हैं। तो अगर हम एक इरादा बनाते हैं
स्वर्ग जाने के लिए, हम अपनी सोच को उस पर केंद्रित करते हैं, और अपने साथ यह सोचकर हम अपने पूरे दिमाग को एकाग्र करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्वर्ग में होता है।

इसका मतलब है कि हमारा दिमाग दुनिया की चिंताओं को देखता है नीचे के रूप में, जैसे कोई छत से नीचे देख रहा है मकान। यही कारण है कि जिन लोगों में मन का गहरा स्तर होता है खुले हैं, अपने आप में बुरे और झूठे तत्वों को देख सकते हैं, क्योंकि

**ये उनके आध्यात्मिक दिमाग से नीचे हैं। इसके विपरीत, यदि लोगों के भीतर स्वयं खुले नहीं हैं, वे उन बुरे और झूठे तत्वों को नहीं देख सकते हैं क्योंकि वे उनके बीच में ठीक नीचे हैं, और उनके ऊपर नहीं।**

**यह हमें दिखाता है कि मानव ज्ञान कहाँ से आता है, और मानव पागलपन भी, और मरने के बाद जब हम बचे रहेंगे तो हम क्या होंगे इच्छा करना और सोचना और फिर हमारे अनुसार कार्य करना और बोलना ब्याक्तित्व।**

**फिर से, इस चर्चा को यह इंगित करने के लिए शामिल किया गया है कि a**
**व्यक्ति अंदर जैसा है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना समान है कोई और वह या वह बाहरी रूप से लग सकता है।अब हम देख सकते हैं कि स्वर्ग का जीवन व्यतीत करना उतना कठिन नहीं हैजैसा लोग सोचते हैं।**

**यह केवल पहचानने की बात है कि जब हमें कुछ ऐसा मिलता है जिसे हम जानते हैं कि यह बेईमान या अनुचित है, नहीं चाहे वह कितना भी लुभावना क्यों न हो, हमें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह इसके खिलाफ है दैवीय आज्ञाएँ। अगर हमें इस तरह सोचने की आदत हो जाए,और इस परिचित से आदत बन जाती है, फिर हम धीरे-**
**धीरे**
**स्वर्ग से संयुक्त।**

**जितना अधिक हम स्वर्ग से जुड़ेंगे, उतना ही अधिक हमारे दिमाग के उच्च स्तर खुले होते हैं, और वे जितने अधिक होते हैं खोला, जितना अधिक हम अपने आप में बेईमान या अनुचित समझते हैं;और जितना अधिक हम इन गुणों की पहचान कर सकते हैं, उतना ही अधिक हम उन्हें हटा सकते हैं। सच तो यह है कि किसी भी बुराई को दूर नहीं किया जा सकता है जब तक हम इसे देख नहीं सकते।**

यह हमारी स्वतंत्रता है जो हमें पहले इस राज्य में प्रवेश करने की अनुमति देती है स्वर्ग में होने के कारण, हर कोई इस तरह सोचने के लिए स्वतंत्र है। हालांकि, एक बार प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद, भगवान अपने चमत्कार करते हैं हमारे भीतर और हमें न केवल बुराइयों को देखने का कारण बनता है बल्कि न चाहते हुए भी उन्हें, और अंततः उनसे दूर होने के लिए। यही अर्थ है प्रभु के वचनों में से, "मेरा जूआ आसान है और मेरा बोझ हल्का है"।

हालांकि, यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि सोचने की कठिनाई इस तरह और बुराइयों का विरोध करने से भी हममें वृद्धि होती है जानबूझकर बुरे काम करते हैं– वास्तव में, जितना अधिक हम अभ्यस्त हो जाते हैं उन्हें करना और अंततः उन्हें अब नहीं देखना।

फिर हम आते हैं उन्हें प्यार करो और उन्हें हमारे प्यार को संतुष्ट करने के लिए, और तर्कसंगत बनाने के लिए क्षमा करें उन्हें सभी प्रकार के आत्म-धोखे के साथ और कहते हैं कि हमें अनुमति है उन्हें करने के लिए, कि वे अच्छे हैं। यह उन लोगों के साथ होता है जो प्रारंभिक वयस्कता बिना किसी रोक-टोक के हर तरह की बुराई में डूब जाती है और
एक ही समय में अपने सभी दिलों के साथ दिव्य हर चीज को अस्वीकार करें।

मुझे एक बार स्वर्ग का रास्ता और नर्क का रास्ता दिखाया गया था।बाईं ओर या उत्तर की ओर जाने वाला एक चौड़ा रास्ता था। महान इसके साथ कई आत्माओं को यात्रा करते देखा जा सकता है। दूरी में,हालांकि, मैं एक काफी बड़ा शिलाखंड देख

**सकता था जहाँ चौड़ा रास्ता था समाप्त हो गया। दो रास्ते बोल्डर से दूर ले गए; एक के पास गया**
**छोड़ दिया, और दूसरा, जो पत्थर की दूसरी ओर था,दाईं ओर गया।**

**बाईं ओर का रास्ता संकरा और सीमित था,पश्चिम से दक्षिण की ओर जाता है, और इसलिए स्वर्ग का प्रकाश। दाहिनी ओर का रास्ता चौड़ा और खुला था,नीचे की ओर झुक कर नरक की ओर ले जाना।**

**सबसे पहले–कांटे पर बड़े शिलाखंड तक–हर कोई कर सकता था एक ही रास्ते पर चलते हुए देखा जा सकता है; लेकिन उस समय वेजुदा कंपनी। गुड बायीं ओर मुड़ा और साथ शुरू हुआ सीमित मार्ग जो स्वर्ग की ओर ले जाता है। बुराई ने भी नहीं देखा कांटे पर बोल्डर लेकिन उसके ऊपर गिर गया और खुद को चोट पहुंचाई। कब वे उठे, और दाहिनी ओर चौड़े मार्ग पर फुर्ती से चल दिए नरक की ओर ले गया।**

**बाद में मुझे इन सब का अर्थ समझाया गया। सबसे पहला रास्ता चौड़ा है, जहां बहुत से अच्छे लोग हैं और कई बुरे हैं लोग एक साथ यात्रा कर रहे थे–सभी एक दूसरे से बातें कर रहे थे दोस्तों की तरह, क्योंकि वे बीच के अंतर को नहीं देख सकते थे उन्हें–वह पथ ऐसे लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो समान रूप से ईमानदार रहते हैं और निष्पक्ष बाहरी जीवन, और जिसे रास्ते से अलग नहीं बताया जा सकता हैवो देखे।**

**कांटे या कोने पर पत्थर जहाँ दुष्ट लोग ठोकर खाई, जिससे वे नरक के रास्ते में जल्दी गए, प्रतिनिधित्व कियाईश्वरीय सत्य, जो ध्यान केंद्रित करने वाले लोगों द्वारा नकारा जाता है नरक पर। उच्चतम अर्थों में, इस पत्थर का अर्थ है भगवान का परमात्मा**

मानव प्रकृति। हालांकि, जिन लोगों ने ईश्वरीय सत्य को स्वीकार किया,और साथ ही साथ भगवान की दिव्य प्रकृति को भी साथ ले जाया गया रास्ता जो स्वर्ग की ओर ले गया।

इसने मुझे फिर से दिखाया कि बुरे और अच्छे दोनों लोग रहते हैं बाहरी रूप से एक ही जीवन, या उसी रास्ते पर यात्रा करें, जितनी आसानी से अन्य। फिर भी जो अपने हृदय में परमात्मा को स्वीकार करते हैं,विशेष रूप से चर्च के भीतर जो प्रभु को स्वीकार करते हैं दिव्य प्रकृति, स्वर्ग की ओर ले जाती है। जो नहीं मानतेइसे नरक की ओर ले जाया जाता है।

दूसरे जीवन में पथ उन विचारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो से प्रवाहित होते हैं हमारी इच्छा, या इरादा। वहां दिखाई देने वाले रास्ते जवाब देते हैं बिल्कुल उन विचारों के लिए जो हमारे इरादों से उत्पन्न होते हैं। और हम हमारे इरादों से उत्पन्न होने वाले विचार हमें जहां ले जाते हैं, वहां चलें।

यही कारण है कि तुम राहों से बता सकते हो कि आत्माएं क्या लेती हैं और उनके विचार जैसे हैं।चौड़े और संकरे रास्तों को देखकर मुझे इसका मतलब सिखाया यहोवा के वचनों में से, “सँकरे फाटक से प्रवेश करो, क्योंकि चौड़ा है फाटक और वह मार्ग खोलो जो विनाश की ओर ले जाता है, और वहां and उसके साथ चलने वाले बहुत हैं; सीमित रास्ता है और संकरा है वह फाटक जो जीवन की ओर ले जाता है, और थोड़े हैं जो उसे पाते हैं” ।

जीवन की ओर ले जाने वाला मार्ग संकरा है इसलिए नहीं कि यह कठिन है।इसके बजाय यह संकीर्ण है क्योंकि बहुत कम लोग इसे पाते हैं, जैसा कि है उल्लेख किया गया

है।जिस कोने में मैंने देखा वह शिलाखंड जहां चौड़ा, रास्ता समाप्त हो गया और जिसमें से दो रास्ते आगे बढ़ते हुए लग रहे थे विपरीत दिशाओं ने मुझे प्रभु के वचनों का अर्थ दिखाया,"क्या तुम ने वह नहीं पढ़ा जो लिखा है, 'वह पत्थर जिसे बनाने वालों ने' लिखा है अस्वीकृत मुख्य आधारशिला बन गया है'? जो भी गिरता है यह पत्थर चकनाचूर हो जाएगा" (लूका २०:१७-१८)। पत्थर का अर्थ है ईश्वर सत्य, और इस्राएल की चट्टान
का अर्थ है भगवान अपने दिव्य मानव स्वभाव के संबंध में। निर्माता हैं चर्च के लोग। मुख्य आधारशिला वह है जहाँ कांटा है,और गिरना और चकनाचूर होना इनकार करना और नाश करना है।

मुझे दूसरे जीवन में कुछ लोगों के साथ बात करने की अनुमति दी गई है जिन्होंने दुनिया के मामलों से खुद को दूर कर लिया था पवित्र और पवित्र जीवन जीने के लिए, और कुछ लोगों के साथ भी जिनके पास था विभिन्न तरीकों से खुद को अपमानित किया क्योंकि उन्होंने ऐसा सोचा था संसार का परित्याग कर रहा था और मांस की इच्छाओं को वश में कर रहा था।

हालाँकि, उनमें से अधिकांश को इससे जो कुछ मिला वह निराशाजनक था अस्तित्व। उन्होंने सक्रिय जीवन से खुद को दूर कर लिया था या, जो हम संसार में भाग लेकर ही प्राप्त कर सकते हैं। जैसा परिणामस्वरूप, वे स्वर्गदूतों के साथ संगति नहीं कर सके, क्योंकि life का जीवन स्वर्गदूत-जो हर्षित और धन्य हैं- अच्छा करने वाले हैं,
दूसरों के लिए प्रेमपूर्ण दया से किए गए कार्यों के लिए।

मामलों को बदतर बनाने के लिए, जिन लोगों ने अलग जीवन व्यतीत किया है दुनिया आत्म-धार्मिकता की भावना के साथ और लगातार आग में है स्वर्ग की लालसा। वे स्वर्गीय आनन्द को अपना प्रतिफल समझते हैं,परन्तु उन्हें इस बात का कोई ज्ञान नहीं है कि वास्तव में स्वर्गीय आनन्द  है। वास्तव में, स्वर्गदूतों के आनंद में आत्म-धार्मिकता का कोई अर्थ नहीं है इस में।

इसमें काम और सार्वजनिक कर्तव्यों और आनंद के होते हैं अच्छा है जो इन चीजों के माध्यम से पूरा किया जाता है। जब लोग जिन्होंने अलग जीवन व्यतीत किया है उन्हें स्वर्गदूतों के साथ लाया गया है और उन्हें अपनी खुशी में साझा करने की अनुमति है, वे जैसे हतप्रभ हैं वे अपने विश्वास के लिए पूरी तरह से अलग कुछ देख रहे थे। के बाद से वे उस खुशी का जवाब नहीं दे सकते, वे चले जाते हैं और लोगों के साथ जुड़ जाते हैं
जिन्होंने दुनिया में उसी तरह का जीवन व्यतीत किया जैसा उन्होंने किया था।

मैंने यह सब यह दिखाने के लिए चर्चा की है कि जिस जीवन की ओर जाता है स्वर्ग दुनिया से हटने का नहीं बल्कि उसमें रहने का है दुनिया, और वह पवित्रता से रह रही है लेकिन बिना दया के (और .)हम दुनिया में हिस्सा लेकर ही प्रेमपूर्ण दया के साथ कार्य कर सकते हैं)स्वर्ग की ओर बिल्कुल नहीं ले जाता।

नहीं, जो जीवन स्वर्ग की ओर ले जाता है वह प्रेममयी दया का जीवन है। तो
हर कर्तव्य, हर व्यवस्था में ईमानदारी और निष्पक्षता से व्यवहार करने का जीवन है लेन-देन, हर कार्य, हमारे गहरे आत्मा से अभिनय और इसलिए एक स्वर्गीय स्रोत से। यह स्रोत operating में काम कर रहा है जिस तरह से हम अपना जीवन जीते हैं

**जब भी हम ईमानदारी से और निष्पक्ष रूप से विशेष रूप से कार्य करते हैं क्योंकि ऐसा करना ईश्वरीय नियमों के अनुसार है।**

**स्वर्ग की ओर ले जाने वाला जीवन कठिन नहीं है। पवित्रता के अलावा एक जीवन प्रेमपूर्ण दयालुता के जीवन से कठिन है। और निश्चित रूप से लोगों के रूप में विश्वास करें कि यह स्वर्ग की ओर जाता है, ऐसा नहीं है। यह वहाँ से दूर ले जाता है।**

## स्वर्ग में बच्चे

**कुछ लोगों का मानना है कि चर्च में पैदा हुए बच्चों को ही मिलता है स्वर्ग में, चर्च के बाहर पैदा हुए बच्चे नहीं। वे कहते हैं ऐसा इसलिए है क्योंकि चर्च में पैदा हुए बच्चे बपतिस्मा लेते हैं और हैं उनके बपतिस्मा द्वारा चर्च के विश्वास में पेश किया गया।**

**क्या वे यह नहीं समझते कि बपतिस्मा लेने से लोगों को लाभ नहीं मिलता है विश्वास करो या उन्हें स्वर्ग में ले जाओ। बपतिस्मा केवल एक संकेत के रूप में कार्य करता है और याद दिलाता है कि हमें पुनर्जीवित होने की जरूरत है, और यह कि लोग पैदा हुए हैं चर्च में पुनर्जीवित किया जा सकता है क्योंकि शब्द वहाँ है,वह शब्द जिसमें दिव्य सत्य समाहित हैं जो पुनर्जन्म को संभव बनाते हैं।**

**चर्च वह जगह है जहां प्रभु, जो पुनर्जन्म का स्रोत है,ज्ञात है।तो इन लोगों को एहसास होना चाहिए कि मरने वाला हर बच्चा, नहीं चाहे वह चर्च के भीतर या बाहर पैदा हुआ हो या नहीं यह, भक्त या अपरिवर्तनीय माता-पिता के बाद, भगवान द्वारा स्वीकार**

किया जाता है मृत्यु, स्वर्ग में लाया गया, परमात्मा के अनुसार सिखाया गया डिजाइन, और जो अच्छा है और के माध्यम से स्नेह से भरा है सत्य के प्रत्यक्ष ज्ञान के साथ; और फिर, लगातार होना बुद्धि और ज्ञान में सिद्ध, ऐसे सभी व्यक्ति स्वर्ग में ले जाया जाता है और स्वर्गदूत बन जाते हैं।

तर्कसंगत रूप से सोचने वाला कोई भी व्यक्ति यह महसूस कर सकता है कि कोई भी पैदा नहीं हुआ है नरक में जाने के लिए - हर कोई स्वर्ग जाने के लिए पैदा हुआ है। हमने अपने आप को यदि हम नरक में पहुंचते हैं तो इसके लिए दोषी हैं, लेकिन बच्चे अभी तक इसके लिए उत्तरदायी नहीं है कोई दोष।

मरने वाले बच्चे अभी भी दूसरे जीवन में बच्चे हैं। उन्होंने हैवही बचपना मन, वही अनजानी मासूमियत,सबके प्रति समान कोमलता। लेकिन वे सिर्फ है स्वर्गदूत बनने में सक्षम होने की शुरुआत; वे देवदूत नहीं हैं लेकिन केवल फ़रिश्ते-टू-बी।

दरअसल, जो कोई इस दुनिया को छोड़ता है, वह [पहले] में होता है जीवन की एक ही अवस्था–एक शिशु शिशु की अवस्था में होता है, एक बच्चा एक राज्य में एक बच्चे,

72

एक किशोर या वयस्क या वरिष्ठ की स्थिति किशोर, वयस्क या वरिष्ठ। यह राज्य, निश्चित रूप से, अंततः करता है परिवर्तन। एक बच्चे की स्थिति दूसरों की तुलना में बेहतर होती है, हालाँकि,क्योंकि एक बच्चा निर्दोष है, और क्योंकि बच्चों ने अभी तक नहीं किया है बुराइयों को वास्तव में जीवित करके उनमें जड़ जमा लें। जिस वजह से मासूमियत की प्रकृति, इसमें हर स्वर्गीय चीज बोई जा सकती है; यह है उन सत्यों को समाहित करने में सक्षम जो हमारे विश्वास और अच्छे को बनाते हैं प्यार से आता है।

**दूसरे जीवन में बच्चों की स्थिति काफी बेहतर है हमारी दुनिया में बच्चों की तुलना में क्योंकि वे कपड़े नहीं है एक सांसारिक शरीर के साथ। इसके बजाय, उनके पास एक स्वर्गदूत है। एक सांसारिक शरीर स्वाभाविक रूप से भारी है। यह अपना प्राथमिक प्राप्त नहीं करता है आंतरिक या आध्यात्मिक से संवेदनाएं और प्राथमिक आवेगदुनिया लेकिन बाहरी या भौतिक एक से; तो इसमें बच्चे दुनिया को अभ्यास के माध्यम से चलना, चीजें करना सीखना होगा, और बात करने के लिए–यहां तक कि देखने और सुनने जैसी उनकी इंद्रियां भी विकसित हो जाती है उपयोग से। यह दूसरे जीवन में बच्चों के लिए अलग है।**

**चूंकि आत्मा हैं, उनके कार्य सीधे उनके भीतर से उत्पन्न होते हैं खुद। वे बिना अभ्यास के चलते हैं और बात भी करते हैं, हालांकि पहले तो केवल विविध भावनाओं के आधार पर बोलते हैं कि अभी तक मानसिक अवधारणाओं में विभेदित नहीं हैं। हालांकि, चूंकि**
**उनके बाहरी स्वयं अनिवार्य रूप से उनके आंतरिक स्वयं के समान हैं,वे बहुत जल्द मानसिक अवधारणाओं [अपने भाषण में] का उपयोग करना शुरू कर देते हैं कुआं।**

**सच तो यह है कि स्वर्गदूतों का भाषण . के साथ पूरी तरह से मेल खाता है जो विचार उनकी भावनाओं से उत्पन्न होते हैं, केवल इसलिए नहीं उनका भाषण उन भावनाओं से बहता है, लेकिन क्योंकि उनकी भावनाएं because उनके मानसिक से अपने स्वयं के विविध रंग लेते हैं अवधारणाएं।**

**जैसे ही बच्चों को फिर से जगाया जाता है (जो तुरंत होता है उनकी मृत्यु के बाद), उन्हें स्वर्ग में ले जाया जाता है और उन्हें सौंपा जाता है महिला देवदूत जो अपने शारीरिक समय के दौरान बच्चों से कोमलता से प्यार करती है रहता है और परमेश्वर से भी प्रेम करता है।**

**चूंकि इस दुनिया में वे सभी बच्चों से प्यार करते थे के रूप में कोमलता के रूप में मानो वे उनके लिए मां थे, वे स्वीकार करते हैं नए लोगों को अपने रूप में, और बच्चे सहज रूप से प्यार करते हैं उन्हें अपनी माँ के रूप में। ऐसे प्रत्येक देवदूत के उतने ही बच्चे हैं जितने उनके आध्यात्मिक मातृ प्रकृति चाहती है।**

**मुझे संक्षेप में यह बताने की आवश्यकता है कि बच्चों का लालन-पालन कैसे होता है**

**स्वर्ग। वे अपने शिक्षकों से बोलना सीखते हैं। उनके पहले वाली केवल भाव द्वारा उत्पन्न ध्वनि है। यह धीरे-धीरे अधिक स्पष्ट हो जाता है क्योंकि वे जिन अवधारणाओं के बारे में सोच रहे हैं वे प्रवेश करते हैं इसमें, इस तरह की अवधारणाएं जो भावनाओं से उत्पन्न होती हैं पूरी देवदूत भाषा बनाओ।**

**बच्चे अपनी आंखों से जिस तरह की चीजें देखते हैं, खासकर उन्हें प्रसन्न करना इन भावनाओं से जुड़ी पहली वस्तु है,जो पूरी तरह से निर्दोष हैं। चूंकि वे सब कुछ देखें एक आध्यात्मिक स्रोत से है, स्वर्ग के पहलू उनमें प्रवाहित होते हैं जो उनके गहरे स्व को खोलते हैं। इस तरह वे पूर्णता के करीब बढ़ते हैं हर दिन।**

**एक बार यह पहला चरण पूरा हो जाने के बाद, उन्हें दूसरे स्वर्ग में ले जाया जाता है जहाँ उन्हें प्रशिक्षकों द्वारा सिखाया जाता है,और इसी तरह।उन्हें विशेष रूप से उनके पात्रों के अनुकूल छवियों द्वारा सिखाया जाता है,अविश्वसनीय रूप से सुंदर और ज्ञान से भरपूर छवियां जो भीतर से आता है। इस तरह धीरे-धीरे उनमें एक ऐसी बुद्धि पैदा की, जिसकी आत्मा उसी से आती है क्या अच्छा है।**

**मैं इस बिंदु पर दो उदाहरणों का हवाला दे सकता हूं जिनकी मुझे अनुमति दी गई है यह देखने के लिए कि इनमें से बाकी की प्रकृति का सुझाव देने के लिए काम करेगा इमेजेस।**

**1. यहोवा को कब्र में से उठकर और साथ में दिखाया गया इस अवधारणा को उनके मानव स्वभाव के साथ एकजुट करते हुए दिखाया गया था उसकी दिव्य प्रकृति। यह इतनी समझदारी से किया गया था कि यह सभी मानवीय ज्ञान को पार कर गया, लेकिन एक तरह से दोनों बच्चों के समान और निर्दोष। उदाहरण के लिए, हालांकि मकबरे का विचार संकेत दिया गया था, प्रभु का विचार उसी पर नहीं दिखाया गया था**

**समय, केवल इतनी सूक्ष्मता के अलावा कि कोई शायद ही बता सके कि यह था**

**यहोवा, मानो वह बहुत दूर हो। उन्होंने इस डिवाइस का इस्तेमाल कियाकब्रों से जुड़ी मौत के विचार को हटा दें। फिर उन्होंने बहुत ही विवेकपूर्ण तरीके से कुछ धुंधला होने दिया, कुछ ऐसा कब्र में बहने के लिए एक पतली भाप की तरह लग रहा था। इससे वे थे**

**प्रतीक, फिर से उपयुक्त सूक्ष्मता के साथ, आध्यात्मिक जीवन बपतिस्मा द्वारा प्रतिनिधित्व किया।**

**2. तब मैं ने देखा कि ये स्वर्गदूत यहोवा के निमित्त उतर आए हैं जो उनके साथ बंधे हुए थे और उनके साथ स्वर्ग में जी उठे थे [भजन 68:18; इफिसियों 4:8-10; १ पतरस ३:१९-२०]। यह उन्होंने दिखाया अतुलनीय विवेक और श्रद्धा। एक रियासत के रूप में**

बच्चे जिस तरह से चीजों को समझते हैं, उन्होंने इसमें प्रभु का साथ दिया छोटी रस्सियों द्वारा उसकी चढ़ाई को उन्होंने गिरा दिया था, इतना पतला और सरकार लगभग अदृश्य होने के नाते।

इस सब के दौरान, उन्हें एक पवित्र भय था प्रतिनिधित्व के किसी भी हिस्से को किसी भी चीज़ पर छूने देना आध्यात्मिक और स्वर्गीय नहीं था।अन्य अभ्यावेदन थे जो बच्चों को व्यस्त रखते थे साथ ही–उदाहरण के लिए, बच्चों के दिमाग के अनुकूल नाटक–के माध्यम से जिसमें बच्चों को सच्चाई के प्रति जागरूक किया गया और एक जो अच्छा है उसके लिए स्नेह।

मुझे यह भी दिखाया गया कि उनकी कोमल समझ कैसी है।जब मैं प्रभु की प्रार्थना कह रहा था और वे बह रहे थे मेरी अवधारणाओं में इसकी अपनी समझ के आधार पर,
मैंने देखा कि उनका अंतर्वाह इतना कोमल और कोमल था कि यह लगभग कुछ भी नहीं बल्कि शुद्ध भावना। उसी समय, मैंने नोट किया कि उनकी समझ यहोवा के लिए खोल दी गई थी, क्योंकि यह इस प्रकार था यद्यपि जो कुछ उनकी ओर से आ रहा था, वह उनमें से बह रहा था।

वास्तव में, प्रभु मुख्य रूप से बच्चों के विचारों में प्रवाहित होते हैं सबसे गहरा स्व। बच्चों में इसे बंद करने के लिए कुछ भी नहीं है, जैसा कि है वयस्कों में मामला–कोई भी झूठा सिद्धांत उन्हें सत्य से अलग नहीं करता समझ, जीवन का कोई भी बुरा तरीका उन्हें स्वीकार करने से नहीं रोकता क्या अच्छा है और इस प्रकार बुद्धिमान होने से।

हम इन सब से देख सकते हैं कि उनकी मृत्यु के तुरंत बाद बच्चे उस अवस्था में प्रवेश नहीं करते हैं जिसमें स्वर्गदूत होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे होते हैं क्या के बारे में बढ़ती

जागरूकता के माध्यम से उस राज्य में लाया गया अच्छा और सच है। यह स्वर्ग के डिजाइन के अनुसार है।उनके पात्रों का सबसे छोटा विवरण भगवान को ज्ञात है, इसलिए उनका नेतृत्व किया जाता है, इस तरह से जो हर आवेग से मेल खाता है अपने स्वयं के झुकाव, उत्पन्न होने वाले सत्य की स्वीकृति की भलाई और भलाई से जो सत्य के कारण की जाती है।

मुझे यह भी दिखाया गया है कि उनमें जो कुछ भी डाला गया है वह कैसा है उन तरीकों से सिखाया जाता है जो बच्चों को बहुत रुचिकर और खुश करते हैं और उनके व्यक्तित्व के अनुरूप। मुझे देखने की अनुमति दी गई है, एक के रूप में इन तरीकों में से एक का उदाहरण, बच्चों ने शानदार कपड़े पहने,गले में फूलों की माला पहने और दुबले-पतले
बाहें, खिलखिलाते और स्वर्गीय रंगों के साथ उज्ज्वल।

एक बार मुझे भी कुछ बच्चों को उनके शिक्षकों के साथ देखने की अनुमति मिली स्वर्ग जैसे बगीचे में, कुछ युवतियों की संगति में।यह पेड़ों का नहीं, बल्कि लॉरेल जैसे आकार का एक बगीचा थागुंबददार मेहराब में; ये भारी रूप से सजाए गए द्वारों का निर्माण करते हैं भीतरी खांचे की ओर ले जाने वाले रास्तों पर। बच्चे स्वतुलनीय संुदरता के साथ कपड़े पहने थे। जब वे अंदर गए द्वार के माध्यम से, प्रवेश द्वार पर फूल विकीर्ण होते हैं सबसे हर्षित प्रकाश कल्पनीय।

इससे यह देखा जा सकता है कि किस प्रकार की चीजों से उन्हें खुशी मिलती है। इससे भी, कोई कैसे देख सकता है उन्हें मासूमियत और प्रेमपूर्ण दया के आशीर्वाद

में निर्देशित किया जाता है उन चीजों से जो उन्हें रूचि देते हैं और उन्हें खुश करती हैं, जो भगवान लगातार उन आशीर्वादों से भरते हैं।

संचार के माध्यम से जो दूसरे में सामान्य है जीवन, मुझे दिखाया गया है कि बच्चों की अवधारणा कैसी होती हैं जब वे विभिन्न वस्तुओं को देख रहे हैं। मानो सब कुछ जिंदा थे; तो उनके विचार की सबसे छोटी अवधारणाओं में है एक अंतर्निहित जीवन। मैंने इकट्ठा किया कि पृथ्वी पर बच्चों की अवधारणाएँ होती है जब वे अपने खेल में शामिल होते हैं तो वे लगभग समान होते हैं,चूंकि वे अभी तक वयस्कों की तरह प्रतिबिंबित करने में सक्षम नहीं हैं, कि किस बारे में निर्जीव है।

मैंने पहले उल्लेख किया है कि बच्चों के पास या तो स्वर्ग होता है या एक आध्यात्मिक प्रकृति। जो स्वर्गवासी हैं, उनसे तुम कह सकते हो जो बहुत आसानी से आध्यात्मिक

हैं। स्वर्गीय बच्चे सोचते और बोलते हैं और अधिक धीरे से कार्य करें, ताकि [प्रतिनिधित्व] जो प्रकट होता है वह है जो कुछ अच्छा है उसके प्यार से बहने वाली किसी चीज से शायद ही ज्यादा,प्रभु और अन्य बच्चों के लिए प्रेम।

रूहानी बच्चे बहुत धीरे से सोचते, बोलते और काम नहीं करते।इसके बजाय, [उनका प्रतिनिधित्व] पंख फड़फड़ाने जैसा है जो उनके बारे में छोटी-छोटी बातों में पता चलता है। फिर भी, उनका अंतर स्वर्गीय बच्चों से उनकी मनोदशा में देखा जा सकता है,
साथ ही अन्य मामलों में।

बहुत से लोग अनुमान लगाते हैं कि बच्चे बच्चों के रूप में जारी रहते हैं स्वर्ग में हैं और अभी भी बच्चों की तरह हैं जब वे बीच में है देवदूत। जो लोग इस बात से

**अनजान हैं कि एक देवदूत क्या है, उनके पास यह हो सकता है यहां और वहां की छवियों द्वारा गलत तरीके से पुष्टि की गई या चर्च, जहां स्वर्गदूतों को बच्चों के रूप में दर्शाया जाता है। हालांकि,मामले की सच्चाई वास्तव में बहुत अलग है। खुफिया और बुद्धि एक फरिश्ता बनाती है, ऐसे गुण जो बच्चों में नहीं होता जब तक वे बच्चे रहेंगे।**

**बच्चे फरिश्तों के साथ हैं, लेकिनवे अभी तक स्वर्गदूत नहीं हैं। एक बार वे बुद्धिमान और बुद्धिमान वे पहली बार स्वर्गदूत हैं। वास्तव में–और यह कुछ है जिसने मुझे चौंका दिया–फिर वे अब बच्चों की तरह नहीं दिखतेलेकिन वयस्कों की तरह, क्योंकि उनके पास अब बच्चे जैसा स्वभाव नहीं है लेकिन एक अधिक विकसित एंजेलिक प्रकृति। यह बुद्धि के साथ जाता है और बुद्धि।**

**बच्चों के अधिक बड़े होने का कारण-अर्थात किशोरों की तरहर युवा वयस्क–जैसे-जैसे वे पूर्णता के करीब बढ़ते हैं बुद्धि और प्रज्ञा यही है कि बुद्धि और प्रज्ञा ही है आवश्यक आध्यात्मिक भोजन। तो चीजें जो उनके दिमाग को पोषण देती हैं उनके शरीर का पोषण भी करते हैं। यह पत्राचार का परिणाम है,चूंकि शरीर का रूप और कुछ नहीं, बल्कि एक बाहरी रूप है उनके आंतरिक स्व।**

**यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि स्वर्ग में बच्चे नहीं बढ़ते हैं यौवन के शिखर से ऊपर, लेकिन उस उम्र में हमेशा के लिए बने रहें। सेवा मुझे इस बारे में आश्वस्त करो, मुझे कुछ लोगों के साथ बात करने की अनुमति दी गई है जिनके पास था स्वर्ग में बच्चों के रूप में पली-बढ़ी और वहीं पली-बढ़ी। सेवा अन्य जब वे बच्चे थे, तब मैंने उनसे बात की, और फिर उसके साथ वह समूह बाद में जब वे युवा हो गए थे; और मैंने उसे सुना उन्हें एक आयु स्तर से दूसरे आयु स्तर तक अपने जीवन के पाठ्यक्रम के बारे**

में बताया।मासूमियत में सब कुछ स्वर्गीय है। यह कारण है कि बच्चों की मासूमियत किस चीज के लिए सभी स्नेह का आधार है अच्छा और सच है। मासूमियत प्रभु के नेतृत्व में होना चाहती है और अपने आप से नहीं, इसलिए हम जितने निर्दोष हैं, उतने ही कम व्यस्त हैं हम अपनी स्वयं की छवि के साथ हैं। और जितने आजाद हैं हम अपने अपनी स्वयं की छवि के साथ व्यस्तता, जितना अधिक हम एक पहचान प्राप्त करते हैं

प्रभु द्वारा दिया गया। प्रभु की पहचान वही है जो प्रभु की कहलाती है धार्मिकता और योग्यता।

हालांकि, बच्चों की मासूमियत असली मासूमियत नहीं है, क्योंकि इसमें अभी भी ज्ञान की कमी है। असली मासूमियत ज्ञान है क्योंकि किस हद तक हम बुद्धिमान हैं हम चाहते हैं कि हम प्रभु की अगुवाई करें; या क्या एक ही चीज़ की मात्रा, जिस हद तक हम नेतृत्व करना पसंद करते हैं यहोवा के द्वारा हम बुद्धिमान हैं।

तो बच्चों को बाहरी मासूमियत से लाया जाता है कि सबसे पहले उनकी विशेषता है, जिसे . की मासूमियत कहा जाता है शैशवावस्था, आंतरिक मासूमियत के लिए जो ज्ञान की मासूमियत है।यह दूसरी मासूमियत उनकी पूरी प्रक्रिया का लक्ष्य है निर्देश। इसलिए जब वे ज्ञान की मासूमियत पर पहुंचते हैं, तो शैशवावस्था की मासूमियत जिसने उन्हें इस दौरान आधार के रूप में सेवा दी थी उनके साथ प्रक्रिया जुड़ी हुई है।

बच्चों की मासूमियत की प्रकृति ने मुझे इस रूप में दर्शाया कुछ वुडी और लगभग बेजान। फिर इसे जीवन में लाया गया जैसे-जैसे बच्चों को पहचान कर पूर्णता के

करीब लाया गया सच्चाई और जो अच्छा है उससे प्यार करना शुरू करें। इस प्रदर्शन के बाद,

सच्ची मासूमियत की प्रकृति मेरे लिए एक सर्वोच्च के रूप में प्रस्तुत की गई थी संुदर बच्चा, नग्न और बहुत ज़िंदा; और असल में आंखों में अन्य स्वर्गदूतों की, वास्तव में निर्दोष लोग, गहरे स्वर्ग में,बिल्कुल छोटे बच्चों की तरह दिखते हैं। उनमें से कुछ नग्न भी हैं,चूंकि मासूमियत को बिना शर्मिंदगी के नग्नता के रूप में चित्रित किया जाता है,जैसा कि हम पहले मानव और उसकी पत्नी के बारे में पढ़ते हैं बगीचा (उत्पत्ति २:२५)। तो भी, जब उन्होंने अपनी मासूमियत खो दीवे अपने नंगेपन पर लज्जित हुए और छिप गए (उत्पत्ति .)

3:7, 10, 11)।

संक्षेप में, जितने बुद्धिमान स्वर्गदूत हैं, वे उतने ही अधिक निर्दोष हैं;और वे जितने निर्दोष हैं, उतना ही वे अपने आप को देखते हैं बच्चों की तरह। यही कारण है कि शब्द में शैशवावस्था का अर्थ है मासूमियत।

मैंने स्वर्गदूतों से बच्चों के बारे में बात की है, और मैंने पूछा है कि क्या वे शुद्ध और दुष्ट थे, और तर्क करते थे कि उनके पास नहीं है कोई भी बुराई जिसे क्रिया में किया गया है, जिस तरह से वयस्क करते हैं। इ वास हालांकि, बताया कि उनके भीतर उतनी ही बुराई है–कि वास्तव में वे भी कुछ और नहीं बल्कि दुष्ट हैं।

हालांकि, वे, सभी की तरह स्वर्गदूतों को यहोवा ने उनकी बुराई से दूर रखा और रखा क्या अच्छा है पर ध्यान केंद्रित किया, जब तक कि यह उन्हें ऐसा न लगे जैसे कि वे जो उनके अपने हिसाब से अच्छा है उस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। तो रोकने के लिए बच्चों को उनके बाद अपने बारे में गलत धारणा रखने से स्वर्ग में पले-बढ़े

हैं–एक विश्वास है कि अच्छाई जो चारों ओर से घेरे हुए हैं उन्हीं की ओर से हैं, न कि यहोवा की ओर से–वे वापस रखे गए हैं समय-समय पर अपनी वंशानुगत बुराइयों में और उनमें तब तक छोड़ेंगे जानते हैं और पहचानते हैं और विश्वास करते हैं कि चीजें वास्तव में कैसे हैं।

एक व्यक्ति था जो शैशवावस्था में ही मर गया था और बड़ा हो गया था स्वर्ग में जिसकी इस तरह की राय थी। वह एक का पुत्र था विशेष राजा; इसलिए उन्हें अपने स्वयं के जन्मजात जीवन में वापस रखा गया था बुराई। मैं तब उनके जीवन की आभा से बता सकता था कि उन्हें प्रेरित किया गया था दूसरों पर अधिकार करने के लिए और व्यभिचार को कोई चिंता का विषय नहीं माना जो कुछ भी - बुराई जो उसके माता-पिता से उसकी आनुवंशिकता का हिस्सा थीं।

एक बार जब उसने पहचान लिया कि वह ऐसा ही है, तो उसका स्वागत किया गया वापस उन स्वर्गदूतों के बीच जो वह पहले रहा था।दूसरे जीवन में, हममें से किसी को भी कभी किसी सजा का सामना नहीं करना पड़ता है विरासत में मिली बुराई, क्योंकि वह हमारी नहीं है। हमारी गलती नहीं है वंशानुगत प्रकृति। हम किसी भी व्यक्तिगत बुराई के लिए सजा भुगतते हैं हम कार्य किया है-अर्थात, जो भी वंशानुगत बुराई है, उसके लिए हम इसे हमारे जीवन में अभिनय करके अपना बना लिया है।

बड़े हो चुके बच्चों को वापस राज्य में क्यों रखा जाता है?
उनकी वंशानुगत बुराई उन्हें दंडित करना नहीं है। यह सुनिश्चित करना है कि वे जानते हैं कि अपने आप में वे बुराई के अलावा और कुछ नहीं हैं और वे नरक से ले जाया जाता है जिसमें वे स्वर्ग में है भगवान की दया, कि वे स्वर्ग में हैं इसलिए नहीं कि वे इसके लायक हैं,लेकिन यहोवा के कारण। यह उन्हें शेखी बघारने से रोकता है किवे दूसरों की तुलना में बेहतर हैं क्योंकि उनके पास अच्छाई है।

यह ठीक उसी प्रकार एक दूसरे से प्रेम करने की भलाई के विरुद्ध होगा यह विश्वास के विरुद्ध है जो सत्य होना सिखाता है।कई बार कई बच्चे मेरे साथ रहे हैं गाना बजानेवालों, इससे पहले कि वे बात करना सीख चुके थे। वे बेहोश हो गए,असंगठित ध्वनि, जैसे कि वे अभी तक प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं थे ठीक उसी तरह जैसे वे बड़े होने पर करते थे। पर क्या वास्तव में मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरे साथ रहने वाली आत्माएं कर सकती थीं

उन्हें बात करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश न करें–इस तरह का आवेगआत्माओं में जन्मजात है। हर बार, हालांकि, मैंने देखा कि बच्चे विरोध किया, इस तरह से बोलने के लिए मजबूर नहीं होना चाहता।

मैं अक्सर उनसे एक अनिच्छा उठा लेता था, एक ऐसी अरुचि जिसमें जिसमें एक तरह की नाराजगी। जब उन्हें कुछ शक्ति प्रदान की गई भाषण के बारे में, उन्होंने कहा कि "ऐसा नहीं है।" मुझे बताया गया था कि यह केवल आदी होने के लिए बच्चों का एक प्रकार का परीक्षण है और जो कुछ भी गलत और बुरा है उसका विरोध करने के लिए उनका परिचय दें उन्हें सोचने या बोलने या बोली लगाने पर कार्य करने से रोकें

किसी और के, ताकि वे खुद को नेतृत्व न करने दें प्रभु के अलावा कोई भी।

इससे हम समझ सकते हैं कि बच्चों का लालन-पालन क्या है?

जैसे स्वर्ग में–सत्य और बुद्धि की समझ के द्वारा जो अच्छा है उसके बारे में, वे एक स्वर्गदूतीय जीवन में ले जाते हैं, जो प्रभु के लिए प्रेम और एक पारस्परिक प्रेम जिसमें

**शामिल है मासूमियत एक उदाहरण यह समझाने का काम कर सकता है कि परवरिश कितनी अलग है पृथ्वी पर बच्चों की संख्या कई उदाहरणों में है।**

**मैं सड़क पर एक बड़े शहर में और कुछ लड़कों को आपस में लड़ते देखा। ए**
**भीड़ इकट्ठी हुई और इसे बड़े मजे से देखा,और मुझे बताया गया कि माता-पिता स्वयं अपने बच्चों से आग्रह करते हैं इस तरह के झगड़ों में अच्छी आत्माएं और स्वर्गदूत जो थे अपनी आँखों से यह सब देखकर मैं इतना विकर्षित हुआ कि मैं कर सकता था**
**उन्हें कंपकंपी महसूस होती है, खासकर इस तथ्य पर कि माता-पिता थे**
**इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहित करना।**

**उन्होंने कहा कि ऐसा करने से बहुत कम उम्र में ही आपसी प्रेम को दबा देंगे और वह सारी मासूमियत जो छोटों को प्रभु से मिलती है, और वह उन्हें घृणा और प्रतिशोध की ओर ले जाएंगे। तो उनके द्वारा खुद की जानबूझकर प्रथाओं से वे अपने बच्चों को बंद**

**कर देंगे स्वर्ग, जहां आपसी प्रेम के अलावा कुछ नहीं है। किसी भी माता-पिता को जाने दें जो अपने बच्चों का भला चाहते हैं, इस तरह की बातों से सावधान रहें।मुझे मरने वाले लोगों के बीच के अंतर का भी वर्णन करने की आवश्यकता है बच्चों और वयस्कों के रूप में मरने वाले लोगों के रूप में। जो लोग वयस्कों के रूप में मरते हैं एक स्तर [उनकी आत्मा में] सांसारिक, भौतिक से प्राप्त किया गया है दुनिया, और वे इसे अपने साथ ले जाते हैं। यह स्तर उनकी स्मृति है और इसकी सामग्री और शारीरिक भावना।**

**मृत्यु के बाद, सामग्री अब नहीं है इसमें जोड़ा जाता है, और फिर यह निष्क्रिय हो जाता है; लेकिन यह अभी भी कार्य करता है मृत्यु के बाद उनके विचार बाहरी स्तर के रूप में क्योंकि उनकी सोच जिसमें बहती है। इस प्रकार यह स्तर – और जिस तरह से एक व्यक्ति की शक्तियाँ तर्क का स्तर उस स्तर के अनुरूप है जो निर्धारित करता है मरने के बाद इंसान कैसा होता है।**

**जो लोग बचपन में मर चुके हैं और उनका पालन-पोषण हुआ है स्वर्ग, हालांकि, इस प्रकार का स्तर नहीं है। उनके पास एक स्तर है जो सांसारिक से आध्यात्मिक में स्थानांतरित हो गया है, क्योंकि उनके साथ भौतिक दुनिया या उनके सांसारिक से कुछ भी नहीं लाना निकायों। इसका मतलब है कि उन्हें मोटे तौर पर नहीं पकड़ा जा सकता है निया की भावनाओं में या उनसे आने वाले विचारों में भावनाएँ।**

**वे वास्तव में जो कुछ भी हैं उसके लिए स्वर्ग को आकर्षित करते हैं।इतना ही नहीं, छोटे बच्चे इस बात से अनजान हैं कि वे थे पृथ्वी पर पैदा हुए हैं, इसलिए वे सोचते हैं कि वे स्वर्ग में पैदा हुए हैं। यह यानी वे नहीं जानते कि आध्यात्मिक के अलावा कोई जन्म क्या है जन्म जो किसके साथ परिचित होने के माध्यम से पूरा किया जाता है अच्छा और सच्चा है और बुद्धि और ज्ञान के माध्यम से कि लोगों को सही मायने में इंसान बनाओ।**

**चूँकि ये यहोवा की ओर से आते हैं,वे मानते हैं कि वे स्वयं यहोवा के हैं, और वे उससे प्रेम करते हैं ऐसा हो।हालांकि, अगर पृथ्वी पर पले-बढ़े लोग दूरी खुद को भौतिक और सांसारिक चीजों के प्यार से, अपने लिए और दुनिया के लिए प्यार करो, और प्यार करो आध्यात्मिक चीज़ों के बजाय, वे पूर्णता की ओर उसी तरह पहुंच सकते हैं जैसे**

**ठीक वैसे ही जैसे बच्चे स्वर्ग में पले-बढ़े हैं।**

# मृत्यु के बाद का जीवन

**मृत्यु के बाद जीवात्मा के प्रत्यक्ष होने के चश्मदीद गवाह और प्रामाणिक घटनायें :**

**ब्रोघम केस**

**दिसंबर, १७९९ में, लॉर्ड ब्रोघम, जो उस समय इक्कीस वर्ष के थे, थे कुछ दोस्तों के साथ स्वीडन की यात्रा। वह कहता है:"हम नॉर्वे के लिए निर्धारित करने के लिए गोथेनबर्ग के लिए निकल पड़े। के बारे में सुबह एक बजे, एक अच्छी सराय में पहुँच कर, हमने रुकने का फैसला किया रात के लिए। कल की ठंड से थक गया, फायदा उठाकर खुशी हुई**
**मेरे अंदर आने से पहले एक गर्म स्नान का, और यहाँ एक सबसे उल्लेखनीय मेरे साथ कुछ हुआ–इतना उल्लेखनीय है कि मुझे कहानी से बतानी होगी शुरुआत।**

'हाई स्कूल छोड़ने के बाद, मैं अपने सबसे घनिष्ठ मित्र जी के साथ गया,विश्वविद्यालय में कक्षाओं में भाग लेने के लिए। देवत्व वर्ग नहीं था, लेकिन
हम अक्सर अपने भ्रमण में कई कब्रों पर चर्चा और अनुमान लगाते हैं विषय–दूसरों के बीच, आत्मा की अमरता पर, और भविष्य पर राज्य यह सवाल, और संभावना, मैं भूतों के चलने की बात नहीं कहूँगा,लेकिन जीवितों के सामने आने वाले मरे हुओं के बारे में, बहुत अधिक अटकलों का विषय थे;

और हमने वास्तव में लिखित समझौते को तैयार करने की मूर्खता की है
हमारे खून में, इस प्रभाव के लिए कि हम में से जो भी मर गया वह पहले प्रकट हो दूसरे के लिए, और इस प्रकार किसी भी संदेह को हल करें जो हमने 'जीवन' के बारे में मनोरंजन किया था मृत्यु के बाद।' कॉलेज में अपनी कक्षाएं समाप्त करने के बाद, जी. के पास गया भारत को वहां सिविल सेवा में नियुक्ति मिल गई है। वह शायद ही कभी
मुझे लिखा, और कुछ वर्षों के अंतराल के बाद मैं उसे लगभग भूल ही गया था; इसके अलावा, उनके परिवार का एडिनबर्ग के साथ बहुत कम संबंध है, मैं शायद ही कभी उनमें से कुछ देखा या सुना, या उनके द्वारा उसके बारे में, ताकि यह सब स्कूली छात्र की अंतरंगता समाप्त हो गई थी और मैं उसका अस्तित्व लगभग भूल चुका था।

जैसा कि मैंने कहा है, मैंने एक गर्म स्नान किया था, और उसमें लेटते हुए और

मैं देर से जमने के बाद गर्मी के आराम का आनंद ले रहा था,मैंने अपना सिर घुमाया, उस कुर्सी की ओर देखा जिस पर मैंने जमा किया था मेरे कपड़े, जैसे मैं स्नान से बाहर

निकलने वाला था। कुर्सी पर बैठे जी।, शांति से मुझे देख रहे हैं। मैं स्नान से कैसे निकला, मुझे नहीं पता, लेकिन होश में आने पर मैंने खुद को फर्श पर फैला हुआ पाया।

प्रेत-या जो कुछ भी था-जिसने जी की समानता ली थी, गायब हो गया।"इस दृष्टि ने ऐसा झटका दिया कि मुझे बात करने का कोई झुकाव नहीं था इसके बारे में या इसके बारे में स्टुअर्ट से भी बात करने के लिए; लेकिन इसने जो छाप छोड़ी मुझ पर इतना ज्वलंत था कि आसानी से भुलाया नहीं जा सकता; और इतनी दृढ़ता से मैं प्रभावित हुआ इसके द्वारा कि मैंने यहाँ पूरी कहानी लिख दी है, जिसके साथ दिनांक, 19 दिसंबर, और सभी विवरण क्योंकि वे अब पहले से ताज़ा हैंमैं।

निःसंदेह मैं सो गया था; और यह कि उपस्थिति इसलिए प्रस्तुत की गई मेरी आँखों के लिए स्पष्ट रूप से एक सपना था, मैं एक पल के लिए संदेह नहीं कर सकता; अभी तक वर्षों से मेरा जी के साथ कोई संवाद नहीं था और न ही था मेरी याद में उसे याद करने के लिए कुछ भी। के दौरान कुछ नहीं हुआ था हमारी स्वीडिश यात्रा या तो जी से जुड़ी है या भारत के साथ, या किसी भी चीज़ के साथउससे या उसके परिवार के किसी सदस्य से संबंधित। मुझे याद आया हमारी पुरानी चर्चा और हमने जो सौदा किया था, वह जल्दी से पर्याप्त था। मैं कर सकता मेरे दिमाग से यह धारणा नहीं छूटी कि जी की मृत्यु हो गई होगी,और यह कि मेरे सामने उसकी उपस्थिति मुझे ए के प्रमाण के रूप में स्वीकार की जानी थी फ्यूचर स्टेट; फिर भी हर समय मुझे विश्वास हो गया कि पूरा एक सपना था;और इतना दर्दनाक विशद, इतना अमिट छाप था, कि मैं नहीं कर सकता था
इसके बारे में बात करने के लिए या इसके बारे में थोड़ा सा संकेत करने के लिए खुद को लाओ।"अपीयरेंस 53

**जी की मृत्यु की घोषणा करने वाला भारत से एक पत्र आया, और यह बताते हुए कि उनकी मृत्यु 19 दिसंबर को हुई थी।"**

**लैन केस**

**इस दिलचस्प मामले की असामान्य विशेषता यह है कि इसमें उदाहरण शामिल है**

**हाल ही में मृतक एक व्यक्ति की चेतावनी के बारे में जो उसके बारे में था मरने के लिए, और प्राप्तकर्ता संचारक की मृत्यु से पूरी तरह अनजान था।**

**"पिछले 27 नवंबर को, ममे गुएरिन नाम की एक बूढ़ी औरत, छियासठ,साल की उम्र, नंबर 34 (चौथी मंज़िल ) गली में रहने वाली Fosses-du-Temple,थोड़ी बीमार थी ,जिसे डॉक्टर ने अपच का हल्का सा दौरा समझा।**

**सुबह के पाँच बज रहे थे; उसकी बेटी, एक विधवाMme Guerard नाम की , जल्दी उठ गई थी , दीया जला रही थी और यहाँ काम कर रही थी। काम करते हुए बेटी ने उससे कहा माँ, 'क्यों, ममे लान देश से वापस आ गई होंगी।'(यह ममे लैन, साठ साल की एक अच्छे स्वभाव वाली, मोटी महिला, से सेवानिवृत्त हुई थी सेंट लुइस और सेंट क्लाउड सड़कों के कोने पर एक किराना व्यवसाय 40,000 फ्रैंक की आय के साथ और बुलेवार्डो में पहली मंजिल पर रहती थी एक नए घर में ब्यूमचैंस।) ममे गुएरार्ड ने कहा, 'मुझे जाना चाहिए आज उसे देखने के लिए।' 'ऐसा करने का कोई फायदा नहीं है,' उसकी माँ ने कहा।**

"'क्यों मां?'

"'वह एक घंटे पहले मर गई।'

" 'क्यों, माँ, तुम्हारा क्या मतलब है? क्या तुम सपना देख रही हो?'

"'नहीं, मैं काफी जाग रहा हूं। मैं सोया नहीं हूं, लेकिन जैसे ही चार बज गए हैं मैंने ममे लैन को पास होते देखा और उसने मुझसे कहा, "मैं जा रही हूँ, क्या तुम हो?" आई ल?"

'

"बेटी ने सोचा कि उसकी माँ ने सपना देखा था और बाद मेंममे लैन को देखने के लिए दिन निकला, केवल यह पता चला कि उसकी मृत्यु सुबह 4 बजे हुई थी।"उसी शाम ममे गुएरिन ने खून की उल्टी की और डॉक्टर ने कहा,'वह चौबीस घंटे नहीं टिकेगी।' अगले दिन दोपहर में उसने एक दूसरा हमला और मर गया।

"मैं ममे गुएन को जानता था, और कहानी मुझे मेमे गुएरार्ड द्वारा सुनाई गई थी, ए पवित्र, अच्छी महिला।

## मैरियट केस

फ्लोरेंस मैरियट, अपने पिता कैप्टन फ्रेडरिक की जीवनी में समुद्र के उपन्यासों के महान लेखक मैरियट (1792-1848) इस घटना को बताते हैं जैसे कि उसने उससे सुना, जो उसके जीवन के अंत में हुआ:

"मेरे पिता के जीवन के अंतिम पन्द्रह वर्ष उनकी ही संपत्ति पर गुजरेलैंग हम में, नॉरफ़ॉक में, और उनके देश के दोस्तों में सर चार्ल्स थे और रेन्हम हॉल की लेडी टाउनशेंड।

**जिस समय मैं बात कर रहा हूँ,शीर्षक और संपत्ति ने हाल ही में हाथ बदल दिया था, और नए बैरोनेट के पास थापूरे हॉल को फिर से तैयार किया, रंगा, और सुसज्जित किया, और नीचे आ गया अपनी पत्नी और दोस्तों की एक बड़ी पार्टी के साथ कब्जा करने के लिए। लेकिन उनके लिए झुंझलाहट, उनके आने के तुरंत बाद अफवाहें उठीं कि घर था प्रेतवाधित, और उनके मेहमान, एक और सभी (जैसे दृष्टांत में), शुरू हुए**
**फिर से घर जाने का बहाना बनाना।**

**यह सब एक भूरी महिला के कारण था,जिसका चित्र एक शयनकक्ष में लटका हुआ था, और जिसमें उसका प्रतिनिधित्व किया गया थापीले रंग की ट्रिमिंग के साथ एक भूरे रंग की साटन की पोशाक पहने हुए, और एक रफ उसके गले के चारों ओर - एक बहुत ही हानिरहित, निर्दोष दिखने वाली युवती। परंतु सबने घोषणा की कि उन्होंने उसे घर में घूमते हुए देखा है–कुछ में गलियारा, कुछ उनके शयनकक्षों में, अन्य निचले परिसर में, और न ही हॉल में मेहमान और नौकर नहीं रहेंगे। बैरोनेट स्वाभाविक रूप से था**
**इससे बहुत नाराज़ हुए और अपने पिता को अपनी परेशानी बताई, और मेरे पिता उस ।**
**चाल पर क्रोधित थे जिस पर उनका मानना था कि उनसे  खेला गया था.**

**नॉरफ़ॉक में तस्करी और अवैध शिकार का एक बड़ा सौदा था वह अवधि, जैसा कि वह अच्छी तरह से जानता था, काउंटी का एक मजिस्ट्रेट होने के नाते, और वह यकीन मानिए कि इनमें से कुछ लुटेरे उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैंटाउनशेड फिर से हॉल से दूर। तो उसने अपने दोस्तों से उसे जाने देने के लिए कहा उनके साथ रहो और प्रेतवाधित कक्ष में सो जाओ, और उसे यकीन हो गया कि वह उन्हें परेशानी से निजात**

दिला सकता है। उन्होंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, और उसने ले लिया उस कमरे का कब्जा जिसमें भूत का चित्र लटका हुआ था, और जिसमें वह अक्सर देखी जाती थी, और हर रात भरपेट सोती थी तकिए के नीचे रिवाल्वर। हालांकि, दो दिनों तक उसने कुछ नहीं देखा, और 1 प्रिंस, डॉ वाल्टर एफ।, मानसिक घटनाओं के लिए विख्यात गवाह, 164-66।एपेरिशन्स 55तीसरा उसके ठहरने की सीमा थी।

हालांकि, तीसरी रात दो युवकों (बैरोनेट के भतीजे) ने उसके दरवाजे पर दस्तक दी जैसे वह बिस्तर पर जाने के लिए कपड़े उतार रहा था, और उसे अपने कमरे में जाने के लिए कहा(जो गलियारे के दूसरे छोर पर था), और उन्हें अपनी राय दें लंदन से अभी-अभी आई एक नई बंदूक की। मेरे पिता अपनी कमीज में थे और पतलून, लेकिन जैसे ही घंटा देर हो चुकी थी, और हर कोई आराम करने के लिए सेवानिवृत्त हो गया थावे जैसे थे वैसे ही उनके साथ जाने को तैयार थे।

जैसे वो थे कमरे से बाहर निकलते हुए, उसने अपनी रिवॉल्वर पकड़ ली, 'अगर हम ब्राउन से मिलते हैं लेडी, 'उन्होंने हंसते हुए कहा। जब बंदूक का निरीक्षण समाप्त हो गया था,युवकों ने उसी भावना से घोषणा की कि वे मेरे पिता के साथ जाएंगे फिर से, 'यदि आप ब्राउन लेडी से मिलते हैं,' तो उन्होंने हंसते हुए दोहराया भी. इसलिए तीनों सज्जन कंपनी में लौट आए।

"गलियारा लंबा और अंधेरा था, क्योंकि रोशनी बुझ गई थी,परन्तु जब वे बीच में पहुंचे, तो उन्हें दीपक की चमक दिखाई दी दूसरे छोर से उनकी ओर आ रहा है। 'जाने वाली महिलाओं में से एक नर्सरी में जाएँ,' मेरे पिता से युवा टाउनशेंड फुसफुसाए। अब क,

उस गलियारे में बेडरूम के दरवाजे एक दूसरे के सामने थे, और प्रत्येक कमरे में थे बीच की जगह के साथ एक डबल दरवाजा, जैसा कि कई पुराने जमाने में होता है

गांव का घर। मेरे पिता (जैसा कि मैंने कहा है) कमीज और पतलून में थे केवल, और उसके मूल शील ने उसे इतना असहज महसूस कराया, इसलिए उसने बाहरी दरवाजों में से एक के भीतर फिसल गया (उसके उदाहरण के बाद उसके दोस्त),जब तक महिला को वहां से नहीं गुजरना चाहिए, तब तक खुद को छुपाने के लिए।

मेरे पास है उसका वर्णन करते हुए सुना कि कैसे उसने उसे निकट और निकट आते देखा,दरवाजे की झंकार के माध्यम से, जब तक कि वह उसके लिए काफी करीब थी उसकी पोशाक के रंग और शैली में अंतर करने के लिए, उसने पहचान लिया चित्र 'द ब्राउन लेडी' के चित्र के प्रतिकृति के रूप में। उसके पास था अपनी रिवाल्वर के ट्रिगर पर उंगली, और इसे रोकने की मांग करने वाला था और उसके वहां उपस्थित होने का कारण बताएं, जब आंकड़ा उसके रुक गया जिस दरवाजे के पीछे वह खड़ा हुआ था, और उसे पकड़े हुए,दीया जलाकर उसने अपनी विशेषताओं को दिखाया, जानबूझकर उस पर मुस्कुराई।

यह मेरे पिता, जो स्वभाव में मेमने के समान कुछ भी थे, इतने क्रोधित हो गए,कि वह गलियारे में एक बाध्य के साथ उछला, और छुट्टी दे दी रिवाल्वर ठीक उसके चेहरे पर। आंकड़ा तुरंत गायब हो गया–आंकड़ा जिसे कई मिनट से तीन आदमी एक साथ देख रहे थे-और गोली कमरे के बाहरी दरवाजे से होकर गुजरती गलियारे के विपरीत दिशा में और भीतरी दरवाजे के पैनल में दर्ज किया गया।

पिता ने फिर कभी ब्राउन लेडी के साथ हस्तक्षेप करने का प्रयास नहीं किया, और मैं सुना है कि वह आज तक परिसर में शिकार करती है। कि उसने ऐसा किया था

समय संदेह की छाया नहीं है।"रेन्हम हॉल के मालिक सर चार्ल्स टाउनशेंड ने मिस लूसिया को बतायासी. स्टोन कि "मैं विश्वास नहीं कर सकता, क्योंकि उसने (ब्राउन लेडी) ने मुझे जन्म दिया कल रात मेरे कमरे में।" मिस स्टोन ने यह भी बताया कि कर्नल लोफ्टस,सर चार्ल्स के एक चचेरे भाई ने हॉल में रहते हुए भूत को देखा।

वेस्ट रेन्हम के रेक्टर, रेव. डब्ल्यू.पी.एम. मैकलीन के अनुसार,सन् १९०३ में भी देखा गया था।

**बेलामी केस**

"जब वह एक स्कूली छात्रा थी तब मेरी पत्नी ने अपने एक साथी के साथ एक समझौता किया था कि जो पहले मरा वह बचे हुए शक्स को दिखाई दे,ईश्वर की कृपा हो। १८७४ में मेरी पत्नी, जिसने न तो अपने स्कूल के दोस्त को देखा था न ही उसके बारे में कुछ सुना, न ही उसकी मृत्यु के बारे में कुछ सुना था। इस खबर ने उसे याद दिलाया उन्होंने कॉम्पैक्ट बनाया था , दोनों मित्रों ने। मैं अपनी पत्नी के साथ इस समझौते के बारे में जानता था, लेकिन कभी नहीं देखा था उसके दोस्त की तस्वीर, और न ही उसके बारे में कुछ सुना।

"एक या दो रातों के बाद हम चुपचाप सो रहे थे; एक तेज आग कमरे में चमक उठी और एक जली हुई मोमबत्ती थी। मैं अचानक जाग गया और जिस पलंग पर मेरी पत्नी सो रही थी, उसके पास एक औरत बैठी हुई देखी गहराई से। मैं बिस्तर पर बैठ गया और

उसे देखने लगा। मैंने उसे इतनी स्पष्ट रूप से देखा कि मैं कर सकता हूं अभी भी रूप और रवैया याद है। अगर मेरे पास कलाकार का हुनर होता तो मैं उसे पेंट कर सकता था
कैनवास पर समानता। मुझे याद है कि मैं विशेष रूप से मारा गया था सावधान तरीके से उसके बाल तैयार किए गए थे; यह एक निश्चित . के साथ व्यवस्थित किया गया था लालित्य मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कितनी देर तक उसे देखता रहा, लेकिन जैसे ही यह हुआअजीब प्रेत गायब हो गया मैं बिस्तर से उठा यह देखने के लिए कि क्या वस्त्र लटका हुआ है बिस्तर के ऊपर कुछ ऑप्टिकल भ्रम पैदा कर दिया था।

लेकिन कुछ भी नहीं था मेरे और दीवार के बीच मेरी दृष्टि की रेखा। चूंकि मैं यह नहीं सोच सकता था मतिभ्रम, मुझे संदेह नहीं था कि मैंने वास्तव में एक भूत देखा था।

"मैं बिस्तर पर वापस आ गया और मेरी पत्नी के जागने तक वहीं रहा,कुछ घंटे बाद। तभी मैंने उसे उस चेहरे का वर्णन किया जो मैंने देखा था। रंग, कद, आदि–सब ठीक मेरी पत्नी के अनुसार 1 मायर्स, एफ.डब्ल्यू.एच., ह्यूमन पर्सनालिटी (लंदनः नगमैन्स, ग्रीन एंड कंपनी), II, 350।अपीयरेंस 57

अपने बचपन के दोस्त की याद। मैंने अपनी पत्नी से पूछा कि क्या कुछ है अपने दोस्त की उपस्थिति में विशेष रूप से हड़बड़ी ; उसने तुरंत उत्तर दिया,'हां, स्कूल में हम उसे उसके बालों को लेकर चिढ़ाते थे, जो वह हमेशा करती थी विशेष देखभाल के साथ व्यवस्थित।' यह ठीक यही था जिसने मुझे मारा था।"मुझे यह जोड़ना होगा कि मैंने इससे पहले कभी भी एक प्रेत नहीं देखा है और बाद में अब तक नहीं ।
"द रेव। आर्थर बेल्लामी,ब्रिस्टल।"

**रोजा केस**

**इस मामले की गारंटी, पहले प्रमुख अमेरिकी, हेरिएट होस्मर ने दी थी महिला मूर्तिकार, तब हुई जब वह इटली में अपनी कला का अध्ययन कर रही थी और, १८६२ के अटलांटिक मालिक और बाद में . में प्रकाशित हुआ था जीवित रहने के प्रेतः ”रोज़ा नाम की एक इतालवी लड़की कुछ समय के लिए मेरे काम पर थी, लेकिन थी अंततः बीमार होने की पुष्टि के कारण अपनी बहन को घर लौटने के लिए बाध्य किया।**

**जब मैं घोड़े की पीठ पर अपना पारंपरिक व्यायाम करता था तो मैं अक्सर उसे देखने के लिए बुलाया। एक अवसर पर मैंने लगभग ६ बजे फोन किया, और पाया इससे ज्यादा चमकीला मैंने उसे पिछले कुछ समय से देखा था। मैंने लंबे समय से त्याग किया था**
**उसके ठीक होने की उम्मीद थी, लेकिन उसकी शक्ल में कुछ भी नहीं था जिसने मुझे तत्काल खतरे का आभास दिया। मैंने उसे छोड़ दिया कई बार उसे फिर से देखने के लिए बुलाने की उम्मीद।**

**उसने इच्छा व्यक्त की एक निश्चित प्रकार की शराब की एक बोतल है, जिसे मैंने उसे लाने का वादा किया था। मैं अगली सुबह.”बाकी शाम मुझको कभी नहीं आई याद रोज़ा की। मैं अच्छे स्वास्थ्य में आराम करने के लिए सेवानिवृत्त हुआ और मन के एक शांत फ्रेम में। लेकिन मैं एक गहरी नींद से जाग उठा दमनकारी भावना से कि कोई कमरे में था। मैंने प्रतिबिंबित किया कि नहीं मेरी नौकरानी को छोड़कर कोई भी अंदर नहीं जा सकता था, जिसके पास दोनों में से एक की चाबी थी मेरे कमरे के दरवाजे - जिनमें से दोनों दरवाजे बंद थे।**

मैं कम सक्षम था कमरे में फर्नीचर भेद करने के लिए। मेरा बिस्तर बीच में था middle इसके पैर के चारों ओर एक स्क्रीन वाला कमरा। सोच रहा था कि कोई हो सकता है परदे के पीछे मैंने कहा, 'कौन है वहाँ?' लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बस तब बगल के कमरे की घड़ी में पाँच बज गए; और उस पल मैंने देखा 1 प्रिंस, डॉ। वाल्टर एफ।, मानसिक घटनाओं के लिए प्रसिद्ध गवाह, 249-50।

मेरे बिस्तर के पास खड़ी रोजा की आकृति; और किसी तरह, हालांकि मैं कर सकता था
यह कहने का साहस न करें कि यह भाषण के माध्यम से था, प्रभाव मुझे उससे इन नियमों के बारे में अवगत कराया गया था: 'अदेसो बेटा जेली, बेटा सामग्री*!
और इसके साथ ही यह आंकड़ा गायब हो गया।

"नाश्ते की मेज पर मैंने उस दोस्त से कहा जिसने अपार्टमेंट साझा किया था

मेरे साथ, 'रोजा मर चुकी है।' 'उससे तुम्हारा क्या मतलब है?' उसने पूछा;
'तुमने मुझसे कहा था कि जब तुमने कल उसे देखने के लिए फोन किया तो वह बेहतर लग रही थी।' मैं सुबह की घटना से संबंधित, और उससे कहा कि मेरे पास एक मजबूत है इंप्रेशन रोजा मर चुकी है । वह हंसा , और कहा कि मैंने अभी यह सब सपना देखा था।

मैंने उसे आश्वासन दिया कि मैं पूरी तरह से जाग चुका हूं। उसने मजाक करना जारी रखा विषय, और उसे एक सपना मानने में उसकी दृढ़ता से मुझे थोड़ा नाराज किया, जब मैं पूरी तरह से जाग्रत होने के बारे में निश्चित था। निपटाने के लिए प्रश्न मैंने एक दूत को बुलाया, और उसे यह पूछने के लिए भेजा कि रोजा कैसे हैमर गई। वह जवाब

**के साथ लौटा कि वह उस सुबह पांच बजे मर गई बजे."मैं उस समय वाया बाबिनो में रह रहा था।"**

**रसेल केस**

**यह मामला कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स के प्रोफेसर एडम्स को भेजा गया था,जिन्होंने इसे F. W. H. मायर्स को अग्रेषित किया:**

**"सेंट ल्यूक चर्च,**

**सैन फ्रांसिस्को,**

11 **सितंबर, 1890।**

**"कुछ हफ्ते पहले हमारे गाना बजानेवालों के नेता, एक आदमी जो स्वास्थ्य में मजबूत था और एकमन का सबसे संदेहपूर्ण मोड़, सकारात्मक रूप से उनके एक की प्रेत देखा**

**गायक जो अभी-अभी मरे थे।**

**"श्री रसेल, गाना बजानेवालों के बास, में एपोप्लेक्सी का एक स्ट्रोक थासड़क, एक निश्चित शुक्रवार को दस बजे; वह ग्यारह बजे अपने घर में मर गया बजे. मेरी पत्नी ने उसकी मौत की खबर पाकर मेरे जीजा को उसके पास भेज दिया श्री रीव्स का घर, गाना बजानेवालों के नेता, पर बजाए जाने वाले संगीत पर चर्चा करने के लिए उसका अंतिम संस्कार। वह करीब डेढ़ बजे गाना बजानेवालों के घर पहुंचे।**

**अचानक उन्होंने वेस्टिबुल में एक विस्मयादिबोधक सुना। किसी ने बस चिल्लाया, 'अच्छे भगवान!' सीढ़ी के बीच में, एक सीढ़ी पर बैठा था गाना बजानेवालों का नेता, अपनी शर्ट की आस्तीन में, महान आतंक के लक्षण दिखा रहा है।**

1 **मायर्स, एफ.डब्ल्यू.एच., ह्यूमन पर्सनालिटी, II, 45.एपीरिशंस** 59

**"जब मिस्टर रीव्स अपने कमरे से बाहर आए थे, उन्होंने मिस्टर रसेल को देखा था सीढ़ी पर खड़े होकर, एक हाथ उसके माथे पर और दूसरा हाथ पकड़े हुए उसके लिए संगीत का एक रोल। गाना बजानेवालों का नेता उसके पास गया, लेकिन प्रेत गायब हो गया। यह तब था जब उन्होंने उल्लिखित विस्मयादिबोधक का उच्चारण किया था ऊपर।**

**"उन्हें मिस्टर रसेल की मौत के बारे में कुछ नहीं पता था।"यह सबसे प्रामाणिक भूत-कहानी है जो मैंने कभी सुनी है। मुझे पता है इन सभी व्यक्तियों को बहुत अच्छी तरह से और उनकी ईमानदारी की कसम खा सकते हैं। मेरे पास कोई संदेह है कि गाना बजानेवालों ने कुछ देखा, विषयगत या निष्पक्ष रूप से;अपने सामान्य स्वास्थ्य के बावजूद, इसने उसे कई दिनों तक बीमार बना दिया।**

**"मेरे अपने व्यक्तिगत विश्वास को व्यक्त करने के लिए, मिस्टर रसेल बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे नियमित आदतें, बहुत वफादार और बहुत भरोसेमंद; उन्होंने गाना बजानेवालों में गाया था बिना वेतन के वर्षों के लिए; उनके अंतिम विचार रहे होंगे: 'मैं कैसे जाने दूं गाना बजानेवालों को पता है कि मैं कल शाम को पूर्वाभ्यास नहीं कर सकता?' उसने एक घंटे में मर गया, होश में आए बिना।**

**"जिस रवैये में उन्होंने खुद को दिखाया वह इस परिकल्पना को दर्शाता है;**

**यह उसकी बीमारी (सिर में दर्द) और उसके प्रदर्शन करने की उसकी इच्छा को दर्शाता है**

**कर्तव्य।**

**"डब्ल्यू एम डब्ल्यू डेविस,रेक्टर।"**

**द सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल के एक रिपोर्टर ने बाद में मिस्टर री०स की किताब प्रकाशित की घटना का संस्करण:**

**"शुक्रवार की सुबह एडविन रसेल, एक प्रसिद्ध अंग्रेज, था हकलाना और मेसन सड़कों के कोने पर पहुँच गया, जब उसे दौरा पड़ा अपोप्लेक्सी और दोपहर से पहले मर गया। वह हमारे शहर में दस साल तक रहा था और व्यापारिक दुनिया में सम्मान था। सदस्य थे प्रोटेस्टेंट एपिस्कोपल चर्च और एक शानदार बास आवाज थी। इसके लिए कारण वह सेंट ल्यूक चर्च के गाना बजानेवालों के लिए एक बड़ी संपत्ति थे, और अंदर थे चर्च के रेक्टर रेव डब्ल्यू एम डब्ल्यू डेविस के साथ लगातार संपर्क, और नए गाना बजानेवालों के नेता हैरी री०स के साथ।**

**"यह मिस्टर री०स के लिए था कि सनसनीखेज बात हुई जो लोग बात कर रहे हैं। मैंने उसकी बहन के घर पर उसका साक्षात्कार लिया,श्रीमती कैवनघ, कैलिफ़ोर्निया स्ट्रीट में, और उन्होंने मुझे निम्नलिखित दिया लेखा:**

**"'मैंने रसेल को उसकी मृत्यु से पहले शनिवार को देखा था। वह आया था अभ्यास करना। मैंने उससे पूछा था कि मुझे एक अच्छा सिगार कहाँ मिल सकता है और उसके पास था मुझे एक अच्छे सिगार स्टोर में ले गए। फिर मैंने उसे अपने घर आमंत्रित किया–या,बल्कि, मेरी बहन के घर - पूर्वाभ्यास करने के लिए और हमने मिलने की व्यवस्था की शनिवार के बाद। मैंने शुक्रवार दोपहर तक इस मामले के बारे में और नहीं सोचा।**

**जैसा कि मेरे संगीत के एक या दो संस्करणों को देखने का मेरा रिवाज है चयन के लिए रविवार को गाने के लिए कुछ दिन पहले, मैंने दो को चुनाते ड्यूम्स। मैंने अपना कमरा छोड़ दिया और लैंडिंग पर देखा, जो आधी रोशनी थी जैसा अभी है, मेरे दोस्त मिस्टर रसेल, इतने वास्तविक, इतने जीवंत, कि मैं आगे बढ़ गया एक बार उसके स्वागत में मेरा हाथ देने के लिए।**

**"'उसके एक हाथ में संगीत का रोल था और दूसरा उसके सामने था चेहरा। यह वास्तव में वह था। मुझे इसका पूरा यकीन है। खैर, वह पिघल गया जैसे एक बादल जो पतली हवा में गायब हो जाता है।**

**"'मैं उससे बात करने वाला था, लेकिन गूंगा हो गया। मैं नीचे गिर गया दीवार के खिलाफ, रोते हुए, "ओह, माय गॉड!" मेरी बहन, मेरी भतीजी, और एक अन्य व्यक्ति आया। मेरी भतीजी ने पूछा, "अंकल हेनरी, यह क्या है?बात?" मैंने समझाना चाहा लेकिन बोल नहीं पाया। तब मेरी भतीजी ने कहा मैं, "क्या आप जानते हैं कि मिस्टर रसेल मर चुके हैं?" मैं सचमुच स्तब्ध थाइस के द्वारा। मैंने इस रसेल को उसकी मृत्यु के तीन घंटे बाद देखा और साथ ही मैं आपको देखता हूं उस कुर्सी पर।'"**

**कोर्ट ड्रेस केस**

**"मेरी माँ ने उनकी सहमति के बिना बहुत कम उम्र में शादी कर ली माता-पिता। मेरी दादी ने कसम खाई थी कि वह अपनी बेटी को कभी नहीं देखेगीफिर व। उसकी**

**शादी के कुछ हफ्ते बाद मेरी माँ के बारे में जाग गया था2 बजे दरवाजे पर जोर से दस्तक देकर।**

**उसके लिए मेरे पिता को बड़ा आश्चर्य नहीं जगाया। दस्तक फिर से शुरू हुई; मेरी माँ ने पिता से बात की लेकिन, जब वह अभी भी सो रहा था, तो वह उठी, खिड़की खोली**

.

**और बाहर देखा,जब उसे आश्चर्य हुआ तो उसने अपनी माँ को पूरे दरबार की पोशाक में खड़ा देखा कदम पर और उसे देख रहे हैं। मेरी माँ ने उसे बुलाया, लेकिन मेरी दादी, सिर झुकाकर और सिर हिलाकर गायब हो गई।"इस समय मेरे पिता जाग गए और मेरी मां ने उन्हें बताया कि क्या हुआ था हो गई। वह खिड़की के पास गया लेकिन कुछ नहीं देखा। मेरी माँ को यकीन था कि मेरी दादी, उस देर के समय में भी, उसे क्षमा करने आई थीं और मेरे पिता से विनती की कि उसे अंदर जाने दें। उसने नीचे जाकर दरवाजा खोला लेकिन 1 कार्यवाही, एस.पी.आर., आई, 126.एपेरिशन्स**
61

**वहां कोई नहीं था। उसने मेरी माँ को आश्वासन दिया कि वह सपना देख रही थी और उसने अंत में विश्वास किया कि ऐसा ही था।"अगली सुबह नौकरों से पूछताछ की गई, लेकिन उन्होंने सुना था कुछ भी नहीं और मामला मेरे माता-पिता के दिमाग से तब तक खारिज कर दिया गया था शाम को, जब उन्होंने सुना कि मेरी दादी का पेट भर गया है किसी बीमारी से , लेकिन इसके बारे में मुझे यकीन नहीं है - कि, अस्वस्थ महसूस करते हुए, वह घर लौट आई थी और एक घंटे की बीमारी के बाद 2 बजे मौत हो गई थी, उसने मेरा जिक्र नहीं किया था उसकी छोटी बीमारी के दौरान माँ का नाम।"**

**मदीरा केस**

**एस.पी.आर. के श्री एडमंड गुर्नी। इस मामले की जांच की और दोनों को देखा प्रत्यक्ष और साक्षी, प्रत्येक से पूर्ण वाइवा वॉयस खाते प्राप्त करना।घटना दो अक्षरों में बताई गई है:"15 सितंबर,**

**"तथ्य बस ये हैं। मैं मदीरा के एक होटल में जल्दी सो रहा था 1885 में। यह एक चमकदार चांदनी रात थी। खिड़कियाँ खुली थीं और अँधेरा ऊपर था । मुझे लगा कि कोई मेरे कमरे में है। आँख खोलते ही,मैंने लगभग पच्चीस के एक युवा साथी को फलालैन पहने हुए देखा, जो यहां खड़ा था मेरे बिस्तर के किनारे और उसके दाहिने हाथ की पहली उंगली से इशारा करते हुए जिस जगह पर मैं लेटा हुआ था। मैं समझाने के लिए कुछ सेकंड के लिए वहीं लेटा रहा किसी के वास्तव में वहां होने का। फिर मैं उठकर उसकी तरफ देखने लगा।**

**उनकी विशेषताओं को इतनी स्पष्ट रूप से देखा कि मैंने उन्हें एक तस्वीर में पहचान लिया जो कुछ दिनों बाद मुझे दिखाया गया था। मैंने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है; उसने क्या बोल नहीं सकता था, लेकिन उसकी आंखें और हाथ मुझे बता रहे थे कि मैं उसकी जगह पर हूँ।**

जब उसने कोई उत्तर नहीं दिया तो मैं ने उठकर अपनी मुट्ठी से उस पर प्रहार किया, परंतु उस तक नहीं पहुंचा, और जैसे ही मैं बिस्तर से बाहर निकलने जा रहा था वह धीरे-धीरे दरवाजे से गायब हो गया, जो बंद था, उसकी नजर मुझ पर टिकी हुई थी सभी समय।

"पूछताछ करने पर मैंने पाया कि जो युवक मुझे दिखाई दिया उसकी मृत्यु हो गई जिस कमरे में मैं रह रहा था।"जॉन ई. पति।""चर्च टेरेस,विस्बेक।

8 अक्टूबर, 1886।"मिस्टर हस्बैंड ने मदीरा में रहते हुए जो आंकड़ा देखा, वह ए . का था युवा साथी जिसकी कुछ महीने पहले अप्रत्याशित रूप से मृत्यु हो गई थी जिस कमरे में मिस्टर हस्बैंड रहते थे। हैरानी की बात है, श्रीमान पति उसके या उसकी मृत्यु के बारे में कभी नहीं सुना था। उसने मुझे कहानी सुनाई सुबह के बाद उसने आकृति देखी, और मैंने युवा साथी को पहचान लिया विवरण से। इसने मुझे बहुत प्रभावित किया, लेकिन मैंने इसका जिक्र नहीं किया उसे या किसी को। मैं तब तक इधर-उधर घूमता रहा जब तक मैंने मिस्टर हस्बैंड्स को यह कहते सुना नहीं मेरे भाई को वही कहानी; हमने मिस्टर हस्बैंड को छोड़ दिया और साथ ही कहा,'उन्होंने मिस्टर डी को देखा है।'

"इस विषय पर कई दिनों तक और कुछ नहीं कहा गया, फिर मैंने अचानक दिखाया उसे तस्वीर। मिस्टर हस्बैंड्स ने मुझे तुरंत कहा, 'यही है युवा साथी जो उस रात मुझे दिखाई दिया, लेकिन उसने अलग कपड़े पहने थे'-एक पोशाक का वर्णन करना जो वह अक्सर पहनता था-'क्रिकेट सूट (या टेनिस)एक नाविक गाँठ के साथ गर्दन पर बांधा।' मुझे कहना होगा कि मिस्टर हस्बैंड सबसे ज्यादा होते हैं व्यावहारिक आदमी, और आखिरी व्यक्ति एक 'आत्मा' के आने की उम्मीद करेगा।

”के. फाल्कनर।”मिस्टर गुर्नी ने मिस्टर हस्बैंड्स और मिस फाल्कनर का साक्षात्कार लिया और संक्षेप में बताया उन्हें ऊपर: ”वे दोनों पूरी तरह से व्यावहारिक हैं और जहां तक हटा दिया गया है”चमत्कारों के अंधविश्वासी प्रेम से संभव है। ... जहाँ तक मैं न्याय कर सकता था श्रीमान पतियों का अपने बारे में दृष्टिकोण पूरी तरह से सही है- कि वह अंतिम हैं किसी भी चीज़ को नकली महत्व देने के लिए जो उस पर गिर सकती है,या कल्पना द्वारा तथ्यों को विकृत करने की अनुमति देना। जैसा देखा जाएगा, उसका उसकी दृष्टि के कारण उनकी मृत्यु के बारे में किसी भी ज्ञान से पहलेजो कमरे में हुआ था।”

## सेंट लुइस केस

यह अकाउंट अमेरिकन सोसायटी फॉर साइकिकल रिसर्च को भेजा गया था बोस्टन के श्री एफ जी द्वारा। प्रोफेसर योशिय्याह रॉयस और डॉ. रिचर्ड हॉजसन उन्हें अच्छी तरह से जानते थे और उनके उच्च चरित्र के लिए प्रतिबद्ध थे:

”सर:” ११ जनवरी, १८८८।
”आपकी सोसायटी के हाल ही में प्रकाशित अनुरोध का जवाब देने के लिए मानसिक घटनाओं की वास्तविक घटनाएं, मैं सम्मानपूर्वक निम्नलिखित प्रस्तुत करता हूँ
आपके प्रतिष्ठित के विचार के लिए उल्लेखनीय घटना समाज, इस आश्वासन के साथ कि घटना ने अधिक शक्तिशाली प्रभाव डाला मेरे दिमाग में मेरे पूरे जीवन की संयुक्त घटनाओं की तुलना में। मेरे पास है मेरे परिवार और कुछ घनिष्ठ मित्रों के

बाहर कभी इसका उल्लेख नहीं किया, यह जानकर अच्छा है कि कुछ लोग इस पर विश्वास करेंगे, या फिर इसे कुछ अव्यवस्थित बता देंगे उस समय मेरे मन की स्थिति; लेकिन मैं अच्छी तरह जानता हूं कि मैं कभी भी बेहतर स्वास्थ्य में नहीं था उस समय की तुलना में एक स्पष्ट दिमाग और दिमाग था।

"१८६७ में, मेरी इकलौती बहन, अठारह वर्ष की एक युवती, की अचानक मृत्यु हो गई सेंट लुइस की , हैजा महामारी से ,मेरा उसके प्रति लगाव बहुत मजबूत था, और मेरे लिए एक गंभीर झटका। उनकी मृत्यु के एक साल बाद लेखक एक वाणिज्यिक यात्री बन गया, और यह १८७६ में था, जबकि my . में से एक पर पश्चिमी यात्राएं, कि घटना हुई।

"मैंने सेंट जोसेफ, मो के शहर को 'ढोल' दिया था, और उसके पास गया था मेरे आदेश भेजने के लिए पैसिफिक हाउस में कमरा, जो असामान्य रूप से थे बड़े वाले, ताकि मैं वास्तव में बहुत खुश था। मेरे विचार, निश्चित रूप से, इन आदेशों के बारे में थे, यह जानकर कि मेरा कितना प्रसन्न है घर मेरी सफलता पर होगा। मैं अपनी दिवंगत बहन के बारे में नहीं सोच रहा था,या किसी भी तरह से अतीत को दर्शाते हुए।

दोपहर का समय उच्च था, और सूरज खुशी से मेरे कमरे में चमक रहा था। व्यस्त धूम्रपान करते समय सिगार और मेरे आदेश लिखते हुए, मुझे अचानक होश आया कि कोई एक हाथ मेज पर टिकाकर मेरी बाईं ओर बैठा था। जल्दी के रूप में एक फ्लैश मैंने घुमाया और स्पष्ट रूप से मेरी मृत बहन का रूप देखा, और एक के लिए मैं कार्यवाही, एस.पी.आर., VI, 17.अपीयरेंस 65 संक्षिप्त दूसरी या तो उसके चेहरे पर चौकोर रूप से देखा; और मुझे इतना यकीन था कि यह क्या वह थी, कि मैं खुशी से उछल पड़ी, उसे नाम से पुकार रही थी, और मैंने ऐसा किया कि प्रेत तुरंत गायब हो

गया। स्वाभाविक रूप से, मुझे तारांकित किया गया था और गूंगा, लगभग मेरी इंद्रियों पर संदेह; लेकिन सिगार के साथ
मुंह और हाथ में कलम, मेरे पत्र पर स्याही अभी भी नम है, मैं संतुष्ट हूँ मैं स्वयं स्वप्न नहीं देख रहा था और जाग रहा था। मैं पास था उसे छूने के लिए पर्याप्त है, क्या यह एक भौतिक संभावना थी, और उसे नोट किया विशेषताएं, अभिव्यक्ति, और पोशाक का विवरण, आदि। वह जीवित दिखाई दी।

उसकी आँखें दयालु और पूरी तरह से स्वाभाविक रूप से मेरी ओर लग रही थीं। उसकी त्वचा थी इतना सजीव कि मैं इसकी सतह पर चमक या नमी देख सकता था, और, पर
कुल मिलाकर, उसकी उपस्थिति में कोई बदलाव नहीं था, अन्यथा कब जिंदा।
"अब मेरे बयान की सबसे उल्लेखनीय पुष्टि आती है, जोउन लोगों द्वारा संदेह नहीं किया जा सकता है जो जानते हैं कि मैं वास्तव में क्या कहता हूं।

यह मुलाकात, या आप इसे जो भी कह सकते हैं, मुझे इतना प्रभावित किया कि मैंने लिया अगली ट्रेन घर, और मेरे माता-पिता, और अन्य लोगों की उपस्थिति में,।
जो हुआ था उससे संबंधित। मेरे पिता, दुर्लभ अच्छी समझ वाले व्यक्ति और बहुत व्यावहारिक, मेरा उपहास करने के लिए इच्छुक था, क्योंकि उसने देखा कि मैं कितनी गंभीरता से मैंने जो कहा था उस पर विश्वास किया; लेकिन वह भी चकित रह गया जब बाद में मैंने बताया मेरी बहन के दाहिने हाथ पर एक चमकदार लाल रेखा या खरोंच के चेहरा, जो मैंने स्पष्ट रूप से देखा था।

जब मैंने इसका जिक्र किया तो मेरी मां अपने पैरों पर कांप उठी और लगभग बेहोश हो गई, और जैसे ही वह पर्याप्त रूप से उसके आत्म-कब्जे को पुनः प्राप्त कर लिया, उसके आंसू बहने लगे चेहरा उसने कहा कि मैंने वास्तव में अपनी बहन को जीवित

**नश्वर के रूप में देखा था लेकिन खुद उस खरोंच से वाकिफ थी, जो उसने गलती से कर दी थी**
**मेरी बहन की मृत्यु के बाद दयालुता का कुछ छोटा सा कार्य करते हुए। उसने कहा उसे अच्छी तरह याद था कि उसे यह सोचकर कितना दुख हुआ कि उसे होना चाहिए था**
**अनजाने में अपनी मृत बेटी की विशेषताओं से शादी कर ली और, अज्ञात सभी के लिए, कैसे उसने ध्यान से मामूली के सभी निशान मिटा दिए थे पाउडर, आदि की सहायता से खरोंच, और जिसका उसने कभी उल्लेख नहीं किया था मनुष्य को उस दिन से आज तक।**

**प्रमाण में, न तो मेरे पिता ही हमारे परिवार में से किसी ने इसका पता लगाया था और सकारात्मक रूप से इससे अनजान थे घटना, फिर भी / खरोंच के रूप में उज्ज्वल देखा जैसे कि अभी बना है।"मेरी माँ इतनी आश्चर्यजनक रूप से प्रभावित हुईं कि उनके सेवानिवृत्त होने के बाद भी आराम करने के लिए वह उठी और कपड़े पहने, मेरे पास**

**आई और मुझे बताया कि उसने \ new कम से कम मैंने अपनी बहन को देखा था। कुछ हफ़्ते बाद मेरी माँ की मृत्यु हो गई, खुश!**
**उसे विश्वास है कि वह अपनी पसंदीदा बेटी को एक बेहतर दुनिया में फिर से शामिल करेगी।"बाद में, डॉ. हॉजसन को . के पिता और भाई से पत्र प्राप्त हुए श्री एफ. जी घटना की पुष्टि करते हैं, जैसा उन्होंने कहा था।**

**विंशर केस**

"करीब एक साल पहले एक पड़ोसी गांव में शराब बनाने वाले की मौत हो गईविंशर, जिनके साथ मैं मैत्रीपूर्ण संबंधों में खड़ा था। उनकी मृत्यु हो गई एक छोटी बीमारी के बाद, और जैसा कि मुझे शायद ही कभी उनसे मिलने का अवसर मिला,मैं उसकी बीमारी और न ही उसकी मृत्यु के बारे में कुछ नहीं जानता था।

उनकी मृत्यु के दिन नौ बजे बिस्तर पर चला गया, श्रम से थक गया जिसे मैं के रूप में बुला रहा हूं किसान मेरी मांग यहाँ मुझे ध्यान देना चाहिए कि मेरा आहार मितव्ययी है दयालु: बीयर और वाइन मेरे घर में दुर्लभ चीजें हैं, और पानी, हमेशा की तरह,उस रात मेरा पेय था। एक बहुत ही स्वस्थ संविधान होने के कारण, मैं गिर गया लेटते ही सो गया। अपने सपने में मैंने मृतक को पुकारते सुना ऊँचे स्वर से, 'लड़के, जल्दी करो और मुझे मेरे जूते दे दो।'

"इसने मुझे जगाया, और मैंने देखा कि, हमारे बच्चे की खातिर, मेरी पत्नी बत्ती जलाना छोड़ दिया था। मैंने अपने सपने पर खुशी से विचार किया, सोच रहा था
मेरे दिमाग में कैसे विंशर, जो एक अच्छे स्वभाव वाले, विनोदी व्यक्ति थे,जब मैं उसे इस सपने के बारे में बताऊंगा तो हंसेगा। अभी भी इस पर सोच रहा था, मैंने सुना मेरी खिड़की के नीचे, बाहर डांटने वाली विंशर की आवाज। मैं अंदर बैठ गया बिस्तर पर एक बार सुनने के लिए लेकिन उसकी बातों को समझ नहीं सका। क्या कर सकते हैं
शराब बनाने वाला चाहते हैं?

मैंने सोचा, और मैं निश्चित रूप से जानता था कि मैं बहुत परेशान था उसके साथ कि वह रात में गड़बड़ी करे, जैसा मुझे लगा उसके मामलों ने निश्चित रूप से कल तक इंतजार किया होगा।

**"अचानक वह लिनन प्रेस के पीछे से कमरे में आता है, कदम"मेरी पत्नी के बिस्तर और बच्चे के बिस्तर के पीछे लंबी छलांग के साथ; बेतहाशा हर समय अपनी बाहों से इशारा करते हुए, जैसा कि उसकी आदत थी, उसने पुकारा,हेर ओबेरामटमैन, आप इसे क्या कहते हैं? आज दोपहर पांच बजे बजे मैं मर गया।' इस जानकारी से चौंका, मैं कहता हूं, 'ओह, वह है'सच नहीं!' उसने उत्तर दिया, 'वास्तव में जैसा मैं तुमसे कहता हूं, और तुम क्या सोचते हो?**

**मुझे पहले से ही मंगलवार दोपहर दो बजे दफनाना चाहते हैं, 'उच्चारण हर समय उनके हाव-भाव से उनके दावे। इस दौरान लंबी मेरे आगंतुक का भाषण मैंने खुद की जांच की कि क्या मैं वास्तव में जाग रहा था और सपना नहीं।**
**मैं कार्यवाही, एस.पी.आर., VI, 341।एपेरिशन्स** 67

**"मैंने अपने आप से पूछाः क्या यह एक मतिभ्रम है? क्या मेरा दिमाग पूरी तरह से कब्जे में है इसके संकायों के? हाँ, रौशनी है, वहाँ जग है, ये है आईना,और यह शराब बनाने वाला है; और मैं इस नतीजे पर पहुंचाः मैं जाग रहा हूं। फिर मेरे मन में विचार आया, मेरी पत्नी जागेगी तो क्या सोचेगी और हमारे शयनकक्ष में शराब बनाने वाला देखता है? उसके जागने के डर से मैं मुड़ जाता हूँ अपनी पत्नी के चारों ओर, और मेरी बड़ी राहत के लिए मैं उसके चेहरे से देखता हूं, जो है तेरी ओर मुड़ा, कि वह अभी भी सो रही है, लेकिन वह बहुत पीली दिखती है।**

**मैं कहता हूं शराब बनाने वाले से, 'हेर विन्स्चर, हम धीरे से बोलेंगे, ताकि मेरी पत्नी' जाग नहीं सकता; आपको यहाँ ढूँढ़ना उसके लिए बहुत अप्रिय होगा।'जिस पर विंशर ने निचले और शांत स्वर में उत्तर दियाः 'मत बनो'डरो, मैं तुम्हारी पत्नी को कोई हानि**

**नहीं पहुँचाऊँगा।' चीजें वास्तव में होती हैंजिसका हमें कोई स्पष्टीकरण नहीं लता– मैंने मन ही मन सोचा, और विन्स्चर से कहा:**

**'यदि यह सच है, कि तुम मर गए, तो मुझे इसके लिए बहुत खेद है; मे लूंगा अपने बच्चों की देखभाल करो।' विंशर ने मेरी ओर कदम बढ़ाया, फैला दिया उसकी बाहों, और उसके होंठों को हिलाया जैसे कि वह मुझे गले लगाएगा; इसलिए मैंने धमकी भरे लहजे में कहा, और झुंझलाहट भरी नजरों से उसकी ओर देख रहा था भौंहों के पास मत आओ, यह मेरे लिए अप्रिय है,' और मेरा उठा लिया दाहिना हाथ उसे भगाने के लिए, लेकिन इससे पहले कि मेरी बांह उसके पास पहुंचे, प्रेत गायब हो गया था।**

**मेरी पहली नज़र मेरी पत्नी पर यह देखने के लिए थी कि क्या वह अभी भी सो रही है।वह थी। मैंने उठकर अपनी घड़ी की ओर देखा; सात मिनट बीत चुके थे बारह. मेरी पत्नी जाग गई और मुझसे पूछा: 'तुमने किससे ऐसा कहा?**

**जोर से अभी?' 'क्या आपको कुछ समझ में आया?' मैंने कहा था। 'नहीं,' उसने जवाब दिया और फिर सोने चला गया।**

**"मैं इस अनुभव को सोसायटी फॉर साइकोलॉजिकल रिसर्च को प्रदान करता हूं, विश्वास है कि यह टेलीपैथी के वास्तविक अस्तित्व के लिए एक नए प्रमाण के रूप में काम कर सकता है।मुझे आगे यह टिप्पणी करनी चाहिए कि शराब बनाने वाले की उस दोपहर पांच बजे मृत्यु हो गई थी बजे, और अगले मंगलवार को दो बजे दफनाया गया।**

"कार्ल गरिमा,(भूमि मालिक)

डोबर अंडर पॉज़,"12 दिसंबर, 1889।" स्लेसीन।"

F. W. H. Myers, Fraulein Schneller (भाभी को) को लिखे एक पत्र में

percipient), जिन्होंने मामले की सूचना दी थी, ने लिखा, "दफन करने का सामान्य समय जर्मनी में मृत्यु के तीन दिन बाद है। इस समय को बढ़ाया जा सकता है आवेदन। कोई विशेष घंटे निर्धारित नहीं हैं।"

मजबूत व्यावहारिक समझ और अत्यंत सक्रिय आदतों का व्यक्ति।

एस.पी.आर. "Standesbeamte" से "Sterbeurkunde" प्राप्त कियासीगिस्मंड, क्रेइस सागन, यह प्रमाणित करते हुए कि कार्ल विन्स्चर का शनिवार को निधन हो गया,

15 सितंबर, 1888 को शाम 4:30 बजे, और मंगलवार, सितंबर . को दफनाया गया १८, १८८८, दोपहर २ बजे।

बाद में हेर डिग्रोविटी ने 18 जनवरी, 1890 को लिखा: "फ्राउ विन्स्चर"

मुझे बताया कि दफनाने का समय तुरंत मृत्यु कक्ष में तय किया गया था

वुन्शर की मृत्यु के बाद, क्योंकि दूर के रिश्ते होने थे टेलीग्राफ द्वारा बुलाया गया। विंशर को inflammation की सूजन का सामना करना पड़ा था फेफड़े, जो हृदय की ऐंठन में समाप्त हो गए। उनकी बीमारी के दौरान उनके विचार मुझमें बहुत व्यस्त थे, और वह अक्सर सोचता था कि क्या मुझे कहना चाहिए कि क्या मुझे पता है कि वह कितने बीमार थे।"

एक चुंबन, लेकिन एल्ड्रेड चला गया था। मैंने फोन किया और उसकी तलाश की। मैंने उसे कभी नहीं देखा

फिर व। पहले तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मेरा दिमाग है। तब मैंने सोचा एक पल के लिए उसके साथ कुछ हुआ होगा और एक भयानक भय होगा मेरे ऊपर आया। फिर मैंने सोचा कि मैं कितना मूर्ख था और यह होना ही चाहिए मेरा दिमाग चाल चल रहा है। लेकिन अब मुझे पता है कि यह एल्ड्रेड था, और हर समय चर्च में बच्चे के नामकरण के समय वह वहाँ था, क्योंकि मुझे लगा कि वह था और जानता था कि वह था, केवल मैं उसे नहीं देख सकता था। ... मैंने किसी को नहीं बताया मैंने अपने भाई के बारे में सुनने के बाद एक या दो महीने तक दर्शन देखें उनकी मृत्यु।

... मेरे पति मेरे साथ नहीं थे, और मैंने उन्हें नहीं लिखा इसके बारे में, क्योंकि वह उस तरह की बात में विश्वास नहीं करता था।"5 जून, 1918 को कैप्टन बॉयर-बोवर की बहन श्रीमती चेटर ने लिखा:

"... एक सुबह जब मैं बिस्तर पर था, लगभग 9:15 बजे, वह (बच्ची)मेरे कमरे में आया और कहा, 'अंकल गली-लड़का नीचे है।' हालांकि मैं उसे बताया कि वह फ्रांस में है, उसने जोर देकर कहा कि उसने उसे देखा है। इसमें बाद में जिस दिन मैं अपनी माँ को लिख रहा था और यह उल्लेख किया था, नहीं क्योंकि मैंने इसके बारे में बहुत सोचा था, लेकिन यह दिखाने के लिए कि बेट्टी अभी भी सोचती थी और अपने चाचा के बारे में बात की, जिनसे वह बहुत प्यार करती थी। कुछ दिनों बाद हमने पाया कि मेरे भाई के गायब होने की तारीख मेरे पत्र की तारीख थी।

यह पत्र तब से नष्ट कर दिया गया है।""एली-बॉय" बचपन से कैप्टन बॉयर-बोवर का पालतू नाम था,और उसकी भतीजी बेट्टी की उम्र उस समय केवल तीन साल से कम थी।

कैप्टन बॉयर-बोवर की मां ने लिखा:

"श्रीमती वाटसन, एक बुजुर्ग महिला, जिसे मैं कई सालों से जानती हूं, ने मुझे लिखा 19 मार्च की दोपहर को मेरे साथ काफी देर तक मेल न खाने के बाद अठारह महीने, और उसने कहा कि उसे लगा कि उसे लिखना चाहिए क्योंकि उसने महसूस किया कि मैं था एल्ड्रेड पर बड़ी चिंता में। . . और मैंने अपने उत्तर में उससे पूछा कि वह क्या है?

एल्ड्रेड के बारे में महसूस किया, और उसने इस आशय का उत्तर दिया: की दोपहर को जिस दिन उसने लिखा, चाय के समय के बारे में, एक निश्चित और भयानक भावना उसके ऊपर आ गई कि वह मारा गया।"

19 मार्च, 1917 के दो सप्ताह बाद, श्रीमती स्पीयरमैन ने अपना नाम देखा अखबार में "लापता सूची" में भाई। हालांकि, उनकी माँ,23 मार्च, 1917 को नोटिस प्राप्त हुआ, कि उन्हें आधिकारिक तौर पर लापता होने की सूचना दी गई थी,लेकिन यह 10 मई, 1917 तक नहीं था, जब उनका शव मिला, कि उनकी मृत्यु हो गई पता लगाया गया था।

अंत में, फ्राउ डिग्रोविटी (जन्म श्रेलर) ने पॉज़, जनवरी से लिखा १८, १८९०:"मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे पति ने 16 सितंबर की सुबह मुझे बताया था,1888, कि शराब बनाने वाले विंशर ने उसे अपनी मृत्यु की सूचना दी थी।"

**बेलास्को केस**

**डेविड बेलास्को न्यू में बेलास्को थिएटर के मालिक और प्रबंधक थे यॉर्क, और उनके उत्पादन के संबंध में जारी एक पुस्तिका में खुद का नाटक, द रिटर्न ऑफ पीटर ग्रिम, वह निम्नलिखित कथन करता है:**

**"मेरी माँ ने मुझे आश्वस्त किया कि मरे हुए मेरे पास आकर वापस आ जाते हैंउसकी मृत्यु के समय। एक रात, एक लंबे, थकाऊ पूर्वाभ्यास के बाद, मैं मेरे न्यूपोर्ट घर में बिस्तर पर, घिसा-पिटा, और एक बार में गिर गया गहरी नींद। लगभग तुरंत, हालांकि, मुझे जगाया गया और प्रयास किया गया उठने के लिए, लेकिन नहीं कर सका, और फिर मेरी प्यारी माँ को देखकर बहुत चौंक गया(जिन्हें मैं सैन फ्रांसिस्को में होना जानता था) मेरे पास खड़ा था।**

**जैसा कि मैंने प्रयास किया बोलने और बोलने के लिए वह मुझ पर मुस्कुराई एक प्यारी, आश्वस्त करने वाली मुस्कान, बोली मेरा नाम–वह नाम जो उसने मुझे बचपन में बुलाया था–'डेवी**, **डेवी**, **डेवी**,'

**और फिर नीचे झुकाव, मुझे चूमने के लिए लग रहा था; फिर थोड़ा दूर खींच लिया और**

**कहा, 'शोक मत करो। सब ठीक है और मैं खुश हूँ,' फिर चल पड़े दरवाजा और गायब हो गया।1 प्रिंस, डॉ. वाल्टर एफ., मानसिक घटनाओं के लिए विख्यात गवाह, 150-51।**

**एपीरिशंस** 69

**"अगले दिन मैंने इस घटना को अपने परिवार को बताया और व्यक्त किया विश्वास है कि मेरी माँ मर गई थी। कुछ घंटों बाद (मैं अभी भी थाज़ोज़ा के पूर्वाभ्यास का निर्देशन) मैं एक अवकाश के दौरान दोपहर के भोजन के लिए गया थामेरे स्टाफ का**

**एक सदस्य, जिसने मुझे कुछ पत्र और तार दिए, जो वह थिएटर के बॉक्स-ऑफिस से लाए थे।**

**उनमें से एक थातार मुझे बता रहा है कि मेरी प्यारी माँ की एक रात पहले मृत्यु हो गई थी,लगभग उसी समय मैंने उसे अपने कमरे में देखा था। बाद में मुझे पता चला कि बस**
**मरने से पहले उसने अपने आप को जगाया, मुस्कुराया, और तीन बार बड़बड़ाया, 'डेवी, डेवी, डेवी।'**

**"मुझे पता है कि इस तरह के अनुभवों को कुछ लोगों द्वारा समझाया गया है एक सिद्धांत जिसे वे 'विचार स्थानांतरण' कहते हैं, लेकिन ऐसी व्याख्या,मेरे लिए, पूरी तरह से अपर्याप्त है। 1 मुझे यकीन है कि मैंने उसे देखा था। और अन्य एक तरह की प्रकृति के अनुभवों ने मेरे ज्ञान की पुष्टि करने के लिए कार्य किया कि जिसे हम अलौकिक कहते हैं, आखिरकार, वह अधिक से अधिक अलौकिक है। फिर,इस विषय पर लंबे समय तक विचार करने के बाद, मैंने एक नाटक को शब्दों में लिखने का फैसला किया**
**जिसे मैं वास्तविकता मानता हूं, मृतकों की वापसी से संबंधित।"**

**द बॉयर-बोवर केस**

**19 मार्च, 1917 की सुबह कैप्टन एल्ड्रेड बॉयर-आर.एफ.सी. फ्रांस में उड़ान भरते समय गोली मार दी गई थी।उस दिन, उनकी सौतेली बहन, श्रीमती स्पीयरमैन, ग्रैंड में रह**

**रही थी होटल, कलकत्ता, इस बात से पूरी तरह अनजान था कि उसका भाई फ्रांस में था; उसके पास था मारे जाने के तीन सप्ताह पहले ही वहाँ गया था।**

**18 जनवरी, 1918 को उन्होंने अपनी माँ को लिखा:**
**"अब मैंने तुम्हें यह पहले कभी नहीं बताया क्योंकि मुझे डर था कि तुम समझ में नहीं आता। जब बच्चे का जन्म हुआ तो एल्ड्रेड का बहुत ध्यान था और मैं केवल उसके बारे में सोच सकता था। 19 मार्च को सुबह के आखिरी पहर में,मैं सिलाई कर रहा था और बच्चे से बात कर रहा था; जोन (एक और बच्चा) बैठक में था और कुछ नहीं देखा।**

**मुझे बहुत अच्छा लग रहा था कि मुझे 'गोल' मुड़ना चाहिए और किया, एल्ड्रेड को देखने के लिए; वह बहुत खुश लग रहा था और वह प्रिय, शरारती था देखो। मैं उसे देखकर बहुत खुश हुआ और उससे कहा कि मैं अभी बच्चे को अंदर डालूंगासुरक्षित जगह, तब हम बात कर सकते थे। 'फैंसी यहाँ से निकल रही है,' मैंने मुड़ते हुए कहा फिर से गोल, और बस उसे गले लगाने के लिए अपना हाथ बाहर निकाल रहा था और एक चुंबन, लेकिन एल्ड्रेड चला गया था। मैंने फोन किया और उसकी तलाश की।**

**मैंने उसे कभी नहीं देखा फिर व। पहले तो मुझे लगा कि यह सिर्फ मेरा दिमाग है। तब मैंने सोचा एक पल के लिए उसके साथ कुछ हुआ होगा और एक भयानक भय होगा**
**मेरे ऊपर आया। फिर मैंने सोचा कि मैं कितना मूर्ख था और यह होना ही चाहिए मेरा दिमाग चाल चल रहा है। लेकिन अब मुझे पता है कि यह एल्ड्रेड था, और हर समय**
**चर्च में बच्चे के नामकरण के समय वह वहाँ था, क्योंकि मुझे लगा कि वह था और**

जानता था कि वह था, केवल मैं उसे नहीं देख सकता था। ... मैंने किसी को नहीं बताया मैंने अपने भाई के बारे में सुनने के बाद एक या दो महीने तक दर्शन देखें उनकी मृत्यु।

.

. . मेरे पति मेरे साथ नहीं थे, और मैंने उन्हें नहीं लिखा इसके बारे में, क्योंकि वह उस तरह की बात में विश्वास नहीं करता था।"

5 जून, 1918 को कैप्टन बॉयर-बोवर की बहन श्रीमती चेटर ने लिखा:"... एक सुबह जब मैं बिस्तर पर था, लगभग 9:15 बजे, वह (बच्ची)मेरे कमरे में आया और कहा, 'अंकल गली-लड़का नीचे है।' हालांकि मैं उसे बताया कि वह फ्रांस में है, उसने जोर देकर कहा कि उसने उसे देखा है। इसमें बाद में जिस दिन मैं अपनी माँ को लिख रहा था और यह उल्लेख किया था, नहीं क्योंकि मैंने इसके बारे में बहुत सोचा था, लेकिन यह दिखाने के लिए कि बेट्टी अभी भी सोचती थी और अपने चाचा के बारे में बात की, जिससे वह बहुत प्यार करती थी। कुछ दिनों बाद हमने पाया कि मेरे भाई के गायब होने की तारीख में पत्र की तारीख थी।

यह पत्र तब से नष्ट कर दिया गया है।""एली-बॉय" बचपन से कैप्टन बॉयर-बोवर का पालतू नाम था,और उसकी भतीजी बेट्टी की उम्र उस समय केवल तीन साल से कम थी।
कैप्टन बॉयर-बोवर की मां ने लिखा:

"श्रीमती वाटसन, एक बुजुर्ग महिला, जिसे मैं कई सालों से जानती हूं, ने मुझे लिखा

19 मार्च की दोपहर को मेरे साथ काफी देर तक मेल न खाने के बाद अठारह महीने, और उसने कहा कि उसे लगा कि उसे लिखना चाहिए क्योंकि उसने महसूस किया

**कि मैं था एल्ड्रेड पर बड़ी चिंता में। . . और मैंने अपने उत्तर में उससे पूछा कि वह क्या है?**

**एल्ड्रेड के बारे में महसूस किया, और उसने इस आशय का उत्तर दिया: की दोपहर को जिस दिन उसने लिखा, चाय के समय के बारे में, एक निश्चित और भयानक भावना उसके ऊपर आ गई कि वह मारा गया।"**

**19 मार्च, 1917 के दो सप्ताह बाद, श्रीमती स्पीयरमैन ने अपना नाम देखा अखबार में "लापता सूची" में भाई। हालांकि, उनकी माँ,23 मार्च, 1917 को नोटिस प्राप्त हुआ, कि उन्हें आधिकारिक तौर पर लापता होने की सूचना दी गई थी,लेकिन यह 10 मई, 1917 तक नहीं था, जब उनका शव मिला, कि उनकी मृत्यु हो गई पता लगाया गया था।**

**द शेंक\ केस**

**कर्नल सी. डी. डब्ल्यू. विलकॉक्स, अमेरिकी सेना में पूर्व प्रोफेसर अकादमी, डॉ. वाल्टर एफ. प्रिंस को लिखा:**

**"एक दिन (लगभग 1900 में), श्रीमती ए.डी. शेंक, कैप्टन की पत्नी दूसरी तोपखाने (मेरी पुरानी रेजिमेंट) के ए डी शेंक, पर तैनात फोर्ट वारेन, बोस्टन हार्बर, सुबह ग्यारह बजे, उसने कहा कि उसने अपने बेटे को फिलीपींस में कार्रवाई में मारे गए देखा था, जहां यह विद्रोह के दौरान जवान सेवा कर रहा था। उसके द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया परिवार या दोस्त उसे शांत कर सकते थे। बाद में दिन में . से एक तार युद्ध**

**विभाग खबर लाया कि युवक मारा गया है,और देशांतर के अंतर के लिए भत्ता देने पर यह पाया गया दिया गया घंटा श्रीमती शेंक के दृष्टिकोण से सहमत था।**

**मैं क्या यहाँ दिया गया है जो हम सभी को एक उल्लेखनीय माना जाता है घटना।" डॉ. प्रिंस ने वाशिंगटन की श्रीमती चार्ल्स सी. स्मिथ का पता प्राप्त किया,डी.सी., श्रीमती शेंक की एक बेटी, जिसका उल्लेख किया गया, जिन्होंने पुष्टि कीइस गवाही के साथ:**

**"मेरी माँ एक सुबह जॉर्जिया के फोर्ट स्क्रीवेन में सिलाई कर रही थीटायबी द्वीप पर सवाना। वह थोड़ा रोते हुए अपनी कुर्सी से उठी।इसने हमें बहुत प्रभावित किया, क्योंकि उसने कहा, 'ओह, मैंने तुम्हारे भाई को देखा। मैंविल का कंधा गायब होते देखा क्योंकि वह पीछे की ओर गिर गया था।'**

**"वह पूरे दिन बेचैन थी, न ही हम उसकी चिंता को शांत कर सकते थे। कब शाम के अखबार आए, उन्होंने फिलीपींस में झड़प की बात कही, और हमने उससे कागजात छुपाए। अगली सुबह (मेरी स्क्रैपबुक से कॉपी)यह नोटिस दिखाई दिया: 'अमेरिकियों की एक स्काउटिंग पार्टी, जिसके नेतृत्व में'लेफ्टिनेंट शेंक, एक फिलिपिनो घात में भाग गया। चार आदमी मारे गए और पांच घायल हो गए।' उसके बाद, जनरल तक और अधिक निश्चित समाचार रिसने लगे ओटिस की रिपोर्ट: 'ट्वेंटी-फिफ्थ इंफा।, 29 जनवरी, 1900, सुबिग के पास, लूज़ोन, फर्स्ट शिफ्ट। विलियम टी. शेंक मारा गया।'**

**"यह उसी घंटे और दिन के अनुसार था जो मेरी माँ ने महसूस किया था प्रस्थान उपस्थिति। मेरी माँ हमेशा विशेष रूप से इसके करीब थी उसके छह बच्चों में से, बाद में मरणोपरांत कार्रवाई में बहादुरी के लिए उद्धृत किया गया।**

**"एलिजाबेथ शेंक स्मिथ।"**

**डॉ. प्रिंस ने युद्ध विभाग में आवेदन किया, जिन्होंने तारीख की पुष्टि की- लेकिन लेफ्टिनेंट शेंक की मृत्यु का समय नहीं। घटना की जगहफोर्ट वॉरेन में नहीं था, जैसा कि कर्नल विलकॉक्स ने कहा था, लेकिन फोर्टे में स्क्रीन. त्रुटि घटना के मानसिक मूल के लिए बाहर है, और समझने में आसान है, यह जानने के बाद कि कैप्टन शेंक को तैनात किया गया था १८९७-९८ में फोर्ट वारेन में, और वहां से फोर्ट स्क्रीवेन गए।**

**और अधिक, जब, जैसा कि कर्नल विलकॉक्स ने बाद में लिखा, यह पाया गया कि उनका मुखबिर, उनके और कैप्टन शेंक के एक भाई अधिकारी भी थे फोर्ट वारेन।**

**द बायर्स केस**

**इस मामले की गारंटी प्रोफेसर होरेस जी. बेयर्स, पीएचडी., एल.एल.डी. ने दी थी। वाशिंगटन विश्वविद्यालय, जिन्होंने इस प्रकार लिखा:**

**"हमारे पहले बच्चे के जन्म से लगभग तीन दिन पहले मेरी पत्नी एक में थी अत्यधिक घबराहट और संवेदनशील स्थिति। उसने बैठ कर मुझे जगाया अचानक बिस्तर पर और रोते हुए, 'दादी।' हम उस समय रहते थे सिएटल में, और मेरी पत्नी की दादी, जिनके द्वारा उसे लाया गया था ऊपर, शिकागो में था।**

**मैंने पूछा कि किस वजह से उत्तेजना हुई और बताया गया कि उसकी दादी बिस्तर के किनारे खड़ी थी, ध्यान से देख रही थी उस पर। ऐसा सपना शायद कुछ भी उल्लेखनीय नहीं है, लेकिन तथ्य यह है कि अगली सुबह मुझे एक टेलीग्राम मिला, जिसमें कहा गया था कि दादी पिछली रात मर गया था। उपरोक्त नंगे तथ्य हैं। मैं अक्षम हूं एक अजीब संयोग या एक लंबी दूरी के अलावा अन्य घटना की व्याख्या करने के लिए दो संवेदनशील दिमागों के बीच टेलीपैथी का उदाहरण. मेरे पास कोई सटीक नहीं है**
**मृत्यु या दृष्टि के घंटों के रूप में डेटा।"**

**अनुरोध पर, प्रोफेसर बायर्स की पत्नी ने भी लिखा, 14 मार्च, 1929:**
**"मिस्टर बायर्स ने मुझसे अपने अनुभव के अपने संस्करण को किसमें जोड़ने के लिए कहा है हमने हमेशा मानसिक टेलीपैथी को महसूस किया है।"परिचय के एक शब्द के रूप में, कृपया मुझे यह कहने दें कि मैं एकमात्र पोता था और जब से मुझे याद आया तब से मैं अपनी दादी के साथ रहता था;**

**और जब मेरी माँ की मृत्यु हुई तो मेरी दादी को विश्वास की एक मजबूत भावना महसूस हुई और मेरी देखभाल में जिम्मेदारी, क्योंकि यह मेरी और मेरी मां की थी इच्छा, उसकी मृत्यु से कुछ समय पहले एक साथ बातचीत के बाद व्यक्त की, कि मैं जारी रखूंउसके साथ रहने के लिए। साथ ही, तारीख तय करना आसान था, क्योंकि यह रात थी प्रिंस, डॉ वाल्टर एफ।, ह्यूमन एक्सपीरियंस, आई, 79-80।एपेरिशन** 73
**वह, मेरी दादी, मर गई और मेरे सबसे बड़े के जन्म से तीन दिन पहले**
**बेटी।**

"यह 2 जून की रात के दौरान कुछ समय था, शायद वास्तव में जल्दी 3 जून, 1904, क्योंकि मुझे याद नहीं है कि मैंने उस समय को देखा था। मेरी दादी बीमार थे और कुछ हफ्तों से शिकागो के सेंट ल्यूक अस्पताल में थे।

मुझे लगा था कि मुझे उसके साथ रहना चाहिए, लेकिन, परिस्थितियों में, वह जानता था और मुझे पता था कि यह असंभव था। वैसे भी, मुझे नहीं पता था कि कैसे वह

बीमार थी। मैं इतना जाग उठा कि मुझे लगा कि वह मेरे ऊपर झुक रही है, था enough कुछ समय के लिए वहाँ रहा, मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा था। मैंने एक बनाया
आकृति, लेकिन उसे देख नहीं सका, क्योंकि यह अंधेरा था, लेकिन इल \नया वह थी और कि वह मुझसे कुछ कहना या पूछना चाहती थी।

मैंने अपना हाथ फिसलने के लिए रख दिया यह उसकी गर्दन के चारों ओर था, और यह किसी भी भौतिक उपस्थिति का अभाव था कि मुझे चौंका दिया जाग। मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं डर से चौंक गया था, लेकिन मैं निराश हूं, क्योंकि मुझे हमेशा लगता है कि

वह मुझसे कुछ कहना चाह रही थी।"मैं अपनी दादी की मृत्यु की घड़ी नहीं जानता। टेलीग्राम 3 जून की दोपहर को हम सिएटल पहुंचे, लेकिन मेरे पति ने नहीं बताया मुझे उसकी मृत्यु से लेकर मेरे बच्चे के जन्म तक। कई हफ्ते बाद की बात है, विजन के बारे में सोचकर,' कि मैंने अपने पति से पूछा कि क्या ऐसा हुआ है उसकी मृत्यु की रात, और उसने तुरंत एक बहुत निश्चित के साथ सहमति व्यक्त की उत्तर दो, मानो वह दो बातों को एक साथ सोच रहा था।"

**सवालों के जवाब में, प्रोफेसर बायर्स ने कहा कि उनकी पत्नी का अनुभव 3 जून को तड़के 3 बजे हुआ, कि यह निश्चित रूप से एक सपना नहीं था, बल्कि एक"दृष्टि," जागते समय, और वह कभी भी किसी अन्य समय में नहीं, जहाँ तक वह जानती है, क्या वह इसी तरह के किसी प्रभाव के कारण रात में रोई है।**

**प्रोफेसर के अनुसार अगली सुबह टेलीग्राम आ गयाबायर्स; अगली दोपहर, श्रीमती बायर्स के अनुसार। लेकिन वे स्पष्ट है कि, किसी भी तरह, यह अगले दिन आ गया, और दादी की मृत्यु हो गई उसी रात दृष्टि के रूप में। वह बूढ़ी थी–सत्तर साल की–और थी कई सप्ताह अस्पताल में रहे और गंभीर रूप से बीमार होने का पता नहीं चला;उसकी मृत्यु अप्रत्याशित थी।**

## स्वर्ग में एक सुंदर घर होगा हमारा

**अगर कोई आत्मा यहाँ स्वर्ग में एक सुंदर घर चाहता है,उसे केवल इसे स्वयं बनाना है; और अगर उसकी आत्मा सुंदर हैऔर उसके विचार सुंदर हैं और उसकी इच्छाएं शुद्ध हैं, उसका यहाँ घर उसकी इच्छा के अनुसार होगा। यदि वह चाहता है उत्तम वस्त्र, यदि उसकी आत्मा सुंदर, शुद्ध और स्वच्छ है,उसके वस्त्र भी उतने ही प्यारे होंगे। अगर वह चाहता है प्यार और साहचर्य, खुद का सच्चा दूसरा आधा उसके साथ**

जुड़ने का इंतजार कर रहा है। वह यहां वह सब मिलता है जो उसके पास है पृथ्वी पर खोया - पत्नी, बच्चे, पिता, माता और मित्र,और यदि वह चाहे तो हमेशा के लिए उनके साथ एक हो सकता है, या वह जो कुछ भी उसके लिए अनुकूल है उससे एकजुट हो सकता है। एकस्वर्ग में हो सकता है और यदि कोई चाहे तो पृथ्वी पर रह सकता है;और यह वास्तव में के निवासियों का एक महान रोना है पृथ्वी: "ओह, हम खुश रहना चाहते हैं!" खुशी के लिए है स्वर्ग, चाहे वह पृथ्वी पर पाया जाए या आकाशीय के भीतर विश्व।

अच्छा, तुम दुखी क्यों हो? क्या बनाना चाहता है आप खुश? एक कहता है: "मुझे और पैसे चाहिए!" पैसे का कोई मूल्य नहीं है। आपका मतलब है कि आप चाहते हैं
चीजें जो पैसे से खरीदेंगे। खैर, आप कभी नहीं कर सकते भोजन, आश्रय और वस्त्र से बढ़कर पृथ्वी पर कुछ भी है।क्या आपके पास एक आश्रय है जो आरामदायक है?
है
क्या आप शरीर को पोषण देने के लिए पर्याप्त भोजन करते हैं? क्या आपके पास कपड़े हैंइसे गर्म रखने के लिए? आप में से अधिकांश कहेंगे: "हाँ, हम"।"

फिर, यदि आपके पास है, तो अपने बारे में देखें और देखें कि किसने नहीं किया है। और जब तुम किसी ऐसे को नहीं पाओगे जिसके पास नहीं है, और तुम आपने जो पाया है उसे पाने में सभी की मदद की है किसके पास नहीं है, तो आप और अधिक की इच्छा करना शुरू कर सकते हैं एलिगेंट कपड़े, एक अधिक सुंदर घर और अधिक नाजुक
लेकिन अपने आप को इस बात से बिल्कुल भी दुखी न करें यह, सबसे दुखी आत्माओं के लिए हम संपर्क में आते हैं बहुत अमीर हैं; उनका भोजन उनके साथ सहमत नहीं है,

**क्योंकि नियम; सुंदरता की वस्तुएं, जिनसे वे घिरे हुए हैं,उन्होंने नहीं बनाया, और, परिणामस्वरूप, सराहना नहीं करते;सुंदरता के लिए आत्मा के भीतर मौजूद होना चाहिए ताकि वह अपने असली रूप में धारण कर सके मूल्य; और यह एक के भीतर बनाई गई सुंदरता है जो देता है सच्चा सुख।**

**आप चाहते हैं कि आपके कपड़े अधिक फैशनेबल होंऔर सुरुचिपूर्ण। सबसे बदसूरत और सबसे अप्रिय लोग जिनके संपर्क में हम कभी आते हैं, वे एक नियम के रूप में, कपड़े पहने होते हैं फैशन के चरम पर, जो आमतौर पर ऐंठन और प्रतिपादन करता है**

**शरीर और आत्मा दोनों दुखी; और सबसे सुंदरजिन प्राणियों से हम कभी मिले हैं, वे ढीले, बहते हुए कपड़े पहने हुए हैं साधारण बनावट का परिधान, मुलायम और रंग में मामूली,और पूरी तरह से सस्ती।**

**अब इस जीवन में आने वाली आत्माएं हैं जो अंदर हैं नरक या दुख, उनमें से बहुत सारे, और कई लंबे समय से हैं खुश रहना सीखने में। सबसे दुखी जिन आत्माओं से मैं कभी मिला हूं वे अत्यधिक धनी थी जब पृथ्वी पर। पैसा, और वह पद जो उसने उन्हें दिया था,वह सब कुछ था जिसके बारे में उन्होंने सोचा था। जब वे वहाँ थे उन लोगों के लिए**

**आधिकारिक जिन्हें वे अपने से कमतर मानते थे।उनके पास जो भी प्रतिभा थी, वह अधिग्रहण की थी,वे किसी को कैसे पछाड़ सकते हैं, दूसरे शब्दों में,किसी को लूटो। उनमें कुछ भी उदात्त गुण नहीं थे।उनके बारे में सारी भव्यता और सुंदरता उन्होंने खरीदी थी पैसे के लिए, यह उनकी आत्मा के भीतर उत्पन्न नहीं हुआ;**

**इसलिए, जब वे यहां आते हैं तो वे ठंडे, आश्रयहीन और भूखे पेट। उनके पास कुछ भी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, और अगर उनके पास होता, तो कुछ भी नहीं खरीदा जा सकता था; वे सब कुछ अधिकार अपने भीतर और उनके बाहर होना चाहिए कपड़े उसी के अनुरूप होंगे जो वे अपने भीतर हैं।**

**अब शायद आपको यह जानने में दिलचस्पी होगी कि कैसे उनमें से कुछ पहने हुए हैं।**

**एक कठोर, लोभी, लोभी व्यक्ति इस जीवन में प्रवेश करता है। इसके के कष्टों के लिए कभी दया या सहानुभूति महसूस नहीं की है अन्य। वह मृत्यु के द्वार से गुजरता है, प्रवेश करता है आध्यात्मिक। वह पूरी तरह से स्वयं में बंधा हुआ है और क्या वह अपने आप को इकट्ठा कर सकता था। उसके पास आत्मा मित्र हो सकते हैं यहाँ, लेकिन उसे अपने सिवा किसी और से प्यार नहीं था, इसलिए उसका आत्मिक मित्र उसकी ओर विशेष रूप से आकर्षित नहीं होते, और**

**भले ही वे उसे लाभान्वित करें, उसकी आत्मा कठोर और विकर्षक है;और, इसलिए, अन्यथा से अधिक बार, झूठ बिलकुल अकेला है; क्या आप वहां मौजूद हैं उसके भीतर कोई सुन्दरता नहीं है, इसलिए उसका परिवेश नंगे हैं और बंजर के लिए वह स्वाभाविक रूप से एक समान विमान की ओर गुरुत्वाकर्षण करता है अपने भीतर के स्व के लिए;**

**उसका चेहरा एक भयंकर, चिल्लाने लगता है,बदसूरत अभिव्यक्ति; उसके बाल मेल खाते हैं और कड़े हैं औरवायरी और स्वाभाविक रूप से एक गहरा, काला रंग लेता है; उसके हाथ उसके आंतरिक स्वभाव के अनुरूप हैं और वे रूप धारण करते हैं पकड़ने**

वाले पंजे; वह आमतौर पर अपने में झुका हुआ है कंधे; उसके पैर उसके शरीर के समान पतले हैं, और उसकी बाहें भी; उसके पैर अक्सर बहुत बड़े और विकृत होते हैं, क्योंकि। वह है मिट्टी मिट्टी, फलस्वरूप उसके पैर चपटे और बड़े हो जाते हैं।

अब उसका प्राकृतिक आध्यात्मिक वस्त्र सिकुड़ गया है और सिकुड़ा हुआ, क्योंकि आध्यात्मिक परिधान से मेल खाता है आत्मा, मन या आत्मा। उसके पैर और हाथ हैं, जैसे रूल, रूखे बालों से ढँका हुआ, आत्मा के निकट आने के लिए पाशविक निर्माण का स्वार्थ, जितना निकट आत्मा की उपस्थिति की उपस्थिति के करीब पहुंचता है

जानवर मैंने बहुत से स्त्री-पुरुषों को भी देखा है, जो पहले थे,आध्यात्मिक कपड़ों के साथ, पृथ्वी पर, जिसकी कीमत दस लाख या उससे अधिक है इतना सिकुड़ा और सिकुड़ा हुआ कि यह शायद ही पर्याप्त था उन्हें कवर करने के लिए।

मैंने यह भी कहा कि यहां कुछ आत्माएं थी सर्दी; और यह सच है, क्योंकि यदि कोई मनुष्य आत्मा की गर्मजोशी और उदार भावना, उसकी आत्मा से मेल खाती है और ठंडा और ठंडा हो जाता है और गर्म नहीं होता है इसमें सहज होने के लिए पर्याप्त है।

अब यहाँ किसी प्रकार का कोई मकान या आश्रय नहीं है कि पैसे के लिए खरीदा जा सकता है, फलस्वरूप एक आत्मा कर सकते हैं इसका कोई आश्रय नहीं है सिवाय उसके जो वह अपने लिए बनाता है, या है इसके लिए किसी प्रेममय आत्मा द्वारा बनाया गया है जो गहरी दिलचस्पी रखता है उसमें, और अगर वह कुछ भी बनाने में असमर्थ है

उसे अक्सर किसी भी प्रकार के आश्रय के बिना छोड़ दिया जाता है; तो आप
जो कुछ मैं ने कहा है, उससे समझ लो कि वह बहुत धनी है जो यहाँ आता है वह अक्सर ठंडा, नग्न और आश्रयहीन होता है, और उसकी भूखी आत्मा इतनी भूखी है

**कि वह लगभग a . जैसा है हिंसक भेड़िया और जो उसे पेश किया जाता है वह नहीं करेगा**

**स्वीकार करें, क्योंकि प्रेम और ज्ञान ही सच्चे भोजन हैं जिनके साथआत्मा का पोषण करने के लिए, और यदि किसी की आत्मा में प्रेम नहीं है वह भूखा है, और यदि किसी के पास बुद्धि न हो तो वह अनवरत भूखा रहता है।**

**तो, धरती के आदमी, जुर्राब से ज्यादा धन नहीं शरीर को आरामदायक बना देगा; उसके बाद, अपने में जोड़ें आध्यात्मिक धन, आत्मा के धन के लिए आप ले सकते हैं आपके साथ आकाशीय जीवन में। पृथ्वी पर आपका जीवन बहुत है सबसे छोटा।**

**अब ये सब बातें जो मैंने कही हैं वे पूरी तरह सच है जैसा कोई यहां आने पर पाएगा; और एक बड़ा है धरती से यहां आने वाले लोगों की भीड़ समय। यह एक पल के लिए कभी नहीं रुकता, इससे अधिक नहीं समुद्र की लहरें किनारे से टकराना बंद कर देती हैं।**
**यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात , यह करने में सक्षम होना आपको यहां हमारे जीवन के बारे में लिखें। हम अधिक जानते हैं यावहाँ पृथ्वी पर तुम्हारे जीवन के बारे में कम है, लेकिन पृथ्वी के लोग करते हैं अभी तक, यहां हमारे जीवन के बारे में इतना कुछ नहीं पता है।**

**यह है जैसा होना चाहिए वैसा नहीं, क्योंकि प्राकृतिक कानून के अनुसार ज्ञान पारस्परिक होना चाहिए। अगर हमारे पास की शक्ति है अपने जीवन के बारे में जानकर, कोई कारण नहीं है कि आपको क्यों करना चाहिए हमारे जीवन के बारे**

**में नहीं जानते-समझ न लेने के अलावा कोई कारण नहींविचार के आदान-प्रदान को नियंत्रित करने वाले कानून, याविचार स्थानांतरण।**

**सम्मोहन, टेलीपैथी और विचार स्थानांतरण महान शाश्वत नियम हैं और जल्द ही बेहतर होगा समझे, और जो सबसे पहले समझने वाले हैं वे अपने हाथों में भलाई के लिए एक महान शक्ति रखते हैं।इस शक्ति को धारण करने वाले को कितना प्रसन्न होना चाहिए, क्योंकि सारी दुनिया को एक में लाने की दिशा में कोई बहुत कुछ नहीं कर सकता इसकी समझ? जब मैंने लिखा था तो मुझे अच्छी तरह पता था"द डिस्कवर्ड कंट्री," कि उस पर दुनिया के अधिकांश लोग समय आपका उपहास उड़ाएगा; लेकिन उपहास औरउपहास मुझे की तुलना में बहुत कम पल लगते थे अतुलनीय अच्छा जो दुनिया इससे प्राप्त करेगा जल्दी या बाद में, उस सत्य के लिए नहीं जो मैंने उस पुस्तक में लिखा था कभी मरूंगा, और मैंने जानबूझ कर एक भी असत्य नहीं लिखा।**

**उस समय से मैंने जो भी कहानी लिखी है, उसमें सबउनमें सन्निहित सिद्धांत सत्य हैं और सबसे अधिक घटनाएं। मैंने, कभी-कभी, का विशेषाधिकार लिया हैउपन्यास लेखक, और घटनाओं को एक साथ फिट करने के लिए मजबूर किया मेरा उद्देश्य और अक्सर घटनाओं को रखा है नायक या नायिका के हित को बनाए रखने का श्रेय कहानी या साजिश; लेकिन जब भी मैंने ऐसा किया है, मैंने हमेशा पुस्तक को एक मानसिक उपन्यास या रोमांस कहा जाता है, । के लिए किसी को धोखा नहीं देना चाहिए। लिखित**

**में मेरा उद्देश्य सत्य है और केवल सच। बेशक मैं इन सच्चाइयों को बहुत कुछ दे सकता हूं उपन्यासकार की स्वतंत्रता का उपयोग करके अधिक रोचक रूप।**

कई उपन्यासकार हानिकारक या असत्य बातें लिखते हैं;उनके अंतर्निहित सिद्धांत झूठे हैं; का तर्कबहुत कम खाता; और उनकी कहानियों में वे पूरा करने की कोशिश करते हैं
उन लोगों के लिए जो सत्ता में हैं, या की कल्पना को प्रभावित करते हैंकामुकतावादी, या बेसर तत्व को खुश करने और उत्तेजित करने के लिए मानव जाति–भीड़ को प्रसन्न करने और उनकी पुस्तकों को भरने के लिए जितना संभव हो उतना सनसनीखेज मामले के साथ।

चीजें जो मैंने नहीं की हैं। यह आवश्यक नहीं है; मैं कहाँ के लिएमेरे अनुभव से प्राप्त ज्ञान को दोनों में धारण करो मेरे हाथों में दुनिया मुझे अधिक मात्रा में सच्चाई मिलती है जिससे मैं उपयोग कर सकता हूं, असत्य में पाया जा सकता है या झूठे सिद्धांत जो विनाश की ओर ले जाते हैं।

जब मैं अपनी किताबें लिखने में लगा हुआ था, अन्य आत्माएंगहरी दिलचस्पी हो गई, वही करने की इच्छा रखते हुए, जैसा कि मानसिक जिसका मैंने उपयोग किया वह इस उद्देश्य के लिए सर्वश्रेष्ठ में से एक था;और ऐसे लोग भी थे जो पसंद करते थे, बहुत अच्छा, तो मुझे एक तरफ धकेल दिया है; यहाँ बहुतों के लिए नहीं भूले हैं पृथ्वी-जीवन की आदतें; लेकिन इनके लिए मैं बहरा हो गया कान, क्योंकि मेरे पास अपने माध्यम का पूरा नियंत्रण था। मैं तुम्हारा था अभिभावक और शिक्षक पदार्थ के रूप में और मेरे पास है पृथ्वी छोड़ने के बाद से खुद को एक ही बना लिया और ऊपर चढ़ना, फलस्वरूप मैंने किसी को भी अनुमति नहीं दी मेरे मानसिक पर नियंत्रण प्राप्त करें लेकिन जिन्हें मैं जानता था विशेषाधिकार का दुरुपयोग न करें।

जब लंदन में चार्ल्स डिकेंस की आत्मा में दिलचस्पी हुईतुम में, और मैं भी घनिष्ठ रूप से परिचित हो गया उनके साथ। वह इतना महान और अच्छा है, केवल चाहता है मानवता को लाभ पहुंचा, कि मैंने खुशी-खुशी अपना स्थान उसे दे दिया
एक सीज़न के लिए, कि वह कुछ किताबें या कहानियां लिख सकता है।

"एक दिव्य पथिक" उनके प्रवेश का एक सच्चा विवरण है आध्यात्मिक दुनिया में, और वह उसमें अपने अनुभव के बारे में बताता है काफी लंबे समय तक। उनके अन्य कार्यों में है कुछ हद तक मेरी तरह लिखा गया है, कुछ को स्पष्ट करने के लिए महान सत्य

या आध्यात्मिक सिद्धांत; और हम दोनों सफल हुए हैं पहले अनुमान से कहीं बेहतर, और हम भविष्य में कहीं बेहतर सफल होने की उम्मीद है।

कुछ लोगों ने कहा है कि मिस्टर डिकेंस की शैली वैसी नहीं थी उसी तरह जब पृथ्वी पर। "एक दिव्य पथिक" में वह नहीं होने का कारण बताता है। सबसे पहले, वह हैकिसी अन्य व्यक्तित्व के माध्यम से लेखन। दूसरा, वह करता है उसी शैली को बनाए रखने की परवाह नहीं जो उसने पृथ्वी पर प्रभावित की; तथा उस विशेष रूप से विनोदी शैली को उन्होंने अधिक प्रभावित किया वह एक जवान आदमी था; बाद के जीवन में वे और अधिक आध्यात्मिक हो गए और दयनीय, और अब जब उसने खामोश नदी को पार कर लिया है वह उन महान सत्यों के बारे में अधिक गहराई से सोच रहा है जो उसके पास है दुनिया को पूरी गंभीरता से दे, कि वह कैसे कर सकता है हास्य को प्रभावित करके लोगों को खुश करें, या, जैसा कि वह अभी है देखता है, अमर आत्माओं को उपहास करने के लिए धारण करना; तथा।

आखिर कहा जाता है, यह बिल वह विचार है जिसे वह स्थानांतरित करता है या मानसिक के मस्तिष्क पर टिकटें; लेकिन, जो भी उपहासहमारे पास आ सकता है हमें हमारे महान से नहीं रोकेगा और सबसे महत्वपूर्ण कार्य।

अब एक और भव्य आत्मा, जिसे मैं प्यार करता हूँ और जो मेरे पास है सोचने का कारण मुझे प्यार करता है, एक किताब लिखने की इच्छा रखता है, और मैं केवल एक तरफ कदम रखने और उसे अनुमति देने में बहुत खुशी होगी ऐसा करो–और इस भव्य प्राणी पर कभी रॉबर्ट का नाम अंकित था जी इंगरसोल।अब वह और मैं दोनों अविश्वसनीयता से वाकिफ हैं, जीर्सऔर उपहास करते हैं, जिसके द्वारा हम पर आक्रमण किया जाएगा, परन्तु यह नहीं होगा हमें कम से कम रोकें।

अगर वह अपनी लड़ाई कुल्हाड़ी के साथ दुनिया के सामने खड़ा हो, हड़ताली डाउन एरर, इतने सालों तक पृथ्वी जीवन में, अविश्वसनीयता से मिलना, अपमान, उपहास और उपहास, वह साहस के रूप में है थोड़ी देर और लड़ने की भावना।
”हाँ,” वह मुझसे कहता है, क्योंकि वह फिर से मेरे साथ खड़ा है पक्ष, ”हाँ, मैं सत्य के लिए त्रुटि और लड़ाई लड़ूंगा और अनंत काल तक सही, अगर मुझे ऐसा करने की

अनुमति है/’माध्यम, साथ ही आत्माएं, अक्सर भयभीत होती हैं और रोने से जो कुछ किया जा सकता है, उसे करने से रोका:

”ओह, कुछ धोखेबाज। स्पिरिट्स किसी ऐसे व्यक्ति को प्रभावित करते हैं जो था

पृथ्वी पर महान।" यदि पृथ्वी के महान लोगों को अनुमति नहीं है माध्यमों के माध्यम से संवाद करने के लिए, कौन होना चाहिए अनुमति है? क्या उन्हें यह दिखावा करना चाहिए कि वे केवल जॉन हैं स्मिथ, कि वे एक संदेश देने में सक्षम हो सकते हैं निचली दुनिया? वे मिथ्याकरण या पूर्वाग्रह नहीं करना चाहते हैं,लेकिन अगर उन्हें अपना संदेश देने की अनुमति नहीं दी जा सकती तो वेसुनने के लिए ऐसा करना चाहिए। हम अच्छी तरह जानते हैं कि बहुत बड़ी मात्रा में धोखाधड़ी है, यह भी कि क्या है तथाकथित ड्राइवल कई तथाकथित माध्यमों के होठों से आता है;

लेकिन हर समझदार पुरुष या महिला को सक्षम होना चाहिए गेहूं से भूसा बताना। स्कूल का लड़का भी नहीं बुलाता भूसी मकई, या लगता है कि वे हैं। एक माध्यम कभी ऐसा हो सकता है अनपढ़ और फिर भी संवेदनशील बनें जिनके दिमाग में एक प्रसिद्ध आकाशीय दुनिया में पुरुष या महिला सक्षम हो सकते हैं किसी महान विचार को प्रभावित करने के लिए, इसे बेहतर तरीके से सोचने के लिए इसे बिल्कुल न देने से
करें।

यदि आप भूसा अलग करते हैं और गेहूँ बहुत जल्द, परिणाम में गेहूँ सड़ सकता है,के लिए, कभी-कभी, स्पष्ट धोखाधड़ी एक महान को कवर करती है और शाश्वत सत्य। एक महान, भव्य विचार दिया जा सकता है अनपढ़ होठों के माध्यम से, व्याकरणिक वाक्यों में, जो गेहूं की भूसी या आवरण हैं। कभी कभी उल्लेखनीय रूप से ठीक मकई के कान सिकुड़े हुए द्वारा छुपाए जाते हैं और भद्दा भूसी, इसलिए, कम से कम एक मौसम के लिए, आध्यात्मिक भूसा और गेहूँ के रहने के लिए दुनिया इसे सबसे अच्छा समझती है साथ में; जीत का समय अभी नहीं है, और मेंगेहूँ को तारे को खींचकर वह नष्ट कर सकता है।

**एक हजार मन अध्यात्मवाद की ओर मुड़े हुए हैंइसकी घटना; इसमें से अधिकांश धोखाधड़ी शुद्ध और सरल है, लेकिनमन पूछताछ करना शुरू कर देता है और अंत में एक महान पर पहुंच जाता है सत्य का सौदा–इसके अलावा–आध्यात्मिक प्राणी हमेशा खड़े रहते हैं यदि संभव हो तो प्रकट करने के लिए तैयार। इनमें से कोई भी चीज नहीं होगी रॉबर्ट जी. इंगरसोल को अपनी पुस्तक लिखने से रोकें। कुछ भी तो नहीं कभी**

**उसे यह कहने से रोका कि उसने क्या सोचा था जब पृथ्वी, और कुछ भी उसे अब नहीं रोकेगा।यह जानने में आपकी रुचि हो सकती है मेरे आसपास का कुछ। वर्तमान समय में यह मुझे अच्छा लगता है कि मेरे पास एक सुंदर घर है–उसमें चुपचाप रहने के लिए**

**मेरी प्यारी पत्नी के साथ, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, मेरी अपनी हैअन्य स्वयं या मेरे होने का सच्चा समकक्ष। बेशक हमारे सभी बच्चे शादीशुदा हैं और एक दूसरे के लिए रह रहे हैं जो भी तरीका उन्हें सबसे अच्छा लगे। हमारे सभी पोते उसी तरह स्थित हैं। हम उस पर पहुंचे हैं हमारे करियर में वह समय जब हम देखभाल और शिक्षण को छोड़ देते हैं हमारे बच्चे उनसे इतने उन्नत नहीं हैं जितने हम हैं।**

**Our beautiful home,किसी भी चीज़ से ज्यादा खूबसूरत है जिसे आपने कभी देखा है पृथ्वी पर, और फिर भी यह बहुत सी चीजों से मेल खाती है वहाँ है। यह एक बड़ी इमारत है, क्योंकि हम अक्सर असहाय हो जाते हैं नवजात आत्माओं में और उनकी देखभाल तब तक करते हैं जब तक वे हैं खुद की देखभाल करने में सक्षम। हेलेना खुद में व्यस्त दुर्भाग्यपूर्ण और असहाय महिलाओं की देखभाल करना, पढ़ानाउन्हें**

सही और सच्चे सिद्धांत, जिससे उन्हें प्रदान किया जाता है मजबूत और खुद की देखभाल करने में सक्षम, या उन्हें फिट करने में सक्षम उनके सामने आने वाले असहाय बच्चों की देखभाल करने के लिए चाहिए जो दिखता है उससे हमारा घर बना है मोती की सबसे अच्छी माँ।

सबसे खूबसूरत सीशेल की कल्पना करें आपने कभी देखा है, और फिर इसकी कई गुना अधिक कल्पना करें सुंदर st'll, और आप की एक उचित अवधारणा मिल जाएगा हमारे घर के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री। यह है एक बड़ी संख्या में कमरे और वे सभी बड़े और भव्य हैं,क्योंकि जब मैं पृथ्वी पर था, तब जो कुछ बड़ा और सुन्दर था, मैं उससे प्रीति रखता था।

हमारे पास सभी से भरा एक विशाल संगीत कक्ष है संगीत वाद्ययंत्र के प्रकार, एक और बड़ा हॉल छोड़ दिया सभी प्रकार के शिक्षण और निर्देश के लिए, उनके विभिन्न में

ज्ञान और कला की शाखाएँ; हमारे पास भी अपार है पार्लर, या स्वागत कक्ष, जहां एवेन्यू आध्यात्मिक प्राप्त करता है आगंतुक; और जब भी हम किसी उल्लेखनीय व्यक्ति को देखने की इच्छा करते हैं,हमें केवल ईमानदारी से इच्छा या इच्छा करनी है, और तुरंत हमारे ईथर वातावरण में स्थापित कंपन तरंगें आध्यात्मिक मस्तिष्क या

कैमरे के सेंसेरियम तक पहुँचें और,यदि सुविधाजनक हो, तो आत्मा हमारे पास आएगी, या यदि नहीं, तो हम जाते हैं उस के घर में जिसे हम देखना चाहते हैं।

अब, कार्लाइल, मैं तुम्हें झूठ का ताना-बाना नहीं लिख रहा हूँ,लेकिन वास्तविक और सटीक सत्य।आध्यात्मिक प्राणी इधर-उधर तैरते हुए खुश नहीं होंगे बिना किसी वस्तु

या किसी भी प्रकार के घर के अंतरिक्ष के माध्यम से लोगों की तुलना में अधिक है या पृथ्वी पर होगा। मनुष्य इस प्रकार, यदि वे चाहें तो घर के बिना तैर सकते हैं या आश्रय, वे कौन से आवारा सामान उठा सकते हैं जो वे करने में सक्षम हो सकते हैंढूँढना; परन्तु जब वे ऐसा करते हैं तो वे आवारा या आवारा कहलाते हैं;और इस अपवाद के साथ यहाँ भी ऐसा ही है–सभी को ज्ञान प्राप्त करेगा, वह उनके लिए लेने के लिए तैयार हैया पूछना, कुछ भी उन्हें गरीबी में रहने के लिए मजबूर नहीं करता है अगर वे नहीं चाहते हैं, लेकिन हमारी गरीबी और धन की है मन या आत्मा।

अब हमारे पास यहां कुछ ऐसा है जो से मेल खाता है खाना या सोना; इसलिए हमारे पास एक बड़ा और सुरुचिपूर्ण डाइनिंग हॉल है जिसमें हमें कई मेहमान मिलते हैं। हम खाना नहीं बनाते खाओ और जैसा तुम खाते हो वैसा ही खाओ, लेकिन हम एक साथ मेज पर बैठे हैं हमारे मेहमानों के साथ और जब हम प्रसन्नता से हिस्सा लेते हैं, जाहिरा तौर पर,रोटी और फल, पानी और शराब की हम लंबे समय तक पकड़ते हैं और रुचि रखने वाले सभी प्रश्नों पर एनिमेटेड चर्चा मानव जाति, वे सभी जो आध्यात्मिक प्राणियों में रुचि रखते हैं,और आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि हमारे पास बात करने के लिए पर्याप्त है।

हमारे कमरे सुंदर अपार्टमेंट का रूप लेते हैं पृथ्वी जीवन में, कला में सभी सुंदरता के लिए यहीं से उत्पन्न होता है पहले और सांसारिक तल पर संवेदनाओं को प्रेषित किया जाता है;

इस तरह आपको वहां सुंदरता के मॉडल मिलते हैं, सिवाय इसके कि क्या प्रकृति आपको सुसज्जित करती है; और हमारे संगीत वाद्ययंत्र है बनाया गया है या इतने

नाजुक ढंग से बनाया गया है कि कंपन vibration ध्वनि केवल ईथर वातावरण को कंपन करती है, फलस्वरूप ध्वनियाँ सुस्त, सांसारिक कानों के लिए श्रव्य नहीं हैं।

हमारे कमरे अमीरों के नरम कालीनों से ढँके हुए प्रतीत होते हैं बनावट और उत्तम पैटर्न। मैं उल्लेख करना भूल गया कि हमारे पास मूल्यवान पुस्तकों का एक बड़ा पुस्तकालय भी है, तो अच्छी और सच्ची किताबें यहाँ पृथ्वी की तरह मौजूद हैं– इसलिए सावधान रहें,लेखकों, कि आप शर्मिंदा होने के लिए कुछ भी नहीं लिखते हैं

जब तुम यहाँ पहुँचो। हमारे पास सुरुचिपूर्ण सीटें, टेबल और हैं सभी प्रकार के सुंदर फर्नीचर। हमारा सोना या आराम करना कमरे, सोफे और धुंध, सफेद ड्रेपरियों से सुसज्जित हैं;

लेकिन इन सभी चीजों को हम अपने दिमाग से बनाते हैं और विचार वस्तुनिष्ठ चीजें बन जाते हैं जिनका हम आनंद ले सकते हैं और अन्य हमारे साथ। तो, पृथ्वी के प्यारे, अपना व्यायाम करें रचनात्मक क्षमताएं अपनी पूरी सीमा तक; यह अच्छी तरह से चुकाएंगे आप ऐसा करने के लिए, क्योंकि वे कुछ खजाने हैं जो स्वर्ग में या स्वर्गीय या आकाशीय में रहता है।

यहाँ कोई और नहीं रह सकता, ईथर के भीतर, बिना पृथ्वी पर एक से अधिक बनाना या सोचना; के अंतरहोने के कारण किसी के विचार वस्तुनिष्ठ या दृश्यमान हो जाते हैं और

**एक उनसे घिरा हुआ है। पृथ्वी पर वास्तव में ऐसा है, लेकिन सुस्त इंद्रियां उनका संज्ञान नहीं लेती हैं। एक अपने विचारों से घिरा हुआ है, और सबसे संवेदनशील महसूस करते हैं,या इन बातों को स्पष्ट रूप से समझें।**

**आपने कितनी बार कुछ लोगों को यह कहते सुना होगा: "मुझे पसंद नहीं हैयह या वह एक; मैं उससे घृणा करता हूँ; मुझे सब डरावना लगता है जब उनकी उपस्थिति में।" वे कितनी बार पृथ्वी पर हैं जीवन, जो इन बातों पर ध्यान नहीं देता, धोखा दिया जाता है, धोखा दिया जाता है या अंत में लूट लिया या बर्बाद कर दिया क्योंकि उन्होंने ध्यान नहीं दिया उन्हें।मैंने आपको "द डिस्कवर्ड कंट्री" में लिखा है कि आत्मा उन सभी चीजों में विद्यमान है जिनमें जीवन है, ऊपर चढ़ता हैयह जीवन, जब वे चीजें मरती या सड़ती हुई प्रतीत होती हैं पृथ्वी; और यह सच है; नतीजतन, हमारे पास सब कुछ है यहाँ जो तुम वहाँ करते हो; हमारे पास विशाल जंगल, मैदान हैं,पहाड़, नदियाँ, समुद्र, महासागर, सभी प्रकार की वनस्पतियां, पशु और कीट जीवन उनके विभिन्न रूपों, फूलों, झाड़ियों में,नाले, तालाब; कुछ भी नहीं बचा है, लेकिन इसके विपरीत बहुत कुछ जोड़ा जाता है जो आपने कभी नहीं देखा, क्योंकि हम उसके पास वह सब कुछ है जो अतीत दे सकता है।**

**अब यह पृथ्वी पर कहा गया है, और हम ने ये सुना है कहावत, कि उनके भीतर पर्याप्त जगह नहीं होगी इन सभी चीजों को धारण करने के लिए आकाशीय गोले। हमें लगता है कि कौन कह सकता है कि इसे बहुत तंग धारणाओं का मनोरंजन करना चाहिए**

**अनंत काल। क्या ऐसे मन कभी उस अनंत काल पर विचार करने के लिए रुकते हैं इसकी कोई सीमा या सीमा नहीं है–कि यह हमेशा और हमेशा के लिए है?**

पता है कि किसी के लिए इसकी कल्पना करना कठिन है, लेकिन कैसे क्या कोई कभी न खत्म होने वाले अनंत काल या स्थान की सीमा नहीं तय कर सकता है?

फिर भी, पृथ्वी के रूपों की एक सीमा या अंत है पैदा करता है, लेकिन सीमाएं इतनी विशाल हैं कि धरती पर दिमाग संभवत उन्हें अंदर नहीं ले जा सका।अनंत काल सभी प्रकार के रूपों से भरा है, और अनंत काल जिसकी कोई शुरुआत या समाप्ति सीमा या सीमा नहीं है। तो, जब मैं आपको बता दें, कार्लाइल, कि हमारा घर एक सुंदर के पास स्थित है झील, यह आपको कोई आश्चर्य की आवश्यकता नहीं है। झील भालू
वही पत्राचार जो झीलें पृथ्वी से करती हैं।

ईथर का पानी ईथर की तुलना में उतना ही भारी है हवा के रूप में पृथ्वी पर पानी वातावरण से सघन है,और यहां के जल के भीतर सुंदर मछलियां लहराओ–पृथ्वी पर मरे हुओं की आत्माएं, और यह हैहमारे जानवरों के साथ ही, वे अधिक से अधिक उठते हैं सुंदर, एक गोला दूसरे से ऊपर, लेकिन कुछ भी प्रचारित नहीं करता यहां इसकी प्रजातियां। सभी प्रचार सामग्री पर है पृथ्वी और पृथ्वी प्रचार नहीं कर सकते और न ही फैल सकते हैं आकाशीय संसारों की आवश्यकता से अधिक–इसके अलावा, कुछ भी नहीं यहाँ भीड़ भाड़ है और अंतरिक्ष के विशाल क्षेत्र हैं–इतना विशाल,वास्तव में, मनुष्य का मन कल्पना भी नहीं कर सकता उन्हें - जिसमें अभी तक कोई रूप मौजूद नहीं है।

जब जंगली जानवर धरती पर मरते हैं, तो उनके हौसले बुलंद होते हैं महान आध्यात्मिक जंगलों में जो इतने जंगली और उदास हैं कि मानव आत्माएं शायद ही

कभी या कभी उनसे मिलने नहीं जातीं; जब महान समुद्री राक्षस मर जाते हैं, या छोटी मछलियां, उनकी आत्माएँ चढ़ जाती हैं और असीम आध्यात्मिक महासागरों के भीतर घर खोजें। तुम्हारी पृथ्वी का ग्लोब, जो आपको इतना विशाल लगता है, लेकिन एक छोटा हैकण, या रेत के दाने की तरह, अनंत काल की तुलना में और इसकी
अनन्त आकाश। बात बस इतनी सी है कि मनुष्य का मन नहीं कर सकता
इन बातों को समझो।

सामग्री के माध्यम से रूप सामने आते हैं, न कि वेनष्ट हो सकते हैं, लेकिन अनंत काल को भरने के लिए उन्हें संरक्षित किया जा सकता है सुंदरता और बुद्धि के साथ–न केवल की बुद्धिमानव जाति, लेकिन जानवरों, पक्षियों, सरीसृपों की कम बुद्धि और मछलियां–प्रकृति के लिए ये रूप उतने ही सुन्दर हैं जितना कि आदमी की। क्या आप कभी सोचना बंद करते हैं, मेरे प्यारे बेटे,कि अंतरिक्ष में अन्य पृथ्वी या ग्रह हैं, जिनके

निवासी पृथ्वी के मनुष्यों से बहुत आगे हैं कि मनुष्य उनके लिए एक सरीसृप के रूप में प्रकट होगा जो मनुष्य को करता है पृथ्वी।

हालांकि, यह तथ्य है; लेकिन के निवासी ग्रह पूरी तरह से यह कहने के लिए बहुत बुद्धिमान हैं: "ओह, सरीसृप मनुष्य, उस छोटी सी, तुच्छ पृथ्वी पर अमर नहीं हो सकता"-क्योंकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि सभी रूप जो कुछ भी हैं अमर और अविनाशी। हर चीज के रूप क्यों आपके पास पृथ्वी पर एक छोटे से ईथर के भीतर समाहित है असली रोगाणु-आध्यात्मिक रोगाणु-जो सभी के भीतर होना चाहिए

**पार्थिव बीज, चाहे वह किसी भी प्रकार का हो, और ?अपनी तरह के बाद प्रत्येक**
-
**और यहीं पर मनुष्य एक घातक गलती करता है, क्योंकि अस्तित्व में हर चीज के आध्यात्मिक रोगाणु या जो कभी थेया कभी भी मौजूद रहेंगे, हमेशा के लिए ईथर वातावरण में हैं,और जैसे ही यह ईथर सामग्री के माध्यम से प्रवेश करता है वातावरण सभी वनस्पतियों के फूल आकर्षित और धारण करते हैं,प्रत्येक अपनी तरह; सभी जानवरों का, इसलिए सभी पुरुषों का।**

**पुरुष और जानवर सांस लेते हैं या इन कीटाणुओं को अंदर लेते हैं; पुरुष, या सकारात्मक**
**तत्व, वह धारण करता है जिसका उपयोग किया जा सकता है, अन्य पलायन– क्योंकि वे साँस छोड़ने में अविनाशी है सांस या त्वचा के छिद्रों के माध्यम से या के माध्यम से**
**शरीर का कोई या सभी अंग। किसी भी चीज का पहला रूप जो कुछ आने वाला है उसका बीज धारण नहीं करता,अपने भीतर। ऐसा विचार बिल्कुल हास्यास्पद है, लेकिन**
**किसी भी चीज का जनक उसी का बीज बनाता है जो कि है आध्यात्मिक धारण करने की शक्ति रखते हुए तुरंत पालन करें रोगाणु। एक के बाद एक रूप धीरे-धीरे विकसित हुए हैं,लेकिन वे आध्यात्मिक रोगाणु विकसित नहीं करते हैं, लेकिन प्रत्येक रूप कीटाणुओं को धारण करने में सक्षम होता है, जिससे वह सांस लेता है आने वाली पीढ़ी के लिए वातावरण, जिसका अनुसरण करना है;**
**यह, तब, वृत्त को पूरा करता है।इतनी उम्र में युवावस्था में अगली पीढ़ी सांस लेती है और दूसरे को पकड़ती है रोगाणु जो भविष्य की पीढ़ी के बीज हैं, और यह सभी वनस्पति और पशु जीवन के लिए सच है।**

**अब आप मुझसे आनुवंशिकता के बारे में पूछें। आध्यात्मिक रोगाणु आनुवंशिकता से कोई लेना-देना नहीं है। यह बिल्कुल शुद्ध है और निर्मल, लेकिन जैसे ही यह अपने पहले**

**भौतिक वस्त्र धारण करता है जो इसे धारण करता है, उसके शरीर से सब कुछ विरासत में मिलता है, या माता-पिता के कम से कम कई लक्षण। पहले पिता father**

**उसके खून में ईथर रोगाणु कपड़े और अगर उसका मांस है वह दुष्टता से भरकर रोगाणु को उसी के अनुसार कपड़े पहनता है और है कि वंशानुगत प्रवृत्तियों के लिए और भी अधिक जिम्मेदार माँ की तुलना में बच्चा। वह जीवन प्रस्तुत नहीं करतीया जीवित सिद्धांत–रोगाणु–वह नकारात्मक है और उन्हें धारण करने की शक्ति नहीं है–वह नारी है–लेकिन वह अंडा, या डिंब प्रस्तुत करता है; उसमें रोगाणु प्रवेश पाता है और अंडे की सामग्री द्वारा तब तक पोषित किया जाता है जब तक किरचने या फेंकने के लिए पर्याप्त सामग्री ले ली है भौतिक जगत में।**

**यदि रोगाणु एक स्तनपायी का है अंडा तैयार होने पर थोड़े समय के बाद गिर जाता है गर्भ, वहाँ माँ के रक्त से पोषित होता है पैदा होने के लिए तैयार होने तक। आनुवंशिकता बस वह है जो विरासत में मिली है जिस वस्त्र से पिता या माता ने वस्त्र धारण किया हो रोगाणु। यही कारण है कि बच्चे अपने से मिलते जुलते हैं माता-पिता, लेकिन आत्मा, आंतरिक सिद्धांत, कलंकित नहीं है कम से कम, जल्दी या बाद में, या तो सामग्री में, या आध्यात्मिक, या आकाशीय जीवन, यह पहले की तरह परिपूर्ण हो जाता है और भौतिक, आध्यात्मिक, के माध्यम से प्रगति की है आकाशीय धीरे-धीरे अपने पाठ्यक्रम पर सभी अशुद्धियों को फेंक रहा है जब तक यह एक ईश्वर-स्वर्गदूत, या कट्टर-स्वर्गदूत, या सबसे बुद्धिमान और सर्वश्रेष्ठ देवदूत**

जिसकी मनुष्य कल्पना कर सकता है और मनुष्य नहीं कर सकता उसे परी की कल्पना करें जबकि वह इतना छोटा है और एक भौतिक शरीर के भीतर एक आदमी होने के रूप में विकसित।

लेकिन कुछ भी मतलबी नहीं है–कुछ भी महत्वहीन नहीं है–कुछ भी नहीं कभी भी हो सकता है। हम किसी भी चीज़ के निर्माता नहीं हैं मौजूद है, फलस्वरूप हमें किसी भी चीज़ का तिरस्कार करने का कोई अधिकार नहीं है जो भी हो, सबसे छोटा कीट या कीड़ा भी नहीं। जिंदगी मनुष्य से उत्पन्न नहीं होता; वह बस इसे देखता है, और वह स्वर्गदूत के जितना करीब आता है, उतना ही कम महसूस करता है ब्रह्मांड के भीतर मौजूद किसी भी चीज का तिरस्कार करना, सभी के लिए ईश्वर है; सब भगवान है.

कोई निर्दोष सुख या सुख नहीं है जिसे नकारा जाता है मनुष्य की आत्मा के लिए, और वह शातिर में भी लिप्त हो सकता है सुख अगर वह इतना इच्छुक है; लेकिन, जब एक बार अच्छी तरह से समझता है कि सभी प्रकार के, किसी भी प्रकार के,सीधे दुख, दुख की ओर ले जाता है - दूसरे शब्दों में,नरक–वह न तो पाप करेगा और न ही प्राकृतिक नियमों को तोड़ेगा यदि वह उन्हें समझता है। यह आत्मा या आत्मा है जो वास्तव में

कुछ का आनंद लेता है और भौतिक शरीर का नहीं, जैसा कि कुछ को लगता है

सोचने के लिए; और जैसे-जैसे आत्मा ऊपर और ऊपर चढ़ती जाती है क्षेत्रों में इसके सुख और अधिक बढ़ जाते हैं।

भौतिक पृथ्वी केवल एक गोला है, फिर भी वह नहीं है पहला गोला या शुरुआत। भीतर जर्मिनल क्षेत्र ईथर का वातावरण पहला क्षेत्र है-अर्थात, जहाँ तक जैसा कि मैं

खुद जानता हूं। पृथ्वी का गोला दूसरा गोला है;आकाशीय क्षेत्र तीसरा क्षेत्र है; और वहां से
आत्मा कई क्षेत्रों में उगती है जो आवश्यक नहीं है यहां गिना जाएगा; लेकिन हमारी दुनिया विवरणों से भरी हुई है अपने की तरह। मनुष्य पृथ्वी पर शायद तीन के लिए रहता है स्कोर साल और दस, संभवत अधिक। उसे ऐसा लगता है जैसे वह
जीवन के माध्यम से चलता है कि यह सब छोटे से बना है विवरण। वह अक्सर काफी अधीर हो जाता हैउनका छोटापन, लेकिन उसका पूरा अस्तित्व बना है सेकंड, और मिनट, घंटे, दिन, महीने, साल, और यह है मुझे भी।

हम समय की गिनती नहीं करते जैसा आप करते हैं, सुनिश्चित करने के लिए, लेकिन हमारे जीवन छोटे विवरण या घटनाओं से बने होते हैं, और हम गिनते हैं एक घटना से दूसरी घटना में हमारा समय, की छोटी घटनाएं हमारे अपने जीवन और महान घटनाएं जो अनंत काल को चिह्नित करती हैं।

अब मैं आपको अपनी यात्रा के बारे में कुछ बताना चाहता हूं।पृथ्वी पर आप एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करते हैं, आप एक सागर से दूसरे सागर की यात्रा, तुम एक से यात्रा करते हो देश से दूसरे देश, आप दुनिया भर में यात्रा करते हैं, और इसी तरह आगे। हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, हम यात्रा करते हैं एक गोले से दूसरे गोले में हम एक ग्रह से दूसरे ग्रह की यात्रा करते हैंदूसरा, और कभी-कभी हम ज़ोन के माध्यम से एक मोड़ लेते हैं आकाशगंगा का, जैसा कि इसे पृथ्वी पर कहा जाता है, लेकिन, वास्तव में, यह,असंख्य संसारों का एक और विशाल क्षेत्र है; सूर्य, चन्द्रमा,ग्रह और पृथ्वी। मैं यहाँ केवल बोल रहा हूँ। इन चीजों के रूप में आप उन्हें समझते हैं, क्योंकि को छोड़कर लगभग सभी ग्रह पृथ्वी हैं earth सूरज, और ये नहीं हैं, जैसा कि कभी खोजा जाएगा;

**यह भी पता चलेगा कि सभी सूर्य हैं उनके स्वभाव में द्वैत, दोनों के वास्तविक शरीरों की रचना की जा रही है प्राथमिक सिद्धांतों का, और यह दो का खेल है आगे और पीछे तत्व जो प्रकाश और गर्मी का कारण बनते हैं।सूर्य के वास्तविक शरीर मनुष्य को दिखाई नहीं देते, न हीक्या वे उस धधकती रोशनी के कारण हो सकते हैं जो वे उत्पन्न**

**करते हैं,और यह प्रकाश वास्तव में एक जलती हुई, जलती हुई रोशनी है, और,दहन कारण है।**

**तुमने अक्सर बिजली की चमक देखी है ना?और आप जानते हैं कि बिजली का कारण मिलन है दो तत्वों का, और जैसे ही वे मिलते हैं, उनमें आग लग जाती है अन्य और एक विस्फोट इस प्रकार है जो उज्ज्वल देता है Chamak। अब सूर्य के दो प्राथमिक पिंड कार्य करते हैं ठीक उसी तरह; जैसे हर एक घूमता है, प्रत्येक फेंकता है अपने प्राथमिक सिद्धांत से दूर, और जैसे ही ये तत्व मिलते हैं,एक दूसरे में आग लगाता है और दहन परिणाम है।सूर्य के वास्तविक पिंड कई डिग्री से इतने बड़े नहीं हैं,जैसा कि कुछ खगोलविद सोचते हैं। कभी कुछ नहीं देखा सूर्य का लेकिन इन दो बलों का परिणाम; धधकते हुए प्रकाश दिखाई देता है लेकिन स्वयं सूर्य के दो शरीर नहीं।**

**मेरी किताब ”ओशनाइड्स” में, ”द डिस्कवरेड” में भी देश/’ मैंने इन दोनों का विस्तृत विवरण दिया है शरीर और वे पहली बार कैसे अस्तित्व में आए, और यदि मेरे पास नहीं था व्यक्तिगत रूप से सूर्य का दौरा किया मैं आपको बताने में सक्षम नहीं होना चाहिए**

**इसके बारे में।खगोलविदों को अभी बहुत कुछ सीखना है – और उनका भंवर और अग्नि-धुंध सिद्धांत सही नहीं हैं–न ही है चाँद एक पुरानी और घिसी-पिटी दुनिया, लेकिन एक बच्चे की दुनिया नहीं तौभी रहने के योग्य–और यह तुम्हारी पृथ्वी की संतान है, फिर भी अग्रणी-तारों में। कौन, एक पल के लिए, मान सकता है कि बृहस्पति और शनि के चंद्रमा पुराने हो चुके हैं दुनिया? नहीं न; उन्हें इन ग्रहों से फेंक दिया गया है-वे उनके बच्चे हैं।**

**सभी प्रकृति मंडलियों या परिवारों में चलती है, पिता के साथ,माँ और बच्चे–या सकारात्मक और नकारात्मक सिद्धांत का तीसरा रूप, और उसके बाद कई अन्य रूपों का निर्माण।के मिली फ्लेमरियन की किताब को निर्देशित करने वाली आत्माएं**
**सही थे। उन्होंने नवीनतम छोटे के लिए कोई गलती नहीं खोजे गए चंद्रमा हाल ही में अस्तित्व में आए हैं और के रूप में गोलाई में पर्याप्त रूप से संशोधित नहीं किया गया है सर्वश्रेष्ठ दूरबीनों से भी शायद ही दिखाई दे। ऐसा आत्माएं जो इस महान खगोलशास्त्री को नियंत्रित नहीं करतींएक नियम के रूप में मिथ्याकरण, लेकिन लोगों को बनाना उनके लिए बहुत कठिन है वह सब समझें जो वे बताना चाहते हैं। अगर मानसिक एक अच्छी, नकारात्मक महिला थी, बहुत बेहतर परिणाम प्राप्त होता।**

**सच्चे माध्यम है लगभग सभी स्त्रीलिंगों में पाए जाते हैं। नर हैं पूरी तरह से सकारात्मक और फकीरों का बड़ा हिस्सा और उनमें कपट पाए जाते हैं; अभी भी, वहाँ**

**एक हैं कुछ प्रेरणादायक व्याख्याता और कई प्रेरक लेखक।प्रेरक लेखकों में एंड्रयू का उल्लेख किया जा सकता है डेविस, हडसन टटल, जोसेफ आर बुकानन,जेम्स एम. पीबल्स, ई.डी. बैबिट, डब्ल्यू.ई. कोलमैन, जे.एस.लवलैंड, मूसा हल। इनमें से कई प्रेरक भी हैं व्याख्याता। लाइमैन सी. होवे, जे.जे. मोर्स, डब्ल्यू.जे. कोल्विल,और कई अन्य – और यहाँ मैं कहना चाहता हूँ कि रॉबर्टजी. इंगरसोल वास्तव में एक प्रेरणादायक व्याख्याता थे और लेखक, हालांकि खुद के लिए अज्ञात; लेकिन फिर भी यह है एक तथ्य यह है कि वह वास्तव में एक शक्तिशाली बैंड द्वारा इस्तेमाल किया गया था आत्माओं को वैसा ही करने के लिए जैसा उसने किया, और आध्यात्मिक दुनिया की मदद करने के लिए असत्य को कुचल दो कि सत्य को स्थान मिल जाए।**

**परंतु मेरे दोस्त रॉबर्ट कॉफी आध्यात्मिक दिमाग वाले नहीं थे आध्यात्मिक क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखने के लिए, और नहीं जानता था कि वह आध्यात्मिक प्राणियों द्वारा उपयोग किया जा रहा था; फिर भी थे कई बार जब वह खुद पर हैरान होता था, और वह अक्सर कहता था खुद के लिए, "अगर आध्यात्मिक प्राणी हैं जो हमें प्रेरित करते हैं"**

**नश्वर, मुझे लगता है कि उन्होंने आज मेरा उपयोग किया होगा।"या आज शाम, जैसा भी मामला हो; लेकिन, फिर, परदूसरी ओर, वह अक्सर अपनी विशद कल्पना के लिए सभी को जिम्मेदार ठहराते थे,वास्तव में समझ में नहीं आ रहा है कि कल्पना शब्द क्या है वास्तव में मतलब है। छवि, या कल्पना-कल्पना।**

**मस्तिष्क पर प्रभावित किसी चीज़ की छवि, और येचित्र या विचार लगभग हमेशा प्रभावित या चित्रित होते हैं एक संवेदनशील के मस्तिष्क पर, या जैसा कि अक्सर होता है एक मजबूत और मजबूत व्यक्ति का दिमाग, लेकिन दिमाग ऐसे काआमतौर पर बहुत संवेदनशील, या ठीक, मजबूत गुणवत्ता का होता है।**

**हाँ, रॉबर्ट जी. इंगरसोल एक सच्चा माध्यम था, सभी अज्ञात खुद के लिए, और सचमुच be के आदेश का पालन कर रहा था आध्यात्मिक या आकाशीय के भीतर उच्च बुद्धि**
**गोले वह अब इनमें से कई गाइडों से आमने-सामने मिल चुके हैं चेहरा और वे उसके खर्च पर एक अच्छी हँसी है, और वह उनके साथ उनके समान और आनन्द से हँसा है**
**उनमें से सबसे खुश के रूप में।**

**जैसा कि मैं अभी बहुत समय तुम्हारे साथ हूँ,क्योंकि मैं तुम्हें ये पत्र लिखना चाहता हूँ, मैंने तुम्हें कब सुना था आपने पूछा, "इतने सारे संगीत वाद्ययंत्र क्यों थे?**
**मेरे घर में चाहिए?" जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं कि मैं खेला था कोई वाद्य यंत्र नहीं बल्कि पियानो। यदि आप स्वयं यहाँ होते,पहली चीजों में से एक जो आप**

**चाहेंगे संगीत के कई महान आचार्यों से मिलें। बाख,बीथोवेन, हैंडल, मोजार्ट, चोपिन, मेंडेलसोहन, लिस्ट्ट,रुबिनस्टीन, वैगनर और बहुत से अन्य; तुम्हारे अलावा मुझे पता है, एक भव्य आर्केस्ट्रा संगीत कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं उनके साथ कंपनी में। यह वास्तव में में से एक था पहिली चीज़ें जो मैं चाहता था, और जो कुछ यहां चाहता है,**
**मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। आप अच्छी तरह परिचित थे इनमें से कुछ महान गुरुओं के साथ, और अक्सर उनके साथ और उनके लिए खेला, विशेष रूप से लिस्ट्ट और रुबिनस्टीन,और आप जानते हैं कि वे अक्सर आत्मा में आपके साथ होते हैं।**

**अब मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात और क्या हो सकती है संगीत कक्ष जिसमें ये महान और सम्मानित स्वामी मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिल सकते हैं या मिल सकते**

हैं? ऐसा नहीं है कि मैं बहुत ज्यादा था जब धरती पर थे तो महान थे, फिर भी सबसे भव्य संगीत था मेरी आत्मा के भीतर, और वे मुझे अपने साथ एक मानते हैं
जब आप यहां पहुंचेंगे तो वे भी आप पर विचार करेंगे। क्या अधिक रमणीय, मैं फिर से पूछता हूं, उनके साथ भाग लेने के लिए एक भव्य आर्केस्ट्रा संगीत कार्यक्रम में? और सभी विभिन्न उपकरणों का प्रतिनिधित्व किया।

ओह, हम आकाश को गूंजते हैं कभी-कभी, इसके बारे में सुनिश्चित रहें। अगर मेरे पास एक सुंदर घर जैसा मैंने वर्णन किया है, सोचें कि घरों का क्या हैये शानदार आत्माएं होनी चाहिए? अगर मेरा सुंदर है, उनका अति सुंदर हैं, और सभी भिन्न हैं। कोई दो नहीं हैं एक जैसे, क्योंकि कोई भी दो आत्माएं समान नहीं हैं, और उनके घर मेल खाते हैं
अपने लिए, क्योंकि वे अपने ही मन सेउनका निर्माण करें; फलस्वरूप, हेलेना और मुझे जाना पसंद है विदेश में और उनके घरों का दौरा करते हैं, और हमारे पास कई, कई
निमंत्रण; इन महान गुरुओं के लिए अक्सर हमारे लिए भेजा जाता है हम उनके लिए भेजते हैं।

आप और कैसे सोचते हैं कि स्वर्ग कर सकता है एक महान संगीतकार के लिए स्वर्ग बनो जब तक कि वह उसका आनंद न ले सके कला और उसके अभ्यास से दूसरों को आनंद देना? महान उदाहरण के लिए, हमारे रॉबर्ट जैसे व्याख्याता या शिक्षक नहीं कर सकते थे खुश रहो जब तक कि वह दूसरों को अपने विचार नहीं दे रहा था और उनके विचार प्राप्त कर रहे हैं। एक महान खगोलशास्त्री जैसे(एमिल फ्लेमरियन और अन्य, हो सकता है और नहीं होगा खुश जब तक वह स्वर्गीय निकायों का दौरा करने में सक्षम नहीं थे-सूर्य, चंद्रमा, तारे, और ग्रह–और वह सब खोजें discover वह

संभवतः उनके बारे में सोच सकता था और फिर अपने मूल स्थान पर लौट सकता था पृथ्वी और संवेदनशील मस्तिष्क पर अपने ज्ञान को प्रभावित करें दूसरों के लिए जिन तक वह

पहुंचने में सक्षम था।और लेखक? महान लेखक कैसे खुश हो सकते हैं जब तक उन्हें बुकी और कला में रुचि हो सकती है उन्हें लिख रहे हैं?

मैंने आपको अक्सर यह कहते सुना है: "बेचारा डू मौरियर! अपनी सफलता का आनंद लेने के लिए नहीं जीया।" इसमें आप गलत हैं।वह रहता है और कभी भी अपने इनाम का आनंद नहीं उठा सकता-सार्वजनिक अनुमोदन - जैसा वह अब करता है। कौन इतनी दिलचस्पी रखता है जब उनकी पुस्तक से लिया गया नाटक उनकी संतुष्टि के लिए किया जाता है।

आपको उसे ऐसे समय में क्यों देखना चाहिए। कोई आत्मा अधिक खुश हो सकता है। सबसे दुखी प्राणी जो आत्मिक जीवन में हैं वे पुरुष और महिलाएं जिन्होंने दिया है

अपनी सारी ऊर्जा और दिमाग पैसे जमा करने के लिए और आत्मा के उच्च संकायों की खेती नहीं की है।

ये हैं सबसे मनहूस, सबसे ज्यादा गरीबी से त्रस्त,और अक्सर बेघर आवारा होते हैं, जा रहे हैं के बारे में लत्ता और टाटर्स में, उनकी आत्मा के लिए अक्सर इतनी गरीबी होती है-त्रस्त है कि वे खुद को कपड़े नहीं कर पा रहे हैं जैसे आत्माओं को कपड़े पहनाए जाने चाहिए,

***

**मैंने एक पूर्व पत्र में कहा है कि बहुत अधिक हमारे यहाँ आकाशीय दुनिया में जीवन के बारे में जाना जा सकता है की तुलना में वर्तमान में पृथ्वी पर जाना जाता है; और बहुत कुछ होगा वर्षों के रूप में जाना जाता है। जब टेलीपैथी, या विचार स्थानांतरण, में एक स्थापित वैज्ञानिक तथ्य बन जाता है वहाँ के लोगों के बीच निचली दुनिया– और इससे मेरा मतलब है दुनिया के सभी लोगों, क्योंकि यह लंबे समय तक परखा जाएगा**

**लगभग सभी के द्वारा–तब सबसे बड़ा खुलासा होगा दुनिया ने कभी जाना है, और यह दिलचस्प युग तेजी से खुल रहा है।**

**बहुत जल्द ऐसा लगेगा स्वाभाविक, और अपेक्षित होने के लिए, प्रियजनों से सीधे सुनने के लिए आकाशीय दुनिया में जैसा कि वर्तमान में सुनने के लिए है मित्र जो दूसरे शहर या दूसरे शहर गए हैं,या समुद्र के उस पार। बेशक हम अच्छी तरह जानते हैं कि वर्तमान समय में बहुत से लोग प्रियजनों से इस प्रकार सुनते हैं और माना जाता है कि खो गए हैं, लेकिन यह अब लगभग सीमित है विशेष रूप से अध्यात्मवादी कहे जाने**

**वाले लोगों के लिए, और अध्यात्मवादी उन्हें नहीं कहते जो पागल हैं, मूर्ख हैं,पागल, और आगे; लेकिन, टेबल जल्द ही चालू कर दिए जाएंगे;**

**वे अब उतनी ही तेजी से मुड़ रहे हैं जितना महत्वपूर्ण विषय होगा स्वीकार करें, और तब पूरी दुनिया इसे समझेगा साथ ही टेलीग्राफी को वर्तमान समय में समझा जाता है।**

**सोचो, मेरे दोस्तों, कई अद्भुत अनुभवों के बारे में आध्यात्मिक प्राणी लगातार गुजर रहे हैं, और धरती पर रह गए अपने दोस्तों को कितना बताना चाहते हैं उनके विषय में।**

**मैं कौन-सी अद्भुत बातें बता सकता हूँ,मैं क्या दिलचस्प, रोमांचक, नाटकीय कहानियां बता सकता था आप। आप समझ जाएंगे कि यह सच है, लेकिन दुनिया बड़े पैमाने पर उन्हें वास्तविक तथ्य के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे लेकिन कहेंगे कि आप अपनी कल्पना पर चित्रित कर रहे थे। अच्छा आज़ा दोवे इस प्रकार कहते हैं, क्योंकि उनका कहना सबसे अच्छा होगा।**

**प्रगतिशील विचारक के संपादक को पता होगा कि मैं जो कुछ भी कह सकता हूं वह सच है। मैंने हाल ही में उनसे मुलाकात की है-अपने आप को उसके साथ तालमेल बिठाएं–और फलस्वरूप जाने कि वह मेरा दोस्त है; और मैं चाहता हूं कि यहीं उससे बात करूं व्यक्तिगत रूप से थोड़े समय के लिए।**

**क्या आप जानते हैं, दयालु महोदय, कि आपका पेपर खुला है दो दुनियाओं के बीच का द्वार? हाँ, आप इसे जानते हैं।क्या पृथ्वी पर अभी तक मौजूद किसी प्राणी को इससे बड़ा मिशन दिया जा सकता है स्वर्ग और पृथ्वी के बीच द्वारपाल की तुलना में?**

**स्वर्गीय ज्ञान के विशाल संसाधनों के बारे में सोचें जो है खिलाने के लिए अपने हाथों से गुजर रहा है भीड़। चालीस हजार से अधिक पाठक, आप कहते हैं; लेकिन जैसे मैंने चारों ओर देखा है, मुझे लगता है कि यह पचास हजार के करीब है जो लोग आकाशीय दुनिया से पोषित और तरोताजा हैं साप्ताहिक।**

**हर हफ्ते लगभग पचास हजार लोगों के विचार पृथ्वी से स्वर्ग पर उठाये जाते हैं, और जब उनके विचार आध्यात्मिक विषयों पर उत्तेजित होते हैं जो कि बहुत समय है जब हम सत्य को प्रसारित करने का अवसर लेते हैं उनकी समझ।**

**बस इसी समय हजारों मनुष्य हैं युद्ध की भयानक भयावहता के माध्यम से इस दुनिया में भेजा जा रहा है;उनके शरीर टूटे, अपंग और खून से लथपथ पड़े हैं नरसंहार, और कई**

**आत्माएं और स्वर्गदूत प्राप्त करने में व्यस्त हैं और उनकी आत्माओं या आत्माओं की देखभाल करना। ये गरीब आदमी हैं अधिकतर युवा, अपरिपक्व, अनुभवहीन- आने के योग्य नहीं यहाँ बिल्कुल वर्तमान में–पुरुष बस दहलीज पर प्रवेश कर रहे हैं सांसारिक जीवन का; उन्हें भौतिक जीवन से लूट लिया गया है और अनुभव जो उनका होना चाहिए था; वे आते हैं यहाँ दुःख, दुःख, निराशा, कटुता से भरा हुआ है,नफरत, बदला, अज्ञानता; उनका पहला और सबसे बड़ा विचार लिखना है और अपके शत्रुओं से उनका बदला लेना है।**

**मनुष्य एक स्वतंत्र इच्छा एजेंट है, और ये कच्चे बहुत है हठी और ज्ञान सीखने में धीमे, फलस्वरूप एक निकाय के रूप में जांच में नहीं रखा जा सकता है। कुछ ऐसे हैं जो ज्ञान की बातें सुनो, परन्तु वे थोड़े हैं; वे अंदर लौटते हैं युद्ध के मैदान में, या निजी तौर पर अपने दुश्मनों के लिए, और अक्सर उनका प्रतिशोध सबसे भयानक प्रकृति का होता है–इसलिए वास्तव में भयानक है कि यह यहां संबंधित नहीं हो सकता है। केवल ज़ोट**

**क्या वे दुश्मन पर अपना प्रतिशोध बरतते हैं लेकिन फ़ोमैन से निर्दोष पत्नी, बच्चे, बहन, माँ और रिश्तेदार,शिशुओं और बूढ़ों पर भी; फिर, फिर से, फ़ोमेनयहाँ आत्मा में मिलते हैं और युद्ध अनिश्चित काल तक चलता रहता है।**

**शरीर अब मारे नहीं जा सकते और इसलिए वे भयानक षड्यंत्र रचते हैं आत्मा के लिए अत्याचार।**

**भाइयों, बहनों, ऐसी बातें हैं; वे नहीं हैं काल्पनिक। पृथ्वी पर युद्ध सिखाओ और अभ्यास करो और यह है स्वर्ग के भीतर जारी, अक्सर लंबे और बड़े पैमाने पर इससे पहले कि इसमें लगे लोगों को त्रुटि देखने के लिए लाया जा सके उनके तरीकों से, प्रकृति विकसित होती है लेकिन धीरे-धीरे और एक आत्मा एक ही कदम में बुद्धिमान और अच्छा नहीं बन जाता।**

**अब जब इस जीवन में एक महत्वाकांक्षी सेनापति आता है,जिसकी एकमात्र इच्छा हथियारों के बल पर विजय प्राप्त करने की रही है-वह उसके दुश्मन को मार डालता है–वह आम तौर पर एक बड़े से मिलता है मारे गए लोगों की सेना, उसके आश्चर्य के लिए बहुत। किस तरह अजीब लगता है जब उसे पता चलता है कि उनमें से कोई भी वास्तव में नहीं है मारे गए, बस एक विमान से दूसरे विमान में स्थानांतरित हो गए।**

**अब उसके सामने एक ऐसी सेना खड़ी है जिसे मारा नहीं जा सकता, जीवित आत्मा की कड़वी, प्रतिशोधी सेना। वह देखता है उन्हें और वे उसे घूरते हैं। अब उनकी बारी है, वे**

सोच। यह अब एक आदमी के खिलाफ एक सेना है। हर एक चीज उलट जाता है। लेकिन कुछ समय पहले, उनके आदेश पर, एक झटके में पूरी रेजिमेंट को नष्ट किया जा सकता था; अब वह अकेला खड़ा रहता है, और एक दल उस पर झपटता है।

वह अपने कुछ आदमियों को अपने बारे में इकट्ठा कर सकता है, लेकिन यह है बेकार। वह अब अपने दुश्मनों को नहीं मार सकता और वे नहीं कर सकते उसे मार डालो, फिर भी उनकी भावनाओं को कम से कम नहीं बदला है।

वह उनका सत्यानाश करना चाहता है, और वे चाहते हैं उनके द्वारा प्राप्त की गई गलतियों के लिए उसे पीड़ित करें हाथ। क्रोध घृणा से भरकर वे झपट्टा मारते हैं उसके और हर एक आदमी की ओर अपना अलग चाहता है बदला लेने के लिए और अगर वह इसे प्राप्त कर सकता है तो वह उसे प्राप्त करने के लिए बाध्य है। यह नहीं हैउस मनहूस जनरल को यह पता लगाने में बहुत समय लगता है। उसने उन्हें मार नहीं सकता और अब उसके सिवा कुछ नहीं बचा है उड़ान भरने के लिए।

कार्लाइल, मेरे प्यारे बेटे, मैं एक कप्तान, कर्नल, या . से मिला हूंसामान्य, महान गति से उड़ना, डरावनी और भय को दर्शाया गया है उसका चेहरा, प्रतिशोधी, क्रोधी की सेना के साथ तीव्र खोज में आत्माएं-एक घोर कायर। यदा यदा उससे आगे निकल गए और कुछ समय के लिए उसे थामने में समर्थ हुए फिर वे साजिश करते हैं कि कैसे वे उसे सबसे अच्छी तरह से प्रताड़ित कर सकते हैं, और अक्सर उनके कष्टों को देखने में भय लगता है। चीजों की यह स्थिति अच्छी तरह से टाला नहीं जा सकता, या एक ही बार में सही नहीं बनाया जा सकता लेकिन जैसे जितनी तेजी से किया जा सकता है, सभी गलतियां ठीक हो जाती हैं।

**किस तरह धरती पर चीजों को ठीक करने के लिए, काम करने के लिए बहुत बेहतर है**

**वहीं, कितना अच्छा है कि आदमी अपनी हत्या न करे भाई आदमी। दूसरी ओर यहाँ एक आत्मा आती है जो अपने सांसारिक जीवन के दौरान, केवल की भलाई के लिए काम किया है सामान्य रूप से मानव जाति। शायद वह एक महान संगीतकार रहा हैनान, एक महान लेखक, एक महान आविष्कारक, एक महान दार्शनिक,एक महान सुधारक; एक आदमी जिसने सच्चाई देने का प्रयास किया है दुनिया और धर्म या राजनीति में त्रुटि नहीं; वह आदमी जिसने अपने भाई से प्यार किया है और उसकी**

**मदद करने की कोशिश की है हर तरह से वह कर सकता था; वह इस जीवन में आता है; सभी आत्माएं और स्वर्गदूतों ने उसके कामों पर विचार किया है। कैसे है वह मिला? मैं आपको बता दूँ। उसके तत्काल रिश्तेदारों के बाद और दोस्तों ने उनसे मुलाकात की और उन्हें प्राप्त किया, आभारी लोगों का एक समूह और प्रेममय आत्माएं और फ़रिश्ते उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं सम्मान, और वे एक दूसरे के साथ यह देखने के लिए होड़ करते हैं कि कौन सा होगा उसे सबसे बड़ी खुशी दें; हर तरह के लिए उन्होंने मानवता के लिए जो कार्य किया है, एक हजार आत्माएं - ऐ, लाख–उनकी हर कृपा करने के लिए तैयार खड़े हैं शक्ति; वे श्रद्धापूर्ण इशारों से उससे मिलते हैं और प्रशंसा; वे उसे अपने राजा के रूप में महिमा के साथ ताज पहनाते हैं; उसके लिए शोभा के हार और धनुष बुनें; वे बनाते हैं उनके नाम के साथ विजयी मेहरबान सोने के रथ पर बिठाएं, फूलों से सजाएं और के माध्यम से एंजेलिक संगीत के उपभेदों के लिए मार्च मेहराब, जबकि रथ को घोड़ों द्वारा खींचा जाता है।**

ये बेकार की कहानियां नहीं हैं, बल्कि उतनी ही सच है मैं उन्हें तुम्हें लिखता हूं; और हम पृथ्वी के लोगों को कैसे बताना चाहते हैं ये सब चीजें। सुनो सुनो! पृथ्वी के लोग, तुम्हारे लिए जल्द ही इस जीवन के बारे में जितना आप जानते हैं उससे अधिक नेंगेउपस्थित। कोई गलत काम न करें, क्योंकि यह आपसे निश्चित रूप से मुलाकात करेंगे आप इसे प्रतिबद्ध करें। ओह, मैं आपको बहुत कुछ बताना चाहता हूं।

एक पुरुष या महिला जिसने अपना पूरा जीवन पृथ्वी पर बिताया है मानवता के लाभ के लिए कुछ करने की इच्छा, आने पर यहां और पृथ्वी पर प्रतिफल के रूप में बहुत कम प्राप्त किया है,पहले उल्लेख किए गए सामान्य के रूप में पाता है, कि चीजों का क्रम उलट जाता है। वे सभी जिनके पास उसके पास है कभी लाभ का साधन रहा है अब खुद को समेटे इसका लाभ उठाएं, और अनकहा धन ढेर हो जाता है उन्हें; लेकिन पैसे की कोई शक्ति नहीं है; आत्मा का धन में सभी शक्तिशाली becomes. फिर भी, जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारे पास है आध्यात्मिक पत्राचार। हमारे पास वह है जो दिखाई देता है सोना, चाँदी, और मणि के समान, परन्तु एक प्राण के समान है इस तरह की चीजों पर बहुत अधिक शक्ति प्रदान करना,बाउल स्वयं मेल खाता है या उसके पास निर्माण करने के लिए पर्याप्त ज्ञान है उन्हें उर्ध्वपातित पदार्थ से; लेकिन किसी के पास नहीं हो सकता इन बातों को छोड़कर जिनके पास बुद्धि, प्रेम और मैं रूथ; और इनका सोने के बदले विनिमय नहीं किया जा सकता। वहाँ प्रत्येक आत्मा वही है जो वास्तव में इसके लायक है।

***

हम कुछ विचारों का उत्तर देना चाहते हैं जिन्हें हम इकट्ठा करते हैं पृथ्वी पर अभी भी कई, बहुत सारे दिमागों से टेलीपैथी, जो पदार्थ से आत्मा तक कारण। इस प्रकार तर्क न करें, क्योंकि हमें यह कहने की अनुमति दें कि तर्क करने की ऐसी ही एक विधि है
गलत है और गलत निष्कर्ष पर ले जाता है। कोई भी हो सही शुरू होता है आमतौर पर सही खत्म होता है, खासकर ड्राइंग में तर्क से निष्कर्ष। के सेल से शुरू न रेंप्रोटोप्लाज्म, या पदार्थ, और फिर रासायनिक आत्मीयता के माध्यम से आत्मा तक तर्क करो, क्योंकि ऐसा करने से तुम निरपवाद रूप से कहीं नहीं या त्रुटि के दलदल और दलदल में समाप्त; लेकिन आत्मा से शुरू करें, जो उतरती है या आकर्षित होती है बात करने के लिए, जिसके साथ यह खुद को कवर करता है और फिर लगातार पदार्थ को तब तक अपनी ओर खींचता है जब तक कि वह पूरी तरह से विकसित न हो जाए–प्रत्येक
अपनी तरह के अनुसार आध्यात्मिक रोगाणु–फिर एक तरफ फेंकना इसका आच्छादन यह अपने सिद्ध रूप में ऊपर चढ़ता है आकाशीय क्षेत्र।

लेकिन हम पहले ही इसके बारे में एक में पर्याप्त कह चुके हैं हमारे पूर्व पत्र और अब यह नहीं कहेंगे यदि माध्यम का मस्तिष्क कुछ हद तक उत्तेजित नहीं था, बसविषय पर एक लंबा शोध प्रबंध पढ़ना समाप्त किया। हम इस त्रुटि को माध्यम के दिमाग से भी निकालना चाहते हैं कई अन्य लोगों के दिमाग से बाहर। कई निष्कर्ष पर आते हैं
कि एक आध्यात्मिक प्राणी के पैर, हाथ नहीं हो सकते,आंखें, कान, या कोई अन्य अंग, और इतने सारे दार्शनिक विचारक फंस जाते हैं, क्योंकि वे ऐसा नहीं करते हैं सही शुरू करो।

जब कोई व्यक्ति किसी निश्चित शहर, या अन्य तक पहुंचना चाहता है जगह, उसे सही रास्ता अपनाना चाहिए, अन्यथा वह होगा असंख्य पथों में खो गया जो कहीं भी ले जाता है और हर जगह उस जगह को छोड़कर जहां वह पहुंचना चाहता है; पर वो इस विषय पर वापस आएं जिसके साथ हमने शुरुआत की- हमारा जीवन यहाँ आकाशीय दुनिया में।कार्लाइल, मेरे प्यारे बेटे, तुम्हें पता है कि स्वभाव से मैं था एक बहुत ही बेचैन और सक्रिय आदमी जब आपके साथ मांस में।

आप भी अक्सर मुझे बहुत अधीर समझते थे, और मैं अब मैं पूरी तरह से समझ गया कि मैं ऐसा क्यों लग रहा था। जब मेंशरीर में सांसारिक पुरुषों के तर्क का मिलान नहीं कर सका,विशेष रूप से मनुष्य का धार्मिक तर्क, जो क्रोधित होता है मुझे माप से परे;

और, जैसा कि मैं तब अपना रास्ता नहीं खोज सकाइतनी बड़ी त्रुटि के माध्यम से, मैंने अधीरता से सब कुछ फेंक दिया धर्म और बन गया, मेरे दोस्त इंगरसोल की तरह, एक पुष्टि अज्ञेयवादी। जब मैंने अपना शरीर छोड़ दिया और इस सुंदर में प्रवेश किया और आत्मा-संतोषजनक आकाशीय क्षेत्र, मैं वास्तव में आनंदित हुआ और खुशी के लिए चिल्लाया। लेकिन मैं फिर से विवरण नहीं दोहराऊंगा इस जीवन में मेरा प्रवेश, लेकिन अधिक महत्वपूर्ण पर आगे बढ़े विषय।

मैं चाहता हूं कि मैं प्रत्येक में धागों को सीधा कर सकूंमनुष्य का जीवन, फिर भी, अगर मैं यह नहीं कर सकता, तो मैं वह सब करूँगा जो मैं कर सकता हूँ अपनी उपलब्धि की ओर। जब से मैंने खुद को पाया अमर होने के नाते मेरा सर्वोपरि विचार मिलना रहा है और उन सभी महापुरुषों से बात करो जिनके बारे में मैंने कभी सुना है heard

**धरती पर; और जब मैंने पाया कि यह इच्छा आसान थी उपलब्धि, इसने मुझे बेहद खुश किया और अब मेरा अधिकांश समय उनसे मिलने और बातचीत करने में बीतता हैजिनके मन महान हैं, वास्तव में बहुत महान हैं। इन महान दिमाग सभी कमोबेश प्रोफेसर के रूप में लगे हुए हैंइसकी सभी विभिन्न शाखाओं में शिक्षण संस्थान। मैं**
**मैं आठ या दस अलग-अलग कॉलेजों या विभागों में पढ़ाता हूंज्ञान की।**

**धरती पर मैं सिर्फ एक प्रोफेसर था संगीत का, कला शिक्षण, जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, अपने में खुद की संरक्षिका; पर मेरा मन बहुत बेचैन था और लालसा। मैं अन्य चीजों को भी समझना चाहता था संगीत के रूप में, इसलिए मैंने खुद को व्यवस्थित करने और संकलित करने के कार्य के लिए निर्धारित किया अपने पहले सिद्धांतों से संगीत। में मैं बहुत सफल, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन जब मैंने ऐसा लिखा था ऊपर संगीत, मैं ब्रह्मांड के साथ शुरू करना चाहता था पहले सिद्धांतों के साथ और जहाँ तक मैं सक्षम था, जा रहा था।**

**कार्लाइल; प्रिय लड़के, मैंने सही शुरुआत नहीं की, और आप हमेशा मुझे ऐसा बताया; लेकिन मुझे लगा कि मेरा बेटा निश्चित रूप से नहीं कर सकता है अपने पिता से अधिक बुद्धिमान, क्योंकि तुमने स्वीकार किया था कि तुमने नहीं किया था ब्रह्मांड में अंतर्निहित सिद्धांतों को बहुत कुछ दिया सोचा आप निश्चित थे कि मृत्यु के बाद एक जीवन था मैं शरीर झूठ बोलता हूं, और मैं थाई के आसपास मेरा कोई तर्क नहीं कर सकता अपने विश्वास को भाये। जब J ने आपसे पूछा कि आप क्या सबूत दे सकते हैं?**

**मुझे दो, तुमने उत्तर दिया कि तुम मुझे कोई नहीं दे सकते सिवाय इसके कि यह पका खुद का अटल विश्वास था स्पिरिट वर्ल्ड से पत्र। १०७ आत्मा, लेकिन मेरी आत्मा को यह विश्वास नहीं था और मैं असंबद्ध था,फिर भी अगर मैंने सही शुरुआत की होती, जैसा कि मैंने संगीत में किया था, मैं आपको उसी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए था जिस पर आप पहुंचे थे।**

**अब इस दुनिया में हमारा महान उद्देश्य सभी में सही शुरुआत करना हैचीजें। संगीत में अंतर्निहित महान सिद्धांत हो सकते हैं प्रकृति में सभी चीजों पर लागू होता है बिना एक भी बनाए गलती। हम सबसे कम ध्वनि से शुरू करते हैं कि वातावरण में कंपन करने के लिए बनाया जा सकता है, और हम जाते हैं जब तक हम उस उच्चतम ध्वनि तक नहीं पहुंच जाते जो कंपन कर सकती है नश्वर कानों पर। जब हमने ऐसा किया है तो हमारे पास वास्तव में है केवल एक भव्य सप्तक मारा जिसमें सभी शामिल हैं मध्यवर्ती सप्तक और इसके भीतर तराजू, लेकिन वहाँ हैं इसके ऊपर और नीचे वास्तव में कई सप्तक हैं जो मानव कानपता नहीं लगा सकता, और ये, पहले से ही सप्तक के साथ**
**उल्लेख किया गया है, आध्यात्मिक क्षेत्र में पहुंचें।**

**अभी मैं मुझे लगता है कि मैं इसे किसी भी स्पष्ट दिमाग से साबित कर सकता हूं। सभी संगीतकार अच्छी तरह से जानते हैं कि इतनी तेजी से कंपन करने के लिए एक तार बनाया जा सकता है कि उनके द्वारा कोई आवाज का पता नहीं लगाया जा सकता है, लेकिन अगर वहाँ है कंपन है, निश्चित रूप से ध्वनि है; फिर भी ध्वनि कर सकते हैं**
**केवल परिष्कृत आध्यात्मिक कानों से सुना जा सकता है। बहुत है ठीक यांत्रिक पहिये जिन्हें इतनी तेज़ी से घुमाया जा सकता है कि कोई आवाज नश्वर मनुष्य द्वारा**

नहीं सुनी जा सकती है, औरपहिए की बारीक तीलियाँ, या निकला हुआ किनारा, देखा भी नहीं जा सकता,यह आराम से एक ठोस शरीर की तरह दिखता है; लेकिन अगर एक थे
उस पहिये को छूने के लिए, जिस हाथ ने उसे छुआ तुरंत नष्ट हो जाना; प्रस्ताव पहुंच गया है अदृश्य, आध्यात्मिक, और सभी को नष्ट या नष्ट कर देता है स्थूल पदार्थ जिसके संपर्क में आता है।

अब ये बातें ही यह साबित करने के लिए काफी है होने की एक उच्च अवस्था है - एक आध्यात्मिक अस्तित्व। मुझे पसंद है मेरे द्वारा दिए गए प्रत्येक कथन को साबित करें। अगर दो अदृश्य पदार्थ, जुड़कर, पानी बना सकते हैं–एक बहुत वास्तव में भौतिक और दृश्य पदार्थ–आश्चर्य न करें जब मैं कहता हूं कि हम कर सकते हैं, यदि हमारे पास आवश्यक ज्ञान है,आत्मिक सोना, हीरा, चाँदी, और हर तरह से

बनाएँ कीमती पत्थरों से; हमें केवल कुछ उच्च बनाने की क्रिया को एकजुट करना है रासायनिक गुण और हमारे पास कुछ भी हो सकता है और सब कुछ जो हम चाहते हैं; और यह हमें हर तरह का देता है निर्माण सामग्री - जब भी हम अपने घरों, हॉलों को खड़ा करते हैं ज्ञान, और ज्ञान के मंदिर–इतना परिष्कृत और सुंदर कि सांसारिक पुरुष और महिलाएं कल्पना भी नहीं कर सकते उन्हें; और इन घरों में हम रहते हैं; इन हॉलों में और मंदिरों में हम इकट्ठे हुए लोगों को सिखाते हैं, मण्डली,कक्षाएं, और आगे।सुंदर परिवेश के लिए हमारे पास होना चाहिए आत्मा की सुंदरता, मन की बुद्धि, विचार की पवित्रता और कार्रवाई, उन सभी के लिए प्यार जो जीवित हैं, चलते हैं या जिनके पास है, और सत्य के सभी विविध रूपों में तीव्र इच्छा।

बुद्धिमत्ता,प्रेम और सत्य–सभी चीजों को संकुचित किया जा सकता है वो तीन शब्द। इनके विपरीत हैं अज्ञान, घृणा और झूठ या त्रुटि। यदि कोई आत्मा, या नश्वर, नहीं होगा ज्ञान की तलाश करो, उसे अज्ञानी रहना चाहिए; अगर यह नहीं होगा प्यार को सजाओ यह निश्चित रूप से नफरत करेगा; और अगर इसकी परवाह नहीं हैसच यह झूठा और छल होगा। हमारे यहाँ यह सब है जैसा कि आप पृथ्वी पर करते हैं। एक आदमी जो यहाँ अज्ञानता में आता है अभी भी अनजान है। अगर वह नफरत से भरा है, तो वह अभी भी नफरत करता है।

अगर वह झूठा साबित हुआ है, तो भी वह झूठा है। अगर एक कामुकतावादी,वह अभी भी कामुक है; और इसलिए से संबंधित प्रत्येक संकाय के आत्मा।अब आप नहीं देख सकते कि हमारे पास करने के लिए पर्याप्त है, कि कोई भी दण्ड मुक्ति के साथ आलस्य में नहीं रह सकता है? मुझे लगता है कि यहां हमारे कुछ प्रतिष्ठानों का विवरण रुचिकर होगा आप, जैसा कि मुझे आशा है कि मैंने उस प्रश्न को सुलझा लिया है जो हमारे पास है वह सब जो इन पत्रों में वर्णित है। मेरे पास पहले से ही है सीखने के एक हॉल का वर्णन किया जिसमें मैंने यीशु की बात सुनीनासरत और अन्य, जेल में आत्माओं को पढ़ाते हुए।

मैं अपने घर के बारे में भी बताया और दूसरे स्वर्गदूतों ने भी बहुत अधिक सुंदर वाले–कि बहुतों की सुंदरता मंदिर और घर कल्पना से भी परे हैं पुरुष या महिला का, और यह कि घरों के अनुरूप हैआत्माएं जो उन्हें बनाती और निवास करती हैं। इन सब में मेरे पास आपको सच बताया। प्रत्येक बुद्धिमान देवदूत का घर है आमतौर पर उस परी द्वारा बनाया गया। कभी-कभी, दोस्त जोपरी से प्यार करो, सुझाव से थोड़ी ज्यादा मदद करो अन्यथा; लेकिन हमारे स्कूल और मंदिर, हॉल, और बहुत कुछ,कंपनियों, या

स्वर्गदूतों के बैंड, सभी काम कर रहे हैं इस उद्देश्य के लिए एक साथ, इस तरह के शानदार, चमकदार होने तक इमारतें हमें आश्चर्य से भरने के लिए हमारे सामने खड़ी हैं और विस्मय पृथ्वी के पास ऐसा कुछ भी नहीं है जो उनकी तुलना कर सके।

हीरे और सभी से बनी एक भव्य इमारत के बारे में सोचें कीमती पत्थरों के तरीके, त्येक एक गहरी आध्यात्मिक धारण करते हैं अर्थ। अब कल्पना कीजिए कि कई महानतम
आर्किटेक्ट्स जो कभी पृथ्वी पर रहते हैं और जिनके पास है स्वर्ग के भीतर लंबे समय तक स्वर्गदूत रहे दुनिया ने अपनी कला में संगत रूप से जोड़ा, जोड़ा खुद एक साथ इस खूबसूरत इमारत की योजना बनाने के लिए, और फिर स्वर्गदूतों का एक बड़ा दल उसे खड़ा करने के लिए एक साथ काम कर रहा है।

यह VOU को हमारे भवनों और कैसे . का एक अस्पष्ट विचार देगाहम निर्माण करते हैं। इनमें से कुछ खूबसूरत हॉल इस उद्देश्य के लिए हैं रसायन विज्ञान पढ़ाने का, जो हमारे साथ एक भव्य अध्ययन है;

दूसरों की तुलना आपके चर्चों से की जा सकती है, दुर्व्यवहार करने के लिए धार्मिक हठधर्मिता से नवजात आत्माओं का मन और त्रुटियां; संगीत के लिए अन्य; कला के लिए अन्य इसके सभी विभिन्न रूप; लेकिन यहाँ कोई जेल नहीं है, कोई प्रायश्चित नहीं है, नहीं कोर्ट-हाउस, कोई सरकारी अधिकारी नहीं, कोई पुलिसकर्मी नहीं पुलिस अदालत। अस्पतालों में हमारे पास बीमारों के लिए बहुत कुछ है,अज्ञानी और निराश आत्माएं जो यहां आती हैं। हमारा एक शातिर, अज्ञानी, भ्रष्ट सिखाना महान उद्देश्य आत्म ज्ञान, प्रेम और सच्चाई; उन्हें दंडित करने के लिए नहीं उल्लंघन करना;

**क्योंकि प्राकृतिक कानून कर रहा है, और किया है, कि पहले से; लेकिन उन्हें उनकी खराब स्थिति से बाहर निकालने के लिए।**

**हमारा मिशन जितनी जल्दी हो सके सभी गलतियों को ठीक करना है संभव के। अब हम बस इधर-उधर तैरकर यह सब नहीं कर सकते थे परिवेश ईथर में, घरों या रहने के स्थानों के बिना, मंदिर और हॉल, या किसी भी प्रकार की वस्तुओं को छोड़कर कल्पना।**

**कई अध्यात्मवादी वास्तव में . की तुलना में अधिक असंगत हैं रूढ़िवादी, क्योंकि रूढ़िवादी के पास मोती के साथ स्वर्ग है द्वारः, और सुनहरी सड़कें, सिंहासन, वीणाएँ, क्रॉस, वस्त्र और बाकी सब सच में, इनमें से बहुत कुछ सच है–एक में सच है**

**भाव–क्योंकि वे देखने, जीने और आनंद लेने की वस्तुएं हैं।मेरी पहली पत्नी की आत्मा द्वारा लिखी गई पुस्तक में, कहा जाता है"मैरी एन कैरव" - जो वास्तव में उसका पहला नाम था-आध्यात्मिक जीवन, बाल जीवन के साथ, विस्तार से दर्ज किया गया है और बड़ी लंबाई में।**

**पुस्तक में चार से अधिक शामिल हैं सौ पृष्ठ, पूरी तरह से उस आत्मा द्वारा लिखे गए थे जो था मेरे बेटे कार्लाइल की माँ, आत्मिक जीवन में जा रही है जब वह केवल तीन वर्ष का था। के लिए असंभव होगा मुझे, इन पत्रों में, बहुत कुछ देने के लिए जैसा कि में दिया गया है वह किताब, इसके अलावा, मैं उतना दिलचस्प नहीं लिख सकता जितना सुंदर महिला कर सकते हैं। जाओ उस किताब को खरीदो, खासकर जिन माताओं के छोटे बच्चे हैं। किताब कर सकते हैंएक के लिए प्रगतिशील विचारक के कार्यालय में होना चाहिए डॉलर। आप कभी भी डॉलर वापस नहीं चाहेंगे।**

मैं चुप हूं उस पर यकीन है। हम इन पत्रों के साथ आगे बढ़ने का इरादा रखते हैं, हमने जितना किया है, उससे अधिक विशेष रूप से विवरण में प्रवेश करने के लिए अब तक, यह अभी भी होगा, लेकिन तुलना में झलकियाँ किताबें जो हमने अपने माध्यम से लिखी हैं,इससे पहले कि हम ऐसी झलक भी दे पाते, हम रास्ता तैयार करने के लिए बाध्य किया गया है, अन्यथा कोई नहीं कर सकता हैन्हें समझ सकते हैं, खासकर उन गूढ़ दार्शनिकों को जो सोचते हैं कि हम केवल ईथर में तैरते हैं, बिना चार्ट, पतवार या कम्पास। फिर भी, हमें इसकी उम्मीद नहीं है जो हमें कहना होगा वे उस पर विश्वास करेंगे, क्योंकि हम नहीं कर सकते हैं किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध समझाने की आशा।

मेरी प्यारी पत्नी, हेलेना, और मैं बाहर घूम रहा हूँ,लेकिन हम माध्यम को नियंत्रित करने के लिए समय पर लौट आए यह पत्र लिखो, और मुझे ऐसा लगता है कि हमने जो अनुभव किया है हमारे चलने में विश्वास करने वालों की दिलचस्पी कम नहीं हो सकती
हम बता रहे हैं. सच, और हमारे अगले पत्र में आप इसके बारे में सब सुनेंगे।

***

"अपने गाइड से पूछें कि क्या हम स्वर्ग में फिर से मिले हैं वह स्त्री जिसे हम पृथ्वी पर प्यार करते थे, हमेशा नहीं; हम फिर से एक हो गए हैं उस स्त्री के लिए जो हमारी अपनी छवि के अनुसार बनाई गई थी,हमारे जैसा ही स्नेह, चाहत और स्वाद है।"

-

”इससे मैं क्या समझूं? पृथ्वी की पत्नी में स्वर्ग की पत्नी मत बनो।” ”नहीं, स्वर्ग में, जैसा मैंने कहा है”आप, हम न तो अलग हो सकते हैं और न ही प्रत्येक से कुछ छिपा सकते हैं अन्य; हर कोई आपके दिल में पढ़ सकता है और आपकी असलियत जान सकता है स्नेह ; पृथ्वी पर यह बहुत अलग है, भौतिक शरीर छुपाता है आत्मा के दोष; हम एक पारस्परिक के अस्तित्व की कल्पना करते हैं एहसास, हम मिलते हैं; लेकिन जैसे ही हमारे स्थूल जुनून होते हैं संतुष्ट, सीधे शरीर को अब कोई आवश्यकता नहीं है, हम फिर से शुरू करते हैं अभिनय, सोच की स्वतंत्रता; हम अब अलग नहीं होते हैं, और समझते हैं कि हम एक दूसरे से सबसे दूर रहें।

जैसा हर कोई उसके साथ अपने सांसारिक स्नेह को स्वर्ग में ले जाता है, जैसे
हम उनकी बलि किसी को नहीं दे सकते, बल्कि उस पर इसके विपरीत, उन्हें संतुष्ट करना चाहिए, हम अब एक दूसरे की तलाश नहीं करते हैंआपसी झुंझलाहट को जन्म दें, लेकिन हमारे आनंद को बढ़ाने के लिए; फिर वह स्त्री जिसके साथ आप पृथ्वी पर रह चुके हैं, वह नहीं है जो आप हैं चुंबकत्व के माध्यम से पता चला।इच्छा कर सकता है, भगवान आपको एक और प्रदान करता है जो आधा है स्वयं।”–उस आदमी को नर और मादा बनाया गया था।

क्या यह हो सकता है कि एक भौतिक शरीर में दो शरीर होते हैं जो मृत्यु के समय खुद को दोहराते हैं”नहीं, ऐसा नहीं है कि पुरुष ने नर और मादा को बनाया है, लेकिन नहीं उभयलिंगी, न ही दो शरीर एक दूसरे में, जैसा कि आप कहते हैं, लेकिन अलग-अलग,
यानी वह दोहरा जन्म लेता है और अलग रहता है। प्रत्येक स्वर्ग में उसका पूरक उसकी प्रतीक्षा कर रहा है।”-” मैं नहीं इस स्पष्टीकरण को समझें।” ”मैं आपको बताता हूं कि हर प्राणी जो पैदा हुआ है वह दोहरा है, चाहे वह पुरुष हो या महिला; कि हम मिलें

**एक दूसरे को स्वर्ग में भले ही हम मिले न हों पृथ्वी।”–•* फिर, तुम्हारे अनुसार, पृथ्वी पर हम विच्छिन्न हैं”हाँ, आपको समझाने के लिए बेहतर है, मेरा मार्गदर्शक प्रस्तुत करता है मुझे एक तस्वीर दिखा रही है जिस तरह से यह किया जाता है।**

**मैं अपने सामने कई महिलाओं को देखता हूं, जिनमें से पहली महिला दुनिया में एक ऐसा लड़का लाता है जो तुरंत खुद को दोगुना कर लेता है,मुझे एक छोटी लड़की को देखने में सक्षम बनाता है, जो उससे मिलती-जुलती है उसे सब में, और वह दूसरे के शरीर में एक रोगाणु की तरह प्रवेश करती है औरत को वहां पाले जाने और उसकी संपूर्णता में जीवन पाने के लिए।यह छोटी बच्ची होगी इनकी पूरक या पत्नी छोटा**

**लड़का जिससे उसने जारी किया, और जिसे वह पसंद करेगीउसके छोटे जुड़वां भाई के लिए ले लो; वे एक दूसरे में फिर से जुड़ेंगे स्वर्ग, चाहे वे किसी भी समय और किस स्थान पर हो पैदा हुआ, क्योंकि मेरा गाइड मुझे बताता है कि छोटी लड़की जो है छोटे लड़के का आधा, आदेश और इच्छा के अनुसार हो सकता है भगवान, उचित उत्तराधिकार में न पैदा हो और न ही उसी देश में,फिर भी इस सब के लिए वे फिर उसी समय स्वर्ग में मिलते हैं;**

**लेकिन, हालांकि वह एक अलग अवधि में पैदा हुई है, फिर भी,उसे पूरा करने के लिए उसके आधे हिस्से में फिर से शामिल हों, और उसके साथ एक संघ में रहेंपवित्र के रूप में शुद्ध; जब यह दूसरी छमाही एक ही प्रक्रिया में पैदा होती है नवीनीकृत किया जाएगा, और लड़की से एक लड़का जारी करेगा, जो हो सकता है.**

**पूरा नहीं किया जाएगा जब तक कि उसमें से आधे मुद्दे न हों तरीके से, जो एक छोटी लड़की होगी, और इसी तरह एड इनफिनिटमअब आपको समझ में आता है ? मैं**

**आपको यहां रहस्य समझाता हूं पृथ्वी पर हमारे प्रकट होने के बारे में जो आप पर प्रकट हुआ है।" -" मैं"जी शुक्रिया ; यदि ऐसा है, तो ईश्वर असीम रूप से अच्छा है!" "क्या आप कर सकते हैं"अपनी दयनीय स्थिति में भगवान की भलाई को समझेंअज्ञान ? ऐसे रहस्य के बारे में विद्वान क्या कहेंगे,जो उन्हें एक प्रणाली के लिए लेना चाहिए, जिन्होंने गठन किया है,और बनते रहेंगे, इतने सारे, अगर वे मानते हैं, मेरी तरह,**

**कि कोई सरल सरल एकता संभव नहीं है, कि सब कुछ जोड़े में है; से प्रत्येक अनंत की वस्तु के दो भाग होते हैं, दो भुजाएँ, का मिलन दोनों का सुख है, उनका वियोग दुख है।"**

-

**"इस प्रकार आप मानते हैं कि हर चीज का आधा हिस्सा दोगुना हो गया है,विज्ञापन infinitum "हाँ।" - "आप मानते हैं कि पहलाआधा फिर से जुड़ता है या दूसरे की प्रतीक्षा करता है "हाँ।" - "वह कबवे स्वर्ग में मिलते हैं उनकी खुशी वास्तविक है, और उनका मिलन शाश्वत "?" "हाँ; मुझे न तो विश्वास करना चाहिए था और न ही विश्वास करना चाहिए था यह मेरी सामान्य स्थिति में है, क्योंकि यह एक सत्य है, और स्वीकार करें**

**केवल त्रुटियाँ।"**

**यहाँ एक रहस्योद्घाटन है जिसे मैं अपने साथ नहीं रख पा रहा है प्रतिबिंब ; यदि सत्य नहीं है, तो यह कम से कम सांत्वना दायक है।**

***

**मृत्यु-बिस्तर दर्शन  या मृत्यु का पूर्वाभास**

भौतिक घटनाओं का यह वर्ग-कथित दर्शन जो कई मर रहे हैं व्यक्तियों के मृत मित्र हैं, जिनमें से कुछ अज्ञात की मृत्यु हो गई है उनके लिए - सबसे अधिक ध्यान देने योग्य है, और ऐसे मामले,यदि तथ्यों के रूप में पर्याप्त रूप से प्रमाणित है, तो इसका जबरदस्त वैज्ञानिक मूल्य है।

यह मान लेना स्वाभाविक होगा कि मृत्यु का संकट अक्सर उपस्थित होता है
सभी प्रकार के मतिभ्रम से और इस तरह खारिज किया जा सकता है, लेकिन जब
हम
पता चलता है कि मरने वाले व्यक्ति अलौकिक जानकारी प्रदान करते हैं जो नहीं कर सकते टेलीपैथी या संयोग-संयोग के कारण, यह स्पष्ट है कि इस तथ्य का एक विशेष महत्व है, जो इसे सबसे मजबूत समर्थन देता है शारीरिक मृत्यु के बाद मानव व्यक्तित्व के जीवित रहने का सिद्धांत।

खेद है कि यह दुर्लभतम प्रकार की घटना है, लेकिन इसके मामले इस प्रकृति को ऑर्डर करने के लिए उत्पादित नहीं किया जा सकता है; हम केवल उन्हें कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर सकते हैं जब वे होते हैं। निःसंदेह असंख्य प्रसंग रखे हुए हैं पारिवारिक मंडलियों में छिपा हुआ है जिसे कभी प्रकट नहीं किया गया है; हर कोई करता है
इस तरह की पवित्र चीजों को एक ठंडी और संदेहपूर्ण दुनिया में प्रदर्शित करने में जल्दबाजी न करें, नहीं सत्य के कारण में भी। प्रोफेसर चार्ल्स रिचेट, जिन्होंने इसका विरोध किया उत्तरजीविता सिद्धांत लगभग अपने दिनों के अंत तक, ने कहा कि

**जब . के मामले मृत्यु-शय्या दर्शन, विशेष रूप से जब एक छोटा बच्चा शामिल था, आया था**
**उसकी सूचना, वह अस्तित्व से इनकार करने में असहज महसूस करता था। उसने सोचा कि यह मानसिक अनुसंधान के विशाल क्षेत्र में शुद्धतम प्रकार की घटना।**

**डेरेन में द पीआ में मिस फ्रांसेस पावर कोबे ने अच्छी तरह से वर्णित मामलों का वर्णन किया जब मृत मित्र नए आगमन का स्वागत करने आए:**
**"मृत व्यक्ति चुपचाप लेटा होता है, जब अचानक, उसी के कार्य में समाप्त होने पर, वह ऊपर देखता है–कभी-कभी बिस्तर पर शुरू होता है–और क्या देखता है कभी-कभी विस्मय की अभिव्यक्ति के साथ, रिक्ति प्रतीत होती हैआनंद में विकसित हो रहा है,**

**और कभी-कभी पहली भावना में कम हो जाता है गंभीर आश्चर्य और विस्मय। अगर मरने वाले को पूरी तरह से कुछ देखना था अप्रत्याशित लेकिन तुरंत पहचानी गई दृष्टि, जिससे उसे बहुत आश्चर्य हुआया उल्लासपूर्ण आनंद, उसका चेहरा इस तथ्य को बेहतर ढंग से प्रकट नहीं कर सकता था।**

**यह घटना घटित होती है, मृत्यु वास्तव में हो रही है, और आंखें चमक उठती हैं**
**यहां तक कि जब वे अज्ञात दृष्टि से देखते हैं।"मृत्यु-शय्या दर्शन की एक जिज्ञासु विशेषता को ध्यान में रखा जाना चाहिए, और यानी मरने वाले तो सिर्फ उन्हीं को देखने का दावा करते हैं जो उनसे पहले मर चुके हैं,जबकि, यदि मतिभ्रम काम कर रहा था, तो वह यह भी सोच सकता है कि वह देखा कि कोई व्यक्ति अभी भी जीवित है लेकिन कमरे से अनुपस्थित है। हम शायद ही कभी सुनते हैं इस घटना के.कभी-**

**कभी इस प्रकृति की मृत्यु शय्या का साक्षी होना ही पर्याप्त होता है अस्तित्व के संदेह को समझाने के लिए; इसके एक उदाहरण का प्रदर्शन प्राकृतिक मानसिक घटना सभी पुराने मामलों के लायक है-हालांकि–अच्छी तरह से प्रमाणित - दुनिया में।**

**एडवर्ड केस**

**इस मामले की पुष्टि श्री हेंसले वेजवुड ने की, जिन्होंने योगदान दिया यह कई साल पहले द स्पेक्टेटर को:**

**"एक युवा लड़की, जो मेरी करीबी थी, खाने के कारण मर रही थी और वह कुछ दिनों तक बिना किसी सूचना के साष्टांग अवस्था में लेटी रही थी कुछ भी, जब उसने अपनी आँखें खोली और ऊपर की ओर देखा, धीरे से कहा,'सुसान और जेन और एलेन', मानो तीन बहनों की उपस्थिति को पहचान रहे हों जिनकी पहले भी इसी बीमारी से मौत हुई थी।**

**"फिर एक छोटे से विराम के बाद उसने कहा, 'और एडवर्ड भी,' नामकरण भाई को तो भारत में स्वस्थ और जीवित होना चाहिए था, मानो आश्चर्य हुआ होउसे कंपनी में देखकर। उसने और नहीं कहा और कुछ ही देर बाद डूब गई।**

**"डाक के क्रम में भारत से पत्र प्राप्त हुए जिसमें कहा गया था कि एक या दो सप्ताह में एक दुर्घटना के परिणामस्वरूप एडवर्ड की मृत्यु हो गई थी इंग्लैंड में अपनी बहन की मृत्यु से पहले।**

"यह घटना मेरे साथ एक बड़ी बहन से संबंधित थी, जिसने उसकी देखभाल की थी मरने वाली लड़की, और प्रकट होने के समय बिस्तर पर मौजूद थी दृष्टि।"

## जूलिया केस

निम्नलिखित खाते के लेखक कर्नल बी, एक प्रसिद्ध आयरिश हैंजेंडेमैन वह बताते हैं कि उनकी पत्नी ने अपनी बेटियों के साथ गाने के लिए सगाई की 1 लॉज, सर ओलिवर, द सर्वाइवल ऑफ मैन (न्यूयॉर्क: जॉर्ज एच. डोरान कंपनी), 148.एक मिस एक्स, जो एक सार्वजनिक गायिका के रूप में प्रशिक्षण ले रही थी, लेकिन आखिरकार किसने किया
श्री जेड से शादी करने के बाद, उस क्षमता में बाहर नहीं आया।

छह या सात साल बाद श्रीमती बी, जो मर रही थीं, में बोली आवाज के अपने पति की उपस्थिति में उसने गाना सुना, यह कहते हुए कि उसके पास था उस दिन उन्हें कई बार सुना और कि उनमें से एक आवाज थी उन्हें वह जानती थी, लेकिन याद नहीं कर सकती थी कि वह किसकी आवाज थी।

"अचानक वह रुक गई और मेरे सिर की ओर इशारा करते हुए कहा," कर्नल कहते हैं बी।, "'क्यों, वह कमरे के कोने में है; यह जूलिया एक्स है। वह है आगामी; वह तुम्हारे ऊपर झुक रही है; उसके हाथ ऊपर है; वह प्रार्थना कर रही है।

देखो; वह जा रही है।' मैं मुड़ा लेकिन कुछ नहीं देख सका। श्रीमती बी ने तब कहा,

'वह चली गई है।' ये सब बातें [गायन का श्रवण और दर्शन गायकों] मैंने एक मरते हुए व्यक्ति की कल्पनाओं की कल्पना की।

"दो दिन बाद, द टाइम्स को लेते हुए, मैंने देखा कि मृत्यु दर्ज की गई है
श्री जेड की पत्नी जूलिया जेड की मैं इतनी चकित थी कि एक या एक दिन में

अंतिम संस्कार के बाद मैं ऊपर गया और मिस्टर एक्स से पूछा कि क्या मिसेज जेड, उनकी बेटी मर चुकी थी। उन्होंने कहा, 'हां, बेचारी, वह प्रसवपूर्व बुखार से मर गई। जिस दिन उसकी मृत्यु हुई, उस दिन वह प्रातः गाने लगी, और गाने लगी और तब तक गाया जब तक वह मर नहीं गई।'"

एस्प्ले केस

यह मामला एसपीआर को एक पत्र में दिया गया था। एडमंड गुर्नी द्वारा और फ्रेडरिक डब्ल्यू. एच. मायर्स, जिनके पास रेव. सी. जे. टेलर से था, जिन्होंनेटर्न ने इसे सीधे कथावाचक, एच के विकर से प्राप्त किया, जिसने कामना की गुमनाम रहने के लिए:

"२ और ३ नवंबर, १८७० को, मैंने अपने दो सबसे बड़े लड़कों, डेविड एडवर्ड को खो दिया
और हैरी, स्कार्लेट ज्वर से, वे तीन और चार वर्ष के हैं क्रमशः।"हैरी की मृत्यु 2 नवंबर को एबॉट के लैंगली में हुई, चौदह मील डिस्प्ले में मेरे विकरेज से, डेविड अगले दिन एस्प्ले में। तकरीबन बाद वाले बच्चे की मृत्यु के एक घंटे पहले, वह बिस्तर पर बैठ गया, और इशारा किया बिस्तर के नीचे तक स्पष्ट रूप से कहा, 'थोड़ा हैरी बुला रहा है'

मेरे लिए।' इस तथ्य की सच्चाई के बारे में मुझे यकीन है, और यह भी सुना गया था नर्स"(हस्ताक्षरित) एक्स जेड, एच के विकार।"

श्री टेलर के साथ पत्रों और बातचीत में फ्रैंक पोडमोर ने प्राप्त किया निम्नलिखित विवरण: "श्री ज़ेड (विकार) मुझे बताते हैं कि बहुत देखभाल थी डेविड को यह जानने से रोकने के लिए लिया गया कि हैरी मर चुका है, और वह यकीन है कि डेविड को यह नहीं पता था। श्री जेड स्वयं उपस्थित थे और सुना है लड़के ने क्या कहा। उस समय लड़का पागल नहीं था।"

## द ओगल केस

"मेरे भाई, जॉन एल्किन ओगल, का 17 जुलाई, 1879 को लीड्स में निधन हो गया। एक के बारे में अपनी मृत्यु से एक घंटे पहले उसने अपने भाई को देखा, जिसकी मृत्यु लगभग सोलह थी साल पहले, और निश्चित ब्याज के साथ देखते हुए कहा, 'जो! जो!'

तथा तुरंत उत्साही आश्चर्य के साथ कहा, 'जॉर्ज हैनली!'"मेरी माँ, जो मेलबर्न से आई थी, लगभग चालीस की दूरी पर"मील, जहां जॉर्ज हैनली रहते थे, इस पर चकित थे, और मुड़ रहे थे मेरी भाभी से पूछा कि क्या किसी ने जॉन को जॉर्ज हैनली के बारे में बताया है मौत। उसने कहा, 'कोई नहीं,' और केवल मेरी माँ ही उपस्थित थी जो तथ्य से अवगत था। मैं उपस्थित था और यह देखा।
"(हस्ताक्षरित) हेरिएट एच। ओगल।"

**पूछताछ के जवाब में मिस ओगल ने कहा:"जॉन ए ओगले न तो भ्रमित थे और न ही बेहोश थे जब उन्होंने कहा था रिकॉर्ड किए गए शब्द। जॉर्ज हैनली जॉन ए के परिचित थे।ओगल, कोई खास, परिचित दोस्त नहीं। हैनली की मृत्यु नहीं थीउनकी सुनवाई में उल्लेख किया गया है।"**

**प्रिसिला केस**

**वेल्स के डीन डॉ. ई. एच. प्लम्ट्री ने इस मामले को The . को अग्रेषित किया स्पेक्टेटर, जिसने इसे 26 अगस्त, 1882 को प्रकाशित किया:**

**"हमारे देश के सबसे प्रमुख विचारकों और धर्मशास्त्रियों में से एक की माँ"अप्रैल १८५४ में समय उसकी मृत्यु शय्या पर पड़ा था लगभग पूर्ण बेहोशी की स्थिति में कुछ दिन। थोडा समय उसकी मृत्यु से पहले, उसके होठों से निम्नलिखित शब्द आए, 'वहाँ वे'**

**हैं, वे सभी–विलियम, एलिजाबेथ, एम्मा और ऐनी।' फिर एक के बाद विराम दें, उसने आगे कहा, 'और प्रिसिला भी।'**

**"विलियम एक बेटा था जो बचपन में ही मर गया था, और जिसका नाम था whose कभी बरसों तक माँ के होठ नहीं गए। प्रिसिला की मृत्यु दो दिन हो गई थी पहले, लेकिन उसकी मृत्यु, हालांकि परिवार को ज्ञात थी, की सूचना नहीं दी गई थी इसके लिए।"**

**एफ केस**

**"F की मौत की सूचना बोस्टन के मॉर्निंग पेपर में थी और मैं (डॉ.रिचर्ड हॉजसन) ने इसे मेरे बैठने के रास्ते में देखा। सबसे पहला लेखन मैडम एलिसा से आया, मेरी अपेक्षा के बिना। उसने लिखा स्पष्ट रूप से और दृढ़ता से, यह समझाते हुए कि F उसके साथ था लेकिन असमर्थ था सीधे तौर पर बात करने के लिए, कि वह मुझे इस बात का हिसाब देना चाहती थी कि उसके पास कैसा थाF को उस तक पहुँचने में मदद की।**

**"उसने कहा कि वह उसकी मृत्यु-शय्या पर उपस्थित थी और बोली थी उसे; और उसने वही दोहराया जो उसने कहा था, अभिव्यक्ति का एक असामान्य रूप,और संकेत दिया कि उसने उसे सुना और पहचान लिया था।**

**"इस बात की विस्तार से पुष्टि उस समय संभव एकमात्र तरीके से की गई थी, मैडम एलिसा और मेरे एक बहुत ही घनिष्ठ मित्र द्वारा, और उनके द्वारा भी एफ के निकटतम जीवित रिश्तेदार।**

**"मैंने अपने मित्र को बैठने का लेखा-जोखा दिखाया, और इस मित्र को,एक या दो दिन बाद, मृत्युशय्या पर मौजूद रिश्तेदार ने कहाअनायास कि एफ ने मरते समय कहा कि उसने मैडम एलिसा को देखा जो उस से बातें कर रहा था, और उसने वही दोहराया जो वह कह रही थी।"अभिव्यक्ति इतनी दोहराई गई, जिसे रिश्तेदार ने मेरे दोस्त को उद्धृत किया,जो मुझे मैडम एलिसा से मिसेज पाइपर के माध्यम से मिला था ट्रान्स,**

2 जब मृत्युशय्या घटना निश्चित रूप से पूरी तरह से अज्ञात थी मेरे लिए।"

**जेनी केस**

यह डॉ मिनोट जे के अधिकार पर एक अच्छी तरह से प्रमाणित मामला है।सैवेज, जो संबंधित गवाहों के नाम और पते जानते थे:

1 कार्यवाही, एस.पी.आर., XIII, 378, फुटनोट।

2 एक प्रसिद्ध अमेरिकी माध्यम।

3 जर्नल, ए.एस.पी.आर. (जनवरी, १९०७), ५0.85

"एक पड़ोसी शहर में दो छोटी लड़कियां थीं, जेनी और एडिथ, एक के बारे में आठ साल की और दूसरी थोड़ी बड़ी। वे सहपाठी थे और अंतरंग मित्र। जून, 1889 में दोनों डिप्थीरिया से बीमार पड़ गए। पर बुधवार दोपहर जेनी की मौत हो गई। फिर एडिथ के माता-पिता, और उसके चिकित्सक ने भी, इस तथ्य से बचने के लिए विशेष कष्ट उठाया कि उसे छोटा साथी चला गया था। उन्हें ज्ञान के प्रभाव का डर था उसकी अपनी हालत। यह साबित करने के लिए कि वे सफल हुए और उसने नहीं किया जानते हैं, उल्लेखनीय है कि शनिवार, 8 जून को दोपहर में जैसे ही वह उसके बारे में जो कुछ भी हो रहा था, उससे बेहोश हो गई, उसने दो का चयन कियाजेनी को भेजी जाने वाली उसकी तस्वीरों के बारे में, और अपने परिचारकों से भी कहा था उसे अलविदा कहो।

"शनिवार, 8 जून की शाम साढ़े छह बजे उसकी मृत्यु हो गई। उसके पास था

अपने दोस्तों को जगाया और अलविदा कहा, और मरने वाले व्यक्तियों की बात कर रहा था और ऐसा लग रहा था कि कोई डर नहीं है। वह एक और दूसरे को देखती दिखाई दी वह जिन दोस्तों को जानती थी, वे मर चुके थे। अब तक यह आम मामलों की तरह ही था।

लेकिन अब अचानक, और हर आश्चर्य के साथ, वह मुड़ गई अपने पिता को और कहा, 'क्यों, पापा, मैं जेनी को साथ ले जा रहा हूँ मैं!' फिर उसने कहा, 'क्यों पापा! क्यों पापा! आपने मुझे यह नहीं बताया जेनी यहाँ थी!' और तुरंत ही उसने अपनी बाहें फैला दीं मानो अंदर स्वागत है, और कहा, 'ओह, जेनी, मुझे बहुत खुशी है कि तुम यहाँ हो।'"

## नोटरी केस

सख्त अर्थ में, यह मामला इस अध्याय में श्रेणी से बाहर है, लेकिन चूंकि यह एक बच्चे के मृत्यु-शय्या से संबंधित है, यह प्रेत के कारण दिया गया है तीन साल की उम्र की एक लड़की को प्रत्यक्षदर्शी ने देखा। यह Signor . द्वारा रिपोर्ट किया गया थापेलुसी, रोम में विक्टर इमैनुएल लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन, और प्रकाशित लूस ई ओम्ब्रा में, १९२०:

"तीन साल की एक छोटी लड़की, हिप्पोलीटे नोटारी, आंशिक रूप से लकवाग्रस्त, में थी
उसके चार महीने के छोटे भाई के साथ एक ही कमरा, जो मर रहा था।

दोनों बच्चों के पिता, मां और दादी मौजूद थे। तकरीबन शिशु की मृत्यु से पन्द्रह मिनट पहले, नन्हा हिप्पोलाइट फैला हुआ था अपनी बाहों को बाहर निकालते हुए कहा, 'देखो, माँ, चाची ओल्गा।' यह चाची ओल्गा थी aमां की छोटी बहन, जिसने एक साल पहले की थी खुदकुशीप्यार में निराशा के कारण। माता-पिता ने पूछा, 'कहां देखते हो?

आंटी ओल्गा?' बच्चे ने उत्तर दिया, 'वहाँ, वहाँ!' और जिद करने की कोशिश की अपनी चाची के पास जाने के लिए बिस्तर से उठो। उन्होंने उसे उठने दिया, वह भाग कर खाली हो गई कुर्सी, और बहुत छूट दी गई थी क्योंकि दृष्टि स्थानांतरित हो गई थी
कमरे का दूसरा हिस्सा।

"बच्चा मुड़ा और उसने एक कोने की ओर इशारा करते हुए कहा, 'आंटी ओल्गा' है।' फिर वह चुप हो गई और बच्चा मर गया।"मामला संख्या। 46

## मूर केस

यह माना जाता है कि इस मामले में कोई सबूत नहीं है, लेकिन डॉ विल्सन न्यूयॉर्क शहर के, जिन्होंने इस मृत्यु-शय्या दृश्य को देखा, ने घोषित किया कि यह एक था इस तरह के सबसे खूबसूरत उदाहरणों में से वह कभी भी जाना जाता था।

मिस्टर जेम्स मूर, एक प्रसिद्ध अमेरिकी टेनर, मर रहे थे, और डॉ. विल्सन, जिस कमरे में मृत्यु हुई, उस कमरे में होने का वर्णन किया गया घटना इस प्रकार है:

"फिर कुछ ऐसा हुआ जिसे मैं अपने मरने के दिन कभी नहीं भूल सकता,कुछ ऐसा जो पूरी तरह से अवर्णनीय है। जबकि वह पूरी तरह से दिखाई दिए किसी भी आदमी के रूप में तर्कसंगत और समझदार जैसा मैंने कभी देखा है, एकमात्र तरीका जो मैं कर सकता हूं यह व्यक्त करना कि उसे दूसरी दुनिया में ले जाया गया था; और हालांकि मैंमैं इस मामले को अपने आप को संतोषजनक ढंग से नहीं समझा सकता, मुझे पूरा विश्वास है किउसने स्वर्ण नगर में प्रवेश किया था–क्योंकि उसने अपने से अधिक शक्तिशाली स्वर में कहा था जब से मैंने उसमें भाग लिया था, तब से इस्तेमाल किया था, 'माँ है।

क्यों, माँ, है तुम मुझसे मिलने आए हो? नहीं, नहीं, मैं तुमसे मिलने आ रहा हूं। बस को, माँ,मैं लगभग खत्म हो गया हूँ। मैं इसे कूद सकता हूँ। रुको, माँ।' उसके चेहरे पर एक था अकथनीय खुशी की नज़र, और जिस तरह से उन्होंने शब्दों को कहा मुझे उतना प्रभावित किया जितना मैंने पहले कभी नहीं किया, और मैं उतना ही आश्वस्त हूं कि उस ने अपनी माता को वैसे ही देखा और बातें कीं, जैसे मैं यहां बैठा हूं।

मेरी राय में उसकी मां के साथ उसकी बातचीत को संरक्षित करने के लिए और मेरे वन की सबसे अजीब घटना का रिकॉर्ड रखने के लिए, मैं तुरंत उनके कहे हर शब्द को लिख दिया। यह सबसे खूबसूरत में से एक था मौतें मैंने कभी देखी हैं।"
पहली बार लाइट में प्रकाशित हुआ।

**अदमीना केस**

**सितंबर, १९२४ के अपने अंक में, द रिव्यू वर्डेंड ए लूज़ ऑफ़ सानूपाओलो ने उस हड़ताली घटना पर टिप्पणी की है जिसमें मरने वाले एडमिनालज़ारे नायिका थीं। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले, रोगी ने अपने पिता से कहा कि वह बिस्तर के पास देखा परिवार के कई सदस्य, सभी मरे कुछ साल पहले। पिता ने इस घोषणा को चरम सीमा में एक राज्य के लिए जिम्मेदार ठहराया प्रलाप, लेकिन एडमिना ने नए सिरे से जोर दिया, और बीच में अदृश्य ”आगंतुकों” ने अपने भाई का नाम अल्फ्रेडो रखा, जो employed में कार्यरत था समय ४२३ किलोमीटर की दूरी पर, के बंदरगाह के प्रकाशस्तंभ पर सिसल।**

**पिता im के काल्पनिक स्वभाव के प्रति अधिक आश्वस्त होते जा रहे थेये दर्शन, यह जानते हुए कि उनका बेटा अल्फ्रेडो पूर्ण स्वास्थ्य में था,कुछ दिनों पहले उसने अपने बारे में सबसे अच्छी खबर भेजी थी।**

**उसी शाम अदमीना की मृत्यु हो गई, और अगली सुबह उसके पिता एक टेलीग्राम प्राप्त किया जिसमें उन्हें युवा अल्फ्रेडो की मृत्यु की सूचना दी गई।मरने वाली लड़की अभी भी अपने भाई की मृत्यु के समय जीवित थी।**

**मूडी केस**

**प्रसिद्ध अमेरिकी उपदेशक डी एल मूडी के रूप में, 1899 में मृत्यु हो गई,उसे अपने अंतिम दिन चिल्लाते हुए सुना गया:**

**"पृथ्वी पीछे हटती है, स्वर्ग मेरे सामने खुलता है।" का पहला आवेगी परिचारकों को कोशिश करनी थी और उसे एक सपना के रूप में प्रकट करना था।"नहीं, यह कोई सपना नहीं है, विल," उन्होंने दोहराया। "यह सुंदर है। यह एक . की तरह है ट्रान्स यदि यह मृत्यु है, तो यह मधुर है।"**

**फिर उन्होंने पूर्ण तर्कसंगतता के साथ बातचीत की कि क्या किया जाना चाहिए उनकी मृत्यु के बाद उनके काम के बारे में।तब उसका चेहरा चमक उठा, और उसने हर्षित उत्साह के स्वर में कहा: "ड्वाइट!आइरीन! मैं बच्चों के चेहरे देखता हूं," दो छोटे पोते-पोतियों का जिक्र करते हुए भगवान ने पिछले साल उनके जीवन से लिया था। फिर वह बेहोश हो गया, पुनर्जीवित हो गया और कहा: "यह सब क्या करता है?**

**मतलब? तुम सब यहाँ क्या कर रहे हो?"**
**फिर, स्थिति को महसूस करते हुए, वह आगे बढ़ा:**
**"यह बड़ी अजीब बात है। मैं मौत के द्वार के पार हो गया हूं**
**और स्वर्ग के द्वार तक। और यहाँ मैं फिर से वापस आ गया हूँ।"**

**Durock Case**

**सर विलियम एफ. बैरेट ने अपनी पुस्तक डेथ बेड विज़न में इसका उद्धरण दिया है और**

**मामला जो इस प्रकार है:**

**"मेरे चाचा, एम. पॉल डुरोक, 1893 में अमेरिका की यात्रा के लिए पेरिस छोड़ गए, मेरी चाची और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ। जब वे थे वेनेजुएला मेरे चाचा को पीत ज्वर से ग्रसित कर दिया गया और काराकासी में उनकी मृत्यु हो गई 24 जून, 1894 को।**

**"अपनी मृत्यु से ठीक पहले, और अपने पूरे परिवार से घिरे रहते हुए, उन्होंने एक लंबे समय तक प्रलाप जिसके दौरान उन्होंने कुछ के नाम पुकारे दोस्त फ्रांस चले गए और जिन्हें वह देख रहा था। 'अच्छा, अच्छा, तुम भी" और तुम, तुम भी।'**

**"हालांकि इस घटना से स्तब्ध, किसी ने भी कोई असाधारण संलग्न नहीं किया इन शब्दों को उस समय महत्व दिया गया जब वे बोले गए थे, लेकिन उन्होंने हासिल कर लिया बाद में एक असाधारण महत्व जब परिवार ने पाया, उनके लौटने पर पेरिस के लिए, मेरे चाचा द्वारा नामित व्यक्तियों के अंतिम संस्कार के निमंत्रण पत्र उसकी मृत्यु से पहले, और जो उससे पहले मर गया था। अभी हाल ही की बात है मैं इसके केवल दो बचे लोगों की गवाही एकत्र करने में सक्षम हूंघटना, मेरे चचेरे भाई जर्मेन और मौरिस डुरोक।"**

**जर्मेन ने इस प्रकार पुष्टि की:**

**"आप मुझसे मेरे गरीब पिता की मृत्यु का विवरण पूछते हैं। मुझे अच्छी तरह याद है वह मर रहा था, हालांकि यह कई साल पहले था। वो चीज़ जो शायद आपकी रुचि यह है कि उसने हमें स्वर्ग में कुछ व्यक्तियों को देखने के बारे में बताया था और उनसे लंबी बात करने के लिए। हम बहुत हैरान थे उन्हीं व्यक्तियों के अंतिम संस्कार कार्ड**

खोजने के लिए फ्रांस लौट रहे हैं जिनके मरते समय देखा था। मौरिस, जो मुझसे बड़े थे, तुम्हें दे सकते थे इस विषय पर अधिक जानकारी।"

मौरिस डुरोक ने लिखा:

1 बैरेट, सर विलियम एफ., डेथ बेड विज़न (लंदन: मेथुएन एंड कं, लिमिटेड)।

डेथ-बेड विज़न 89

"मेरे पिता की मृत्यु के संबंध में तुम मुझसे क्या पूछते हो,जो बहुत साल पहले हुआ था, मुझे याद है कि कुछ पल उनकी मृत्यु से पहले मेरे पिता ने अपने एक पुराने साथी का नाम पुकारा-एम। एचेवेरी- जिनके साथ उन्होंने कोई संबंध नहीं रखा था,यहां तक कि पत्र-व्यवहार से भी, बहुत दिनों से, रोते हुए, 'आह! क्या आप कभी,'

या कुछ इसी तरह का वाक्यांश। पेरिस लौटने के बाद ही हम इस सज्जन का अंतिम संस्कार कार्ड मिला। शायद मेरे पिता ने अन्य नामों का भी उल्लेख किया, लेकिन मुझे वे याद नहीं हैं।"

**बी केस**

लेडी बैरेट ने इस मामले को सर विलियम एफ. बैरेट के संज्ञान में लाया,जिन्होंने इसे अपनी पुस्तक, डेथ बेड विज़न, पृष्ठ १० में शामिल किया। यह तब हुआ जब लेडी बैरेट क्लैप्टन के मदर्स हॉस्पिटल में एक मरीज का इलाज कर रही थी,जिनमें से वह प्रसूति सर्जनों में से एक हैं। उसे एक जरूरी मिला निवासी चिकित्सा अधिकारी, डॉ

फिलिप्स का संदेश, आने के लिए रोगी, श्रीमती बी, जो प्रसव पीड़ा में थी और गंभीर हृदय से पीड़ित थी मुसीबत। लेडी बैरेट तुरंत चली गई, और बच्चे को सुरक्षित रूप से वितरित किया गया,हालांकि उस समय मां की मौत हो रही थी। अन्य रोगियों को देखने के बाद
लेडी बैरेट श्रीमती बी के वार्ड में वापस चली गई, और निम्नलिखित बातचीत
हुआ था, जिसे बाद में लिख दिया गया था। लेडी बैरेट लिखती हैं:

"जब मैंने वार्ड में प्रवेश किया तो श्रीमती बी ने मेरे हाथ पकड़कर कहा,'धन्यवाद, आपने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए धन्यवाद- इसे लाने के लिए बच्चा। क्या यह एक लड़का है या लड़की?' फिर उसने मेरा हाथ हल्के से पकड़ते हुए कहा, 'मत करो' मुझे छोड़ दो, दूर मत जाओ, है ना?' और कुछ मिनटों के बाद, जबकि हाउस सर्जन ने कुछ पुनर्स्थापन आत्मिक उपाय किए, वह ऊपर देख रही थी कमरे के खुले हिस्से की ओर, जो तेज रोशनी में था, और कहा,

'ओह, इसे अंधेरा मत होने दो, यह बहुत अंधेरा हो रहा है। . . गहरा और गहरा।'
उसके पति और मां को भेजा गया था।अचानक उसने उत्सुकता से कमरे के एक हिस्से की ओर देखा, एक दीप्तिमान उसके पूरे चेहरे को रोशन करने वाली मुस्कान।
'ओह, प्यारी, प्यारी,' उसने कहा।

मैंने पूछा, 'प्यारा क्या है?' 'मैंने जो देखा,' उसने कम तीव्र स्वर में उत्तर दिया।
'क्या देखती है?' 'सुंदर चमक, अद्भुत प्राणी।' यह मुश्किल हैमें उसके गहन अवशोषण द्वारा व्यक्त वास्तविकता की भावना का वर्णन करने के लिए"तब–ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपना ध्यान एक स्थान पर अधिक ध्यान से केंद्रित करने के लिए एक पल - उसने लगभग खुशी से रोते हुए कहा, 'क्यों, इट्स फादर!

**ओह, वह बहुत खुश है कि मैं आ रहा हूँ; वह बहुत खुश है। यह सही होगा यदि केवल W.**
**(उसका पति) भी आ सकता है।' उसके बच्चे को देखने के लिए लाया गया था।उसने इसे दिलचस्पी से देखा और फिर कहा, 'क्या आपको लगता है कि मुझे करना चाहिए?**

**बच्चे के लिए रहो?' फिर दृष्टि की ओर मुड़कर उसने कहा,'मैं नहीं रह सकता, मैं नहीं रह सकता; यदि आप देख सकते हैं कि मैं क्या करता हूँ, तो आप जान सकते हैं कि मैं नहीं कर सकता रहना।'**

**"परन्तु वह अपने पति की ओर मुड़ी, जो भीतर आया था, और कहा, 'तुम'**
**बच्चे को किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जाने देंगे जो उसे प्यार नहीं करेगा, है ना?' फिर धीरे से उसे एक तरफ धकेल दिया और कहा, 'मुझे सुंदर चमक देखने दो।'**
**"मैं कुछ ही देर बाद चला गया और मैट्रन ने पलंग के पास मेरी जगह ले ली। शी एक और घंटे के लिए जीवित रहे और ऐसा प्रतीत होता है कि वे अंतिम समय तक बने रहे उनके द्वारा देखे गए उज्ज्वल रूपों की दोहरी चेतना और उपस्थित लोगों की भी**
**उसे बिस्तर पर; उदाहरण के लिए, उसने मैट्रन के साथ व्यवस्था की कि वह समय से पहले हो बच्चे को अस्पताल में तब तक रहना चाहिए जब तक कि वह काफी मजबूत न हो जाए एक साधारण घर में देखभाल करने के लिए।**
**"(हस्ताक्षरित) फ्लोरेंस ई. बैरेट।"**

**डॉ. फिलिप्स, जो उपस्थित थे, ने नोट्स पढ़ने के बाद सिरो को लिखा विलियम एफ. बैरेट, यह कहते हुए कि वह "लेडी बैरेट की बात से पूरी तरह सहमत हैं"लेखा।"**

**सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य अभी आना बाकी है, और इसकी आपूर्ति द्वारा की गई थी अस्पताल के मैट्रन, जिन्होंने निम्नलिखित खाता भेजाः**

**"मैं श्रीमती बी की मृत्यु से कुछ समय पहले उनके साथ उपस्थित था पति और उसकी माँ। उसका पति उसके ऊपर झुक कर बोल रहा था उसे जब, उसे एक तरफ धकेलते हुए, उसने कहा, 'ओह, इसे छिपाओ मत, यह ऐसा है सुंदर।' फिर उससे दूर होकर मेरी और, मैं दूसरे पर हो रहा है बिस्तर के किनारे, श्रीमती बी ने कहा, 'ओह, क्यों, विदा है,' एक बहन का जिक्र करते हुए जिनकी मृत्यु के तीन सप्ताह पहले उन्हें नहीं बताया गया था।**

**बाद में मां, जो उस समय उपस्थित थी, ने मुझे बताया, जैसा कि मैंने कहा है, कि विदा श्रीमती बी की एक मृत बहन का नाम था, जिसकी बीमारी और मृत्यु से वहकाफी अनजान थे, क्योंकि उन्होंने श्रीमती बी से इस खबर को ध्यान से रखा था।**
**उसकी गंभीर बीमारी के कारण।**
**"(हस्ताक्षरित) मिरियम कैसल, मैट्रॉन।"**

**डेथ-बेड विजन**

**श्रीमती बी की मां-श्रीमती. क्लार्क- ने सर विलियम एफ. बैरेट को सुसज्जित किया एक स्वतंत्र रिपोर्टः**

"मैंने सुना है कि आप मेरे प्रिय के सुंदर गुजर में रुचि रखते हैं 12 जनवरी 1924 को इस धरती से बेटी की आत्मा।"इसका अद्‌भुत हिस्सा मेरी प्यारी बेटी की मृत्यु का इतिहास है,

विदा, जो कुछ वर्षों से अमान्य था। उसकी मृत्यु हुई 25 दिसंबर, 1923, उसके छोटे से दो हफ्ते पहले और चार दिन पहले बहन, डोरिस, की मृत्यु हो गई। मेरी बेटी डोरिस, श्रीमती बी, उस समय बहुत बीमार थीं,और मदर्स हॉस्पिटल की मैट्रन ने श्रीमती बी. अपनी बहन की मौत के बारे में जानने के लिए। इसलिए जब हम उससे मिलने जाते हैं तो हम उसे छोड़ देते हैं शोक मनाया और हमेशा की तरह उससे मिलने गया। उसके सभी पत्र भी द्वारा रखे गए थे अनुरोध करें जब तक कि उसके पति ने यह नहीं देखा कि वे पहले से कौन हो सकते हैं उसे उन्हें देखने दे। यह सावधानी बरती गई, कहीं बाहर के मित्र न पड़े संभवत उसे लिखित रूप में हाल ही में हुए शोक की ओर इशारा करते हैं, इस बात से अनजान उनके स्वास्थ्य की बहुत खतरनाक स्थिति।

"जब मेरी प्यारी बच्ची तेजी से डूब रही थी... उसने कहा, 'मैं देख सकती हूँ पिता जी। . . . उसके पास विदा है, 'फिर से मेरी ओर मुड़ते हुए कहा,' विदा उनके साथ।' फिर उसने कहा, 'क्या आप मुझे चाहते हैं, पिताजी? मैं आ रहा हूँ। . .।'

"आपके सम्मान से,

"(हस्ताक्षरित) मैरी सी क्लार्क

# स्वचालित लेखन

इस प्रकार के माध्यम को दो समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

(१) ऑटोमैटिस्ट द्वारा पेंसिल और कागज के साथ किया गया स्वचालित लेखन जो हो सकता है, या नहीं, एक ट्रान्स में हो; उनके द्वारा इस तरह के लेखन अवचेतन से निकलने वाली प्रकृति पर दृढ़ता से संदेह होना चाहिए-या यहां तक कि गरूक-माध्यम का दिमाग और 95 प्रतिशत, कुछ भी प्रकट नहीं करता लेकिन छिपी हुई

**इच्छाओं और इच्छाओं को बकवास के रूप में सुरक्षित रूप से खारिज कर दिया जा सकता है।**

**माध्यमत्व का यह रूप व्यक्तियों का सुखी शिकार-स्थल है आलोचना की एक बड़ी गरीबी के साथ कल्पना की एक अति-प्रचुरता शिक्षा संकाय; और दुर्भाग्य से लंबे समय से पीड़ित जनता को बहकाया गया है इस प्रकार के व्यक्तियों द्वारा लिखित पुस्तकों के साथ।**

**(२) ओइजा-बोर्ड, १ एक उपकरण जिसमें एक "यात्री" और एक वर्णमाला के साथ बोर्ड और उस पर वर्णानुक्रम में मुद्रित आंकड़े और संख्यात्मक रोटेशन, "हां," "नहीं" और "अनिश्चित" शब्दों के साथ जोड़ा गया सुविधा के लिए। यात्री आमतौर पर का एक छोटा दिल के आकार का टुकड़ा होता है लकड़ी आधा इंच मोटी। माध्यम–या दो स्थानों का संयोजनयात्री पर उसका हाथ और यह बोर्ड पर, पत्र से** board **तक चलता है पत्र, संदेशों की वर्तनी। हस्तलेखन के संबंध में टिप्पणी हो सकती है ouija-board के काम पर भी लागू किया जा सकता है।**

**प्रेत और सपनों की तरह स्वचालित लेखन "पहाड़ियों जितना पुराना" है और कई प्राचीन, साथ ही आधुनिक, लेखकों ने घोषणा की है कि अर्ध-ट्रान्स स्थिति में काम का उत्पादन किया है। हैरियट बीचर स्टोव,अंकल टॉम के केबिन की लेखिका ने कहा कि उन्होंने वह किताब नहीं लिखी: हेरोहाथ दूसरे व्यक्तित्व का साधन था। विलियम ब्लेक, में अपनी महान कविता जेरूसलम की प्रस्तावना में लिखा है कि यह उन्हीं को निर्देशित किया गया था।**

"इस दुनिया में सबसे बड़ी कविता है; मैं इसकी प्रशंसा कर सकता हूं क्योंकि मेरी हिम्मत है सचिव के अलावा अन्य होने का दिखावा न करें। मैंने यह कविता . से लिखी है तत्काल श्रुतलेख, एक बार में बारह या कभी-कभी बीस या तीस पंक्तियाँ,बिना सोचे-समझे और मेरी इच्छा के विरुद्ध भी।" सबसे अधिक मात्रा में से एक स्वचालित लेखन के उदाहरण कभी उत्पन्न हुए थे हडसन 1 फ्रेंच और जर्मन शब्दों का संयोजन आउट और जा, दोनों का अर्थ है "हां।"

*** स्वचालित लेखन

टटल का अर्चना ऑफ नेचर, जिससे चार्ल्स डार्विन ने अपने में उद्धृत किया प्रजाति की उत्पत्ति। क्या महान प्रकृतिवादी ने टटल का उल्लेख किया होगा?
काम क्या वह इसकी रहस्यमय उत्पत्ति को जानता था?

दोनों की प्रेरणा के संबंध में विभिन्न सिद्धांत प्रचलित है स्वचालित लेखन के प्रकार। कुछ माध्यम बताते हैं कि विचार जोर पकड़ता है उनके दिमाग और वे इसे अपनी भाषा में सामान्य परिस्थितियों में व्यक्त करते हैं।दूसरों का औसत वे समाधि की स्थिति में होते हैं और पूरी तरह से अनजान होते हैं जब तक वे होश में नहीं आते तब तक हाथ ने क्या पैदा किया है। आलोचक,हालांकि, तकनीक के प्रति उदासीन हैं; वे संचार का न्याय करते हैं इसकी सामग्री द्वारा।

**हॉल केस**

"पहले मैं यह कह दूं कि संदेश से पहले मैं सबसे कठोर संशयवादी था मेरे पास आया जिसने मुझे परिवर्तित कर दिया।

"मेरी बहन, जिससे मैं पहले से ही जुड़ा हुआ था, कई सालों से थी एक मिस विंगफील्ड के साथ घनिष्ठ संपर्क और स्नेही मित्रता में, जो की शक्ति बहुत उच्च स्तर पर है। . . 'स्वचालित लेखन।'

"अपने पाठक को मामले को स्पष्ट करने के लिए, मुझे डर है मुझे पारिवारिक इतिहास के मामले में जाना होगा जो पूरी तरह से नहीं है एक सुखद स्मरण। मार्च में इस तिथि से कुछ समय पहले,१८९४, मेरा एक भाई जो मुझसे बहुत बड़ा है, जो बड़ी समृद्धि के बाद,बड़ी गरीबी में गिर गया था, दक्षिण अफ्रीका में एक की प्राप्ति में था भत्ता, और इस भत्ते का भुगतान मेरे द्वारा परिवार की ओर से किया गया था एक दयालु मित्र, आर्क डेकॉन गॉल के माध्यम से, जिसने बहुत अनिच्छा से स्वीकार किया था कुछ हद तक असहनीय कार्य।

"इसे बहुत जल्द कहने के लिए, मेरा भाई एक नशे में था, और हमेशा की तरह मामला, सीधे उसके हाथ में आने वाला पैसा शराब में चला गया। कन्नी काटना यह, आर्क डेकॉन गॉल ने कृपया एक आवास प्राप्त किया जहां दुर्भाग्यपूर्ण साथी की देखभाल की जा सकती है, खिलाया जा सकता है, और कपड़े पहने जा सकते हैं, और जहाँ तक संभव हो,पीने के साधन से वंचित। जैसा कि इसमें अक्सर होता है

मामले की श्रेणी, इस प्रकार की सहायता के प्राप्तकर्ता ने बहुत नाराज़ किया कि भुगतान इस तरह से किया जाना चाहिए, और मांग की कि उसे सीधे पैसा दिया जाए। कुछ काफी हो गया था इस विषय पर हमारे बीच पत्राचार।

मैंने बिल्कुल मना कर दिया था उनके अनुरोध को स्वीकार किया, और उनके पत्रों का लहजा और अधिक हो गया था अधिक अप्रिय। यहां तक कि वह मुझे लिखने और धमकी देने तक तक चला गया था एक कार्रवाई के साथ, जब तक कि मैंने उसे लगभग 50 पाउंड की राशि का भुगतान नहीं किया, जैसा कि वह तथाकथित, एक समझौते की बकाया राशि जिसके बारे में कहा गया था कि मैंने इसके साथ किया था उसे, कि अगर वह दक्षिण अफ्रीका जाएगा तो मैं उसे प्रति सप्ताह दूंगा।

इस पत्राचार का अप्रिय विवरण मैंने कभी नहीं बताया था मेरी बहन के लिए, लेकिन निश्चित रूप से वह जानती थी कि वह दक्षिण अफ्रीका में है,और वह यह भी जानती थी कि आर्कडीकॉन गॉल अपने आप में दिलचस्पी थी लेखा।

"शुक्रवार या शनिवार, 9 या 10 मार्च, मुझे दक्षिण से प्राप्त हुआ था"ऐरिका मेरे भाई का एक छोटा और अपमानजनक पत्र, फिर मांग रहा है कि भत्ते का भुगतान सीधे किया

जाना चाहिए और सभी प्रकार के कष्टों की धमकी दी जानी चाहिए और अगर मैंने मना कर दिया तो दंड। यह चिट्ठी मेरी जेब में थी; मेरे पास नहीं था इसका उत्तर दिया, और मैंने अपनी बहन से इसका उल्लेख नहीं किया था, और न ही कोई बनाया था हमारे भाई के संदर्भ में। वास्तव में, मैं केवल घर में था कुछ मिनट। मुझे एहसास हुआ कि यहाँ मिस का परीक्षण करने का अवसर था विंगफील्ड की शक्तियां। मैंने अपनी

जेब से चिट्ठी निकाली; यह एक में था लिफाफा। मैंने इसे पते के साथ मोड़ा और अंदर लिखा; मैंने तब रखा पूरे एक और लिफाफे में जिसे मैंने सील कर दिया।

मैंने कुछ नहीं लिखा, वहाँ था बाहरी लिफाफे के बाहर कोई लेखन नहीं और मैंने लिफाफा सौंप दिया इसलिए मेरी बहन को सील कर दिया गया, उसकी इच्छा थी कि वह इसे मिस विंगफील्ड को दे दे और पूछ सके her: 'उस लिफाफे में निहित पत्र का लेखक कहाँ है?' यह ध्यान दें कि मैंने सेक्स का कोई जिक्र नहीं किया है और मुझे पूरा यकीन है कि मेरी बहन को इस बात की जानकारी नहीं थी कि संलग्न का लेखक कौन है पत्र।

काफी देरी के बाद, स्वचालित रूप से एक संदेश आया लेखन, 'पत्र का लेखक मर चुका है।' यह संदेश को दिया गया था मुझे मेरी बहन द्वारा, और स्वाभाविक रूप से काफी आश्चर्य हुआ। के लिए एक और परीक्षण करें मैंने एक और प्रश्न पूछा: 'कब और कहाँ किया था लेखक मर गया?' फिर से जवाब आया, यह कहते हुए कि वह कल मर गया था दक्षिण अफ्रीका में। मैंने फिर से नो सेक्स का ज़िक्र किया था और कोई संकेत नहीं दिया था पत्र की उत्पत्ति का स्थान, और उत्तर, मुझे याद है.

मुझे बहुत हास्यास्पद लगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका से एक पत्र आया था जो मुझे अभी प्राप्त हुआ था। स्मृति की उस जिज्ञासु चूक से एक पल के लिए जो कभी-कभी हमें प्रभावित करता है, मुझे यह नहीं पता था कि पत्र, हालांकि 9 या 10 मार्च को मुझे प्राप्त हुआ, वास्तव में कुछ तीन लिखा गया था सप्ताह पहले। मैं स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूं कि मैं इस पत्र के बारे में उलझन में था जो 1 पूछ रहा था निस्संदेह दक्षिण अफ्रीका से था, जहां जिस भाई के बारे में मैं पूछताछ कर रहा था, वह था–क्योंकि मैं इसके विपरीत जानता था–फिर जीवित। मेरी बहन ने मुझसे पूछा कि क्या मैं और प्रश्न करना चाहती हूं।

**मैंने बस इतना कहा, 'नहीं,' और मैंने उसे तथ्यों के बारे में कभी कुछ नहीं बताया उस पत्र के कुछ सप्ताह बाद तक। शाम को मैं लंदन लौट आया और सोमवार की सुबह मैंने अपने गोपनीय क्लर्क को एक पत्र लिखा मेरे भाई को संबोधित, एक पत्र जो**

**वास्तव में नहीं भेजा गया था। निम्नलिखित शनिवार, मार्च १७, मुझे आर्कडेकॉन से एक छोटे से महत्व का पत्र मिलागॉल; यह 5 मार्च का है, और लिफाफे पर का पोस्टमार्क है किम्बर्ले, मार्च ५, १८९४, और २७ मार्च को लंदन का पोस्टमार्क मुझे यह किस दिन प्राप्त हुआ। यह चिट्ठी, जो इस पर मेरे हाथ में हैपल, मुझे उन पैसों का हिसाब देता है जो मेरे लिए खर्च किए गए हैं भाई, लेकिन अपने आचरण की बहुत शिकायत करता है और व्यावहारिक रूप से अनुरोध करता है नियमित रूप से प्रेषण के संबंध में निश्चित व्यवस्था की जानी चाहिए दक्षिण अफ्रीका के स्टैंडर्ड बैंक के माध्यम से।**

**"इतना अविश्वसनीय मैं उस संदेश के बारे में था जो मुझे प्राप्त हुआ था, हालांकि मुझे याद है कि इस विषय पर चिंता करते हुए, मैंने वास्तव में एक लंबा पत्र लिखा था २९ मार्च १८९४ को आर्कडेकॉन को, जिसमे मैंने स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति स्पष्ट की उसके सामने और जैसा उसने कहा वैसा करने का वादा किया। उस पत्र का मसौदा मेरे लिपिक की लिखावट अब मुझे मिल गई है। २ अप्रैल १८९४ को मुझे प्राप्त हुआ आर्कडेकॉन गॉल का एक और पत्र, दिनांक किम्बर्ले, 8 मार्च, 1894,जो शुरू होता है:**

**'प्रिय महोदय: जब मैंने पिछले सप्ताह लिखा था कि मैंने सोचा था कि मैं इस सप्ताह मुझे आपको सूचित करने के लिए उदासीन कर्तव्य होना चाहिए अपने भाई की मृत्यु**

के बारे में, जो कल हुई,' और वह चला जाता है यह कहने के लिए कि मेरा भाई सुबह-सुबह मृत पाया गया था उस दिन का और उस दोपहर को दफनाया जाने वाला था। मुझे शायद ही कहने की ज़रूरत है कि इस संचार ने मुझे चौंका दिया, और हर संभव पर विचार करने के बाद संचार की व्याख्या, और हर भत्ता बनाना कल्पना के लिए, मुझे विश्वास हो गया था कि जो संदेश मुझे प्राप्त हुआ था 10 मार्च इस भौतिक संसार से बाहर किसी एजेंसी के माध्यम से आया था।

"टेलीपैथी, दूरदर्शिता और विचार-पठन पूरी तरह से समाप्त हो गए हैं।मैं इस तथ्य से अनभिज्ञ था, जब मैंने 10 मार्च को प्रश्न पूछा, कि मेरा भाई मर गया था। मेरी बहन को नहीं पता था कि मैं कोई पूछ रहा हूं मेरे भाई के बारे में प्रश्न, या मेरे भाई द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में भी,और निश्चय ही वह नहीं जानती थी कि वह मर गया है। मिस विंगफील्ड थी मेरे भाई को कभी नहीं देखा; मुझे संदेह है कि क्या वह कभी उसके अस्तित्व के बारे में जानती थी, और वह निश्चित रूप से इस बात का कोई ज्ञान नहीं था कि वह दक्षिण अफ्रीका में समय, इसलिए तथ्य यह है कि शनिवार, मार्च १०, १८९४ को मुझे बताया गया था कि मेरे भाई की कल दक्षिण अफ्रीका में मृत्यु हो गई थी।

मैं पूरी तरह से मानता हूं कि यह कड़ाई से सटीक नहीं है, क्योंकि वास्तव में उनकी मृत्यु सुबह-सुबह हो गई थी 8 मार्च का; लेकिन यह मेरी राय में निष्कर्ष को कमजोर नहीं करता है मैंने बनाया है, और यह बहुत संभव है कि मेरी बहन ने इस शब्द को पढ़ा हो कल' शायद 'गुरुवार' रहा होगा, जो मृत्यु का दिन था।

अगर मैं यह कहने में सही हूं कि इस घटना को किसी के द्वारा समझाया नहीं जा सकता है प्राकृतिक प्रक्रिया, तो मुझे लगता है कि मैं विश्वास करना जारी रखने में उचित हूं, जैसा कि मुझे विश्वास है, कि यह एक अलौकिक संचार था।

"किसी दिन इन घटनाओं की सही व्याख्या प्रदर्शित की जाएगी,और यदि यह उस तर्ज पर नहीं है जो मैंने इंगित किया है, और वहाँ है इसके लिए लेखांकन के कुछ अन्य साधन जिसमें उत्तरजीविता शामिल नहीं है मृत्यु के बाद, मुझे विश्वास है कि हम और भी कुछ सीखेंगे अद्भुत, अधिक असंभव, और निश्चित रूप से उन लोगों के लिए कम स्वीकार्य जो,मेरी तरह, हमारे विश्वास में आराम पाओ।"

**पर्ल टाई-पिन केस**

यह मामला श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ के माध्यम से प्राप्त किया गया था।मिस सी, सिटर, का एक चचेरा भाई था, जो ब्रिटिश सेना में एक अधिकारी था, जिसनेके साथ आयोजित बैठक से एक महीने पहले फ्रांस में एक लड़ाई में मारा गया था श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ।

मिस सी को अपने चचेरे भाई की मौत की जानकारी थी। उसका नाम ओइजा-बोर्ड पर अप्रत्याशित रूप से लिखा गया था और उसका नाम वापस दिया गया था उसके सवाल के जवाब में, "क्या आप जानते हैं कि मैं कौन हूं?" फिर निम्नलिखित संदेश दिया गया था:

”माँ से कहो कि जिस लड़की से मैं शादी करना चाहता हूँ, उसे मेरी मोती की टाई-पिन दे दो।मुझे लगता है कि उसे यह होना चाहिए।”महिला का पूरा ईसाई और उपनाम आया, बाद वाला बहुत श्रीमती ट्रैवर्स-स्मिथ या मिस सी के लिए असामान्य और काफी अज्ञात।

लंदन में एक पता दिया गया था जो गलत साबित हुआ, जैसा कि वहां भेजा गया पत्र वापस कर दिया गया। महिलाओं ने सोचा कि जैसे पता था तो गलत तरीके से नीचे ले जाया गया या काल्पनिक, अब और नहीं सुना जाएगा मामला, लेकिन छह महीने बाद पता चला कि अधिकारी था 1 ट्रैवर्स-स्मिथ, हेलेन, वॉइस फ्रॉम द वॉयड (लंदनः डब्ल्यूएम। राइडर एंड कंपनी)।स्वचालित लेखन 97

सगाई, फ्रांस जाने से कुछ समय पहले, और उसी महिला से जिसकीनाम ouija-बोर्ड पर लिखा गया था। न ही उनका परिवार आयरलैंड और न ही उनकी चचेरी बहन, मिस सी, इस तथ्य से अवगत थीं, और उनके पास था उसकी मृत्यु के बाद तक उसे कभी नहीं देखा या उसका नाम भी नहीं सुना, जब युद्ध कार्यालय ने अपने प्रभावों को अग्रेषित किया। उनमें से उन्होंने एक मोती की खोज की टाई-पिन, और उनकी वसीयत में महिला के नाम का उल्लेख उनके अगले के रूप में किया गया था परिजन, ईसाई और उपनाम दोनों ठीक उसी तरह प्राप्त किए जा रहे हैं जैसे बैठे दोनों महिलाओं ने इस आशय के एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए कि संदेश था बैठक के समय दर्ज किया गया और उसके बाद स्मृति से नहीं संदेश सत्यापित किया गया था। यह बयान सर विलियम को भेजा गया था बैरेट।

**आत्माओं की दुनिया का प्रत्यक्ष अनुभव**

–लगभग बीस साल पहले, उसके अनुसार आपकी पृथ्वी के समय के विभाजन के लिए, मैं बाहर निकल गया मेरा भौतिक शरीर, और आकाशीय दुनिया में प्रवेश किया।

हम अपनी दुनिया को यहां आकाशीय दुनिया इसलिए कहते हैं, क्योंकि सांसारिक रूप से मुक्त, हम स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं आकाशीय पिंडों के बीच यदि हम चुनते हैं; और मैंने ऐसा चुना है ऐसा करने के लिए। फिर भी, इस दुनिया को ठीक से भी कहा जा सकता है ईथर या आध्यात्मिक दुनिया-आकाशीय, ईथर, आध्यात्मिक।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि सारा स्थान ईथर है; यह ईथर आध्यात्मिक, आकाशीय और भौतिक से भरा है निकायों या रूपों; कि ये रूप आकार और दोनों में भिन्न है घनत्व।

मेरे भौतिक शरीर को छोड़ने के कुछ समय बाद, यह पाकर कि मैं अभी तक जीवित था और मरा नहीं था, मैं आपके पास लौट आया और सफल हुआ एक छोटी सी किताब लिखने में। हम इसे कॉल करने के लिए सहमत हुए पुस्तक "द डिस्कवर्ड कंट्री," बहुत अच्छे कारण के लिए कि मैंने एक ऐसे देश की खोज की थी जिसके

बारे में मैं बहुत कम जानता था या कुछ भी नहीं–वास्तव में, एक ऐसा देश जिसके बारे में मैं कुछ नहीं जानता था,क्योंकि मैंने अपने आप को सूचित करने के लिए जरा भी कष्ट नहीं उठाया था तथाकथित मृत्यु के बाद के जीवन के विषय पर।

पसंद प्रिय भाई जो हाल ही में यहां मेरे साथ आए हैं–कोबर्ट(टी। इंगरसोल- मेरा मानना था कि मृत्यु ने सब कुछ समाप्त कर दिया। अगर मैं कभी-कभार एक आशा थी, मुझे कुछ नहीं पता था, कुछ भी विश्वास नहीं था,और जैसा कि मिस्टर इंगरसोल, जो अब मेरे साथ खड़े हैं, कहते हैं, यह इस प्रकार झूठ के एक समूह पर विश्वास करने से कहीं बेहतर था-हमारे आध्यात्मिक दिमाग एक के अलिखित पन्नों की तरह है पुस्तक, स्वच्छ और यथासंभव सर्वोत्तम उपयोग के लिए तैयार।

प्रिय कार्लाइल, जब मैं ऐसा कहता हूं तो मैं आपको झूठ नहीं बताता हूं मेरे प्रिय मित्र और सहयोगी, रॉबर्ट जीएल इंगरसोल,अब मेरी तरफ से खड़ा है, और हम एक साथ हुक्म करेंगे पत्र। उन चीयर को जाने दो जो परवाह करते हैं। उपहास और
जीरो ने अभी तक बहुत कुछ हासिल नहीं किया है; वे बहुत करते हैं थोड़ा, यहां तक कि, त्रुटि को तोड़ने के लिए। इसे लगाना कहीं बेहतर है त्रुटि के पक्ष में सुंदर सत्य, और पर्यवेक्षक को जाने दें और छात्र दोनों के बीच अंतर की खोज करता है।

मैंने जो किताब लिखी है, उसमें ”द डिस्कवरेड” कहा जाता है देश/’ मैंने आपको पहले कुछ का विस्तृत विवरण दिया है मेरे जीवन के महीने और यहाँ आकाशीय में अनुभव विश्व। अब इस दुनिया के भीतर एक निवासी होने के बाद बीस साल, मैं निश्चित रूप से आपको मुझसे ज्यादा बता सकता हूं उस समय सक्षम था; फिर भी, वह सब जो मैंने तब आपको लिखा था सच है, और अब मैं उसमें बीस . के अनुभव को जोड़ूंगा वर्षों।

**लेकिन पहले मैं आपको हमारे बारे में कुछ बताना चाहेंगे दोस्त रॉबर्ट। उनके और मेरे अनुभव बिल्कुल नहीं थे एक जैसे, क्योंकि कोई भी दो आत्माएं एक ही कहानी को ठीक-ठीक नहीं बता सकतीं।**

**जब मैं आकाशीय दुनिया में पैदा हुआ था, मेरे पिता और माता ने मेरी आत्मा को ग्रहण किया, यद्यपि उन्होंने छिपा रखा था मुझ से यह तथ्य कि वे मेरे माता-पिता थे, और साथ में थे वे मेरे दूसरे आधे थे, पूरक मेरी अपनी आत्मा की - तीनों मेरे लिए अज्ञात हैं**
**समय। वे सभी जिन्होंने "द डिस्कवर्ड कंट्री" पढ़ा है,खाता याद रखें; लेकिन हमारा दोस्त रॉबर्ट प्राप्त हुआ था बहुत से असंतुष्ट प्राणियों द्वारा, ज़ोर से प्रशंसा के साथ और लहराते बैनर।**

**ये लोग, उनके साथ बैनर, वास्तविक थे और उनकी दृष्टि में दिखाई दे रहे थे, और इन पर बैनर सभी के लिए शब्द, वाक्य और प्रतीक थे जो एक बैनर के ऊपर था, उसकी आत्मा विचलित हो गई थी एक त्रुटि का - दूसरे शब्दों में, की विधर्मी भुजा** arm
**हमारे दोस्त रॉबर्ट ने उनमें से एक जंजीर मार दी थी, उनकी आत्मा मुक्त हो जाती है, और इस प्रकार मेजबान ने उनसे मुलाकात कीबैनर और हुज्जा।**

**पहले तो उसे लगा कि वह सो गया है और सपना देख रहा है,यह नहीं जानते कि वह शरीर से मुक्त था, और वास्तव में वह उस समय नहीं था जब दृष्टि ने पहली बार उनके आध्यात्मिक को मारा था दृष्टि, लेकिन धीरे-धीरे चीजों ने स्थायी रूप ले लिया और स्पष्टता। उसका पार्थिव शरीर जितना ठंडा होता गया उनकी दृष्टि में आकाशीय दृश्य उज्जवल और साहसी था;और वर्तमान में वह इनमें से कई बैनरों को पढ़ने में सक्षम था।**

जैसा कि मैं स्वयं उपस्थित था, मैं आपको बताऊंगा कि क्या हुआ था उनमें से कुछ सबसे हड़ताली। "आपका स्वागत है आशा की भूमि, प्रिय बॉब;" दूसरे पर, एक बड़ा सितारा चमक रहा था, और नीचे शब्द थे: "एक तारा है एक वास्तविक दुनिया, और आशा सितारों की तरह वास्तविक है;" दूसरे पर,"होप ऑन, होप एवर," और इन शब्दों के नीचे एक सर्कल: "क्या आपको सर्कल का अंत मिल गया है, प्रिय भाई," और एक और, क्रॉस का प्रतीक, एक एक्सीलेटर आत्मा की दुनिया से। 5 यीशु के साथ एक क्रॉस का कार्य प्रतिनिधित्व पेड़ पर कीलों से ठोक दिया,शब्दों के साथ, "मैं मरता हूँ कि तुम जीवित रहो।"

जब वे आराम कर रहे थे तो रॉबर्ट की आँखों ने एक विस्तृत अभिव्यक्ति पर कब्जा कर लिया इस प्रतीक पर, क्योंकि वह बहुत हैरान था।मानक-वाहक आया और सीधे उसके पास खड़ा हो गया।

"क्या आप इस प्रतीक का अर्थ जानेंगे, रॉबर्ट?"
उसने पूछा। "आपने अतीत में कहा है, 'जब मैं मर जाऊंगा।' मैं हैमृत, प्रिय मित्र, और तुम जीवित हो। मैं मरता हूँ, कि तुम लाइव। मनुष्य का शरीर उसका क्रूस पर चढ़ाया हुआ उद्धारकर्ता है, क्योंकि यदि उसका शरीर कभी नहीं मरा, उसकी आत्मा मुक्त नहीं हो सकती।" दूसरे पर Upon बैनर एक धधकती आग, पाताल लोक का प्रतिनिधित्व करता है, और a शब्द, "भूसा जलाएं और गेहूं को संरक्षित करें," तथा एक spirit के जले हुए रूप से बचने वाली एक सुंदर आत्मा आग की लपटों के भीतर आदमी। दूसरे पर, एक नाग, एक स्त्री,और जीवन का वृक्ष।

"ओह, मैंने ईडन कहानी के उस बगीचे पर कभी विश्वास नहीं किया," बड़बड़ाया

रॉबर्ट, और न ही मैंने किया, लेकिन अब मैं करता हूं। ये था एक प्राचीन प्रतीक, और इसका अर्थ–एक महिला प्रतिनिधित्व करती है जीवन, उसके या स्त्री तत्व के माध्यम से, जीवन आता है अस्तित्व में। सर्प ज्ञान की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है।

पहले तो बुद्धि कम होती है और पेट के बल रेंगती हैपृथ्वी; लेकिन, जैसे-जैसे आरोही युग आगे बढ़ता है, ज्ञान बन जाता है एक खूबसूरत महिला, बुराई से अच्छाई जानती है, क्योंकि उसे अच्छे और दोनों के ज्ञान के फल को खा लिया है बुराई, या यों कहें, जीवन पहले अज्ञानी था, लेकिन अंत में बुद्धिमान था।

वह न केवल मनुष्य को जीवन देती है बल्कि उसके साथ समान रूप से साझा करती है
ज्ञान और ज्ञान में। वह आध्यात्मिक में भी प्रथम रही ज्ञान के फल को तोड़ने वाला पहला ज्ञान है और उसे खाने के लिए दे दो, और आध्यात्मिक आवाज, या उनके अपना आत्मिक ज्ञान, जिसे यहोवा परमेश्वर कहा जाता है,दिन के आराम भरे समय में उन्हें बुलाया, और कहा:

"अब आप उस ऊंचाई पर पहुंच गए हैं जहां आपको करना है पर्याप्त बुद्धि। आगे बढ़ो और उस मिट्टी तक जो तू पशु के ऊपर जीवित रहें, क्योंकि अब तू हम में से एक है,
या एक स्वर्गदूतों या आत्माओं के साथ। आगे बढ़ो और जब तक वह भूमि जिसे तू खा सकता है और पहिन सकता है।"

और वे चले गए, आदमी और उसकी पत्नी, या अन्यथा,पुरुष, अपनी पत्नियों और परिवारों के साथ।पुराना हिब्रू संस्करण बहुवचन है और एकवचन नहीं है। यह सब रॉबर्ट पर प्रकाश की चमक की तरह आया। वह मुझे देखता है अब, कह रहा है:

"काश मैंने बाइबल का और अधिक अध्ययन किया होता, जब तक कि मैं प्राप्त नहीं कर लेता पुराने शास्त्रों के छिपे अर्थ की कुंजी,साथ ही अधिक आधुनिक न्यू टेस्टामेंट। लेकिन, जैसा कि मैं नहीं किया, मैं अब ऐसा करूँगा। यह ज्ञान और ज्ञान हैमैं चाहता हूं, और होगा।"

और भी कई बैनर थे, लेकिन हम रुकेंगे नहीं अभी उनमें से अधिक का वर्णन करने के लिए।यह मेरा इरादा नहीं है, प्रिय कार्लाइल, इंगरसोल के बारे में लिखना write उनके अधिक निकट संबंधियों द्वारा निजी स्वागत।यह, अभी तक सामान्य रूप से दुनिया से संबंधित नहीं है।

जब भी मैं उसके बारे में बात करता हूँ, या वह यहाँ अपने लिए बोलता है,यह उनके सार्वजनिक कार्य, उनके सार्वभौमिक के संबंध में होगा विचार, और ऐसे सत्य जो वह देना चाहें सामान्य रूप से निचली या सांसारिक दुनिया के लिए; और वह अब कहता है:

"मैं, रॉबर्ट जी. इंगरसोल, अब एक भाग देने के लिए तैयार हूँ आध्यात्मिक या आकाशीय दुनिया में मेरे अनुभव का।"

तुम्हें याद है, मेरे प्यारे बेटे, मेरे आखिरी लेखन में, मैंनेआपकी पृथ्वी के सूर्य और रचना करने वाले विभिन्न ग्रहों का दौरा किया वह प्रणाली। मैं तथाकथित मसीह से भी मिला था।मैंने अरस्तू और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों से बात की थी पृथ्वी पर उनका दिन। मैं भी दूसरे से जुड़ गया था खुद का आधा। अब, इस सब के बाद, आप स्वाभाविक रूप से मान लीजिए कि मैं अनगिनत अन्य दुनियाओं में उड़ जाऊंगा;

लेकिन, तथ्य यह है कि वे इतने असंख्य और अनगिनत हैं कि लंबाई में मैं ऐसा करने से थक गया, कुछ हद तक महसूस कर रहा था वह बच्चा हो सकता है जो रेत के दानों

को गिनना शुरू कर देता है समुद्र के किनारे और इसे एक असंभव कार्य लगता है, इसलिए इसे छोड़ देता है और उसका ध्यान उस ओर जाता है जो वह करने में सक्षम है।

मुझे मिला कि जो काम मेरे हाथ के सबसे करीब था, वह बनना था शासन करने वाले कानूनों से परिचित, न केवल मेरे बारे में आकाशीय और आध्यात्मिक दुनिया, लेकिन

वे जो जिस पृथ्वी से मैं आया था, उस पर शासन किया–पृथ्वी जहाँ मैं पैदा हुआ था और लगभग साठ साल बीत चुके थे भौतिक जीवन की-और आंतरिक आवाज, या की आवाज भगवान, स्पष्ट रूप से मुझसे कहा: फ्रांज, तुम्हारा काम होना चाहिए जो पृथ्वी की भलाई तू ने छोड़ी है; वास्तव में, आपको अवश्य उसे मत छोड़ो। एक महान प्राकृतिक नियम है जो विवश करता है आत्मा काम करने के लिए, प्रत्येक पृथ्वी के लिए छोड़ दिया है, और आत्माओं को इन धरती के लिए जीना और काम करना चाहिए, जब तक कि वहाँ न हो अब उनकी देखभाल की जरूरत नहीं है।

आखिरकार, यह वास्तव में है अनगिनत दूसरी दुनियाओं में जाने से ज्यादा मुझे अच्छा लगता है कि अनगिनत लाखों के लिए मेरी कोई विशेष रुचि नहीं है दुनिया के कुछ ऐसे हैं जैसे रेत के दाने किनारे, और मुझे अपना समय नौकायन करने की परवाह नहीं है
बिना चार्ट, पतवार या कम्पास के लक्ष्यहीन।

जब मैं अन्य दुनियाओं के बीच नौकायन कर चुका था तो मैं थक गया था उनमें से और लौटे और प्रगति की एक कंपनी में शामिल हो गए स्पिरिट वर्ल्ड से लेटिस। 7 प्राणी, जिन्होंने उतनी ही तेजी से महान प्राकृतिक नियमों की खोज की,संवेदनशील

**लोगों के दिमाग को प्रभावित करने के कार्य में खुद को स्थापित करें शरीर के भीतर व्यक्ति, कि सांसारिक संसार ज्ञान में वृद्धि हो सकती है और फलस्वरूप बेहतर हो सकता है और**
**अधिक खुश। मैं चाहता हूं कि यहां यह स्पष्ट रूप से समझा जाए किसी भी उन्नत स्वर्गदूतों के दूसरे हिस्सों में शामिल हो गए हैं स्वयं–सच्चे पुरुष और स्त्री जो स्वर्गदूत को बनाते हैं–उस सब के लिए जो मैंने तुम्हें अपने पिछले कामों में लिखा था**
**यह कानून सच है।**

**मैं इस महान में बड़े पैमाने पर प्रवेश नहीं करूंगाप्राकृतिक नियम, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि इन पत्रों की पुनरावृत्ति हो मेरे पिछले कामों में से, लेकिन नए सत्य, नए कानून दे उन पुस्तकों में उल्लेख नहीं है; मैं कहता हूं नए कानून, नए सच,लेकिन मेरा मतलब है कि हाल ही में मेरे और मेरे जैसे अन्य लोगों द्वारा खोजा गया।**

**कानून सभी के लिए बिना शुरुआत और बिना अंत के हैं चीजें मंडलियों में मौजूद हैं, और मंडलियों की न तो शुरुआत है न ही अंत।मैं किसी भी चीज़ के बारे में अनुमान नहीं लगाऊंगा, लेकिन सब कुछ संबंधित इन पत्रों में सकारात्मक रूप से ज्ञात पूर्ण तथ्य होंगे मुझे और अन्य स्वर्गदूतों को जो मेरे पास पहुँचे हैं ऊंचाई। पृथ्वी-तल पर हजारों से भिन्न हो सकते हैं मुझे और लगता है कि वे मुझसे ज्यादा जानते हैं, लेकिन एक तथ्य यह है कि तथ्य और सभी मतभेदों के बावजूद रहेगा।**

**अब पहले तथ्यों में से एक जो मैं यहां बताऊंगा वह है:कि एक आध्यात्मिक प्राणी कुछ भी नहीं भूलता जो कभी हुआ था पृथ्वी पर उसके जीवन में–नहीं, सबसे छोटा विवरण नहीं, बल्कि काफी विपरीत। वह अपने हर विचार को भी याद करता है विकसित, सब कुछ जो कभी उसकी आंख से मिला, हर आवाज every उसने कभी**

सुना, हर अनुमति जिसे उसने कभी महसूस किया, हर वह भी संपर्क में आया; सभी उसकी स्मृति में संग्रहीत हैं, जब भी वह चाहे, एक स्क्रॉल की तरह अनियंत्रित हो; एक नहीं थोड़ा विचार या घटना कम से कम धुंधली या अस्पष्ट है,लेकिन एक दिन दोपहर के सूरज की तरह स्पष्ट और चमकीला सबसे धूप और सबसे चमकीले दिनों में से।

अब, मुझे कैसे पता चलेगा?
मुझे पता है क्योंकि यह मेरे अपने व्यक्ति के भीतर एक सच्चाई है चेतना। मुझे पता है क्योंकि मैं एक आध्यात्मिक प्राणी हूँ,सांसारिक या भौतिक शरीर से मुक्त, और क्योंकि मैं करता हूं मेरे पार्थिव जीवन में जो कुछ भी हुआ उसे याद करो, यहाँ तक कि सबसे छोटे, सबसे मिनट के विवरण के लिए। यह सब मैं नहीं कर सकता जो अभी है उसके सुस्त मस्तिष्क के माध्यम से देने में सक्षम हो मांस और रक्त के रूप में, लेकिन ऐसा नहीं है मेरी अपनी स्मृति के तथ्य को बदलो।

जब कोई बात करता है, जैसा कि कोई मानता है, सबसे अधिक सीखा है, और जैसा कि कोई सोचता है, सबसे दार्शनिक रूप से कंपन के बारे में उच्च कंपन–कि कोई यह भूल जाता है कि अन्य नियम भी हैं लगातार कदम रखना, या थरथानेवाला का प्रतिकार करना कानून। थरथानेवाला का प्रतिकार करने के लिए कदम उठाने वाला महान कानून कानून फोटोग्राफी का नियम है। जब एक विचार या स्ट्रिंग एक बार एक पुरुष, महिला की भावना पर फोटो खिंचवाती है या बच्चे, यह वहाँ हमेशा के लिए, अनंत काल तक स्थापित है।

आत्मा कंपन से अधिक कुछ और से बना है और सार्वभौमिक से संबंधित हर कानून द्वारा शासित होता है पूरा का पूरा। यहां तक कि डंठल और पत्थर भी छवियों, या छापों को बरकरार रखते हैं उन सभी में से जो कभी उनके भीतर से गुजरे हैं उन पर डाली गई छाया की सीमा; और दिन है दूर नहीं जब बहुतों को पता चलेगा कि इन्हें

कैसे प्रकट किया जाए फोटोग्राफी चित्र, और यदि छाप, या अन्य में शब्द, उन सभी की स्मृति जो पहले कभी घटित हुई है संवेदनशील चट्टानों, लकड़ियों और दीवारों का पुनरुत्पादन किया जाना है जब मनुष्य ने अपेक्षित ज्ञान प्राप्त कर लिया होगा,अमर, बुद्धिमान आत्मा के बारे में क्या कहा जा सकता है आदमी की?

इसके अलावा, ईथर वातावरण एक विशाल जलाशय है या भंडारगृह–सभी की एक भव्य चित्र दीर्घा पृथ्वी पर जगह, और जब कोई सामग्री को फेंक देता है शरीर वह वह सब पढ़ सकता है जो कभी अतीत में हुआ है उम्र, सभी को अधिक विशिष्टता के साथ और अधिक स्पष्ट रूप से चित्रित किया गया है जब वे वास्तव में पृथ्वी पर आए थे।

ये तस्वीरें स्थिर नहीं हैं, लेकिन इस तरह चल रही है यदि जीवन से संपन्न है, और तुम पृथ्वी के बस शुरुआत कर रहे हो इस कानून को समझने के लिए, लेकिन, अभी तक, बहुत ही बेरहमी से क्या होगा भविष्य में प्राप्त किया। अगर ईथर भी सब कुछ बरकरार रखता हैइसकी स्मृति के भीतर-जैसा कि कोई इसे कह सकता है-सोचें अमर अहंकार की आत्मा भूल जाएगी?

नहीं न! हम नहीं भूलते - छोटे से बड़े तक,सभी हमेशा के लिए मनुष्य की आत्मा पर अमिट रूप से अंकित रहते हैं और हाँ। फरिश्ता उस सबका संज्ञान लेता है कभी था, या है, या कभी रहेगा। कोई यह भी कह सकता है कि भगवान भूल जाते हैं। भगवान को कुछ भी भूल जाने की कल्पना कौन कर सकता है?

**और शाश्वत आत्माएं नहीं हैं बल्कि भीतर गिरती है संपूर्ण की अनंत आत्मा जो परमेश्वर है? अब क,मेरे दोस्त रॉबर्ट, जो मेरी तरफ खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं,वह कहते हुए लंबे और दिल से हंसता है:**

**"अगर आप चाहें तो मुझे यहां एक शब्द बोलने दें। मेरे पास नहीं है भूल गए कि मुझे बहुतों द्वारा बुलाया गया था, बॉब; या पुराने बॉब इंगरसोल,काफिर।"**

***

**अब हम साक्ष्य के विषय पर लौटेंगे।जो एक के लिए सबूत है वह दूसरे के लिए नहीं है, ताकि सबूत प्रत्येक विशिष्ट व्यक्ति के पास आना चाहिए, और प्रत्येक किसी के पास अपना सबूत अलग तरीके से होना चाहिए दूसरा। एक व्यक्ति दूसरे को बताता है कि उसके पास वास्तव में है अपने पिता या माता के आत्मा रूप को देखा; अन्य उत्तर:**
**"आपने शायद कल्पना की थी कि आपने किया। आप ऐसा सोचते हैं,इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि आपने वास्तव में किया था।**

**मैंने कभी अपने पिता या अपनी मां को नहीं देखा है। विश्वास मत करो किसी ने कभी एक आत्मा को देखा; लेकिन, मैं आपको बताता हूँ क्या, मेरे„दोस्त, मेरा मानना है कि मेरे पिता और मां दोनों ने लिखा है मुझे स्लेट-लेखन माध्यम से संदेश देता है।"**
**"एक मध्यम!" दूसरे का जवाब देता है। "तुम्हें धोखा दिया गया।**

**विश्वास मत करो एक संदेश कभी मानव के बिना लिखा गया था हाथ, एक स्लेट पर।" और इसलिए यह आध्यात्मिक के हर चरण के साथ है संचार। यह वही पत्र, जो मैं और मेरा दोस्त रॉबर्ट अब लिख रहे हैं, शक होगा।**

**बहुत से लोग कहेंगे: "हम कभी भी किसी आत्मा या आत्माओं पर विश्वास नहीं करते हैं**

**इसका इससे कोई लेना-देना नहीं था," और इस प्रकार यह है। वह जो एक के लिए सबूत है दूसरे के लिए बिल्कुल भी सबूत नहीं है। वहां क्या वे लोग हैं जो कहते हैं, "जब विज्ञान सिद्ध कर देता है कि आत्मा वापस आ जाती है"सच हो, हम विश्वास करेंगे, "लेकिन ये इनसे क्या करेंगे सच तो यह है कि जो विज्ञान एक दिन सच साबित होता है, कुछ अन्य वैज्ञानिक कानून की खोज की जाती है जो इसका प्रतिकार करता है पहले और इसे एक तरफ सेट करता है।**

**अगर विज्ञान बिल्कुल आ गया होतासच है, उस दिशा में प्रगति समाप्त हो जाएगी; लेकिन अब सभी अमरता के तथ्य के प्रति आश्वस्त हो गए हैं,और दिवंगत आत्मा की वापसी, अपने आप में रास्ता–वह तरीका जो सीधे खुद से अपील करता है और सच्चाई को हर एक के लिए मजबूर करता है; तब सारी दुनिया के लेटर्स के महान और शाश्वत सत्य के प्रति आश्वस्त रहें आत्मा की दुनिया से, १५ आकाशीय दुनिया के निवासियों के साथ जो सांसारिक क्षेत्र के हैं।**

**मेरे दोस्त रॉबर्ट, क्या आपके पास इस महत्वपूर्ण पर कहने के लिए एक शब्द है विषय?**

**"ठीक है, ज्यादा नहीं, मुझे लगता है, लेकिन अगर मैं देख सकता था अच्छा जीवंत भूत, जब मैं शरीर में था, मेरे पास हो सकता है अपनी इंद्रियों पर विश्वास किया, फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि कोई और आदमी ने मुझ पर विश्वास किया होगा।**

मैंने सोचा, एक समय में,कि जब मैं मरने के लिए आया, तो मुझे अपनी चेतना बनाए रखना चाहिए अंतिम सांस तक, और मेरे सचिव को एक साथ बताओमेरे सबसे करीबी और सबसे प्यारे लोगों के साथ, वह सब मैं दूसरे जीवन को देख सकते हैं, महसूस कर सकते हैं या सुन सकते हैं, यदि कोई हो;

लेकिन, जब मैं इसके बारे में और सोचने लगा, तो मैंने निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश लोग कहेंगे, 'ओह, वह प्रलाप था/या' वह था बीमारी से कमजोर - वह अफीम ले रहा था/और अब मुझे लगता है कि यह ठीक वही होता जो बहुत अच्छा होता बहुतों ने कहा होगा। यह वास्तव में कुछ भी साबित नहीं कर सकता था,आखिरकार। जैसा भी था, मेरे पास बताने का समय भी नहीं था मेरी पत्नी कि मुझे विश्वास था कि मैं मर रहा था, उसे बताने के लिए बहुत कम मेरी संवेदनाएं क्या थीं।

मुझे अब वो नश्वर होंठ मिल गए हैं जब आत्मा उनसे दूर हो जाती है तो बोल नहीं सकता, कि नश्वर आंखें नहीं देख सकतीं कि आत्मा की आंखें कब हटाई जाती हैं, वह नश्वर कान नहीं सुन सकते जब आध्यात्मिक सेंसेरियम बच गया है, कि नश्वर हृदय धड़क नहीं सकता जब आध्यात्मिक लय विदा हो गई है। मेरी पिटाई ऐसा लग रहा था कि दिल एक खोल या जेल से भाग रहा है, उड़ रहा है अपने पिंजरे से एक पक्षी की तरह खुशी से; फिर भी वह आध्यात्मिक, अमरएक पल के लिए भी दिल धड़कता नहीं;

ताल, या धड़कन, बस शरीर छोड़ दिया, बस इतना ही; केवल जैसे ही मेरी दृष्टि ने उसे छोड़ दिया; और जब मैं पूरी तरह से बाहर हो गया था यह, यह ठंडी मिट्टी के ढेले की तरह फर्श पर गिर गया, या होगा ऐसा किया है यदि इसे उन लोगों द्वारा समर्थित नहीं

किया गया था जो मुझसे प्यार किया था-मुझसे प्यार किया था, लेकिन वे अब प्यार नहीं कर सकते थे वह गंदी बात।

मैंने अपना पूर्व शरीर छोड़ दिया था, इसलिए वेइसे वैसे ही जला दिया जैसे उन्हें चाहिए। घूंघट उठाओ, प्रियों; मैं हूँइसके ठीक पीछे।"सांसारिक दुनिया इतनी आगे कभी नहीं बढ़ी है वर्तमान समय में सच्ची आध्यात्मिकता, फलस्वरूप आकाशीय दुनिया के लिए संवाद करना बहुत आसान है पहले की तुलना में पृथ्वी के निवासी। यदि कोई व्यक्ति नहीं कर सकता,या नहीं, सत्य प्राप्त करें, यह उस पर मजबूर नहीं किया जा सकता है
स्वर्गदूतों के द्वारा, और यदि होता भी, तो वह उसे एक तरफ फेंक देताअसत्य के रूप में, और यही यीशु के दृष्टांत से अभिप्राय है पथरीली जमीन। सत्य जड़ और विकसित नहीं हो सकता जब किसी के पास कुछ नहीं होगा।

मेरे बेटे, तुमने अक्सर मुझसे सवाल पूछा है, "क्या किया?
ऐसा व्यक्ति यीशु मसीह जैसा कभी पृथ्वी पर रहता है?" और मैं हमेशा आपको कार्यात्मक उत्तर दिया है। यीशुनासरत के लोग रहते थे, चलते थे और पृथ्वी पर रहते

थे।लेकिन तुम मुझसे कहते हो: "यहाँ पृथ्वी पर बहुत से हैं आज के समय में, जो कहते हैं कि ऐसा कोई व्यक्ति कभी नहीं रहा।"

मेरे प्यारे बेटे, ऐसे लोग गलत हैं। पर तुम कहते हो,"पिताजी, आप कैसे जानते हैं कि वे गलत हैं?" और मैं जवाब देता हूँ,मैंने, व्यक्तिगत रूप से, यीशु के को देखा और उसके साथ बात की है नसरत - मसीह। मसीह का सीधा सा अर्थ है अभिषिक्त एक, या वह जिसे याजक के रूप में अभिषिक्त किया गया हो।

**वास्तव में कुछ भी बहुत अद्भुत नहीं है, है ना? आप अध्यात्मवाद के मंत्री या शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है,और उस दिशा में दुनिया को लाभ पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।यीशु ने पृथ्वी पर अपने दिनों में भी ऐसा ही किया था। लोग गलत समझते हैं**

**तुम–उन्होंने भी उसे गलत समझा। शब्दों कि आपने कहा है कि गलत व्याख्या की गई है - गलत समझा गया है;**

**उसके शब्द भी थे, उनमें से कई।नासरत के यीशु के साथ मेरे कई साक्षात्कार हुए हैं, उसके साथ आमने-सामने बात की है, एक समय में घंटे,और उस ने मुझ पर बहुत कृपा की है। मैं भी मिला हूँऔर कई अन्य महान, अच्छे और प्रसिद्ध के साथ बातचीत की**

**वे पुरुष जो कभी पृथ्वी पर रहते थे। क्या कोई अच्छा कारण है मुझे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए था ? मेरा जीवन यहाँ होगा अगर मैं नहीं होता तो बहुत कम उद्देश्य होता।**

**मैंने एक बनाया है उन सभी महान और अच्छे लोगों से मिलने का बिंदु जो मेरे पास थे**

**कभी सुना है कि मैं पृथ्वी पर कब रहता था, और मैंने दौरा किया है बहुत से अन्य जो सुदूर युगों में बहुत पीछे रहते थे पृथ्वी के, कि उनके नाम तुम्हारे पर ज्ञात नहीं हैं पृथ्वी आज. इनमें से मैं बाद में बोल सकता हूं; लेकिन यह का है यीशु मैं अब बोलूंगा। जो सवाल भड़का रहे हैं की वर्तमान अवधि में पुरुषों के दिमाग पृथ्वी का इतिहास वे हैं जिनका मैं विशेष रूप से उत्तर देना चाहता हूं।**

**तकरार ऐसा प्रतीत होता है, "क्या यीशु जीवित थे, या उन्होंने?**

**नहीं?" और इस सवाल को लेकर कई लोग आमने-सामने हैंदंगा करो तो सोचो कि जो सोचते हैं कि वह जीवित नहीं रहे, वे विश्वास करेंगे मुझे वे अन्य आध्यात्मिक प्राणियों से अधिक करते हैं जो कहा है कि वह रहता था। यहाँ बहुत सारी आत्माएँ हैं जो**
**विश्वास मत करो कि वह कभी जीवित था, और यदि वह उनसे मिलने गया था और कहो, "मैं वही हूँ जो कभी नासरत का यीशु कहलाता था,"**

**"हम इस पर विश्वास नहीं करते हैं। आप एक LETTERS . है आत्माओं की दुनिया से। 17 पोस्टर आप खुद को श्रेय लेने की इच्छा रखते हैं जो करता है आपका नहीं है/' इसलिए क्या मायने रखता है?**

**आध्यात्मिक प्राणी माध्यमों को नियंत्रित करेंगे और घोषणा करेंगेउनके माध्यम से ऐसा कोई व्यक्ति कभी नहीं रहता था। इनआत्माएं, शायद, अपने विश्वासों ईमानदार हैं, और,पता लगाने में परेशानी नहीं होगी; इसके अलावा, वे हैं बहुत से मनुष्यों की नाईं जो अब भी पृथ्वी पर हैं, वे प्रशंसा के पात्र हैं,वे अधिकार के रूप में लिया जाना चाहते हैं, और उनमें से कुछ को मिलता है गर्व से फूले नहीं समाए और महसूस करें कि वे महान हैं,वास्तव में बहुत बढ़िया; लेकिन, मेरे बेटे, जैसा मैंने पहले कहा, मेरे पास है नासरत के इस आदमी से मिलने के लिए बहुत दर्द हुआ और अपने होठों से उसकी गवाही सुन।**

**लेकिन आत्मा स्मृति के महान तथ्य के लिए मैं कभी नहीं कर सका यह किया है। अगर कोई यीशु होता और आने पर इस दुनिया में वह कुछ भी याद नहीं रख पा रहा था**

पृथ्वी पर उसके पिछले जीवन के बारे में, सब कुछ व्यर्थ होता;और अगर मैं, एक आत्मा के रूप में, वह सब याद नहीं था कभी नासरत के यीशु के बारे में सुना, बहुत खुशी हुई उसे ढूंढ़ने और उसके साथ बातचीत करने से असंभव रहा। लेकिन जब मैं यीशु से मिला, तो उन्हें याद आया अपने सांसारिक जीवन के बारे में सब कुछ और मुझे देने के लिए सबसे अधिक इच्छुक था जानकारी मैं चाहता था।

अब मैं प्रमाण चाहता था कि वह वही यीशु था;और लेकिन स्मृति के लिए, मैं इसे कभी प्राप्त नहीं कर सकता था। यीशु उसके पास उसके कुछ पूर्व शिष्यों को बुलाया; फिर उसने बनाया मैं कई अन्य लोगों से परिचित हुआ जो यरूशलेम में रहते थे वहां अपने जीवन के दौरान; और, एक और सभी सहमत थे कि यह सच्चा यीशु था; और, जैसा कि कई गवाहों के माध्यम से एक चीज को स्थापित माना जा सकता है, मुझे यकीन है
कि वह यीशु था, और उन सभी को, जिनसे वह और मैं मिले थे, संबोधित किया उसे उसी यीशु के रूप में। वहाँ नहीं था असहमति की आवाज, इसलिए मुझे सुनने में पूरी तरह से सुरक्षित महसूस हुआ उसे मुझसे क्या कहना पड़ सकता है, क्योंकि यह ध्यान में रखना कि मैं याद रखना।

मैंने नासरत के इस आदमी से पूछा कि क्या वह मुझे देगा?
निजी साक्षात्कार - अगर हम अकेले और अबाधित हो सकते हैं एक समय के लिए? उन्होंने मुस्कुराते हुए हामी भर दी और हमें छोड़ दिया गया खुद।शायद, मेरे बेटे, आप पहले कुछ जानना चाहेंगे हमारे परिवेश के बारे में। जब मैंने उसे पाया आध्यात्मिक

प्राणियों के एक बड़े दर्शक वर्ग को अभी-अभी खारिज किया था,और वे अब धीरे-धीरे सबसे बड़े हॉल में से एक को छोड़ रहे थे जब से मैं इसमें रहा हूं, तब से मैंने जो

कुछ भी देखा है, सीखने का विश्व। यह हॉल इतना बड़ा था कि लगभग एक हजार आत्माएं और बेहतरीन सफेद दिखाई दी सोने से सना हुआ संगमरमर। छत गुंबददार थी, उसका रंग
मास हल्का नीला, इधर-उधर उड़ता है 'और वहां सफेद सफेद के साथ बादल। इस गुम्बद के भीतर जगत् की पूरी व्यवस्था है प्रतिनिधित्व किया गया था - सूर्य, चंद्रमा, ग्रह और तारे।

ये था हमारे अपने सूर्य की प्रणाली, कार्लाइल, मेरे बेटे, और शब्द नहीं कर सकते आपको इसकी सुंदरता और भव्यता का पर्याप्त अंदाजा देता है।इस खूबसूरत हॉल में नियमित सीटें थीं, आध्यात्मिक के लिए प्राणी, जब शांत और चौकस होते हैं, खुद को इस रूप में बैठते हैं आप पृथ्वी पर करते हैं। कुर्सियां स्पष्ट रूप से चमक रही थीं सोना, लाल मखमल से गद्दीदार। खिड़कियाँ की थी झल्लाहट और सना हुआ ग्लास, देखने के लिए सबसे करामाती।

रोस्ट्रम तक जाने के लिए संगमरमर की तीन सीढ़ियाँ थीं,जिसका फर्श हरे रंग के आलीशान कालीन से ढका हुआ था,और यहाँ और वहाँ इसके पैटर्न में वायलेट के गुच्छे थे और गुलाब के छोटे गुच्छे। रोस्ट्रम की दीवार एक अत्यंत सुंदर सना हुआ खिड़की के साथ आधा वृत्तइसका केंद्र। मैंने आश्चर्य से इस खिड़की की ओर देखा, क्योंकि
उस पर क्रूस पर चढ़ाए गए उद्धारकर्ता को चित्रित किया गया था,और क्रॉस के नीचे शिशु के साथ मैरी का प्रतिनिधित्व representation यीशु। एक बड़ी खुली बाइबिल सुंदर ढंग से रखी गई हैगद्दीदार डेस्क - सोने की और कीमती होने वाली मेज

पत्थर जाहिरा तौर पर जिस कुर्सी पर यीशु बैठे थे, वह थी सोने और लाल रंग की मखमल की, और मैंने दूसरी ली took जिसमें नीले और सोने की प्रधानता थी, क्योंकि उसने कहा था, "बैठे, हेर फ्रांज/' सौम्य, शालीन, चांदी के लहजे में।

अब मैंने जो कुछ देखा, उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ, लेकिन ऐसा नहीं था जैसा कि मैं कई अन्य घटनाओं में था जो हुआ था मेरे लिए जब से मैं स्वर्गीय यजमान में शामिल हुआ था।"तुम मुझसे क्या करोगे?" उसने मुड़कर पूछा प्रकाशन, स्वर्गीय आँखें मुझ पर भरी हुई हैं।

मैंने अपनी सांस पकड़ी, क्योंकि मैं असंख्य पूछना चाहता था प्रश्न, और इसलिए मैंने उत्तर दिया: "मेरे पास बहुत सारे प्रश्न है कि मैं चाहूंगा कि आप उत्तर दें, मुझे शायद ही पता हो कि कहां करना है शुरू।"मैं इससे पहले मनुष्य के इस पुत्र से मिला था,

लेकिन वह था एक एलियन क्षेत्र में था, जहां वह मेज पर बैठा था उनके कई अन्य शिष्य, यदि उनके पूर्व शिष्य नहीं हैं, तो वेउनके वर्तमान शिष्य थे।

"मान लीजिए," उन्होंने सुझाव दिया, "आप शुरुआत में शुरू करते हैं।"
"क्या शुरुआत?" मैं लड़खड़ा गया।
"शुरुआत की शुरुआत," उसने जवाब दिया।
"शुरुआत की शुरुआत? अच्छा," मैंने कहा।
स्पिरिट वर्ल्ड से पत्र। 19
धीरे-धीरे मेरी सांस लेते हुए, "क्या आप मुझे कुछ बता सकते हैं"
शुरुआत की शुरुआत के बारे में?"

""नहीं" उसने जवाब दिया, और जैसे ही उसकी नज़रें मेरी से मिलीं,चुंबकीय शक्ति वास्तव में अद्भुत थी।

"फिर, यदि आप मुझे शुरुआत के बारे में कुछ भी नहीं बता सकते हैं,शायद तुम मुझे भगवान के बारे में कुछ बता सकते हो?"
"शायद मैं आपको इसके बारे में कुछ बता सकूंभगवान," उन्होंने उत्तर दिया, यदि आप मुझे सूचित करना चाहते हैं तो क्या एक तरह का भगवान जिसके बारे में आप जानना चाहते थे।"

"किस तरह का भगवान? क्यों, ऐसा माना जाता है लेकिन एक देवता।"
"मैं एक ईश्वर के बारे में कुछ नहीं जानता," उसने उत्तर दिया।
"लेकिन आपने पृथ्वी पर कहा कि आप एकमात्र भिखारी थे हे परमेश्वर के पुत्र, है न?"
"मैंने कभी नहीं किया," उसने जवाब दिया। "मैंने बस इतना कहा, मैं और मेरे पिता एक हैं।"

"ठीक है, यह भी एक जिज्ञासु कहावत है। आपने बताया है मुझे इससे पहले कि आप वास्तव में इससे क्या मतलब रखते थे, लेकिन मैं चाहूंगा मेरे बेटे और अन्य लोगों को इसके बारे में एक बार फिर बताने के लिए।""मैंने कहा, मैं और मेरे पिता एक हैं, जिसका अर्थ है कि मैं सह-अस्तित्व में था उसके साथ जिसने मुझे पैदा किया था, और उस रूप में जिसने मुझे पैदा किया था, उसकी शुरुआत कभी नहीं हो सकती थी कोई अंत नहीं है। मैंने यह भी कहा कि मुझे अपने पिता के पास जाना चाहिए या उस पर जिसने मुझे पैदा किया। मैंने अपने सांसारिक का उल्लेख नहीं किया माता-पिता किसी भी मायने में, क्योंकि मैं स्वर्ग की शिक्षा दे रहा था या आध्यात्मिक बातें।

मैंने स्पष्ट रूप से अपने स्वर्गीय पिता को कहा।""ठीक है, बस यही बात है जो मुझे जानना चाहिए के बारे में अधिक। अपने स्वर्गीय से आपका क्या मतलब था पिता जी?"

"मेरा मतलब था कि मैं स्वर्ग के भीतर उत्पन्न हुआ-वह मेरे होने का पहला कारण वहाँ था न कि पृथ्वी की मिट्टी।"

"क्या आपने कहा था कि आप पवित्र से पैदा हुए थे?भूत?""मैंने किया," उन्होंने जवाब दिया।"तब आपने पवित्र आत्मा से क्या समझा?""मैं तब समझ गया था, अब की तरह, वह भूत आत्मा है, हालांकि भूत वह शब्द नहीं था जिसका मैंने इस्तेमाल किया था, लेकिन जैसा कि आप नहीं करते हैं प्राचीन भाषाओं को समझते हैं, मैं बस इतना ही कहूंगा भूत अर्थात आत्मा, जैसा कि पृथ्वी के लोग आज भी समझते हैं।

पवित्र भूत का सीधा सा अर्थ है शुद्ध आत्मा।"

"आपका मतलब था, तब, कि आप शुद्ध से पैदा हुए थे आत्मा?"

"मैंने किया। मेरा मतलब था कि मैं-अहंकार-या असली सारे मेरे जीवन का - मेरे जीवन का वास्तविक कारण - शुद्ध आत्मा था; मैंने क्रमिक के नियम के माध्यम से भौतिक रूप धारण कर लिया था विकास, निश्चित रूप से, क्योंकि यह क्रमिक विकास के माध्यम से है कि सभी रूपों पर लिया जाता है।

मेरा मतलब था कि मैं से आया हूं आध्यात्मिक दुनिया, आध्यात्मिक दुनिया में लौटने के लिए, जो मेरे पिता थे, या मेरे होने का पहला कारण। लोग जो पृथ्वी पर रहता था, उस समय मेरे साथ, समझ नहीं सकता था मुझे, क्योंकि उन्हें व्यक्तिगत के अलावा

**किसी और के बारे में कोई जानकारी नहीं थी शक्तिशाली हालांकि, मैंने बहुत कुछ सीखा था भारत के ब्राह्मण।**

**मैं भी एक प्राकृतिक फकीर था मेरे जन्म से–और मेरा मतलब है कि पृथ्वी पर मनुष्य क्या है संवेदनशील या माध्यम से मतलब - यानी, मैं एक प्राकृतिक संवेदनशील था या माध्यम, कि मैं अपने पिता के बीच खड़ा था, जो मतलब आध्यात्मिक या स्वर्गीय, और सामान्य रूप से मानव जाति,उनके लिए मध्यस्थता करना, जिसका सीधा सा मतलब था प्रार्थना करना प्रकाश और सच्चाई कि यह उन्हें दिया जा सकता है।"**

**"क्या तुमने, जब पृथ्वी पर, चमत्कार किए थे?"**
**"मैंने बहुत से काम किए जो उस समय चमत्कार कहलाते थे;लेकिन चमत्कार शब्द का सीधा सा अर्थ है अद्भुत–वह जो आश्चर्य या विस्मय का कारण बनता है।"**
**"क्या तुमने बीमारों को ठीक किया?""मैंने किया।"**

**"क्या तुमने मरे हुओं को उठाया?"**
**"मैंने नहीं किया। मैंने स्पष्ट रूप से कहा, वे आपकी तरह मरे नहीं हैं मान लीजिए, लेकिन सो रहा है। आपके समय के शब्दों में उत्प्रेरक थे या अप्राकृतिक नींद सो रहे थे–एक समाधि में–और यह सच था।"**
**"तुमने किस शक्ति से उन्हें जीवित किया और स्वास्थ्य?"**
**"आत्मा या आध्यात्मिक शक्ति की शक्ति से, क्योंकि, मैं कहा, 'इन कामों को करने वाला मैं नहीं, पर मेरे पिता है स्वर्ग जो मेरे द्वारा इन चीजों को करता है / और मेरे पास है स्वर्ग में मेरे पिता के लिए मेरा क्या मतलब है, पहले ही आपको बता दिया है।"**

***

आपको यह जानने में दिलचस्पी हो सकती है मेरे आसपास का कुछ। वर्तमान समय में यह मुझे अच्छा लगता है कि मेरे पास एक सुंदर घर है–उसमें चुपचाप रहने के लिए मेरी प्यारी पत्नी के साथ, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, मेरी अपनी है अन्य स्वयं या मेरे होने का सच्चा समकक्ष। बेशक हमारे सभी बच्चे शादीशुदा हैं और एक दूसरे के लिए रह रहे हैं जो भी तरीका उन्हें सबसे अच्छा लगे। हमारे सभी पोते उसी तरह स्थित हैं। हम उस पर पहुंचे हैं हमारे करियर में वह समय जब हम देखभाल और शिक्षण को छोड़ देते हैं हमारे बच्चे उनसे इतने उन्नत नहीं हैं जितने हम हैं।

हमारा घर किसी भी चीज से ज्यादा खूबसूरत है जिसे आपने कभी देखा है पृथ्वी पर, और फिर भी यह बहुत सी चीजों से मेल खाती है वहाँ है। यह एक बड़ी इमारत है, क्योंकि हम अक्सर असहाय हो जाते हैं नवजात आत्माओं में और उनकी देखभाल तब तक करते हैं जब तक वे हैं खुद की देखभाल करने में सक्षम। हेलेना खुद में व्यस्त दुर्भाग्यपूर्ण और असहाय महिलाओं की देखभाल करना, पढ़ना उन्हें सही और सच्चे

सिद्धांत, जिससे उन्हें प्रदान किया जाता है मजबूत और खुद की देखभाल करने में सक्षम, या उन्हें फिट करने में सक्षम उनके सामने आने वाले असहाय बच्चों की देखभाल करने के लिए चाहिए जो दिखता है उससे हमारा घर बना है मोती की सबसे अच्छी माँ। सबसे खूबसूरत सीशेल की कल्पना करें आपने कभी देखा है, और फिर इसकी कई गुना अधिक कल्पना करें सुंदर st'll, और आप की एक उचित अवधारणा मिल जाएगा हमारे घर के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री। यह है एक बड़ी संख्या में कमरे और वे सभी बड़े और भव्य हैं,स्पिरिट वर्ल्ड से पत्र। 41

**क्योंकि जब मैं पृथ्वी पर था, तब जो कुछ बड़ा और सुन्दर था, मैं उससे प्रीति रखता था।हमारे पास सभी से भरा एक विशाल संगीत कक्ष है संगीत वाद्ययंत्र के प्रकार, एक और बड़ा हॉल छोड़ दिया सभी प्रकार के शिक्षण और निर्देश के लिए, उनके विभिन्न में**

**ज्ञान और कला की शाखाएँ; हमारे पास भी अपार है पार्लर, या स्वागत कक्ष, जहां एवेन्यू आध्यात्मिक प्राप्त करता है आगंतुक; और जब भी हम किसी उल्लेखनीय व्यक्ति को देखने की इच्छा करते हैं,हमें केवल ईमानदारी से इच्छा या इच्छा करनी है, और तुरंत हमारे ईथर वातावरण में स्थापित कंपन तरंगें आध्यात्मिक मस्तिष्क या कैमरे के सेंसेरियम तक पहुँचें और,यदि सुविधाजनक हो, तो आत्मा हमारे पास आएगी, या यदि नहीं, तो हम जाते हैं जिसे हम देखना चाहते हैं उसके घर में।**

**अब, कार्लाइल, मैं तुम्हें झूठ का ताना-बाना नहीं लिख रहा हूँ,लेकिन वास्तविक और सटीक सत्य।आध्यात्मिक प्राणी इधर-उधर तैरते हुए खुश नहीं होंगे बिना किसी वस्तु या किसी भी प्रकार के घर के अंतरिक्ष के माध्यम से लोगों की तुलना में अधिक है या पृथ्वी पर होगा। मनुष्य इस प्रकार, यदि वे चाहें तो घर के बिना तैर सकते हैं या आश्रय, वे कौन से आवारा सामान उठा सकते हैं जो वे करने में सक्षम हो सकते हैं ढूँढते; परन्तु जब वे ऐसा करते हैं तो वे आवारा या आवारा कहलाते हैं;**

**और इस अपवाद के साथ यहाँ भी ऐसा ही है–सभीजो ज्ञान प्राप्त करेगा, वह लेने के लिए उनके लिए तैयार है या पूछना, कुछ भी उन्हें गरीबी में रहने के लिए मजबूर नहीं करता है अगर वे नहीं चाहते हैं, लेकिन हमारी गरीबी और धन की है मन या आत्मा।**

**अब हमारे पास यहां कुछ ऐसा है जो से मेल खाता है खाना या सोना; इसलिए हमारे पास एक बड़ा और सुरुचिपूर्ण डाइनिंग हॉल है जिसमें हमें कई मेहमान मिलते हैं। हम खाना नहीं बनाते खाओ और खाओ जैसे तुम करते हो, लेकिन हम एक साथ मेज**

**पर बैठे हैं हमारे मेहमानों के साथ और जब हम प्रसन्नता से हिस्सा लेते हैं, जाहिरा तौर पर,रोटी और फल, पानी और शराब की हम लंबे समय तक पकड़ते हैं और रुचि रखने**

**वाले सभी प्रश्नों पर एनिमेटेड चर्चाएंमानव जाति, वे सभी जो आध्यात्मिक प्राणियों में रुचि रखते हैं,और आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि हमारे पास बात करने के लिए पर्याप्त है।**

**हमारे कमरे सुंदर अपार्टमेंट का रूप लेते हैं पृथ्वी जीवन में, कला में सभी सुंदरता के लिए यहीं से उत्पन्न होता है पहले और सांसारिक तल पर संवेदनाओं को प्रेषित किया जाता है;**

**इस तरह आपको वहां सुंदरता के मॉडल मिलते हैं, सिवाय इसके कि क्या प्रकृति आपको सुसज्जित करती है; और हमारे संगीत वाद्ययंत्र है बनाया गया है - या इतने नाजुक ढंग से बनाया गया है - कि कंपन ध्वनि केवल ईथर वातावरण को कंपन करती है, फलस्वरूप ध्वनियाँ सुस्त, सांसारिक कानों के लिए श्रव्य नहीं हैं।**

**हमारे कमरे अमीरों के नरम कालीनों से ढँके हुए प्रतीत होते हैं बनावट और उत्तम पैटर्न। मैं उल्लेख करना भूल गया कि हमारे पास मूल्यवान पुस्तकों का एक बड़ा पुस्तकालय भी है, तो अच्छी और सच्ची किताबें यहाँ पृथ्वी की तरह मौजूद हैं– इसलिए सावधान रहें,लेखकों, कि आप शर्मिंदा होने के लिए कुछ भी नहीं लिखते हैं जब तुम यहाँ पहुँचो। हमारे पास सुरुचिपूर्ण सीटें, टेबल और हैं सभी प्रकार के सुंदर फर्नीचर। हमारा सोना या आराम करना कमरे, सोफे और धुंध, सफेद ड्रेस परियों से सुसज्जित हैं;**

**लेकिन इन सभी चीजों को हम अपने दिमाग से बनाते हैं और विचार वस्तुनिष्ठ चीजें बन जाते हैं जिनका हम आनंद ले सकते हैं और अन्य हमारे साथ। तो, पृथ्वी के प्यारे, अपना व्यायाम करें रचनात्मक क्षमताएं अपनी पूरी सीमा तक; यह अच्छी तरह से चुकाएंगे आप ऐसा करने के लिए, क्योंकि वे कुछ खजाने हैं जो स्वर्ग में या स्वर्गीय या आकाशीय में रहता है।**

**यहाँ कोई और नहीं रह सकता, ईथर के भीतर, बिना पृथ्वी पर एक से अधिक बनाना या सोचना; के अंतरहोने के कारण किसी के विचार वस्तुनिष्ठ या दृश्यमान हो जाते हैं और**
**एक उनसे घिरा हुआ है। पृथ्वी पर वास्तव में ऐसा है, लेकिन सुस्त इंद्रियां उनका संज्ञान नहीं लेती हैं। एक अपने विचारों से घिरा हुआ है, और सबसे संवेदनशील महसूस करते हैं,या इन बातों को स्पष्ट रूप से समझें।**

**आपने कितनी बार कुछ लोगों को यह कहते सुना होगा: "मुझे पसंद नहीं हैयह या वह एक; मैं उससे घृणा करता हूँ; मुझे सब डरावना लगता है जब उनकी उपस्थिति में।" वे कितनी बार पृथ्वी पर हैं जीवन, जो इन बातों पर ध्यान नहीं देता, धोखा दिया जाता है, धोखा दिया जाता है या अंत में लूट लिया या बर्बाद कर दिया क्योंकि उन्होंने ध्यान नहीं दिया उन्हें।**

**मैंने आपको "द डिस्कवर्ड कंट्री" में लिखा है किआत्मा उन सभी चीजों में विद्यमान है जिनमें जीवन है, ऊपर चढ़ता हैयह जीवन, जब वे चीजें मरती या सड़ती हुई प्रतीत होती हैं पृथ्वी; और यह सच है; नतीजतन, हमारे पास सब कुछ है यहाँ जो तुम वहाँ करते हो;**

हमारे पास विशाल जंगल, मैदान हैं,पहाड़, नदियाँ, समुद्र, महासागर, सभी प्रकार की वनस्पतियां, पशु और कीट जीवन उनके विभिन्न रूपों, फूलों, झाड़ियों में,
नाले, तालाब; कुछ भी नहीं बचा है, लेकिन इसके विपरीत बहुत कुछ जोड़ा जाता है जो आपने कभी नहीं देखा, क्योंकि हम उसके पास वह सब कुछ है जो अतीत दे सकता है।

अब यह पृथ्वी पर कहा गया है, और हम ने ये सुना हैकहावतें, कि उनके भीतर पर्याप्त जगह नहीं होगी इन सभी चीजों को धारण करने के लिए आकाशीय गोले। हमें लगता है कि कौन कह सकता है कि इसे बहुत तंग धारणाओं का मनोरंजन करना चाहिए
अनंत काल। क्या ऐसे मन कभी उस अनंत काल पर विचार करने के लिए रुकते हैं इसकी कोई सीमा या सीमा नहीं है–कि यह हमेशा और हमेशा के लिए है?
पता है कि किसी के लिए इसकी कल्पना करना कठिन है, लेकिन कैसे
क्या कोई कभी न खत्म होने वाले अनंत काल या स्थान की सीमा नहीं तय कर सकता है?

फिर भी, पृथ्वी के रूपों की एक सीमा या अंत है पैदा करता है, लेकिन सीमाएं इतनी विशाल हैं कि धरती पर दिमाग संभवत उन्हें अंदर नहीं ले जा सका।अनंत काल सभी प्रकार के रूपों से भरा है, और अनंत काल जिसकी कोई शुरुआत या समाप्ति सीमा या सीमा नहीं है। तो, जब मैं आपको बता दें, कार्लाइल, कि हमारा घर एक सुंदर के पास स्थित है झील, यह आपको कोई आश्चर्य की आवश्यकता नहीं है।

झील भालू वही पत्राचार जो झीलें पृथ्वी से करती हैं।ईथर का पानी ईथर की तुलना में उतना ही भारी है हवा के रूप में पृथ्वी पर पानी वातावरण से सघन है,और यहां के

**जल के भीतर सुंदर मछलियां लहराओ–पृथ्वी पर मरे हुओं की आत्माएं, और यह हैहमारे**

**जानवरों के साथ ही, वे अधिक से अधिक उठते हैं सुंदर, एक गोला दूसरे से ऊपर, लेकिन कुछ भी प्रचारित नहीं करता यहां इसकी प्रजातियां। सभी प्रचार सामग्री पर है पृथ्वी और पृथ्वी प्रचार नहीं कर सकते और न ही फैल सकते हैं आकाशीय संसारों की आवश्यकता से अधिक–इसके अलावा, कुछ भी नहीं यहां भीड़ भाड़ है और अंतरिक्ष के विशाल क्षेत्र हैं–इतना विशाल,वास्तव में, मनुष्य का मन कल्पना भी नहीं कर सकता उन्हें - जिसमें अभी तक कोई रूप मौजूद नहीं है।**

**जब जंगली जानवर धरती पर मरते हैं, तो उनके हौसले बुलंद होते हैं महान आध्यात्मिक जंगलों में जो इतने जंगली और उदास हैं कि मानव आत्माएं शायद ही कभी या कभी उनसे मिलने नहीं जातीं; जब महान समुद्री राक्षस मर जाते हैं, या छोटी मछलियाँ, उनकी आत्माएँ चढ़ जाती हैं और असीम आध्यात्मिक महासागरों के भीतर घर खोजें।**

**तुम्हारी पृथ्वी का ग्लोब, जो आपको इतना विशाल लगता है, लेकिन एक छोटा है कण, या रेत के दाने की तरह, अनंत काल की तुलना में और इसकी अनन्त आकाश। बात बस इतनी सी है कि मनुष्य का मन नहीं कर सकता इन बातों को समझो।**
**सामग्री के माध्यम से रूप सामने आते हैं, न कि वेनष्ट हो सकते हैं, लेकिन अनंत काल को भरने के लिए उन्हें संरक्षित किया जा सकता है सुंदरता और बुद्धि के साथ–न केवल की बुद्धिमानव जाति, लेकिन जानवरों, पक्षियों, सरीसृपों की कम बुद्धि**

और मछलियाँ–प्रकृति के लिए ये रूप उतने ही सुन्दर हैं जितना कि आदमी की। क्या आप कभी सोचना बंद करते हैं, मेरे प्यारे बेटे,कि अंतरिक्ष में अन्य पृथ्वी या ग्रह हैं, जिनके निवासी पृथ्वी के मनुष्यों से बहुत आगे हैं कि मनुष्य उनके लिए एक सरीसृप के रूप में प्रकट होगा जो मनुष्य को करता है पृथ्वी।

हालांकि, यह तथ्य है; लेकिन के निवासी ग्रह पूरी तरह से यह कहने के लिए बहुत बुद्धिमान हैं: "ओह, सरीसृप मनुष्य, उस छोटी सी, तुच्छ पृथ्वी पर अमर नहीं हो सकता"-क्योंकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि सभी रूप जो कुछ भी हैं अमर और अविनाशी।

हर चीज के रूप क्यों आपके पास पृथ्वी पर एक छोटे से ईथर के भीतर समाहित है असली रोगाणु-आध्यात्मिक रोगाणु-जो सभी के भीतर होना चाहिए पार्थिव बीज, चाहे वह किसी भी प्रकार का हो, और ?अपनी तरह के बाद प्रत्येक-और यहीं पर मनुष्य एक घातक गलती करता है, क्योंकि अस्तित्व में हर चीज के आध्यात्मिक रोगाणु या जो कभी थेया कभी भी मौजूद रहेंगे, हमेशा के लिए ईथर वातावरण में हैं,और जैसे ही यह

ईथर सामग्री के माध्यम से प्रवेश करता है वातावरण सभी वनस्पतियों के फूल आकर्षित और धारण करते हैं,प्रत्येक अपनी तरह; इसलिए सभी जानवरों का, इसलिए सभी पुरुषों का। पुरुष और जानवर सांस लेते हैं या इन कीटाणुओं को अंदर लेते हैं; पुरुष, या सकारात्मकतत्व, वह धारण करता है जिसका उपयोग किया जा सकता है, अन्य पलायन–क्योंकि वे साँस छोड़ने में अविनाशी है सांस या त्वचा के छिद्रों के माध्यम से या के माध्यम से शरीर का कोई या सभी अंग।

किसी भी चीज का पहला रूप जो कुछ आने वाला है उसका बीज धारण नहीं करता,अपने भीतर। ऐसा विचार बिल्कुल हास्यास्पद है, लेकिन किसी भी चीज का जनक उसी का बीज बनाता है जो कि है आध्यात्मिक धारण करने की शक्ति रखते हुए तुरंत पालन करें रोगाणु। एक के बाद एक रूप धीरे-धीरे विकसित हुए हैं,लेकिन वे आध्यात्मिक रोगाणु विकसित नहीं करते हैं, लेकिन प्रत्येक रूप कीटाणुओं को धारण करने में सक्षम होता है, जिससे वह सांस लेता है आने वाली पीढ़ी के लिए वातावरण, जिसका अनुसरण करना है;

यह तब वृत्त को पूरा करता है। इतनी उम्र में युवावस्था में अगली पीढ़ी सांस लेती है और दूसरे को पकड़ती है रोगाणु जो भविष्य की पीढ़ी के बीज हैं, और यह सभी वनस्पति और पशु जीवन के लिए सच है।

अब आप मुझसे आनुवंशिकता के बारे में पूछें। आध्यात्मिक रोगाणु आनुवंशिकता से कोई लेना-देना नहीं है। यह बिल्कुल शुद्ध है और निर्मल, लेकिन जैसे ही यह अपने पहले भौतिक वस्त्र धारण करता है जो इसे धारण करता है, उसके शरीर से सब कुछ विरासत में मिलता है, या माता-पिता के कम से कम कई लक्षण। पहले पिता father उनके खून में ईथर रोगाणु कपड़े और अगर उसका मांस है निर्लज्जता से भरकर वह रोगाणु को उसी के अनुसार वस्त्र देता है और की वंशानुगत प्रवृत्तियों के लिए और भी अधिक जिम्मेदार माँ की तुलना में बच्चा।

वह जीवन प्रस्तुत नहीं करतीया जीवित सिद्धांत–रोगाणु–वह नकारात्मक है और उन्हें धारण करने की शक्ति नहीं है–वह नारी है–लेकिन वह अंडा, या डिंब प्रस्तुत करता है; उसमें रोगाणु प्रवेश पाता है और अंडे की सामग्री द्वारा तब तक पोषित किया जाता है जब तक किरचने या फेंकने के लिए पर्याप्त सामग्री ले ली है भौतिक जगत में।

**यदि रोगाणु एक स्तनपायी का है अंडा तैयार होने पर थोड़े समय के बाद गिर जाता है**

**गर्भ, वहाँ माँ के रक्त से पोषित होता है पैदा होने के लिए तैयार होने तक।आनुवंशिकता बस वह है जो malETTERS से विरासत में मिली है आत्मा की दुनिया से। 45**
**जिस वस्त्र से पिता या माता ने वस्त्र धारण किया हो रोगाणु। यही कारण है कि बच्चे अपने से मिलते जुलते हैं माता-पिता, लेकिन आत्मा, आंतरिक सिद्धांत, कलंकित नहीं है कम से कम, जल्दी या बाद में, या तो सामग्री में, या आध्यात्मिक, या आकाशीय जीवन, यह पहले की तरह परिपूर्ण हो जाता है और भौतिक, आध्यात्मिक, के माध्यम से प्रगति की है आकाशीय धीरे-धीरे अपने पाठ्यक्रम पर सभी अशुद्धियों को फेंक रहा है**
**जब तक यह एक ईश्वर-स्वर्गदूत, या कट्टर-स्वर्गदूत, या सबसे बुद्धिमान और सर्वश्रेष्ठ देवदूत जिसकी मनुष्य कल्पना कर सकता है और मनुष्य नहीं कर सकता ऐसी परी की कल्पना करें जबकि वह इतना छोटा है और एक भौतिक शरीर के भीतर एक आदमी होने के रूप में अविकसित।**

**लेकिन कुछ भी मतलब नहीं है–कुछ भी महत्वहीन नहीं है–कुछ भी नहीं कभी भी हो सकता है। हम किसी भी चीज़ के निर्माता नहीं हैं मौजूद है, फलस्वरूप हमें किसी भी चीज़ का तिरस्कार करने का कोई अधिकार नहीं है जो भी हो, सबसे छोटा कीट या कीड़ा भी नहीं। जिंदगी मनुष्य से उत्पन्न नहीं होता; वह बस इसे देखता है, और वह**

**स्वर्गदूत के जितना करीब आता है, उतना ही कम महसूस करता है ब्रह्मांड के भीतर मौजूद किसी भी चीज का तिरस्कार करना, सभी के लिए ईश्वर है; सब भगवान है.**

***

**कोई निर्दोष सुख या सुख नहीं है जिसे नकारा जाता है मनुष्य की आत्मा के लिए, और वह शातिर में भी लिप्त हो सकता है सुख अगर वह इतना इच्छुक है; लेकिन, जब एक बार अच्छी तरह से समझता है कि सभी प्रकार के, किसी भी प्रकार के,सीधे दुख, दुख की ओर ले जाता है - दूसरे शब्दों में,नरक–वह न तो पाप करेगा और न ही प्राकृतिक नियमों को तोड़ेगा यदि वह उन्हें समझता है। यह आत्मा या आत्मा है जो वास्तव में**
**कुछ का आनंद लेता है और भौतिक शरीर का नहीं, जैसा कि कुछ को लगता है सोचने के लिए; और जैसे-जैसे आत्मा ऊपर और ऊपर चढ़ती जाती है क्षेत्रों में इसके सुख और अधिक बढ़ जाते हैं।**

**भौतिक पृथ्वी केवल एक गोला है, फिर भी वह नहीं है पहला गोला या शुरुआत। भीतर जर्मिनल क्षेत्र ईथर का वातावरण पहला क्षेत्र है-अर्थात, जहाँ तक जैसा कि मैं खुद जानता हूं। पृथ्वी का गोला दूसरा गोला है;**

**आकाशीय क्षेत्र तीसरा क्षेत्र है; और वहां से आत्मा कई क्षेत्रों में उगती है जो आवश्यक नहीं है यहां गिना जाएगा; लेकिन हमारी दुनिया विवरणों से भरी हुई है अपने की तरह। मनुष्य पृथ्वी पर शायद तीन के लिए रहता है स्कोर साल और दस, संभवतः**

**अधिक। उसे ऐसा लगता है जैसे वह जीवन के माध्यम से चलता है कि यह सब छोटे से बना है**
**विवरण। वह अक्सर काफी अधीर हो जाता है उसका छोटापन, लेकिन उसका पूरा अस्तित्व बना है सेकंड, और मिनट, घंटे, दिन, महीने, साल, और यह है मुझे भी।**

**हम समय की गिनती नहीं करते जैसा आप करते हैं, सुनिश्चित करने के लिए, लेकिन हमारे जीवन छोटे विवरण या घटनाओं से बने होते हैं, और हम गिनते हैं एक घटना से दूसरी घटना में हमारा समय, की छोटी घटनाएं हमारे अपने जीवन और महान घटनाएं जो अनंत काल को चिह्नित करती हैं।**

**अब मैं आपको अपनी यात्रा के बारे में कुछ बताना चाहता हूं।पृथ्वी पर आप एक शहर से दूसरे शहर की यात्रा करते हैं, आप एक सागर से दूसरे सागर की यात्रा, तुम एक से यात्रा करते हो देश से दूसरे देश, आप दुनिया भर में यात्रा करते हैं, और इसी तरह स्पिरिट वर्ल्ड से पत्र। 47 आगे। हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, हम यात्रा करते हैं एक गोले से दूसरे गोले में हम एक ग्रह से दूसरे ग्रह की यात्रा करते हैं दूसरा, और कभी-कभी हम ज़ोन के माध्यम से एक मोड़ लेते हैं आकाशगंगा का, जैसा कि इसे पृथ्वी पर कहा जाता है, लेकिन, वास्तव में, यह,असंख्य संसारों का एक और विशाल क्षेत्र है; सूर्य, चन्द्रमा,ग्रह और पृथ्वी। मैं यहाँ केवल बोल रहा हूँ। इन चीजों के रूप में**
**आप उन्हें समझते हैं, क्योंकि को छोड़कर लगभग सभी ग्रह पृथ्वी हैं सूरज, और ये नहीं हैं, जैसा कि कभी खोजा जाएगा;**

**यह भी पता चलेगा कि सभी सूर्य हैं उनके स्वभाव में दोहरे, दोनों के वास्तविक शरीर की रचना की जा रही है प्राथमिक सिद्धांतों का, और यह दो का खेल है आगे और पीछे तत्व जो प्रकाश और गर्मी का कारण बनते हैं।**

**सूर्य के वास्तविक शरीर मनुष्य को दिखाई नहीं देते, नहीं क्या वे उस धधकती रोशनी के कारण हो सकते हैं जो वे उत्पन्न करते हैं,और यह प्रकाश वास्तव में एक जलती हुई, जलती हुई रोशनी है, और,दहन कारण है।तुमने अक्सर बिजली की चमक देखी है ना?**

**और आप जानते हैं कि बिजली का कारण मिलन है दो तत्वों का, और जैसे ही वे मिलते हैं, उनमें आग लग जाती है अन्य और एक विस्फोट इस प्रकार है जो उज्ज्वल देता है**
**Chamak। अब सूर्य के दो प्राथमिक पिंड कार्य करते हैं ठीक उसी तरह; जैसे हर एक घूमता है, प्रत्येक फेंकता है अपने प्राथमिक सिद्धांत से दूर, और जैसे ही ये तत्व मिलते हैं,एक दूसरे में आग लगाता है और दहन परिणाम है।**

**सूर्य के वास्तविक पिंड कई डिग्री से इतने बड़े नहीं हैं,जैसा कि कुछ खगोलविद सोचते हैं। कभी कुछ नहीं देखा सूर्य का लेकिन इन दो बलों का परिणाम; धधकते हुए प्रकाश दिखाई देता है लेकिन स्वयं सूर्य के दो शरीर नहीं।**

**मेरी किताब "ओशनाइड्स" में, "द डिस्कवरेड" में भी देश/' मैंने इन दोनों का विस्तृत विवरण दिया है शरीर और वे पहली बार कैसे अस्तित्व में आए, और यदि मेरे पास नहीं था व्यक्तिगत रूप से सूर्य का दौरा किया मैं आपको बताने में सक्षम नहीं होना चाहिए**
**इसके बारे में।**

**खगोलविदों को अभी बहुत कुछ सीखना है – और उनका भंवर और अग्नि-धुंध सिद्धांत सही नहीं हैं–न ही है चाँद एक पुरानी और घिसी-पिटी दुनिया, लेकिन एक**

बच्चे की दुनिया नहीं तौभी रहने के योग्य–और यह तुम्हारी पृथ्वी की संतान है, फिर भी
अग्रणी-तारों में। कौन, एक पल के लिए, मान सकता है कि बृहस्पति और शनि के चंद्रमा पुराने हो चुके हैं दुनिया? नहीं न; उन्हें इन ग्रहों से फेंक दिया गया है-
वे उनके बच्चे हैं।

सभी प्रकृति मंडलियों या परिवारों में चलती है, पिता के साथ,माँ और बच्चे–या सकारात्मक और नकारात्मक सिद्धांत का तीसरा रूप, और उसके बाद कई अन्य रूपों का निर्माण।केमिली फ्लेमरियन की किताब को निर्देशित करने वाली आत्माएं सही थे। उन्होंने नवीनतम छोटे के लिए कोई गलती नहीं खोजे गए चंद्रमा हाल ही में अस्तित्व में आए हैं और के रूप में गोलाई में पर्याप्त रूप से संशोधित नहीं किया गया है सर्वश्रेष्ठ दूरबीनों से भी शायद ही दिखाई दे।

ऐसाआत्माएं जो इस महान गोलशास्त्री को नियंत्रित नहीं करतींएक नियम के रूप में मिथ्याकरण, लेकिन लोगों को बनाना उनके लिए बहुत कठिन है वह सब समझें जो वे बताना चाहते हैं। अगर मानसिक एक अच्छी, नकारात्मक महिला थी, बहुत बेहतर परिणाम प्राप्त होता। सच्चे माध्यम है लगभग सभी स्त्रीलिंगों में पाए जाते हैं। नर

है पूरी तरह से सकारात्मक और फकीरों का बड़ा हिस्सा और उनमें कपट पाए जाते हैं; अभी भी, वहाँ एक हैं कुछ प्रेरणादायक व्याख्याता और कई प्रेरक लेखक।प्रेरक लेखकों में एंड्रयू का उल्लेख किया जा सकता हैजे डेविस, हडसन टटल, जोसेफ आर बुकानन,

जेम्स एम. पीबल्स, ई.डी. बैबिट, डब्ल्यू.ई. कोलमैन, जे.एस.लवलैंड, मूसा हल। इनमें से कई प्रेरक भी हैं व्याख्याता।

लाइमैन सी. होवे, जे.जे. मोर्स, डब्ल्यू.जे. कोल्विल,और कई अन्य – और यहाँ मैं कहना चाहता हूँ कि रॉबर्टजी. इंगरसोल वास्तव में एक प्रेरणादायक व्याख्याता थे और लेखक, हालांकि खुद के लिए अज्ञात; लेकिन फिर भी यह है एक तथ्य यह है कि वह वास्तव में एक शक्तिशाली बैंड द्वारा इस्तेमाल किया गया थाआत्माओं को वैसा ही करने के लिए जैसा उसने किया, और आध्यात्मिक दुनिया की मदद करने के लिए असत्य को कुचल दो कि सत्य को स्थान मिल जाए।

परंतु मेरे दोस्त रॉबर्ट कॉफी आध्यात्मिक दिमाग वाले नहीं थे आध्यात्मिक क्षेत्र में स्पष्ट रूप से देखने के लिए, और नहीं जानता था कि वह आध्यात्मिक प्राणियों द्वारा उपयोग किया जा रहा था; फिर भी थे कई बार जब वह खुद पर हैरान होता था, और वह अक्सर कहता था खुद के लिए, "अगर आध्यात्मिक प्राणी हैं जो हमें प्रेरित करते हैं"

नश्वर, मुझे लगता है कि उन्होंने आज मेरा उपयोग किया होगा।"

या आज शाम, जैसा भी मामला हो; लेकिन, फिर, और दूसरी ओर, वह अक्सर अपनी विशद कल्पना के लिए सभी को जिम्मेदार ठहराते थे,वास्तव में समझ में नहीं आ रहा है कि कल्पना शब्द क्या है वास्तव में मतलब है। छवि, या कल्पना-कल्पना।

मस्तिष्क पर प्रभावित किसी चीज़ की छवि, और येचित्र या विचार लगभग हमेशा प्रभावित या चित्रित होते हैं एक संवेदनशील के मस्तिष्क पर, या जैसा कि अक्सर होता है एक मजबूत और मजबूत व्यक्ति का दिमाग, लेकिन दिमाग ऐसे को आमतौर पर बहुत संवेदनशील, या ठीक, मजबूत गुणवत्ता का होता है।

हां, रॉबर्ट जी। इंगरसोल एक सच्चा माध्यम था, सभी अज्ञात खुद के लिए, और सचमुच be के आदेश का पालन कर रहा था आध्यात्मिक या आकाशीय के भीतर उच्च बुद्धि गोले वह अब इनमें से कई गाइडों से आमने-सामने मिल चुके हैं स्पिरिट वर्ल्ड से लेटेब्स। 49चेहरा और वे उसके खर्च पर एक अच्छी हँसी है, और वह उनके साथ उनके समान और आनन्द से हँसा है उनमें से सबसे खुश के रूप में।

मेरे बेटे, जैसा कि मैं अभी बहुत समय तुम्हारे साथ हूँ,क्योंकि मैं तुम्हें ये पत्र लिखना चाहता हूँ, मैंने तुम्हें कब सुना था आपने पूछा, "इतने सारे संगीत वाद्ययंत्र क्यों थे? मेरे घर में चाहिए?" जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं खेला था कोई वाद्य यंत्र नहीं बल्कि पियानो। यदि आप स्वयं यहाँ होते,पहली चीजों में से एक जो आप चाहेंगे
संगीत के कई महान आचार्यों से मिलें। बाख,बीथोवेन, हैंडेल, मोजार्ट, चोपिन, मेंडेलसोहन, लिस्ट्ट,रुबिनस्टीन, वैगनर और बहुत से अन्य; तुम्हारे अलावा
मुझे पता है, एक भव्य आर्केस्ट्रा संगीत कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं उनके साथ कंपनी में।

यह वास्तव में में से एक था पहली चीज़ें जो मैंने चाही थीं, और जो कुछ यहाँ चाहता है,मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है। आप अच्छी तरह परिचित थे इनमें से कुछ महान गुरुओं के साथ, और अक्सर उनके साथ और उनके लिए खेला, विशेष रूप से लिस्ट्ट और रुबिनस्टीन,और आप जानते हैं कि वे अक्सर आत्मा में आपके साथ होते हैं।

अब मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात और क्या हो सकती है संगीत कक्ष जिसमें ये महान और सम्मानित स्वामी मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिल सकते हैं या मिल सकते

**हैं? ऐसा नहीं है कि मैं बहुत ज्यादा था जब धरती पर थे तो महान थे, फिर भी सबसे भव्य संगीत था मेरी आत्मा के भीतर, और वे मुझे अपने साथ एक मानते हैं जब आप यहां पहुंचे थे तो वे भी आप पर विचार करेंगे। क्या अधिक रमणीय, मैं फिर से पूछता हूं, उनके साथ भाग लेने के लिए एक भव्य आर्केस्ट्रा संगीत कार्यक्रम में? और सभी विभिन्न उपकरणों का प्रतिनिधित्व किया। ओह, हम आकाश को गूंजते हैं कभी-कभी, इसके बारे में सुनिश्चित रहें।**

**अगर मेरे पास एक सुंदर घर जैसा मैंने वर्णन किया है, सोचें कि घरों का क्या है ये शानदार आत्माएं होनी चाहिए? अगर मेरा सुंदर है, उनका अति सुंदर हैं, और सभी भिन्न हैं। कोई दो नहीं हैं एक जैसे, क्योंकि कोई भी दो आत्माएं समान नहीं हैं, और उनके घर मेल खाते हैं अपने लिए, क्योंकि वे अपने ही मन से उसका निर्माण करें;**

**फलस्वरूप, हेलेना और मुझे जाना पसंद है विदेश में और उनके घरों का दौरा करते हैं, और हमारे पास कई, कई निमंत्रण; इन महान गुरुओं के लिए अक्सर हमारे लिए भेजा जाता है हम उनके लिए भेजते हैं। आप और कैसे सोचते हैं कि स्वर्ग कर सकता है एक महान संगीतकार के लिए स्वर्ग बनो जब तक कि वह उसका आनंद न ले सके कला और उसके अभ्यास से दूसरों को आनंद देना? महान उदाहरण के लिए, हमारे रॉबर्ट**

**जैसे व्याख्याता या शिक्षक नहीं कर सकते थे खुश रहो जब तक कि वह दूसरों को अपने विचार नहीं दे रहा था और उनके विचार प्राप्त कर रहे हैं। एक महान खगोलशास्त्री जैसे**

(एमिल फ्लेमरियन और अन्य, हो सकता है और नहीं होगा खुश जब तक कि व स्वर्गीय निकायों का दौरा करने में सक्षम नहीं थे-सूर्य, चंद्रमा, तारे, और ग्रह–और वह सब खोजेंवह संभवतः उनके बारे में सोच सकता था और फिर अपने मूल स्थान पर लौट सकता था पृथ्वी और संवेदनशील मस्तिष्क पर अपने ज्ञान को प्रभावित करें दूसरों के लिए जिन तक वह पहुंचने में सक्षम था।

और लेखक? महान लेखक कैसे खुश हो सकते हैं जब तक उन्हें बुकी और कला में रुचि हो सकती है उन्हें लिख रहे हैं?

मैंने आपको अक्सर यह कहते सुना है: "बेचारा डू मौरियर! अपनी सफलता का आनंद लेने के लिए नहीं जिया।" इसमें आप गलत हैं।वह रहता है और कभी भी अपने इनाम का आनंद नहीं उठा सकता-सार्वजनिक अनुमोदन - जैसा वह अब करता है। कौन इतनी दिलचस्पी रखता है जब उनकी पुस्तक से लिया गया नाटक उनकी संतुष्टि के लिए किया जाता है।

आपको उसे ऐसे समय में क्यों देखना चाहिए। कोई आत्मा अधिक खुश हो सकता है। सबसे दुखी प्राणी जो आत्मिक जीवन में हैं वे पुरुष और महिलाएं जिन्होंने दिया है

अपनी सारी ऊर्जा और दिमाग पैसे जमा करने के लिए और आत्मा के उच्च संकायों की खेती नहीं की है।ये हैं सबसे मनहूस, सबसे ज्यादा गरीबी से त्रस्त,और अक्सर बेघर आवारा होते हैं, जा रहे हैं के बारे में लत्ता और टाटर्स में, उनकी आत्मा के लिए अक्सर इतनी गरीबी होती है-त्रस्त है कि वे खुद को कपड़े नहीं कर पा रहे हैं जैसे आत्माओं को कपड़े पहनाए जाने चाहिए,

***

**हम इन पत्रों को निर्देशित करने के लिए एक निश्चित समय पर पृथ्वी पर लौटते हैं, सप्ताह में दो शामें, ठीक से शुरू होती है सात बजे। यह हम दोनों ही अच्छी तरह से समझ चुके हैं और संवेदनशील। अगर ऐसा बहुत कम नहीं होता सम्पन्न किया जा सकता था।**

**ऐसे लोग हैं जो सोचते हैं कि आत्माओं के पास नहीं है एक सांसारिक के पक्ष में खड़े होने के अलावा अन्य रोजगार हर समय और मौसम में माध्यम, जवाब देने के लिए हमेशा तैयार सबसे मूर्खतापूर्ण और तुच्छ प्रश्न। अगर आत्माएं हैंजो इस तरह अपना समय बिताते हैं हम उनमें से नहीं हैं।**

**कोई भी आत्मा जो ऐसा करेगी वह संभवतः कोई नहीं बना सकती आकाशीय जीवन के भीतर जो कुछ भी प्रगति करें और फलस्वरूप महत्व का कुछ भी नहीं सिखा सकता। हम खर्च नहीं करते एक सप्ताह में चार घंटे से अधिक देने के उद्देश्य से जिसे हमने पार्थिव क्षेत्र के लिए सही पाया है।**

**शेष समय का लगभग आधा हम प्राप्त करने में खर्च करते हैं अपने लिए ज्ञान, और दूसरा आधा शिक्षण में और उन आत्माओं की सहायता करना जो हमारे नीचे बुद्धि में हैं;**
**क्योंकि कभी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी पत्नियां सदा साथ हैं हमें और उनका इन पत्रों से उतना ही लेना-देना है जितना कि जिन व्यक्तियों के नाम पर हस्ताक्षर किए गए हैं। की भाषा पृथ्वी हमेशा हमें यह स्पष्ट करने की अनुमति नहीं**

देती है और हमें अक्सर व्यक्तिगत सर्वनाम का उपयोग करना चाहिए, जो भ्रामक है।

अब जब हम अपने आप को एक के साथ तालमेल बिठाते हैं जो हमारे लिए लिखता है, हम अक्सर मन में कुछ ढूंढ लेते हैं जो सच्चाई का विरोध करता है। अन्यथा की तुलना में अक्सर कुछ लेख पढ़ा गया है जो इससे सहमत नहीं है जिसे हम पहले ही माध्यम बता चुके हैं या लिख चुके हैं स्पिरिट वर्ल्ड से लेटेब्स। १५९ दुनिया भर में, और हम आज शाम को ऐसा ही पाते हैं।

जो लेख पढ़ा गया है वह कलम से है के भीतर के घरों के सापेक्ष एक प्रख्यात माध्यम का आध्यात्मिक क्षेत्र।वह माध्यम प्रभाव को कहता है कि एक आत्मा जो पराक्रमी हो

बहुत इच्छा है कि आत्मिक जीवन में एक घर पृथ्वी से बंधा हो।इस माध्यम के अनुसार एक बुद्धिमान और उन्नत आत्मा घर की इच्छा या आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह नहीं मिलता है गर्मी, या ठंड, या बारिश या बर्फ; यह भी, कि एक आत्मा बहुत दूर ज्ञान की ओर वस्त्र की आवश्यकता नहीं है, और माध्यम के रूप मेंयह किसने कहा, या लिखा है, इसे अत्यधिक माना जाता है बुद्धिमान, मेरा गरीब माध्यम उन संवेदनशील लोगों में से एक की तरह पीछे हट जाता है पौधे जो अपनी पत्तियों को उंगली के स्पर्श से मोड़ते हैं।

मेरा माध्यम, व्यक्तिगत रूप से, कुछ भी लिखने की हिम्मत नहीं करेगा इस प्रख्यात महिला माध्यम के विपरीत,क्योंकि यह एक महिला द्वारा बोली या लिखी गई थी,

**लेकिन निश्चित रूप से हम पहले से ही अध्यात्म के दायरे में होने का अहसास नहीं है**
**इसलिए, क्योंकि हम वही लिखते हैं जो हम जानते हैं।**

**हमने एक पूर्व पत्र में कहा है कि हमने सभी का दौरा किया थागोले, यहाँ तक कि महान क्षेत्र तक, पृथ्वी के बाहर कक्षा, जो सत्य है, और एकमात्र गोला जो हमारे पास है**
**जहां बेघर हैं वहां सबसे पहले पाया जाता है पृथ्वी के ऊपर का गोला। यहाँ, कुछ इतने कम हैंग होने का पैमाना कि वे बिना घरों के हैं, और भटकते हैं पृथ्वी के आवारा और आवारा लोगों की तरह। केवल आत्मा जो बिना कपड़ों के चली जाती हैं वे हैं जो इतने नीचे है होने का पैमाना कि मन के उत्सर्जन नहीं हैं उन्हें लपेटने के लिए पर्याप्त है, और कोई भी प्यार नहीं करता है, या आकर्षित नहीं होता है उनके लिए, उनके लिए यह करने के लिए पर्याप्त है, और ये हैं कुछ, वास्तव में बहुत कम। यहां तक कि छोटे से छोटे बच्चे भी ठीक होते हैं जो प्यार करते हैं, या जो परवाह करते हैं उनके द्वारा पहना जाता है**
**उन्हें।**

**प्रिय मित्रों, आपकी पृथ्वी एक प्रकार का आकाशीय जीवन है,और आप यह विश्वास करने में सुरक्षित हैं कि यह आपके साथ है पृथ्वी, तो यह आकाशीय दुनिया के साथ एक भव्य, उच्चतर पर है पैमाना। कि हम एक जैसे कपड़े नहीं पहने हैं पृथ्वी के जो सत्य हैं। हमारी महिलाएं और लड़कियां नहीं कोर्सेट पहनते हैं, वे तंग, नुकीले जूते नहीं पहनते हैं, लंबे शुतुरमुर्ग से ढकी बड़ी टोपी न पहनें enormous पंख, वे अपने बालों को नहीं मारते हैं और न ही इसे बड़े पैमाने पर रोल करते हैं चूहे-चूहे शब्द का**

**प्रयोग किया जाता है, हम सोचते हैं, बड़े के लिए रोल, या कुशन, जिसके ऊपर बालों में कंघी की जाती है।**

**हमारी महिलाएं गले में कम, शॉर्ट के साथ कपड़े नहीं पहनती हैं आस्तीन, क्योंकि यहां कोई भी महिला पुरुष अपने पति या अन्य स्वयं को छोड़कर, और पहले शीलवह उसे वायलेट के वस्त्र की तरह लपेटता है। शे एक मीठा, मामूली वायलेट की तरह, या एक शाही गुलाब की तरह, या जैसे निष्पक्ष, मीठी लिली; उसके कपड़े उसकी आत्मा से मेल खाते हैं, इसके लिए उसकी आत्मा से निकलती है और उसे एक वस्त्र की तरह लपेटती हैकाश का।**

**हम अभी तक बिना कपड़ों के किसी आत्मा से नहीं मिले हैं**

**सबसे निचला गोला। स्वर्गदूत जितना ऊँचा और ऊँचा होता है उनके वस्त्र जितने सुन्दर हैं, वे उतने ही सुन्दर हैं;उनके प्यार, सच्चाई और ज्ञान के बारे में कि वे हैं पहना हुआ। ठीक है, आप पूछते हैं, उनका सामान्य स्वरूप क्या है,या यों कहें कि आकाशीय दुनिया में महिलाएं कैसी हैं कपड़े पहने?**

**उनके कपड़े मुलायम और बहने वाले होते हैं, जो तैरते रहते हैं उन्हें उत्तम अनुग्रह में, और हमने अभी तक दो को नहीं देखा है एक ही रंग का; शैली और रंग के अनुरूप हैं correspond आत्मा, और जैसे कोई दो आत्माएं समान नहीं हैं, इसलिए कोई भी दो वस्त्र नहीं है बिल्कुल एक जैसे, फिर भी सभी बह रहे हैं।**

वे अपने बाल कैसे पहनते हैं? यह एक सर्व-महत्वपूर्ण है पृथ्वी की कई महिलाओं के साथ प्रश्न। मैं आपको बताऊंगा, सुंदर लड़कियां।फ़रिश्ते अपने बालों को वैसे ही पहनते हैं जैसे प्रकृति ने सभी महिलाओं का इरादा किया है चाहिए, सुंदरता में उनके कंधों के बारे में बहना।

ऐसे लोग हैं जो इसे थोड़ा बांधते हैं और एक रिबन बांधते हैं इसके बारे में, लेकिन ऐसे लोग आत्मिक जीवन और अभी भी लंबे समय तक नहीं रहे हैं कुछ सांसारिक आदतों को बनाए रखें। हम अच्छी तरह वाकिफ हैं जब आध्यात्मिक प्राणी स्वयं को दिव्यदर्शी के सामने प्रस्तुत करते हैं माध्यमों की दृष्टि से, वे जैसे वे पहने हुए दिखाई देते हैं पृथ्वी पर पहिनने के लिथे अभ्यस्त थे; लेकिन वे केवल मान लेते हैं ताकि वे पहचाने जा सकें, और उसे तुरंत फेंक देंउसके बाद।

हम कई दयनीय, पथभ्रष्ट के बारे में बात नहीं करेंगे निचले क्षेत्र या सांसारिक क्षेत्र के जीव, के लिएहम मन को अशुद्ध विषयों पर वास करने देना पसन्द नहीं करते।
क्या देवदूत जूते पहनते हैं? वे कुछ ऐसा पहनते हैं कि मुलायम सैंडल से मेल खाता है, जो आमतौर पर गुलाब का होता है रंग, और गुलाब के रंग के रिबन के नरम बैंड जो सीमित करते हैं उन्हें पैरों के लिए; फिर भी यह हमेशा नियम नहीं है।

कभी-कभी एक आत्मा इतनी तल्लीन या घिरी होती है,कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन प्रकाश की एक आकृति है, और कब चौंक गया एक खूबसूरत एंजिक चेहरा निहारता है घुसपैठिया,भव्य अंचल में रहने वालों के वस्त्र हैं स्पिरिट वर्ल्ड से पत्र। १६१

**वैभव में इतना चकाचौंध कि पृथ्वी का एक आदमी नहीं कर सकता उन्हें देखें और फिर भी शारीरिक रूप में बने रहें।और अब आत्मिक जीवन में घरों के बारे में। बिना होना**

**एक घर एक आध्यात्मिक आवारा होना है, और ये हैं केवल सबसे निचले क्षेत्र में। अच्छा, क्या आप हमें इन घरों के बारे में नहीं बताएंगे? हाँ हमहम आपको बताएंगे, और आपको सच बताएंगे, लेकिन हम बताना भूल गए तुम पुरुषों को कैसे कपड़े पहनाए जाते हैं। हम इसे पहले करेंगे और बाद में घरों का वर्णन करें।**

**पुरुषों के कपड़े अलग होते हैं लेकिन उनसे बहुत कम होते हैं महिलाएं। उनके वस्त्र भी उन्हीं के इर्द गिर्द बहते हैं, परन्तु एक बेल्ट शैली में अधिक, जितना लंबा या बहता नहीं है धूसर रंग की महिलाएं, आमतौर पर उतनी सुंदर नहीं होती हैं।**

**वे अपने बाल या दाढ़ी नहीं काटते हैं, लेकिन इसे प्रकृति के रूप में पहनते हैं इरादा, पूर्ण और बहने वाला। कोई भी दो बिल्कुल एक जैसे नहीं हैं,क्योंकि प्रकृति में सभी चीजें और जीव अलग-अलग हैं।अब हमने बार-बार कहा और दोहराया है कि सभी आत्माएं अपने शाश्वत समकक्षों के साथ एकता में एकजुट हैं,और हम आपको सबसे महान और भव्य के बारे में बता रहे हैं प्रकृति में सत्य।**

**यह हमें अजीब लगता है कि लोग पृथ्वी के इतने महान और शाश्वत को स्वीकार करने के लिए बहुत कुछ है सत्यता"ओह!" हम किसी को यह कहते हुए सुनते हैं, "यह मुफ्त की बू आ सकती है"प्यार या आत्मीयता /' लेकिन कोई भी कभी भी अपनी आत्मा के साथ एकजुट नहीं होता हैजब तक वे ऐसे सभी मूर्खों से ऊपर और परे हैं विचार।**

**क्या एक शाश्वत समकक्ष, आत्मा-साथी, या अन्य-स्वयं-उसका वास्तविक अन्य आधा जो केवल आधा है, नहीं संपूर्ण–स्वतंत्र प्रेम की स्मैक? फिर सभी फ़रिश्ते में आकाशीय संसार मुक्त-प्रेमी हैं, क्योंकि ऐसा कोई नहीं है जो है अधूरा या स्वयं के दूसरे भाग के बिना। कि अगर यदि ऐसा होता तो यह केवल एक अविकसित आत्मा होती**
**फिर भी खुद के दूसरे हिस्से की तलाश.**

**अब वर्तमान स्थिति qjr में सांसारिक विश्व विवाह,यदि संभव हो, तो उसका उल्लंघन किया जाना चाहिए, और उन सभी को जो एक दूसरे में यथोचित रूप से खुश हैं साथ रहना चाहिए।**

**आत्म-संभोग पृथ्वी के लिए उतना नहीं है जितना कि इसके लिए है स्वर्ग और पृथ्वी के लोग अभी तक समझ नहीं पाए हैं कानून। जब वे काफी अज्ञानी और युवावस्था में शादी करते हैं–वे मांस के लिए शादी करते हैं और उसके बाद बच्चे पैदा करते हैं मांस,**

**लेकिन वे आगे बढ़ते हैं और अपने शरीर को पीछे छोड़ देते हैं–वे अब शरीर के नहीं परन्तु आत्मा के हैं–और अब एक उच्च और बेहतर शिक्षा शुरू करता है; लेकिन, हजारों पृथ्वी पर हैं। प्राकृतिक आकर्षण के माध्यम से, वास्तव में, अल किसी की निगाहों को आकर्षित नहीं करना चाहती है हालांकि अनजाने में, अपने स्वयं के सच्चे दूसरे स्व से एकजुट।**

**ये हमेशा एक साथ रहेंगे, क्योंकि ये हैंएक; ।) हजारों और नहीं हैं, और इन्हें जारी किया जाएगा शरीर छोड़ने पर, ठीक से एकजुट होने के लिए सच्चा प्रतिपक्ष। यदि**

मुक्त प्रेम का अर्थ संलिप्तता है,एक शुद्ध परी के लिए इससे ज्यादा घृणित कुछ नहीं हो सकता।

कुछ भी एंजेलिक में इस तरह का बिल्कुल असंभव होगा दुनिया, और यह है कि प्रकृति इस भयावहता से घृणा करती है कि शाश्वत समकक्षों का महान कानून मौजूद है। संकीर्णता केवल सबसे निचले क्षेत्र में और पृथ्वी पर मौजूद है; पर यह हमें यहाँ ऐसा प्रतीत होता है कि मुक्त-प्रेम एक मिथ्या नाम है। सारे पुरुष और स्वर्गदूत एक दूसरे से प्रेम रखें, और सब स्वर्गदूत करते हैं।

ज्ञान, प्रेम और सत्य को ईश्वर कहा जा सकता है, एक . के अभाव में बेहतर नाम- लेकिन हम अभी घरों में आ रहे हैं।अब जब यहाँ नर और नारी सही रूप से जुड़े हुए हैं

साथ में उनका पहला विचार उनके लिए एक घर बनाना है खुद, एक घर जिसमें वे रह सकते हैं, एक घर उसमें वे अन्य स्वर्गदूतों को प्राप्त कर सकते हैं, एक घर जिसमें •हे असंख्य मेजबानों की निगाहों से निवृत्त हो सकते हैं, घर जहां वे आराम कर सकते हैं और स्वस्थ हो सकते हैं, एक घर जिसमें वे संुदर खेती कर सकते हैं; वे चाहते हैं

घर ठीक वैसे ही जैसे पृथ्वी के लोग करते हैं, लेकिन उच्चतर पर,बड़ा पैमाना।

पृथ्वी के घर स्वर्ग के प्रकार हैं घर - छोटे प्रकार। जगमगाती रोशनी और चमक आकाशीय आकाश अक्सर एक देवदूत के लिए उतना ही थका देने वाला होता है जितना कि मानव जाति के बाहर, और प्रकाश और महिमा हैं घरों से घूंघट, जैसे पृथ्वी पर। हमें सभी खातों में घर चाहिए और उनके बिना अस्तित्व में नहीं हो सकता था, और नहीं हो सकता था।

पहले उल्लेख किया गया माध्यम कहता है कि हमारे पास है सर्दी, न गर्मी, न किसी तरह का तूफान। अब हम भीख माँगते हैं अलग करने के लिए, क्योंकि हम यहां हैं और इसके बारे में जानते हैं। कि हम करते हैं हम स्वीकार करते हैं कि पृथ्वी पर अधिक तीव्र

तूफान नहीं है; कि तत्व इतने हिंसक रूप से युद्ध नहीं करते जितना कि पृथ्वी पर, हम भी मानते हैं;लेकिन यह तीव्र का एक शाश्वत, चिरस्थाई दिन नहीं है यहाँ प्रकाश, वहाँ से अधिक नहीं। हमारे पास एक नरम ओस है और कई हल्के बादल; हमारे पास हल्की बारिश भी होती है, और कभी-कभी काफी हवा चल रही है, क्योंकि हमारे पास एक आध्यात्मिक वातावरण है।

बेशक यह बहुत परिष्कृत और दुर्लभ है, लेकिन यह है हमारे लिए उतना ही वास्तविक है जितना कि पृथ्वी का वायुमंडल पृथ्वी के लिए। हम गर्मी और सर्दी भी है। दरअसल, गर्मी और सर्दी नहीं होती वास्तव में पृथ्वी पर ही उत्पन्न होते हैं; तो क्यों मान लें कि हम कुछ हद तक नहीं हैं, उन दोनों के अधीन हैं? परंतु उसे मैं- झूठ का मामला, चाहे मनुष्य द्वारा स्वीकार किया जाए या नहीं, वह करेगा जब वह यहां पहुंचे तो जल्द ही इसका पता लगाएं।

जिनके पास बच्चों को शिक्षित करने और उनकी देखभाल करने के लिए घर हों, युवक और युवतियां। वे हर समय यहां आ रहे हैं और ऋतुएँ।अब हम माध्यम के मन में कुछ पाते हैं अन्यथा जिसके लिए उत्तर की आवश्यकता है। एक और लेखक आगे बढ़ता है बताओ कैसे एक आत्मा महिला एक मरते हुए बच्चे की आत्मा में ले जाती है उसकी छाती और उसकी आँखों में मुस्कान, और एक का नेतृत्व किया जाएगा

जो लिखा गया था, उससे लगता है कि उसने बच्चे को पकड़ लिया था उसकी गोद में जब तक वह बड़ा नहीं हो गया।

क्या आपको नहीं लगता तो थोड़ा थक जाएगा और बच्चे को नीचे रखना चाहता हूँ कभी न कभी? लेकिन वह इससे थकेगी या नहीं बच्चा जल्द ही बेचैन हो जाएगा और बदलाव चाहता है और हमें नहीं लगता कि महिला इसे परिवेश पर लेट सकती हैकी परिवेशी वायु पर जितना वह कर सकती थी, उससे कहीं अधिक ईथर पृथ्वी।

अरे नहीं, दोस्तों; उस महिला और उस बच्चे के पास एक होना चाहिए जिस प्रकार पृथ्वी के तुम्हारे भी घर हों, और उस बालक के घर भी हो जैसे पृथ्वी के बच्चे शिक्षित होते हैं, वैसे ही शिक्षित और पढ़ाए जाए और सिखाया; इसे उसके घर ले जाना चाहिए महिला- यदि बहुत छोटी है तो उसे एक सोफे पर लिटा देना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए लगभग ठीक वैसे ही जैसे पृथ्वी के शिशुओं की देखभाल की जाती है–इसकी
सांसारिक बच्चों के दिमाग के रूप में मन को धीरे-धीरे विकसित होना चाहिए और; यह वस्तुओं से घिरा होना चाहिए; यह चाहिए, के बाद थोड़ी देर, इसके खेलने की चीजें लें–इसके छोटे पालतू जानवर।

बच्चे यहां छोटे पालतू जानवरों से घिरे हुए हैं, गा रहे हैं पक्षी, फूल–और और लड़कियों के पास उनके कुत्ते हैं और टट्टू–उनके पास खेलने के घर और नावें भी हैं, और एक हजार और पृथ्वी के समान एक वस्तु। जो नहीं है उनके लिए अच्छा हमेशा छोड़ दिया जाता है।

आपको और कैसे लगता है कि हम संभवतः साथ मिल सकते हैं और लाखों-लाखों बच्चों और छोटे बच्चों को पढ़ाना जो यहाँ हर समय आ रहे हैं? वे नहीं कर सकते गूढ़ दर्शन या महान वैज्ञानिक की ऊंचाई तक पहुंचे यहां आने के बाद कई, कई वर्षों की उपलब्धियां;फिर भी हमारे स्कूलों में हम दर्शन और विज्ञान दोनों पढ़ाते हैं,इसके अलावा हमारे पास हमारे स्कूल और कक्षाएं नहीं हो सकती बिना किसी वस्तु के परिवेशी ईथर उन्हें सिखाने के लिए।

हमारे पास हॉल, मंदिर और सुंदर जनता होनी चाहिए सभी प्रकार की इमारतें, जैसे आप पृथ्वी पर करते हैं, केवल उच्चतर पैमाने पर, परिष्कृत और आध्यात्मिक; और कभी हम इनमें से कई घरों और हॉल, मंदिरों और का वर्णन करेंगे सुरुचिपूर्ण संरचनाएं। हम पहले ही दोनों में ऐसा कर चुके हैं किताबें- मार्व एन कैरव और द डिस्कवर्ड कंट्री
लेकिन हम इनमें भी कुछ ऐसा करने का इरादा रखते हैं पत्र। यह ठीक वही है जिसकी दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत है वर्तमान समय–चीजों की सही समझ जो आध्यात्मिक हैं। युवा अभी तक समझ नहीं पाए हैं ये बातें।

वेआत्मा की दुनिया को देखते हैं–वे बिल्कुल एक के बारे में सोचते हैं - एक तरह की समझ में नहीं आता शून्यता, परिवेशी ईथर और तैरते हुए स्वर्गदूतों से बनी है,
न पुरुष और न ही महिलाएं। एक युवती ने बताया told माध्यम है कि उसने सोचा था कि आत्मा की दुनिया की तरह था जुलाई का चौथा - पटाखों को छोड़कर - की बड़ी भीड़
लोग या यों कहें, फ़रिश्ते, बस लक्ष्यहीन रूप से साथ में तैर रहे हैं गाने और हाथ मिलाने और खुश होने के अलावा कुछ नहीं करना है एक दूसरे को देखने के लिए।

**ओह, दोस्तों, यह लगभग उतना ही बुरा है जितना कि रूढ़िवादी स्वर्ग और नरक। उनके पास, कम से कम, कुछ तो है अधिक मूर्त। और अब हमें यहीं कहने की अनुमति दें, कि**
**आध्यात्मिक दुनिया, अपने सभी क्षेत्रों के साथ, एक जागीरदार है मोटे पृथ्वी की तुलना में अधिक मूर्त व्यवहार करें। आप क्या करते हैं जब आत्मा चली गई है, तब तुम्हारे हाथ में पृथ्वी का क्या है?**

**एक सूखे पत्ते को तोड़कर देख लें। बस राख। दाह-संस्कार करना एक आदमी का शरीर और आपके पास क्या है? राख।**

**वास्तविक, पर्याप्त, स्थायी छोड़ दिया है और ऊपर चला गया है उच्चतर। राख रह जाती है; वास्तविक और मूर्तउत्पन्न हुई; रूप चढ़ गया, रंग चढ़ गया,अहंकार, आत्मा और आत्मा ऊपर चले गए हैं, जो कुछ वास्तविक था औरमूर्त चला गया है और युक्त एक आध्यात्मिक दुनिया पाता है वे सभी जीव जिन्हें वह पृथ्वी पर जानता था, या उनके जैसे, जो उससे पहले थे।**

**डॉ. बैबिट कहते हैं कि पहला आध्यात्मिक क्षेत्र लगभग है पृथ्वी से पचास मील ऊपर, के प्रत्येक पक्ष का विस्तार भूमध्य रेखा लगभग साठ डिग्री। यह उतना ही सच है जितना सच हो सकता है हो। हमने अपने माध्यम से बहुत पहले यही बात कही थी यह माध्यम द्वारा पढ़ा गया था, और में पढ़ा गया था मृत्यु का विश्वकोश, और आत्मा की दुनिया में जीवन के साथ हर्षित आश्चर्य की शुरुआत कि वही हुआ था दूसरों को या किसी अन्य को भी बताया, यह पहली बार हैमीडियम ने इसे कभी किसी किताब या अखबार में पढ़ा था।**

किंतु हम इस साल पहले कहा था, के लिए यह सच है.अब, यदि आपके खगोलविद देख सकते हैं, तो की सहायता से दूरबीन, नीहारिकाएँ, पृथ्वी से लाखों मील दूरक्षेत्र, यह क्यों नहीं स्वीकार किया जाना चाहिए कि हम यहाँ आकाशीय जीवन में बादल छाए रहते हैं और हल्की बारिश होती है? निहायत सुनिश्चित करने के लिए दुर्लभ, हमारी दुर्लभ स्थिति के अनुरूप अलौकिक वातावरण। हमारा माहौल है।

ईथर से अधिक चीज - यह ईथर है लेकिन अधिक सघन है, या मौलिक ईथर से भिन्न। अब हम क्या है कहना, निश्चित रूप से, आसपास के आध्यात्मिक क्षेत्रों से संबंधित है

पृथ्वी जो उसके साथ अपनी क्रांतियों में जाती है, उसके द्वारा धारण की जाती है आकर्षण का नियम। अब अगर कुछ नहीं होते तो ईथर को आकर्षित करने के लिए, कोई आध्यात्मिक क्षेत्र नहीं होगा,जैसा कि कोई भी आसानी से देख सकता है, क्योंकि ईथर सभी में फैला हुआ है अंतरिक्ष और एक ग्लोब या ग्रह के लिए और अधिक आकर्षण नहीं रखता है दूसरे की तुलना में, फलस्वरूप कुछ भी नहीं होगा आकर्षित होना। आध्यात्मिक क्षेत्रों में कुछ होना चाहिए मूर्त या पृथ्वी उन्हें अपने चारों ओर नहीं पकड़ सकती थी।

वहाँ होना चाहिए, जैसा कि वहाँ है, मूर्त पदार्थ जिसे आकर्षित किया जा सकता है और आकर्षण के महान नियम द्वारा धारण किया जाता है।सबसे अच्छा स्कूली छात्र इसे अच्छी तरह से समझ सकता है, और जब सभीदुनिया समझती है कि जो कुछ भी खाली है वह सब जगह है इजी मैटर, स्पिरिट, और जर्मिनल पॉइंट्स, और वह सारा स्पेस

**जो कुछ भी ईथर है, कि शून्य जैसी कोई चीज नहीं है कुछ भी नहीं, तो यह जो हमने उन्हें बताया है, वह होगा स्पष्ट रूप से समझा।**

**आपको पृथ्वी में जीवन को या तो हार माननी होगी आध्यात्मिक क्षेत्रों का विचार, या स्वीकार करते हैं कि वे रचित है उच्चीकृत या क्षीण पदार्थ का, जो फिर भी है आकर्षित करने और आकर्षित करने के लिए पर्याप्त ठोस, अन्यथा आत्मा बस ईथर के माध्यम से घूमना चाहिए, अमूर्त और फलस्वरूप बिना रूप-बिना उद्देश्य या वस्तु के हमेशा के लिए घूमना।**

**लेकिन प्राकृतिक कानून कभी भी इसके द्वारा या इसके द्वारा काम नहीं करता है तरीका। प्राकृतिक कानून हमेशा आगे लाने का प्रयास कर रहा है संुदरता, बुद्धि और उपयोग के रूप, और उच्चतर यह क्षेत्र जितना अधिक स्पष्ट और अचूक है कानून।**

**जब पदार्थ आकर्षित होने के लिए बहुत अधिक ईथर हो जाता है पृथ्वी, इसे पृथ्वी के महान क्षेत्र में फेंक दिया जाता है कक्षा, जिसके बारे में हमने अपने पिछले पत्र में बात की थी।हमारा कुछ भी लिखने का इरादा नहीं है, लेकिन अगर कोई करेगा विचार करने के लिए रुकें, यह तुरंत देखा जाएगा कि ऐसा होना चाहिए इसके होने के स्वभाव में ही।**
**लेकिन हमने वादा किया है हमारे कुछ घरों, मंदिरों, हॉल, और का वर्णन करने के लिए**
**सीखने के महल, जो हम अपने में करने के लिए आगे बढ़ेंगेआगामी पत्र।**

***

**हम  बाहर कुछ भी वर्णन करने की कोशिश नहीं करेंगे जिस क्षेत्र में हम अब निवास करते हैं, इस डर से कि कहीं ऐसा न हो गलत, क्योंकि हमारे पास अभी तक पूरी तरह से ज्ञान नहीं है जो कुछ हमने देखा है उसे समझें जो हमारे ऊपर है।**

**हमारी स्थापत्य कला की ढलान पुरानी ग्रीसियन शैली की तरह है,फिर भी हमारे पास हर प्रकार की आत्मा है जिसकी कल्पना की जा सकती है आदमी की; लेकिन अब हम जिसका वर्णन करने जा रहे हैं वह कुछ हद तक हैग्रीसियन शैली की तरह, फिर भी पूरी तरह से नहीं: एक लंबा,चौड़ी इमारत, चौकोर, पृथ्वी की कई इमारतों की तरह, निरंतर**
**बड़े-बड़े मेहराबों और बड़े-बड़े खंभों से घिरा हुआ है,एक विशाल गोलाकार गुंबद द्वारा ताज पहनाया गया। मुखौटा है बहुत भव्य और सुंदर, यहाँ की छत को सहारा दिया जा रहा है चौबीस राजसी खंभों द्वारा, एक बड़ा धनुषाकार प्रवेश द्वार केंद्र, और दोनों तरफ कुछ छोटा केंद्र एक; ये भी धनुषाकार हैं।**

**चौबीस हैं इमारत के हर तरफ बड़ी खिड़कियां, लेकिन कोई नहीं पीठ पर; संपूर्ण का विस्तार करने वाले तीन चरण हैं सामने की लंबाई, एक बहुत चौड़े पोर्च की ओर ले जाती है जोफ्रंटेज की पूरी लंबाई भी बढ़ाता है। तुम हो अब मेरे साथ भवन के बाहरी भाग को देख रहे हैं, और आप देखेंगे कि कुल मिलाकर अड़तालीस खिड़कियाँ हैं और चौबीस खम्भे; तीन मेहराब, तीन कदम और एक विशाल केंद्रीय गुंबद। गुंबद के केंद्र से हम एक झंडा-स्टाफ का निरीक्षण करें, और उसमें से शान से लहराते हुए बड़ा झंडा।**

गुंबद वृत्ताकार है और शरीर thi भवन वर्ग, प्रत्येक कोने में काफी जगह है छत, और प्रत्येक कोने में प्रतिमाओं के एक समूह द्वारा भरा गया है।छत के प्रत्येक तरफ के केंद्र में, एक विशाल खड़ा है मूर्ति, बनाना, निश्चित रूप से, सभी में चार। *यह, जैसा आप करेंगे अनुभव, इमारत की एक सामान्य रूपरेखा है, और सब कुछ भीतर और बाहर एक गहरा महत्वपूर्ण अर्थ रखता है।

हमारे साथ मिलकर, इस संरचना का अध्ययन करें, उस कहानी की खोज कर सकता है जिसे इसे बताने के लिए डिज़ाइन किया गया है। झंडा कुछ हद तक पृथ्वी के एक बड़े, सफेद, साटन ध्वज के रूप में दिखाई देता है, और उस पर लगे अक्षर चमकीले और सुनहरे हैं; झंडा-कर्मचारी: is चमकते हुए सोने का भी, अर्थात ऐसा प्रतीत होता है;

झंडे पर शब्द हैं, "बुद्धि का मंदिर।"अब बेशक हम जिस मंदिर को यों दिखा रहे हैं वह है लेकिन एक। इस क्षेत्र में भी लाखों अन्य हैं।गुंबद चमकता हुआ सोना, मूर्तियों और . जैसा दिखता है प्रतिमाओं के समूह दिखने में लगभग सजीव हैं।

सीधे सामने एक राजसी पुरुष आकृति है, जाहिरा तौर पर सूर्य के साथ ताज पहनाया गया, जो आगे बढ़ता हुआ प्रतीत होता है जगमगाती रोशनी की किरणें जो अपने में लगभग अंधा कर रही हैं संुदरता। एक विस्तारित हाथ में एक बड़ी मात्रा दिखाई देती है,

दूसरे की तर्जनी ऊपर की ओर इशारा कर रही है और अर्थ है: यार, अपने आप को और अपने बारे में वह सब जाने झूठ; जो तुम्हारे ऊपर है उसका भी अध्ययन करो।

जैसा कि हम इमारत का सामना करते हैं, बाईं ओर, जो कि at पर है मूर्ति का दाहिना भाग, एक सुंदर स्त्री रूप है–उत्कृष्ट रूप से अपने सभी अनुपातों में सुंदर। उसे ताज पहनाया गया है फूल और एक विस्तारित उंगली पर कबूतर का असर होता है एक जैतून की शाखा, दूसरी के साथ वह नीचे की ओर इशारा कर रही है- उसकी आँखें भी नम्रता से नीचे की ओर डाली जाती है पृथ्वी। अर्थ है: स्त्री प्रेम का प्रतिनिधित्व करती है,कबूतर शांति, आशा, और नीचे सभी के लिए प्रगति।

भवन के पीछे की मूर्ति एक पुरुष की ताजपोशी की है कांटों के साथ, वास्तव में, लगभग एक सटीक प्रतिनिधित्व क्रूस पर मसीह। अर्थ है: त्रुटि होगी क्रूस पर चढ़ाया या जीता हुआ। शेष आंकड़ा पक्ष में,पीले सितारों और इशारा करते हुए एक महिला का ताज पहनाया जाता है क्षितिज की ओर। अर्थ है: सुबह टूट जाती है।

छत के प्रत्येक कोने पर मूर्तियों का एक समूह है-पुरुषों की चार अलग-अलग जातियों का परिवार समूह पृथ्वी–श्वेत, काली, लाल और तांबे के रंग की;पिता, माता और प्रत्येक के दो बच्चे।

भारतीय धनुष और बाण से लक्ष्य बनाकर खड़ा है, जबकि उसका क्वॉ एक मनके मोकासिन में काम कर बैठता है; छोटी युवती अपनी माँ के कंधे पर झुक कर, जबकि लड़का उत्सुकता से और ध्यान से तीर के बिंदु को देखता है।काला आदमी जंजीरों में जकड़ा हुआ है, जबकि एक बड़ा खून खराबा है घबराई हुई पत्नी को पकड़ लिया है। छोटा लड़का और लड़की एक दूसरे से लिपटी हुई है और आँखे शुरू कर रही है।

तांबा-रंगीन आदमी एक विशाल मूर्ति के सामने घुटने टेकता है, जिसके द्वारा बनाया गया हैउसके अपने कुशल हाथ, जबकि उसकी पत्नी तिनके बुनती है और सुंदर जाइनों में दौड़ता है। छोटी लड़की पेंटिंग कर रही है चीन कप और गिलास; लड़का

केक से लदा है और फल, जिसे वह मूर्ति को भेंट कर रहा है–और, अंत में,सफेद समूह-. गोरे आदमी खुली किताब के साथ खड़ा है उसके हाथ में, दूसरे हाथ की तर्जनी पर aमार्ग या रेखा, लेकिन उसकी आँखें ऊपर की ओर मुड़ी हुई हैं।

उसके माथे महान है, उसका सिर बड़ा है, उसके अंग मजबूत हैं, ठीक है आनुपातिक और कोमल। उसकी खूबसूरत पत्नी दुलार एक निष्पक्ष लड़के के सुनहरे कर्ल; छोटी

लड़की साथ देखती है बड़ी, मीठी भूरी आँखें, एक गायन कैनरी पर बैठी उसकी विस्तारित उंगली। प्रत्येक द्वारा व्यक्त किया गया अर्थ समूह को आसानी से समझा जा सकता है। काला आदमी अभी भी पहनता है अज्ञान और अंधविश्वास की जंजीरें, और, के कारण यह उसकी पत्नी की इच्छा रखने वालों के दूतों द्वारा शिकार किया जाता है उसकी अधीनता, और उसके बच्चों को भी विनियोजित किया जाता है।

लाल आदमी के दिल में एक तीर भेजता है अपनी पत्नी और बच्चों की भी रक्षा के लिए उसका शत्रु अपनी स्वतंत्रता और अपने शिकार के मैदान के रूप में।तांबे के रंग का आदमी कितना रचनात्मक और मेहनती होता है कि वह वास्तव में अपने द्वारा बनाई गई कला की ओर मुड़ता है और उसकी पूजा करता है खुद का हस्तशिल्प; और उसकी पत्नी उसे सुंदर बनाती है और रस्सियों और भूसे के साथ सुंदर कल्पनाएँ, घरेलू से भरी जा रही है गुण गोरे आदमी अपने को कायम रखना चाहता है किताबों और किंवदंतियों में ज्ञान, और फिर भी उसकी आंखें खोजती हैं अधिक के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र। उसकी पत्नी चाहती है कि उसका लड़का अपने पिता की तरह होगा,

**या उससे भी बड़ा होगा, जबकि लड़की एक सुंदर उड़ने वाले, गाने वाले पक्षी की तरह बनना चाहता है**
**अज्ञात को साफ करते हुए तेज पंख।**

**गुंबद, जो एक वर्ग पर टिका हुआ आधा गोला है,यह दर्शाता है कि जहां भी यह रूप पाया जाता है वहां ज्ञान नहीं है पूर्ण या परिपूर्ण, लेकिन इसके लिए प्रयास कर रहा है। स्टाफ स्वर्ग की ओर ऊपर की ओर पहुंचना उस ज्ञान का प्रतीक है बादलों से बिजली की तरह ऊपर से उतरता है।**

**गुंबद का सुनहरा होना - सोना हीरे से कम कीमती है,फिर भी बहुत कीमती।इस मंदिर का शरीर शिरापरक संगमरमर जैसा प्रतीत होता है,हर मौजूदा रंग के सना हुआ ग्लास की खिड़कियां। अगर संगमरमर बिना शिरा के था, यह दृढ़, अधातु का प्रतीक होगा**
**ज्ञान, सफेद और चमकदार; लेकिन उस क्षेत्र में जहांशिरापरक प्रतीत होता है कि यह त्रुटि से कुछ मिलावट है मैं वीसीएल परफेक्ट हूं। सना हुआ खिड़कियां, उनके सभी विभिन्न में रंग, इंगित करते हैं कि प्रत्येक आत्मा अभी भी वही मानती है थोड़ी अलग रोशनी में बात।**

**चौबीस स्तंभ पॉलिश ग्रेनाइट के हैं, जो दर्शाता है वह ज्ञान मजबूत, स्थायी और सुंदर है, और वह जो ब्रह्मांड को सभी निहित के साथ रखता है उसमें चौबीस होने के कारण, इंगित करता है कि ज्ञान के चौबीस प्राथमिक तत्व हैं प्रकृति में सभी चीजों को अंतर्निहित करता है – और अड़तालीस खिड़कियां,कि इन प्राथमिक तत्वों को जोड़ा जा**

**सकता है अड़तालीस अलग-अलग परिणाम सामने लाएं–हमारा मतलब रासायनिक रूप से संयुक्त।मंदिर में जाने वाले तीन कदम शरीर को दर्शाते हैं,आत्मा और आत्मा रोगाणु; तीन मेहराबों के नाम हैंउनके ऊपर लिखा है–उनके चाभी-पत्थरों पर–केंद्रीय**
**एक, बुद्धि; दाहिनी ओर वाला, प्रेम; पर एकदम, सत्य। पदार्थ, आत्मा और आत्मा ज्ञान की ओर ले जाते हैं,प्यार और सच्चाई। जब ये एक बार मिल जाते हैं,सुख या स्वर्ग, परिणाम है।**

**पाठक एक ही बार में देख लेंगे कि यह मंदिर अति सुंदर है विशाल। इंटीरियर स्तंभों द्वारा समर्थित है औरमेहराब दोनों ओर चौबीस मेहराब हैं, समर्थित अड़तालीस खम्भों से, अड़तालीस मेहराब बनाकर और छब्बीस स्तंभ। सबसे दूर, प्रवेश द्वार के सामने, एक उठा हुआ मंच या मंच है, और एक पल्पिट या डेस्क है जिस पर एक साथ एक बहुत बड़ी किताब टिकी हुई है छोटी पुस्तकों की संख्या। बहुत सुंदर हैं मंच पर कुर्सियां, और एक महान सुंदर पेंटिंग पीछे की दीवार।**

**विशाल गुम्बद से भरा हुआ है जिसे an . कहा जा सकता है बिजली की घड़ी, लगभग इन सभी मंदिरों की तरह जो ज्ञान को समर्पित है और कला और विज्ञान हैं। महान घड़ी का प्रतिनिधित्व करता है दुनिया की कुछ विशेष प्रणाली, अक्सर प्रणाली अपने स्वयं के सूर्य से संबंधित, के क्षेत्रों के भीतर पृथ्वी आत्माएं और स्वर्गदूत व्यवस्था की शिक्षा देना चाहते हैं जिस दुनिया से वे संबंधित थे, उसमें शाखा लगाने से पहले अन्य जिनके बारे में वे इतना नहीं जानते–और यह गुंबद आपके अपने सूर्य की प्रणाली के प्रतिनिधित्व से भरा है दुनिया के।**

**जब मैं पहली बार स्पिरिट लाइफ में आया तो ये विशाल इलेक्ट्रिक घड़ियांजितना मैं व्यक्त कर सकता हूं उससे ज्यादा मुझे दिलचस्पी है सूर्य के दो शरीर हैं; चांद; तो आप**

कापृथ्वी; सभी विभिन्न ग्रह, उनके चंद्रमाओं के साथ;और सभी गतिमान हैं–बिजली से काम करते हैं–ठीक वैसे ही जैसे अपनी विभिन्न कक्षाओं में अंतरिक्ष में घूमते हैं।

ओह, यह सबसे आश्चर्यजनक और अद्भुत है! इसके द्वारा घड़ी खगोल विज्ञान का विज्ञान विभिन्न द्वारा पढ़ाया जाता है खगोल विज्ञान के प्रोफेसर, कई जिनके नाम अच्छे हैं पृथ्वी के लिए जाना जाता है।

मंजिल का लगभग आधा हिस्सा, गुंबद के नीचे और अंदर मंच के सामने, श्रोताओं के लिए सीटों की पत्तियों से भरा हुआ है,आगंतुक और छात्र। खिड़कियों के पास रिक्त स्थान,विशाल मेहराब के अंदर, विभिन्न को दिया जाता है विज्ञान, रसायन विज्ञान

और इसके आगे की शाखाएं, और पर प्रत्येक मेहराब के की-पत्थर पर विशेष का नाम लिखा होता है उस विशेष मेहराब के भीतर शाखा, और उसके भीतर मेहराब सभी अलग-अलग यंत्र और सामग्री हैं प्रदर्शन के लिए आवश्यक है, और प्रत्येक मेहराब के भीतर एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर अध्यक्षता करते हैं।

मंदिर के पीछे की महान पेंटिंग, भरना उस छोर पर पूरी दीवार, चार महान राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करती है पृथ्वी की, प्रत्येक के देश के साथ, इसके भिन्न जानवर, फूल और पेड़, और कई अन्य विवरण उल्लेख करने के लिए बहुत अधिक। यह महान मंदिर निःशुल्क हैसभी, और हर कोई जो इसे देखने की परवाह करता है। यह a . द्वारा बनाया गया था बुद्धिमान स्वर्गदूतों का बड़ा समूह, जिसमें इच्छा रखने वालों को निर्देश देना है बुद्धिमत्ता; और सब फ़रिश्ते जो गलती पैदा नहीं करते,यदि वे चाहें तो यहां निर्देश दे सकते हैं; लेकिन, पहले, एक बड़ी भीड़ द्वारा आयोजित एक परीक्षा

उत्तीर्ण करनी होगी बहुत बुद्धिमान स्वर्गदूतों की, ताकि झूठी शिक्षा और गलत राय में रेंगना नहीं हो सकता है।

हेलेना और मैं इस मंदिर से संबंधित हैं और अक्सर इसके श्रद्धेय के भीतर पढ़ाते हैं परिसर निर्देश देने के लिए हम लगभग हर दिन इसे देखने जाते हैं और निर्देश दिया जाए।यह मंदिर ठीक वैसा ही प्रतीत होता है जैसा हमने इसका वर्णन किया है;

लेकिन, निश्चित रूप से, यह ध्यान में रखना चाहिए कि यह एक नहीं है भारी, बोझिल संगमरमर से निर्मित भौतिक मंदिर,और आगे, जैसे कि यह प्रतिनिधित्व करता है; लेकिन एक आध्यात्मिक मंदिर है,हाथों से नहीं, बल्कि रचनात्मक क्षमताओं से, या मन, आध्यात्मिक पदार्थ के साथ काम करने वाले स्वर्गदूतों काया पदार्थ–उनके विचार मूर्त चीजें हैं, और लेते हैं मूर्त कपड़ों पर, और इच्छा शक्ति द्वारा व्यवस्थित किया जाता है प्रत्येक का, एक उद्देश्य पर ध्यान से तय किया गया- और यह ठीक है तो पृथ्वी जीवन में।

पृथ्वी जीवन में पुरुषों की एक कंपनी एक चर्च या कॉलेज का निर्माण करें, सभी को ध्यान में रखते हुए सहमत होंवे चाहते हैं, और फिर यह भौतिक पदार्थ के साथ पहना जाता है,जैसे लकड़ी, ग्रेनाइट या संगमरमर, और ये छोटे हैं बड़े, भव्य कॉलेजों और ज्ञान के मंदिरों के प्रकार types गोले के भीतर।

क्या हम यहां से संबंधित डायल व्हेल का काम करते हैं मैं तब तक झूठ बोलता हूं जब तक आप इसका पूरा अर्थ नहीं समझ लेते हैं वह शब्द कल्पना। एक आदमी, या

**पुरुषों की कंपनी, चाहिए प्राथमिकी! वंश या घर, हॉल या चर्च, धरती पर इससे पहले कि इसे भौतिक पदार्थ पहनाया जा सके, और यह है यहाँ ठीक वैसा ही। हमें पहले छवि या कल्पना करनी चाहिए हम जो चाहते हैं और फिर उसे आध्यात्मिक पदार्थ से ओत-प्रोत करते हैं ।आपके लिए वास्तविक और मूर्त हैं, वहां। हमारे असली है और हमारे लिए मूर्त, यहाँ।**

***

**अपने पिछले पत्र में हमने बुद्धि के मंदिर का वर्णन किया था आकाशीय क्षेत्रों के भीतर। जिस मंदिर का हमने वर्णन किया है चौथे क्षेत्र में है, और मंदिर हैं,हॉल, और बिना नंबर के स्कूल; फिर भी कोई दो समान नहीं हैं;**

**फिर भी, उन सभी में एक समानता चलती है। वे सभी के हैंग्रेड और आकार, सबसे अच्छे शिशु किंडरगार्टन से लेकर . तक सबसे ऊंचा और उदात्त। भव्य संरक्षिकाएं भी हैं**
**संगीत के ऊँचे-ऊँचे भवन हैं जिनमें स्थापत्य डिजाइनिंग सिखाई जाती है; हजारों हैं हजारों रासायनिक प्रयोगशालाएं; शानदार है आविष्कारशील संकायों के विकास और विस्तार के लिए भवन,विशेष रूप से बिजली के उपकरणों से संबंधित, एक साथ**
**बिजली के अध्ययन और उपयोग के साथ–और, आइए हम यहाँ कहते हैं, कि विद्युत शक्ति का ज्ञान, पर पृथ्वी अभी शैशवावस्था में है।**

हम यह भी बताना चाहेंगे यह आपकी पृथ्वी पर एक सदी या उससे अधिक समय तक कैसा रहेगा वर्तमान समय।सभी भाप और घोड़े की शक्ति पूरी तरह से अप्रचलित हो जाएगी।बिजली अन्य सभी प्रेरक शक्ति का स्थान ले लेगी, चाहे जो भी हो।

किसी अन्य प्रकार की रोशनी का उपयोग नहीं किया जाएगा। नए आविष्कार गर्मी की पीढ़ी के लिए भी तेजी से दिखाई देगा प्रकाश के रूप में, और सभी हीटिंग और खाना पकाने को पूरा किया जाएगा इसकी सहायता से। एक और तत्व विद्युत से जुड़ जाएगा,जो शुद्ध सफेद गर्मी देगा, जो पिघल जाएगा चट्टान और लोहा, और उसके साथ

गलाने का काम किया जाएगा।वह दिन दूर नहीं जब बड़े-बड़े महल बनेंगे,क्रिस्टल के विशाल ब्लॉक से निर्मित, सभी सुंदर में प्रिज्मीय अवस्थाओं में पाए जाने वाले रंग और रंग। के कई इमारतों को शानदार ढंग से सना हुआ के बाद पैटर्न दिया जाएगा कांच, अब केवल खिड़कियों में उपयोग किया जाता है, लेकिन जैसे ही महान सफेद गर्मी की खोज की, रेत अधिक कीमती होगी सोने की तुलना में, और हजारों उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा पहले कभी नहीं सोचा था - इसे पिघलाया जाएगा कांच, सबसे सुंदर रंग का, और बहुत मोटी में दबाया गया स्लैब और टाइलें; सुंदर स्तंभ, गुंबद और अरबी भी।

महान कांच के कारख़ाना समुद्र के किनारे लाइन करेंगे,समुद्र तट और अंतर्देशीय, जहां भी रेत हो सकती है मिल गया। मकान पूरी तरह से कांच के बने होंगे, जिसकी आवश्यकता होगी दरवाजे के अलावा अंदर का कोई काम नहीं, और ये भी बने होंगे

सबसे सुंदर पैटर्न के बाद दबाया गिलास।भवन के लिए कांच पारदर्शी नहीं होगा लेकिन अपारदर्शी होगा, फिर भी सभी प्यारे रंगों के माध्यम से प्रकाश चमकता हुआ दिखाई देगा।

ग्राउंड ग्लास में फुटपाथ और झंडे लगाए जाएंगे।अब, हम यह सब कैसे जानते हैं? क्योंकि यह पहले से मौजूद है,एक महान वैज्ञानिक सत्य के रूप में, यहाँ क्षेत्रों में, जैसे हीजितना संभव हो, पृथ्वी को दिया जाना। हम कुछ नहीं रखते पृथ्वी से जिसे लोग प्राप्त करने में सक्षम हैं।

समुद्र और हवा के पानी को उत्पन्न करने के लिए बनाया जाएगा कितनी गर्मी और बिजली की आपके पूरे विश्व को आवश्यकता होगी उन सभी उद्देश्यों के लिए जिनके लिए इसे रखा जा सकता है–यहां तक कि आपकी कारें भी और वाहन शीशे के बने होंगे। शीघ्र ही होगा एक समय आता है जिसे ठीक से "ग्लास" कहा जा सकता है आयु/' एक "पाषाण युग," एक "लौह युग" रहा है।

और आगे, और कोई कह सकता है कि वहाँ था, या है, a"काष्ठ युग" और "ईंट युग" - हालांकि लकड़ी, ईंट,और पत्थर, लगभग हर युग में उपयोग किए गए हैं–लेकिन वहाँ अभी तक, पृथ्वी पर, कांच का युग कभी नहीं रहा। यह जल्द ही होगा प्रकट। अब कुछ भी इतना बेकार और बंजर नहीं लगता एक महान रेतीले रेगिस्तान के रूप में, लेकिन जब कांच का युग आता है,कुछ भी अधिक कीमती या उपयोगी नहीं होगा; वास्तव में, एक साथ बिजली और सफेद गर्मी के साथ, यह एक नया और बना देगा सबसे शानदार

**उग्र और, वास्तव में, इसके अलावा कुछ और की आवश्यकता होगी भोजन और वस्त्र; लेकिन नए आविष्कार भी होंगे इन जरूरतों की आपूर्ति करने के लिए। एक समय आएगा जब बुने हुए कपड़े पुराने हो जाएंगे और कपड़े सब खत्म हो जाएंगे दबाई गई सामग्री से बनाया जा सकता है, इसमें से अधिकांश शानदार और चरम पर चमक रहा है। समुद्री-खरपतवार और केल्प का प्रयोग किया जाएगा इसके निर्माण में बड़े पैमाने पर, फिर भी बहुत से अन्य इसके अलावा चीजें।**

**धुलाई व धुलाई का व्यवसाय पूर्ण रूप से होगा इससे दूर। अत्यधिक नरम, गर्म, वहार्य सामग्री होगीउपयुक्त अंडरक्लॉथिंग में दबाया जाए जिसकी कीमत नहीं होगी;कपड़े की धुलाई अभी और कब होती है गंदे, धोए जाने के बजाय जलाए जा सकते हैं। साधारण के साथ-साथ सुंदर और शानदार कपड़े,लबादे, आदि का भी निर्माण किया जाएगा।**

**वर्तमान फैशन बदल गया होगा, और पुरुषों की पोशाक कम कष्टप्रद और अधिक उपयुक्त और टिकाऊ।लेकिन महिलाएं–उनकी आत्मा को शांति दें–वे आनंद लेंगीउनके दिल की सामग्री के लिए सुंदरता। सबसे खूबसूरत फूल पतले लचीले कांच से बने होंगे–एक विधि के लिएखोजा जा सकता है जिससे कांच को लचीला बनाया जा सके और किसी भी मखमल या रेशम की तरह नरम - और ये फूल रंगीन होंगे**
**प्राकृतिक लोगों की नकल करने के लिए जो वे काफी प्रतिद्वंद्वी होंगे,और सूक्ष्म गंधों को पेश किया जाएगा जो स्थायी होंगे।**

**और अब भोजन के बारे में।मानव जाति का आहार भी बदल जाएगा, और मांस होगा**

**फिर न खाया, न पशु, न मछली, और न मुर्गी। वह उम्र पूरी तरह से गुजर जाएगा, और कांच की उम्र तेजी से होगी इसके पतन में तेजी लाएं। जब सभी प्रेरक शक्ति विद्युत होती है, जैसे यह तब होगा, विशाल खेतों में आसानी से और तेजी से खेती की जा सकती है।**

**पुरुष शीशे के डिब्बे में बैठेंगे, या छोटे केबिनों में,उनकी विद्युत मशीनों को काम करते समय, जो हल चलाएंगे,हैरो और बोना, सभी एक मशीन में संयुक्त; तब फिर दूसरा काटेगा और करेगा, जबकि दूसरा थ्रेस करेगा और एक उपकरण के साथ अनाज को थैले में डाल दें फहराना और फेंकना या इसे एक महान रिसीवर या कार में रखना, जो इसे सीधे पकाने और फ्लेक करने के लिए ले जाएगा,फिर कांच के जार में पैक किया। इतना अनाज के लिए।**

**पृथ्वी पर सभी बेकरियां गायब हो जाएंगी–और यह लगभग उन्हें समय देना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में वे बहुत बाहर निकलते हैं थोड़ा जो धीमा जहर नहीं है – और खाना बनाना और छीलना अनाज का, सभी प्रकार का, करने के लिए बहुत कम बचेगा सिवाय**
**इसे पानी, या किसी अन्य परिष्कृत तरल के साथ मिलाएं stir-शायद फलों का निकाला हुआ रस - हलवा में छोटे केक जो स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों होंगे।**

**सभी प्रकार के फलों की बड़े पैमाने पर खेती की जाएगी, के लिए एक संयोजन ल्टीवेटर और प्रूनिंग होगी विद्युत प्रेरक शक्ति से चलने वाली मशीन, और एक आदमी, बड़े करीने से सुसज्जित, कांच के डिब्बे में बैठे हुए, दौड़ेंगे और काम करेंगे मशीन। भारी मात्रा में फल भिजवाए जाएंगे महान कांच के डिब्बे कारखाने, इस**

प्रकार राज्य को संरक्षित किया जाएगा। कांच के डिब्बे, या जार करेंगेटिन की तुलना में बहुत बेहतर और सस्ता हो, और अत्यधिक अधिक स्वस्थ।

जैतून और मेवे की जगह लेंगे place मांस, वनस्पति तेल निकाला जाएगा, संघनित किया जाएगा छोटे केक या कांच के पीपे और बोतलों में तेल के रूप में संरक्षितशोरबा और सूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।सभी प्रकार की सब्जियां पककर मैश की हुई और उपयुक्त मात्रा में उपरोक्त तेलों के साथ मिश्रित,एयर-टाइट ग्लास रिसीवर्स में पैक, खपत के लिए तैयार।

लोगों के पास सुंदर घर हो सकते हैं जिनमें बहुत थोड़ा श्रम की आवश्यकता होगी। सभी प्रकार के व्यंजन और घर के बर्तन कांच के बने होंगे, आसानी से साफ रखे जा सकेंगे।
बिस्तर और तकिए सभी की तरह एयर कुशन से बने होंगे सोफे, सोफे और सभी प्रकार के असबाब। कालीन करेंगे पूरी तरह से फैशन से बाहर हो - सभी मंजिलों को सुंदर ढंग से रखा जाएगा कांच की टाइलें - मोज़ेक फर्श सभी गुस्से में होंगे कभी-कभी इधर-उधर गलीचे।

सभी बूचड़खाने समाप्त कर दिए जाएंगे, साथ ही जानवरों को उनकी हत्या के उद्देश्य से पालना और उसका मांस खा रहे हैं।पशु जीवन धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगा पृथ्वी, क्योंकि यह कई ग्रहों में विलुप्त हो चुकी है।तो आप इसे समझते हैं, प्यारे दोस्तों, जो सोचते हैं अनंत काल में इतने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होगी पशु जीवन, कि पशु जीवन किसी पर भी एक समय के लिए ही मौजूद है ग्रह–एक समय अवश्य आता है जब वह समाप्त हो जाता है–और वह समय है जब कांच और विद्युत युग लेता है लकड़ी, पत्थर और लोहे का स्थान, और विद्युत प्रेरक शक्तिभाप और पशु शक्ति का

स्थान लेता है–और जैसे ही पुरुष नरभक्षी बनना बंद कर देते हैं, पशु जीवन फीका पड़ जाएगा किकहना है, तेरी धरती से; लेकिन पृथ्वी पर अभी तक नहीं उस बिंदु तक प्रगति हुई है, यह वैसा ही होगा जैसा वह रहा है, और था, पृथ्वी पर।

अब जब कुछ इसे पढ़ेंगे तो वे तुरंत कहेंगे: "ओह,वह सब अटकलें हैं। कोई लगभग कुछ भी कल्पना कर सकता है/'अब, दयालु मित्रों, आइए हम अलग होने की भीख माँगें, क्योंकि हम जानते हैं जिसमें हम बोलते हैं। बस यही हमने लिखा है पहले से ही हमें ज्ञान के मंदिर में सिखाया गया है कि हम आपको हमारे पिछले पत्र में बताया था।

इस समय आपका या दुनिया का क्या भला होगा समय, यह जानने के लिए कि सौ साल या उससे अधिक समय क्या हो सकता है अब क?खैर, यह आपको उतना ही अच्छा करेगा जितना कि यह हमें यहाँ करता है। क्या आप कहते हैं: "मैं सौ मर जाऊँगा अब से सालों तक। जो कुछ तुमने कहा है, वह आएगा पास होने से मुझे कोई लाभ नहीं होगा।" लेकिन, मेरे दोस्त, आप क्या एल)ई पृथ्वी के कल्याण में उतनी ही दिलचस्पी लेगाऔर इसके निवासी योन के रूप में वर्तमान क्षण में हैं: ऐ,एक हजार गुना अधिक, क्योंकि आपकी समझ होगी अत्यधिक बढ़ा हुआ।

आप ज्ञान के लिए उतने ही उत्सुक होंगेतब जैसे योन अभी हैं, और उसे देने के लिए उतने ही अधीर होंगे पृथ्वी और सभी आत्माएं जिनके पास यह नहीं है, जैसे हम हैं। आज पृथ्वी पर रहने वालों के पोते-पोतियाँ उनके सांसारिक जीवन के सुनहरे दिनों में हो–मध्यम आयु वर्ग,सक्रिय पुरुष और महिलाएं।

**क्या आप में दिलचस्पी नहीं होगी आपके पोते? आपके अपने बच्चे . में होंगे आपके साथ, लेकिन उनके बच्चे आपके साथ होंगे पृथ्वी, और निश्चित रूप से आपके बच्चों की गहरी दिलचस्पी होगी नीचे छोड़े गए बच्चों में, जैसा कि अब हमारे पास है वहाँ छोड़ दिया, और तुम अपने बच्चों को लाभ पहुँचाना चाहोगे वैसा ही जैसा तुम अभी करते हो, और तुम उनके बच्चों से प्रेम करोगे, छोड़ दिया पृथ्वी पर, लगभग या काफी जितना आप उन्हें करते हैं, a . में अब से सौ साल बाद, जो अभी एक पल है अनंत काल।**

**कोई मेल सेवा नहीं होगी, और आप संकेत देंगे और मंगल ग्रह के निवासियों के साथ खुलकर बात करें।"कोई मेल सेवा नहीं? वह कैसा है?"खैर, मेरे दोस्त, सनक वायरलेस टेलीग्राफी होगी; तथा हर घर में एक रिसीवर होगा, और एक छोटी सी घंटी होगी हर कमरा। जब दूरी से बंटे हुए दोस्त friends एक दूसरे से बात करने की इच्छा वे बस थोड़ा सा छू लेंगे बिजली के बटन, दूर के दोस्त का ध्यान आकर्षित करने के लिए;**

**तब वे अपने दोस्तों के साथ तब तक बात करेंगे जब तक कृपया, आगे और पीछे, और बिजली के तार नहीं होंगे पृथ्वी पर प्रयोग किया जाता है-लोहे का रेलमार्ग नहीं होगा**
**अस्तित्व।"रेलमार्ग नहीं? फिर क्या, प्रार्थना करें? आप बढ़ रहे हैंजंगली, हम सोचते हैं।"**
**ओह, नहीं, नहीं, मेरे दोस्तों।**

**हम स्तर के नेतृत्व वाले हैं और संभव के रूप में समझदार। वायवीय टायर अत्यधिक होंगे फैशनेबल, अब से सौ साल बाद, और डामर खांचे लोहे की रेल की जगह ले**

लेंगे। हम जानते हैं कि यह है अभी आपके लिए सब कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह तब होगा, और आप करेंगे वही बनो, जब तुम्हें ये बातें सिखाई गई हो यहाँ, उन्हें अपने पोते-पोतियों की ओर आगे बढ़ाने के लिए।

”अच्छा, हादसों के बारे में क्या?”बहुत कम, या कोई दुर्घटना नहीं होगी, जब आपका कारें सभी विद्युत शक्ति से चलती हैं, अधिक समय नहीं रहेगा ट्रेन, जैसा कि iX मौजूद है। प्रत्येक कार अपनी बिजली उत्पन्न करेगी एक मामूली खर्च पर, और प्रत्येक को a . पर रोका जा सकता है पल की चेतावनी।

. . . . . . . .

धरती पर मेरा जीवन कोई साधारण नहीं था। मेरा जीवन यहाँ आत्मा क्षेत्रों में अभी भी अधिक असाधारण है।मेरे सांसारिक जीवन का प्रभाव आध्यात्मिक में मेरा पीछा करता है।

मैं चाहता कि यह अन्यथा होता, या यों कहें कि काश मैं मेरे सांसारिक जीवन में कोई गलती नहीं की थी। जो सेट करते हैं शिक्षकों के लिए क्या उन्हें बहुत सावधान रहना चाहिए कि वे क्या पढ़ाते हैं,क्योंकि जो कुछ उन्होंने किया है उसे पूर्ववत करना कठिन है। मैंने लिया”मैं यहाँ डगमगाने से पहले काफी समय से यहाँ रहा हूँ पुनर्जन्म में विश्वास।

मैं स्वभाव से बहुत जिद्दी था मेरी राय में, दृढ़, कोई लगभग हठधर्मी कह सकता है; लेकिन जब एक बार आश्वस्त हो गया कि मैं गलती में था तो मैं बन गया मैंने जो गलती की थी, उस पर क्रोधित हूं, और मैं अपनी तुलना कर सकता हूं भावनाओं से

बेहतर कुछ नहीं है कि मैं कुचलने की इच्छा रखता हूं मेरे पैरों के नीचे त्रुटि और उस पर

मुहर लगाना; और यह लगभग है जिस तरह से मैं वर्तमान समय में महसूस करता हूं; लेकिन जब कोई उसे पाता है
पृथ्वी पर जो गलतियाँ सिखाई जाती हैं, उसके अनुयायी होते हैं
हजारों, तो एक आत्मा के लिए दुखी है, अभी के लिए,
यहां तक कि अगर आप चाहें, तो किसी को इसका प्रतिकार करना सबसे कठिन लगता है
ऐसी गलतियाँ, क्योंकि अनुयायी कहते हैं: "मैडम ने हमें इस प्रकार सिखाया
और इसलिए," और अगर मैं वापस आकर कहता हूं कि अब मुझे पता चला है कि मैं था
गलत है, वे विश्वास नहीं करेंगे कि यह मैं हूं, बल्कि वह हूं
माध्यम झूठा है, या नियंत्रण झूठ है आत्मा।
आह! मैं गहरी आह भरता हूँ, क्योंकि मेरा मन बहुत दुखी है। परंतु
यह बेकार है, क्योंकि जो किया जाता है उसे पूर्ववत नहीं किया जा सकता है। मैं
केवल अब आशा कर सकता हूं कि मैं प्रतिकार करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करूं
सत्य के साथ त्रुटियां, विश्वास है कि कुछ लोग मुझ पर विश्वास करेंगे,
और अब मैं इन्हीं थोड़े से बोलूंगा।
मैं अपने आप से मिलने के विवरण में प्रवेश नहीं करूंगा
खास दोस्त और रिश्तेदार, उसके लिए कोई नहीं होगा

**सामान्य पाठक के लिए विशेष रुचि; लेकिन मैं उन सभी से मिला, या वे सभी जिनसे मैं मिलना चाहता था, और फिर एक बार फिर, जैसे मैंने धरती पर किया था, मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता था, हे मेरे अपने रास्ते, अपने लिए और अपने लिए चीजों को खोजो मार्ग।**

## अभिप्राय

**जो कुछ भी प्राप्त था आध्यात्मिक ज्ञान ,परलोक , स्वर्ग - नरक , आत्माओं की दुनिया और आत्माओं के राज्य आदिका ,उसके अनुसार हमने अपने अनुग्रहीत स्वर्ग में , या परलोक में स्थान पाया अब । बल्कि हम इस वर्तमान आध्यात्मिक स्थिति से कई गुना अधिक , बेहतर उच्च स्वर्गीय क्षेत्र में पा सकते थे स्थान। पर अफ़सोस , हम पृथ्वी पर अपने जीवित काल में आध्यात्मिक विद्या और उसके व्यवहार में सतर्कता नहीं बरती। भावी स्वर्गीय जीवन के बारे में अनिभज्ञ रहे।**

**खैर , जो बीत गया सो समय फिरसे वापस तो कभी नहीं आएगा , परन्तु आप पाठक गण से यह राय है की , आप वर्तमान मनुष्य देह की विशेषता को समझें , क्योंकि हम जानते हैं कि यह आपको मिला हुआ मानव शरीर , फिर बार- बार नहीं मिलेगा।**

**इसलिए , आप लोग, ओ पृथ्वी पर के मनुष्य गण , समय का लाभ उठाइये। आप लोग उन गलतियों का कतापी मत कीजिए जिनको हमलोंजो ने, हम स्वर्ग वासियों ने मासूमियत में की थी, जब हम पृथ्वी पर थे तब ।**

**सबसे बड़ी गलती हमने यह की थी की , हम दृढ़ता से यह नहीं माना था की , मृत्यु के बाद भी एक जीवन होता है। ऊपर जा कर हमें यमराज जी को हमारे अच्छे - बुरे कर्मों का हिसाब देना पड़ेगा।**

*** कबीरा सो धन संचिये , जो आगे को होय।**
**शीश चढ़ाये गाँठरी ,ले जात न देखा कोय।।**

**धन , दौलत एक कौड़ी भी साथ न आएगी , मरने के बाद , और भगवत नाम जाप कीर्तन , एक भी पीछे नहीं रह जायेगा , धरती पर।**

**इसलिए हे धरती के मानुष , सतर्क हो जाओ और अपना अमूल्य मानव जीवन संवार लो। सदा भगवत नाम जप करो।**

**इन दो चीजों को जीवन में कभी मत भूलो ;**
**१. प्रत्येक जीव की मृत्यु अवश्यगामी है।**
**२. भगवान सदा से हैं , अब भी हैं और भविष्य में , प्रलय के बाद भी सदा रहेंगे , चूंकि हम सभी जीवात्मायें भी भगवान् के अभिन्न अंश हैं , इसलिए हम सभी जीव भी , भगवान् की तरह सदा शाश्वत रहेंगे, प्रलय काल के बाद भी।**

**वो कोरे मुर्ख और पड़े - लिखे अज्ञानी है, जो यह कहते ही की , शरीर ही आत्मा है। मृत्यु के बाद कोई जीवन नहीं। ऐसी मूढ़ता की बातों पर ध्यान मत दो.**

**में तीन बार प्रभु की शपथ ले कर कहता हूँ -**
**मृत्यु बाद भी जीवन है, मृत्यु बाद भी जीवन है , मृत्यु बाद भी जीवन है।**

# समाप्त